www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...
छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक
संपर्क करें : deshbandhuraipur@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

रायपुर, सोमवार, 21 जुलाई 2025 । वर्ष – 67 । अंक –96 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु. प्रेस पंजीयन- 06072/59

संसद सत्र में आतंकवाद, विदेश नीति व बिहार के विकास पर हो चर्चा : मनोज झा पृष्ठ 2
■ संसद में मोदी राहुल के सवालों से बच नहीं सकेंगे!
■ ब्रिक्स के सदस्यों को ट्रंप की टैरिफ़ धमकी का संयुक्त रूप से ... पृष्ठ 6
■ अमेरिका ने मेक्सिकन उड़ानों पर लगाए नए प्रतिबंध
■ लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता की मौत पृष्ठ 7
प्रिया मलिक ने 76 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता रजत पदक पृष्ठ 8

संसद में हर सवाल का जवाब देगी सरकार : रिजिजू

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया

- जेपी नड्डा की अध्यक्षता में की गई बैठक
- रिजिजू बोले सदन चलाना सबकी जिम्मेदारी
- हम ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार

नई दिल्ली, 20 जुलाई (देशबन्धु)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। सरकार का प्रतिनिधित्व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और उनके कनिष्ठ मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, समाजवादी पार्टी से रामगोपाल यादव, राकांपा-शरद पवार की सुप्रिया सुले, द्रमुक के टी.आर. बालू और आरपीआई (ए) नेता एवं केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी बैठक में शामिल हुए।

सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारे में मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सर्वदलीय बैठक के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है।

40 सांसदों ने अपनी राय रखी

इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। यह बहुत रचनात्मक थी। सभी राजनीतिक ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

मोदी को ट्रंप के आरोपों पर जवाब देना चाहिए : कांग्रेस

सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने रविवार को एक स्वर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद से देश को संबोधित करना चाहिए और बिहार में मतदाता सूची तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोपों पर जवाब देना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

मानसून सत्र की आज से शुरुआत

संसद के मानसून सत्र की आज से शुरुआत हो रही है। केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं। संसद का यह मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा, जिसमें कुल 21 बैठकें होंगी।

आधा दर्जन कृषि केंद्रों में छापामार कार्रवाई, गोदाम सील

- तखतपुर के मेंसर्स किसान सेवा केन्द्र का लाइसेंस निलंबित
- आधा दर्जन कृषि केंद्रों को नोटिस जारी एक सप्ताह के भीतर मांगा जवाब

बिलासपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों को उचित दाम पर गुणवत्ता युक्त खाद मुहैया कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। साथ ही अमानक एवं खाद-बीज की कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए है। इसी तारतम्य में बिलासपुर जिले के कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला स्तर पर अधिकारियों की टीम गठित कर खाद-बीज विक्रय केंद्रों में आकस्मिक निरीक्षण करने को कहा है।

बिलासपुर के जिले के कृषि विभाग के उप संचालक पीडी हथेश्वर के नेतृत्व में उड़न दस्ता दल ने विकासखण्ड-कोटा और बिल्हा में दर्जनों पर कृषि केन्द्रों पर छापामार कार्रवाई की। छापामार कार्यवाही के दौरान आधा दर्जन कृषि केंद्र में नियम विरूद्ध व्यवसाय करने पाये जाने पर नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा गया है। वही औचक निरीक्षण के दौरान मेंसर्स किसान सेवा केन्द्र तखतपुर के फर्म में कमी एवं अनियमितताओं के कारण नोटिस जारी कर जवाब चाहा गया था, संबंधित के द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक प्राप्त नहीं होने के फलस्वरूप उनकी अनुज्ञप्ति को 15 दिवस के लिए निलबंन की कार्रवाई की गई है।

बिलासपुर के उप संचालक कृषि ने बताया कि मेसर्स उन्नत कृषि केन्द्र रतनपुर में क्रेताओं को बिना बिल दिये उर्वरक का व्यवसाय किये जाने के कारण नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार मेसर्स शेखर कृषि केन्द्र कोनचरा को बिना आई.एफ.एम.एस, आई.डी के उर्वरक का व्यवसाय करते पाये जाने पर विक्रय प्रतिबंध कर उपलब्ध स्टॉक को जब्ती की कार्यवाही कर नोटिस जारी किया गया। ग्राम कोनचरा स्थित अतुल कृषि केन्द्र में अनियमितता पाये जाने के कारण गोदाम को सील करने की कार्यवाही किया गया। ग्राम मदनपुर विकास खण्ड बिल्हा अन्तर्गत मेसर्स राघवेन्द्र देवांगन के यहां मूल्य एवं स्कंध सूची का प्रदर्शन नहीं करने भंडारण वितरण की प्रतिवेदन नही भेजने, स्कंध एवं बिल संधारण नहीं करने के कारण विक्रय पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्टीकरण जारी किया गया है। उक्त कृषि केन्द्रो को स्पष्टीकरण तामिल हेतु सात दिवस के भीतर पालन प्रतिवेदन एवं जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। समय सीमा एवं संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं किये जाने पर अनुज्ञप्ति निलंबन/निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण दल में सहायक संचालक कृषि अनिल कुमार शुक्ला, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी खेमराज शर्मा, विजय धीरज एवं विकासखण्ड कोटा से ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दिलीप रात्रे एवं उर्वरक निरीक्षक मारू ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आर.जी. भानू शामिल थें।

गौरतलब है कि जिले में संचालित समस्त उर्वरक विक्रेताओं को बिना पॉस मशीन के उर्वरकों का विक्रय नहीं किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित निरीक्षकों से उनके कार्य क्षेत्र अन्तर्गत संचालित उर्वरक विक्रेताओं से पॉस मशीन की मांग के लिए भी कहा गया है उर्वरक विक्रेता पॉस मशीन हेतु वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, संबंधित उर्वरक निरीक्षक एवं कार्यालय उप संचालक कृषि बिलासपुर में सम्पर्क कर सकते हैं।

सार संक्षेप

मोदी चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और मालदीव जायेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और मालदीव जायेंगे जहां वह मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' होंगे। श्री मोदी यात्रा के पहले चरण में 23 जुलाई को दो दिन की ब्रिटेन यात्रा पर रवाना होंगे और इसके बाद दूसरे चरण में वह 25 जुलाई को दो दिन की यात्रा पर मालदीव जायेंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि श्री मोदी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर के निमंत्रण पर ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी।

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा की जगह राजनीति को प्राथमिकता दी : उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए और सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय राजनीति और कूटनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। एक साक्षात्कार में ठाकरे ने कहा, पहलगाम हमला चौंकाने और आक्रोशित करने वाला था। हमें बताया गया था कि कश्मीर में सामान्य स्थिति लौट आई है। फिर यह हमला कैसे हुआ?

बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी आप: संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और बिहार प्रभारी संजय सिंह ने रविवार को पुष्टि की कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और वह अब इंडी गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने किया बंद का एलान

नई दिल्ली। कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम में 3 अगस्त को बंद का एलान किया है। कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों और कार्यकर्ताओं से शामिल होने की अपील की गई है।

नशेड़ी बेटे ने की मां की हत्या, 20 रुपए बनी वजह

नूंह। हरियाणा के नूंह में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आ रही है। नशेड़ी बेटे ने 20 रुपए के लिए मां की हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

चैतन्य से मिलने भूपेश बघेल सपरिवार पहुंचे ईडी कार्यालय

- बेवजह मेरे बेटे को फंसाया जा रहा, हम लड़ाई लड़ते रहेंगे : भूपेश

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिमांड पर भेजे गए चैतन्य बघेल से मुलाकात करने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को सपरिवार ईडी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बेवजह मेरे बेटे को फंसाया जा रहा है। हम लड़ाई लड़ते रहेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बताया कि चैतन्य की गिरफ्तारी के बाद सबसे पहला राहुल गांधी का और उनके बाद प्रियंका गांधी का फोन आया था। बेटे से मिलकर कहा कि अगर आज चैतन्य के दादा जिंदा होते तो खुश होते, क्योंकि वे बहुत से मुद्दों पर जेल जाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिनके बयान हो चुके हैं, उन पर भी उनका और उनके बेटे का नाम लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे पूर्व मुख्यमंत्री ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

एक ही मामले में एक साथ नहीं चल सकती विभागीय जांच और आपराधिक केस : हाईकोर्ट

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने फैसले में कहा है कि जब किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक केस पहले से अदालत में चल रहा हो तो उसी मामले में विभागीय जांच एक साथ नहीं की जा सकती। यह फैसला ए एस आई एसबी सिंह के मामले में आया है, जिन्हें बड़ी राहत मिली है।

एसबी सिंह के खिलाफ 18 मार्च 2025 को कोतवाली थाना, रायपुर में धारा-74 के तहत मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने जांच के बाद चालान न्यायालय में पेश कर दिया। इसी केस से जुड़े आरोपों के आधार पर 29 मई 2025 को रायपुर के पुलिस अधीक्षक ने उनके खिलाफ विभागीय जांच के लिए आरोप-पत्र जारी कर दिया। इस दोहरी कार्रवाई से परेशान होकर एसबी सिंह ने हाईकोर्ट, बिलासपुर का दरवाजा खटखटाया।

हाईकोर्ट ने वकीलों की दलीलों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि दोनों मामलों में गवाह लगभग एक जैसे हैं। ऐसे में विभागीय जांच से आपराधिक मुकदमे की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। इसलिए कोर्ट ने फिलहाल विभागीय जांच पर रोक लगा दी है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले के आधार पर आया है, जिसमें कहा गया था कि जब दोनों मामलों में गवाह एक जैसे हों ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिया विवादित बयान

कांवड़ियों को बताया 'गुंडा-माफिया'

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री और 'अपनी जनता पार्टी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कांवड़ियों को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले कई लोग असल में सत्ता संरक्षण में पलने वाले गुंडे-माफिया हैं। मौर्य ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब भोले बाबा खुद शांतिप्रिय हैं, तो उनके भक्त हिंसक, अपराधी और अराजक कैसे हो सकते हैं?

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में मौर्य कहते दिख रहे हैं, ये असली कांवड़िए नहीं हैं। ये अराजकता फैलाने वाले वे लोग हैं जो कांवड़ियों का रूप धरकर पूरे प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इनके पीछे सत्ता का संरक्षण है। प्रदेश स्तरीय बैठक में मौर्य ने स्कूलों के विलय के मुद्दे पर भी बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह संविधान के साथ खुली छेड़छाड़ है. पार्टी इसका विरोध बाइक रैली निकालकर करेगी. मौर्य ने दावा किया कि यह फैसला गरीबों, दलितों और वंचितों के खिलाफ है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने दोहरा मापदंड का आरोप लगाते हुए कहा कि एससी-एसटी या अल्पसंख्यकों पर छोटी-सी गलती के लिए मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं और उनके घरों पर बुलडोजर चल जाता है। लेकिन भाजपा संरक्षित गुंडे-माफिया खुलेआम कानून तोड़ते हैं और प्रशासन चुप रहता है।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार दोपहर मेरठ पहुंचे। हाईवे से गुजर रहे कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा के दौरान भक्तों से सतर्क और जिम्मेदार रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां श्रद्धा और भक्ति का माहौल है, वहां कुछ लोग इस पवित्र यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके ऊपर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा को निशाना बना रहे हैं। सीएम योगी ने कांवड़ियों से अपील की कि वे अपने बीच छिपे उपद्रवियों को पहचानें और तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

ललित सुरजन जयंती पर व्याख्यान कल

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। देशबन्धु प्रतिभा प्रोत्साहन कोष द्वारा कल देश के प्रतिष्ठित पत्रकार-साहित्यकार-चिंतक, देशबन्धु पत्र समूह के प्रधान संपादक और देशबन्धु प्रतिभा प्रोत्साहन कोष के संस्थापक दिवंगत ललित सुरजन की कल 22 जुलाई को जयंती के अवसर पर व्याख्यान एवं सम्मान समारोह आयोजित है।

आईएएस एवं राज्य निर्वाचन आयोग के पूर्व आयुक्त डॉ. सुशील त्रिवेदी ''समकालीन पत्रकारिता और चुनौतियां'' विषय पर व्याख्यान देंगे। इस समारोह में कोष के स्थापित अवार्ड भी प्रदान किए जाएंगे। कृषि विज्ञान, ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल प्रबंधन पर विशेष दक्षता प्राप्त डॉ. जितेन्द्र सिन्हा को प्रो. विजयलक्ष्मी शर्मा स्मृति प्राध्यापक सम्मान, महिला उत्थान, शिक्षा, कुपोषण, आंगनबाड़ी आहार और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिव प्रसाद शर्मा स्मृति लोक सेवा सम्मान श्रीमती साधना दुग्गड़ को प्रदान किया जाएगा। उत्कृष्ट शिक्षकीय कार्य के लिए स्थापित लक्ष्मीदेवी सुगंधी शिक्षक अवार्ड हेमंत खुंटे पिथौरा, एच.एस. भुवाल नारधा (धमधा) तथा छगनलाल सोनवानी रायपुर को प्रदान किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा तथा अध्यक्षता राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास करेंगे। कार्यक्रम रजबंधा मैदान स्थित मायाराम सुरजन स्मृति 'लोकायन' सभागार भाजपा कार्यालय के बाजू में शाम 4 बजे आयोजित है।

एक ही परिवार के पांच लोगों ने की आत्महत्या

अहमदाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद जिले के बावला तालुका स्थित बागोदरा गांव में शनिवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। बागोदरा बस स्टेशन के पास स्थित एक किराए के मकान में रहने वाले एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने अज्ञात कारणों से जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस हृदयविदारक घटना में पति-पत्नी और उनके तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान विपुल कांजीभाई वाघेला (32) रिक्शा चालक, सोनल विपुलभाई वाघेला (26) पत्नी, करीना उर्फ सिमरन (11) पुत्री, मयूर (8) पुत्र और प्रिंस (5) पुत्री के रूप में हुई हैं।

किराए के मकान में रह रहा था- यह परिवार मूल रूप से धोलका के बरकोठा इलाके के देवी पूजक वास का निवासी था और वर्तमान में बागोदरा बस स्टेशन के समीप किराए के मकान में रह रहा था। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य इकट्ठा किए और पुलिस ने घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि परिवार ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की तलाश में जुटी हुई है और विभिन्न पहलुओं से मामले की पड़ताल कर रही है। अहमदाबाद ग्रामीण एसपी ने कहा, यह एक अत्यंत दुखद और संवेदनशील मामला है। हम सभी संभव पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

गंभीर रूप से झुलसी पीड़िता एम्स में भर्ती

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में आग से झुलसी किशोरी को एम्स भुनवेश्वर से एयरलिफ्ट कर राष्ट्रीय राजधानी लाया गया और दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। बालंगा थाना क्षेत्र में तीन बदमाशों ने शनिवार को 15 वर्षीय लड़की के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया था, जिससे वह 70 फीसदी झुलस गई थी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर दुख जताया।

वियतनाम में जहाज डूबने से 37 लोगों की मौत

- दस पर्यटकों को बचा लिया गया

हनोई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरी वियतनाम के हा लॉन्ग खाड़ी में शनिवार को एक यात्री जहाज के डूब जाने से 37 लोगों की मौत हो गयी। वियतनाम समाचार एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि जहाज के मलबे को रविवार तड़के जांच के लिए किनारे पर लाया गया। दुर्घटना के समय जहाज पर 48 वियतनामी पर्यटक सवार थे। दस पर्यटकों को बचा लिया गया। सरकारी मीडिया के अनुसार जहाज में चालक दल के पांच सदस्य भी सवार थे। वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा के निर्देश पर क्वांग निन्ह प्रांत के अधिकारियों ने बचाव अभियान में सहायता के लिए चार बड़े जहाज और मुख्य बचाव बल तैनात किए। स्थानीय मीडिया वीएनएक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार तूफ़ान विफा के क्षेत्र की ओर बढ़ने के कारण बचाव दल अब लापता लोगों की तलाश कर रहा है।

विवाद — हाईकोर्ट से केस वापस लिया

तेलंगाना से बकाया राशि वसूलने पॉवर कंपनी ने अब नियामक आयोग में लगाई याचिका

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। तेलंगाना से बिजली की बकाया राशि वसूलने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी कानूनी कार्रवाई कर रही है। इसी सिलसिले में कंपनी ने पहले हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, और अब याचिका वापस लेकर राज्य नियामक आयोग में याचिका लगाई है।

बताया गया कि तेलंगाना से बिजली आपूर्ति के बाद भुगतान को लेकर पिछले छह साल से विवाद चल रहा था। रमन सिंह सरकार में तेलंगाना के साथ बिजली बेचने को लेकर समझौता हुआ था। जिसमें छत्तीसगढ़ बिजली बोर्ड अलग-अलग समय एक हजार मेगावाट तक बिजली आपूर्ति करती रही है। यह बिजली कोरबा के मड़वा प्लांट से दी जाती रही है। शुरुआत में सब कुछ ठीक चलता रहा। बाद में तेलंगाना बिजली बोर्ड ने बिजली बिल का भुगतान बंद कर दिया।

बताया गया कि बिजली बिल की राशि बढक़र 36 सौ करोड़ तक पहुंच चुकी है। पिछली सरकार ने भी बिजली बिल के भुगतान के लिए दबाव बनाया गया था। तब छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी, और तेलंगाना के अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई थी। तेलंगाना बिजली की बकाया राशि 21 सौ करोड़ मान रहा है। बकाया भुगतान के लिए किस्तों में राशि देने पर तेलंगाना सरकार ने सहमति दी थी, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। इसके बाद छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी ने बिजली आपूर्ति बंद कर दी। छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी ने बिजली बिल की वसूली के लिए दबाव बनाया है, और हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। बाद में हफ्ते भर याचिका को वापस लेकर छत्तीसगढ़ राज्य नियामक आयोग में दायर की है।

सूत्रों के मुताबिक छत्तीसगढ़ राज्य पावर कंपनी की याचिका स्वीकार कर ली गई है। इस संबंधित पक्षों को नोटिस जारी जवाब लिया जाएगा। उधर, तेलंगाना में सरकार बदलने के बाद कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार ने छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी के साथ बिजली खरीद में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार पर छत्तीसगढ़ से बिजली खरीदी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। यह कहा गया कि बिना टेंडर के छत्तीसगढ़ से अधिक दर पर बिजली खरीदी की गई। और इससे तेलंगाना बिजली बोर्ड को 13 सौ करोड़ से अधिक करोड़ का नुकसान हुआ है। तेलंगाना सरकार बकायदा इसकी न्यायिक जांच करा रही है, और ➤➤ शेष पृष्ठ 7 पर ➤

देश

उवाच

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का अभियान कई महीनों से चल रहा है और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के संयुक्त पत्रों ने इस आंदोलन में नई गति दी है। संसद के मानसून सत्र शुरू होने के एक दिन बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना देने की योजना बना रही है।

-तारिक हमीद कर्रा, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	27.0
मुंबई	27.0	26.0
कोलकाता	30.0	27.0
चेन्नई	32.0	27.0

संसद सत्र में आतंकवाद, विदेश नीति व बिहार के विकास पर हो चर्चा : मनोज झा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के आगामी मानसून सत्र को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरडेजी) के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कई अहम मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि यह सत्र केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का मंच नहीं होना चाहिए। यह जनता की पीड़ा, देश की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को लेकर गंभीर और ईमानदार चर्चा का अवसर होना चाहिए। रविवार को मनोज झा ने कहा कि संसद का उद्देश्य केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव तक सीमित नहीं है, यह वह स्थान है जहां देश की जनता की पीड़ा, उनकी समस्याओं और राष्ट्रीय हित से जुड़े सवालों पर विमर्श होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद सत्र में आतंकवाद, विदेश नीति व बिहार के विकास पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पीड़ा को हम नहीं भूल सकते और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की कूटनीतिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह केवल किसी पार्टी विशेष पर हमला करने का मामला नहीं है, यह देश की प्रतिष्ठा और सुरक्षा का विषय है। इस पर खुलकर, निष्पक्ष और गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

मोदी के नजरिए पर उठाए सवाल

मनोज झा ने बिहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहा कि जैसा प्रधानमंत्री का नजरिया गुजरात के लिए है, वैसा ही बिहार के लिए क्यों नहीं है। क्या बिहार केवल बी-ग्रेड ट्रेनों का हकदार है, ताकि यहां से मजदूर गुजरात जाकर काम करें। प्रधानमंत्री के पास बिहार के

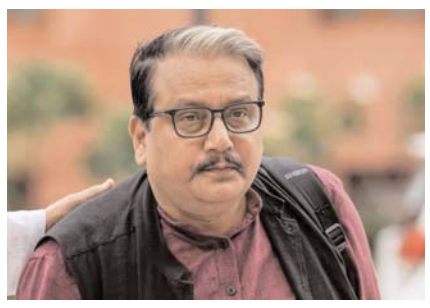

विकास का न कोई खाका है, न कोई विजन। अगर बिहार में निवेश नहीं होगा, उद्योग नहीं लगेंगे, तो यहां की युवा शक्ति केवल पलायन करती रहेगी। जब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस बयान पर सवाल किया गया जिसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया दी थी, तो मनोज झा ने कहा कि उपराष्ट्रपति ने सही कहा कि भारत की एक विशिष्ट पहचान रही है। आज हम मजबूत हैं, लेकिन आजादी के तुरंत बाद भी हमने औपनिवेशिक शासन से आजाद हुए देशों की आवाज का नेतृत्व किया था। भारत कभी भी किसी वैश्विक शक्ति के सामने नहीं झुका। आज भी अगर अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति भारत को लेकर अनर्गल बयान दें, तो संसद को एक स्वर में जवाब देना चाहिए, माइंड योर बिजनेस। हमारे जवाब सूत्रों के हवाले से नहीं, बल्कि संसद के मंच से सीधे और साफ तौर पर आने चाहिए। राहुल गांधी के आरएसएस-सीपीएम वाले बयान पर मनोज झा ने कहा कि इस बयान को संकीर्ण दृष्टिकोण से नहीं, व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

हंगामेदार रहेगा बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र

पटना। बिहार विधानमंडल के सोमवार से शुरू होने वाले संक्षिप्त मानसून सत्र में विपक्ष बिगड़ती कानून-व्यवस्था और राज्य में चल रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित हेराफेरी के मुद्दे को

लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है जिससे सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस सत्र में गरमागरम राजनीतिक बहस होने की उम्मीद है। विपक्ष ने राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित हेराफेरी को लेकर सरकार को सदन के अंदर घेरने की योजना बनाई है। राज्य में हाल ही हुई हत्याएं और अन्य आपराधिक घटनाओं के मद्देनजर विपक्ष सरकार को गिरती हुई कानून व्यवस्था पर कठघरे में खड़ा करने का प्रयास करेगा। 25 जुलाई को समाप्त होने वाले मानसून सत्र के दौरान विपक्ष दोनों सदनों में इन मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाएगा। विपक्ष ने जोर देकर कहा कि राजग का तथाकथित सुशासन ज़मीनी स्तर पर लागू नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र विधायक रोहित पवार के खिलाफ एफआईआर

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई है। एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख की गिरफ्तारी पर रोहित पवार ने आपत्ति जताई थी। आरोप है कि गिरफ्तारी को लेकर उनकी पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई थी। पवार के इस रवैए को सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश करार देते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है। दरअसल, महाराष्ट्र विधान भवन में 17 जुलाई को हुई झड़प के दौरान भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों ने नितिन देशमुख पर हमला किया था। इसके विरोध में जितेंद्र आव्हाड ने विधान भवन परिसर में प्रदर्शन किया था। उन्होंने पुलिस वाहन को रोककर नितिन देशमुख की रिहाई की मांग की और पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। वहीं रोहित पवार ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि पुलिस अधिकारी ने उन्हें उचित जानकारी नहीं दी और ऊंची आवाज में बात की, जिसके कारण बहस हुई। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में रोहित पवार पुलिस अधिकारी से ऊंची आवाज में कहते दिखे, अपनी आवाज मत उठाओ, अगर तुम बोलने में सक्षम नहीं हो तो मत बोलो। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आव्हाड और पवार पूछताछ के लिए थाने आए थे। बाद में दोनों ने सरकारी जे.जे. अस्पताल में जाकर नितिन देशमुख से मुलाकात की। आव्हाड और पवार ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाया।

■ पुलिस अधिकारियों से बहस का आरोप

चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन व मालदीव जाएंगे मोदी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को चार दिन की यात्रा पर ब्रिटेन और मालदीव जाएंगे जहां वह मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' होंगे। मोदी यात्रा के पहले चरण में 23 जुलाई को दो दिन की ब्रिटेन यात्रा पर रवाना होंगे और इसके बाद दूसरे चरण में वह 25 जुलाई को दो दिन की यात्रा पर मालदीव जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि मोदी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर के निमंत्रण पर ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। ब्रिटेन में मोदी अपने समकक्ष के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे। वह क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री की राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की उम्मीद है। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। यात्रा

■ मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में होंगे मुख्य अतिथि

के दूसरे चरण में मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू के निमंत्रण पर 25 से 26 जुलाई तक मालदीव की राजकीय यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री की मालदीव की तीसरी यात्रा होगी और डॉ. मुइज़्ज़ू के राष्ट्रपति बनने के बाद किसी राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष की मालदीव की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि ' रहेंगे। प्रधानमंत्री डॉ. मुइज़्ज़ू से मुलाकात करेंगे और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

दोनों नेता गत वर्ष अक्टूबर में मालदीव के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान हुई 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का भी जायजा लेंगे।

सार संक्षेप

मांडू में कांग्रेस के विधायकों का नवसंकल्प शिविर आज से

इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस के सभी विधायकों का सोमवार से धार जिले के मांडू में नव संकल्प शिविर का आयोजन होगा, जिसमें वरिष्ठ नेताओं और विशेषज्ञों के साथ मिशन 2028 (मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव का वर्ष) की रणनीति बनेगी। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि मांडू में 21 व 22 जुलाई को कांग्रेस विधायक दल की ओर से नव संकल्प शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय शिविर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, राजनीतिक विशेषज्ञ और प्रेरक वक्ता विधायकों के साथ गहन चिंतन कर अपने अनुभव साझा करेंगे।

कोयंबटूर और तिरुप्पुर जाएंगे एम.के.स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 22 जुलाई को चेन्नई से कोयंबटूर पहुंचेंगे। तय कार्यक्रमानुसार कोयंबटूर हवाई अड्डे पहुंचने पर डीएमके के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। वहां से मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से तिरुप्पुर जिले जाएंगे, जहां वे पल्लदम और उदुमलपेट में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

तमिलनाडु में कार दुर्घटना में चार लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में रविवार को सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तिरुकोविलुर-तिरुवन्नामलाई राजमार्ग पर अथीपक्कम गांव में एक कार पोल से टकराकर खाई में गिर गई। होमगार्ड से संबद्ध एक पुलिसकर्मी कार चला रहा था और उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे यह दुर्घटना हुई।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का अभियान तेज, कई गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद पर अंकुश लगाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सीमांत और संवेदनशील जिलों में तलाशी और धरपकड़ अभियान तेज कर दिया है। आतंकवाद रोधी अभियानों के अंतर्गत विभिन्न स्थानों से हथियार जब्त किए गए और कई लोगों की गिरफ्तारियां हुईं। मणिपुर पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक गांव में अभियान के दौरान हथियारों और तकनीकी उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया। जब्त की गई वस्तुओं में राइफलें, एक पिस्तौल, मोर्टार व रॉकेट बम सहित विस्फोटक उपकरण, हथगोले, आंसू गैस के गोले, दंगा-रोधी रबर की गोलियां, बुलेटप्रूफ प्लेटें, तकनीकी जैकेट, वायरलेस सेट और सहायक उपकरण, कारतूस बेल्ट और एक पिस्टल पाउच शामिल है।

झारखंड के कोल्हान में नक्सलियों की साजिश नाकाम

चाईबासा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के कोल्हान प्रमंडल में पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोकलो थाना और सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई थाना क्षेत्र के सीमावर्ती जंगलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। चाईबासा पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु और अनल अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं और पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर चाईबासा और सरायकेला-खरसावां पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने 19 जुलाई से सघन तलाशी अभियान शुरू किया। 20 जुलाई को टोकलो और कुचाई थाना क्षेत्र के जंगलों में सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 14 शक्तिशाली आईईडी, देसी हैंड ग्रेनेड, अमोनियम नाइट्रेट पाउडर, बारूदी पाउडर और विस्फोटक सामग्री रखने में इस्तेमाल होने वाले स्टील कंटेनर बरामद किए। बम निरोधक दस्ते की मदद से सभी विस्फोटकों को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया।

■ जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

संपूर्ण आतंकी तंत्र को नष्ट कर जम्मू-कश्मीर में की जाएगी शांति स्थापित : मनोज सिन्हा

■ जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को किया संबोधित

श्रीनगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि शांति खरीदी नहीं जाएगी, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश में पूरे आतंकी तंत्र को नष्ट करके इसे स्थापित किया जाएगा। श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा आयोजित 'पेडल थ्रू पैराडाइज' साइकिल रेस-2025 के सम्मान समारोह में शामिल होने के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन शांति खरीदने के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्र में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निर्दोष को छुआ नहीं जाएगा, लेकिन ये भी सच है कि दोषियों को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादी तंत्र को ध्वस्त करने में जम्मू-कश्मीर पुलिस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकवादियों के वित्तीय, सैन्य या अन्य किसी भी तरह के

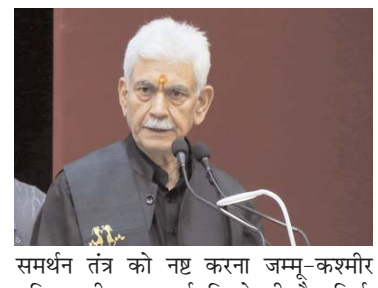

समर्थन तंत्र को नष्ट करना जम्मू-कश्मीर पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सिर्फ आतंकवादी से ही नहीं, बल्कि आतंक का समर्थन करने वाली पूरी मशीनरी से भी निपटना जरूरी है।

उन्होंने अतीत में हुए उस रवैये की आलोचना की, जिसमें आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े लोगों को सरकारी नौकरियां दी जाती थीं, जबकि आतंकवाद के पीड़ितों की उपेक्षा की जाती थी और उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था। उपराज्यपाल ने कहा कि कुछ युवाओं ने अपने पिता को तब खो दिया जब वे सिर्फ दो साल के थे। आज, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके दर्द को पहचाना जाए और न्याय दिलाया जाए। नया जम्मू-कश्मीर सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि एक वास्तविकता है जो पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुई है। अब युवाओं के हाथों में पत्थरों की जगह कलम और लैपटॉप ने ले ली है। स्कूल और कॉलेज साल भर बिना किसी हड़ताल के खुले रहते हैं। अलगाववादी नारों और बंद के कैलेंडर के दिन अब लद गए हैं।

पाकिस्तान के इशारे पर हजारों लोग मारे गए

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन अब उन परिवारों के पुनर्वास के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जो आतंकवादियों के हाथों पीड़ित हुए हैं। कई परिवारों ने आतंकवाद में अपने प्रियजनों को खो दिया है। कुछ घरों में, बेटों की बेरहमी से हत्या के बाद, केवल बुजुर्ग माता-पिता ही जीवित बचे हैं। पाकिस्तान के इशारे पर हजारों लोग मारे गए। 13 जुलाई को बारामूला में आतंकवाद पीड़ित 40 परिवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

समुद्री रेत खनन की इजाजत पर मछुआरों में रोष

तिरुवनंतपुरम, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) से संबद्ध केरल राज्य मत्स्य श्रमिक महासंघ ने केंद्र सरकार के समुद्री रेत खनन की इजाजत देने के फैसले पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा है कि इससे समुद्री पर्यावरण को बहुत ज्यादा नुकसान होगा।

महासंघ ने मछली पालन कामगारों से इस नीति के खिलाफ संघर्ष में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे समुद्री जनजीवन ही नहीं,बल्कि लाखों पारंपरिक मछली श्रमिकों की रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।महासंघ ने बड़ी कंपनियों के समुद्र में रेत खनन और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की अनुमति के विरोध में 30 जुलाई को यहां राजभवन तक मार्च निकाले जाने का भी एलान किया। महासंघ ने इस मामले में केंद्र सरकार के हालिया फैसले की समीक्षा की मांग की।

अब सरकार व पार्टी दोनों का संचालन नीतिश के लिए भी उचित नहीं : उपेंद्र

■ नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को दी जन्मदिन की बधाई

पटना,20 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का रविवार को 44वां जन्मदिन था। जन्मदिन के मौके पर निशांत ने पटना के महावीर मंदिर पहुंचकर रूद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने बिहार के लोगों से इस बार भी अपने पिता नीतीश कुमार को सीएम बनाने की अपील की। ऐसे में एक बार फिर से निशांत के सियासी एंट्री को लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश कुमार को बड़ी सलाह दे दी और जेडीयू के भविष्य को लेकर चिंता जताई है। उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और निशांत कुमार की तस्वीर अपने फेसबुक पेज पर शेयर करते हुए निशांत को जन्मदिन की बधाई दी है। कुशवाहा ने फेसबुक पर लिखा, मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर नई उम्मीद निशांत को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रखें। उन्होंने लिखा, इस अवसर पर नीतीश कुमार जी से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का (साथ-साथ) संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है। सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य हित में अतिआवश्यक है। परन्तु पार्टी की जवाबदेही के हस्तांतरण (जो वक्त मेरी ही नहीं स्वयं उनकी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं/नेताओं की राय में अब आ चुका है) के विषय पर समय रहते ठोस फैसला ले लें।

जेडीयू के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने साथ ही साथ उन्होंने जेडीयू के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने निशांत को जेडीयू के लिए उम्मीद की नई रोशनी बताया है और मुख्यमंत्री को सलाह दी है कि अब सरकार और पार्टी दोनों का संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है। ऐसे में पार्टी की कमान निशांत

चंदन मिश्रा हत्याकांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। चर्चित चंदन मिश्रा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह सहित कुल चार संदिग्धों को कोलकाता के आनंदपुर स्थित एक गेस्टहाउस से हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी को कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सभी आरोपी सीधे तौर पर पटना कांड से जुड़े हुए हैं या नहीं। बता दें कि 17 जुलाई को पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित पारस हॉस्पिटल में चंदन कुमार मिश्रा को गोली मार दी गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पटना पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, इनपुट और अन्य पहलुओं पर गहनता से जांच की गई। इसी क्रम में कोलकाता पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से कोलकाता में छापेमारी कर मुख्य आरोपी तौशीफ उर्फ बादशाह को हिरासत में लिया गया। साथ ही, निशु खान और एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा गया है।

कर्नाटक में धर्मस्थल मामले में एसआईटी का किया गठन

बेंगलुरु, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने लगातार आरोपों और जनता के दबाव को देखते हुए दशकों पुराने धर्मस्थल मामले की जांच के लिए रविवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रणब मोहंती की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया। इस फैसले का स्वागत करते हुए, कर्नाटक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने माना कि एसआईटी के गठन में काफी समय लग गया।

उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सरकार ने आखिरकार कार्रवाई की है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राज्य को इस पर फैसला लेना ही था। हालांकि इसमें देरी हुई है, लेकिन एसआईटी का गठन एक स्वागत योग्य कदम है। हम सरकार की इस कदम की सराहना करते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उनकी ओर से मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को एक

■ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने की सरकार के कदम की सराहना

औपचारिक पत्र लिखकर इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की स्वीकृति और एसआईटी गठन की त्वरित कार्रवाई उत्साहजनक है। अब हम निष्पक्ष और प्रभावी जांच की उम्मीद करते हैं। चौधरी ने जोर देकर कहा कि व्यापक आशंकाओं के बावजूद लोगों को व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा, एसआईटी के सामने एक बड़ा काम है।

शोध मेघालय जलवायु परिवर्तन केंद्र के शोध में हुआ खुलासा

मेघालय में पांच हजार रुपए से कम मासिक आय वाले परिवार

शिलांग, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मेघालय के 39 सामुदायिक और ग्रामीण विकास खंडों में से 25 खंड अत्यधिक 'संवेदनशील' बने हुए हैं, जहां परिवारों की मासिक आय 5000 रुपए से कम है। जलवायु संवेदनशीलता का आकलन करने वाले मेघालय जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा 'प्रखंड स्तर पर मेघालय का एकीकृत जलवायु संवेदनशीलता आकलन' शीर्षक से हाल ही में किए गए एक शोध के अनुसार राज्य के 39 में से 25 खंड।

'उच्च या बहुत उच्च संवेदनशीलता' में आते हैं। यह आंकलन यूरोप स्थित स्प्रिंगर नेचर ग्रुप की पत्रिका डिस्कवर सस्टेनेबिलिटी में एक शोध लेख के रूप में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में पांच प्रमुख कारकों की पहचान की गई है, जिनमें आंगनवाड़ी केंद्र, किसान क्रेडिट कार्ड वाले परिवार, घरेलू आय, प्रति हजार ग्रामीण जनसंख्या पर वन क्षेत्र और शुद्ध सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत (जो कई प्रखंडों में उच्च संवेदनशीलता में योगदान दे रहे हैं) शामिल हैं। इनमें 10 'अत्यंत उच्च' जलवायु संवेदनशील प्रखंड रानीकोर, मावथाद्राइशन, मैरांग,

मावरिंगकनेंग, मावकिन्रू, अमलारेम, थाडलस्केन, लास्केइन और साइपुंग हैं। दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स में बेटासिंग और जिकजक और पूर्वी खासी हिल्स में माइलीम जलवायु संवेदनशीलता की 'अत्यंत निम्न' श्रेणी में हैं। रिपोर्ट में मेघालय के विभिन्न प्रखंडों में काफी असमानताएं सामने

■ अध्ययन में की गई पांच प्रमुख कारकों की पहचान

■ राज्य में प्रति 1000 हेक्टेयर आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या नगण्य और दूर-दूर तक है

आई हैं, जिनमें आंगनवाड़ी केंद्रों, किसान क्रेडिट कार्ड और वन क्षेत्रों तक सीमित पहुंच शामिल है।

अध्ययन से पता चला है कि अपर्याप्त वित्तीय पहुंच, अपर्याप्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और दुर्लभ प्राकृतिक संसाधनों के कारण 32 प्रखंडों में 70 प्रतिशत से अधिक परिवार 5000 रुपए प्रति माह से कम कमाते हैं, जो 'स्पष्ट संवेदनशीलता' को रेखांकित करता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि राज्य में प्रति 1000 हेक्टेयर आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या नगण्य और दूर-दूर तक है।

रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि 50 प्रतिशत से ज़्यादा प्रखंडों में राज्य के औसत से काफी कम आंगनवाड़ी केंद्र हैं, और कुछ प्रखंडों के बीच तो 145 केंद्रों तक का अंतर है। इन प्रखंडों के लगभग सभी परिवारों के पास दो प्रतिशत से भी कम किसान क्रेडिट कार्ड कवरेज है, सिवाय एक प्रखंड के जहां कवरेज 16 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वन क्षेत्र में काफी भिन्नता है, जहां 28 प्रखंडों में प्रति 1000 ग्रामीण निवासियों पर 10 वर्ग किमी से भी कम क्षेत्रफल दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि परिवारों को ऋण सुविधाओं तक पहुंच मिलनी चाहिए, विशेष रूप से किसान क्रेडिट कार्डों की पहुंच बढ़ाकर।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों, सड़क नेटवर्क और सिंचाई प्रणालियों जैसी सार्वजनिक सेवाओं में निवेश के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार करना चाहिए।

म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध का 'हुकुम चेन्नई'

चेन्नई। भारत के मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंद्र ने रविवार को बताया कि उनका 'हुकुम चेन्नई' कॉन्सर्ट स्थगित कर दिया गया है। यह कॉन्सर्ट 26 जुलाई को तिरुविदंतई में होने वाला था। इसके पीछे की वजह यह है कि भारी संख्या में लोग टिकट खरीदना चाहते हैं, लेकिन जो जगह पहले चुनी गई थी, वहां इतने सारे लोगों की सुविधा नहीं थी। इसी कारण कॉन्सर्ट को स्थगित करने का फैसला लिया गया। अनिरुद्ध रविचंद्र ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। उन्होंने लिखा कि प्यारे हुकुम फैमिली, आप सभी के जबरदस्त प्यार और बहुत ज्यादा डिमांड की वजह से 26 जुलाई को तिरुविदंतई में होने वाला हुकुम चेन्नई कॉन्सर्ट अब टाल दिया गया है। आप सभी के प्यार और धैर्य के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

दर्शकों की बदलती रहती है पसंद, युवा चाहते हैं नया और अनोखा कंटेंट : अंजुम फकीह

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री अंजुम फकीह ने अपने नए रियलिटी शो 'छोरियां चलीं गांव' के साथ एक नई शुरुआत की है। अंजुम का मानना है कि कंटेंट को लेकर समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है। यंग जनरेशन नए और अनोखे कंटेंट की मांग करती है। अंजुम ने कहा कि दर्शकों की पसंद हर कुछ सालों में बदलती है। आज का युवा ज्यादा मुखर है, वह फ्रेश, अनोखी कहानियों की मांग करता है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा और रचनात्मकता की कोई कमी नहीं है। 'छोरियां चलीं गांव' के कॉन्सेप्ट को बनाने वाले को सलाम। हम दर्शकों के लिए कुछ नया और जड़ों से जुड़ा लेकर आए हैं। यह शो शहरों की चमक-दमक से दूर, गांव की असली जिंदगी को दिखाता है, जहां भारत का दिल बसता है। यह शो शहर और गांव दोनों के दर्शकों को पसंद आएगा। इसकी सफलता दर्शकों के हाथ में है। अगर उन्हें पसंद आया, तो यह सालों चलेगा, वरना खत्म हो जाएगा।

'छोरियां चली गांव' को लेकर उत्साहित अंजुम ने बताया कि एक शहरी लड़की होने के नाते, गांव की जिंदगी का अनुभव लेने का मौका उन्हें रोमांचित करता है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा जी टीवी के साथ काम करना चाहती हूं। मेरे सभी हिट किरदार और शो 'एक था राजा एक थी रानी', 'कुंडली भाग्य', 'रानी रागेश्वरी', और 'सृष्टि' जी टीवी के ही थे। जब भी जी के साथ काम करने का मौका मिलता है, मैं उस ऑफर को तुरंत स्वीकार कर लेती हूं।

अंजुम ने शो को रोमांचक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कॉन्सेप्ट मुझे पहले कभी नहीं दिखा, न भारत में, न विदेश में। दर्शकों को यह देखना अच्छा लगेगा कि शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी में कैसे ढलती हैं। मैं खुद उत्साहित और थोड़ी नर्वस हूं।

मैं गांव में पैदा हुई थी, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गई। अब एक नए गांव में जाना मेरे लिए नया अनुभव है और मुझे नहीं पता कि क्या होगा। यही इसकी खासियत है।

वैज्ञानिकों ने नए शोध में चौकाने वाला किया खुलासा

बिना यात्रा के भी हो सकता है 'इंटरनल जेट लैग' की समस्या

- मानव शरीर की सर्कैडियन रिदम नींद व जागने के चक्र को करती है नियंत्रित
- जेट लैग लक्षणों में दिन में नींद, मूड बदलाव, पाचन समस्याएं व अनिद्रा शामिल

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जेट लैग, जो आमतौर पर लंबी उड़ानों के बाद होता है, एक नींद का विकार है, जो थकान और पाचन समस्याएं पैदा करता है। यह शरीर की इंटरनल बायोलॉजिकल क्लॉक, यानी सर्कैडियन रिदम के नए समय क्षेत्र के साथ तालमेल न बैठने से होता है। लेकिन, सिडनी विश्वविद्यालय के एक नए शोध ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि बिना यात्रा किए भी 'इंटरनल जेट लैग' की समस्या हो सकती है, जो डिप्रेशन और अन्य मानसिक समस्याओं की वजह बन सकती है।

सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ता जोआन कारपेंटर ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के उन युवाओं पर अध्ययन किया गया जो मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आए थे। हैरानी की बात यह थी कि इनमें से कुछ लोगों में जेट लैग जैसे लक्षण दिखे, जबकि उन्होंने कोई यात्रा नहीं की थी। शोध में शरीर के तापमान, कोर्टिसोल और मेलाटोनिन स्तरों का विश्लेषण किया गया, जो सर्कैडियन रिदम को नियंत्रित करते हैं। यह रिदम नींद और जागने जैसे 24 घंटे के सर्कल को संचालित करता है।

अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपे एक लेख के अनुसार, मानव शरीर की सर्कैडियन रिदम नींद और जागने के चक्र को नियंत्रित करती है, जो मेलाटोनिन और शरीर के तापमान से प्रभावित होती है। रात में मंद प्रकाश मेलाटोनिन बढ़ाता है, जिससे नींद आती है, और तापमान कम होने से सतर्कता घटती है। सुबह मेलाटोनिन कम होता है, तापमान बढ़ता है, जिससे जागृति बढ़ती है। उज्ज्वल प्रकाश इस चक्र को संशोधित करता है, लेकिन हवाई यात्रा से समय क्षेत्र बदलने पर यह रिदम तुरंत नहीं बदलता। इससे जेट लैग होता है, जिसके लक्षणों में दिन में नींद, मूड बदलाव, पाचन समस्याएं और अनिद्रा शामिल हैं।

अध्ययन में पाया गया कि 23 प्रतिशत मरीजों में 'इंटरनल जेट लैग' था, यानी उनकी बायोलॉजिकल क्लॉक में गड़बड़ी थी। यह स्थिति डिप्रेशन, मेनिया या बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं से जुड़ी हो सकती है। डिप्रेशन में लगातार उदासी, मेनिया में अत्यधिक खुशी और बाइपोलर डिसऑर्डर में दोनों का मिश्रण देखा जाता है।

शोध के अनुसार, सर्कैडियन रिदम में गड़बड़ी इन डिसऑर्डर को बढ़ा सकती है। यह खोज मानसिक स्वास्थ्य के इलाज में नई दिशा देती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मूड डिसऑर्डर के उपचार में बायोलॉजिकल क्लॉक को ठीक करना जरूरी है। इसके लिए लाइट थेरेपी, नियमित नींद का समय और मेलाटोनिन सप्लीमेंट जैसे उपाय मददगार हो सकते हैं। युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ते मामलों के बीच यह शोध बड़ी मदद कर सकती है।

शारीरिक स्थिरता को बढ़ाता है पर्वत मुद्रा आसन

- ताड़ासन के नियमित अभ्यास से मांसपेशियां होती हैं मजबूत
- बीपी या चक्कर आने की समस्या वाले लोगों को सतर्क रहना चाहिए

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। योग के क्षेत्र में ताड़ासन, जिसे 'ताड़ के पेड़ की मुद्रा' या 'पर्वत मुद्रा' के नाम से जाना जाता है, एक मूलभूत खड़े आसन है। यह आसन न केवल शारीरिक स्थिरता और संतुलन को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक ताकत को भी प्रोत्साहित करता है।

ताड़ का अर्थ है ताड़ का पेड़ या पर्वत, जो इस आसन की दृढ़ और स्थिर प्रकृति को दिखाता है। यह सभी खड़े आसनों का आधार माना जाता है और योग साधना में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एक्सपर्ट के अनुसार यह बेहद आसान और फायदेमंद योगासन है, जिसे करने से हाइट भी बढ़ने लगती है।

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय बताता है कि ताड़ासन करने से एक-दो नहीं, कई फायदे मिलते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले पैरों को 2 इंच की दूरी पर रखकर सीधे खड़े हों। उंगलियों को आपस में फंसा लें और कलाई को बाहर की ओर मोड़ें। सांस लेते हुए बाजुओं को सिर के ऊपर कंधों की सीध में उठाएं। इसके बाद, एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाकर पंजों पर संतुलन बनाएं। इस मुद्रा में 10-15 सेकंड तक रहना चाहिए। ताड़ासन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और शरीर की मुद्रा (पोश्चर) को बेहतर बनाता है। यह मांसपेशियों को खींचता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। यही नहीं, ताड़ासन रक्त संचार को भी बेहतर करता है और पाचन तंत्र को सुधारता है, साथ ही तनाव को कम करने में भी मददगार है। यह आत्मविश्वास और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने में भी सहायक है। ताड़ासन के नियमित अभ्यास से पैरों, पीठ और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे चोटों का खतरा कम होता है। ताड़ासन एक सरल लेकिन प्रभावी योग मुद्रा है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। इसके नियमित अभ्यास से एक-दो नहीं, कई लाभ मिलते हैं।

एआई म्यूजिक बनाने में मददगार, नियमों को नहीं बदल सकता : गजेन्द्र वर्मा

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। 'तेरा घाटा', 'एम्प्टीनैस' और 'मन मेरा' जैसे हिट गानों के लिए मशहूर गायक और संगीतकार गजेन्द्र वर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में म्यूजिक बनाने में मदद कर सकता है, लेकिन असली सोच, भावना और क्रिएटिविटी इंसानों की सबसे बड़ी ताकत रहेगी।

संगीतकार गजेन्द्र वर्मा ने कहा कि इंडिपेंडेंट म्यूजिक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये व्यक्तिगत कहानियों पर आधारित होता है। एआई कभी भी इन निजी अनुभवों और भावनाओं को पूरी तरह से नहीं समझ सकता। एआई म्यूजिक में मदद तो कर सकता है, लेकिन इंसानी कहानियों की जगह नहीं ले सकता।

गजेन्द्र वर्मा ने कहा कि एआई एक दिलचस्प चीज है। यह म्यूजिक प्रोडक्शन, सॉन्ग राइटिंग और विजुअल्स जैसी चीजों को आसान बना देगा, लेकिन म्यूजिक सिर्फ टेक्नोलॉजी से नहीं बनता, उसमें इंसान की भावनाएं, दिल की बातें और सच्चे अनुभव होते हैं। इसमें एआई सिर्फ मदद कर सकता है, लेकिन इंसान की जगह नहीं ले सकता। लोग जब कोई गाना सुनते हैं, तो वे सच्ची भावनाओं से जुड़ते हैं और उन भावनाओं को एआई पैदा नहीं कर सकता।

संगीतकार का मानना है कि उनका म्यूजिक उन्हीं की भावनाओं का एक हिस्सा होता है।

चाहे वो प्यार हो, दिल टूटना हो या खुद को समझने की कोशिश, जो भी वह महसूस करते हैं, उसे गाने के जरिए बयां कर देते हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने कभी सोच-समझकर ट्रेंड्स को फॉलो नहीं किया। मैं वही बनाता हूं, जो उस पल मैं महसूस कर रहा होता हूं। शायद इसी वजह से मेरे गाने लोगों के दिल से जुड़ जाते हैं। गजेन्द्र वर्मा ने कहा कि स्ट्रीमिंग के आने से म्यूजिक की दुनिया के नियम ही बदल गए हैं। अब नए कलाकारों को गाने रिलीज करने के लिए किसी म्यूजिक कंपनी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। अब नए और टैलेंटेड लोगों को सीधा मौका मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि स्ट्रीमिंग ने सब कुछ बदल दिया है। पहले म्यूजिक इंडस्ट्री में या तो फिल्मी गानों का दबदबा था या फिर किसी म्यूजिक लेबल की जरूरत होती थी।

मेरे गाने मुझे बेहतर इंसान बनाते हैं : सोनू निगम

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्लेबैक सिंगर सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि उनके गाने न केवल उनकी भावनाओं को छूते हैं, बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान भी बनाने में मदद करते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में उन्होंने अपने जन्मदिन पर एक खास सॉन्ग पेश करने की घोषणा करते हुए इंडियन आइडल शो से जुड़े किस्से को भी सुनाया।

सोनू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने नए गाने के बारे में बात करते नजर आए। उन्होंने बताया कि यह गाना दो साल पहले रिकॉर्ड किया गया था, लेकिन हाल ही में इसे दोबारा गाया। सोनू ने कहा कि क्या हम गाना बना सकते हैं? गाने बन जाते हैं। मुझे नहीं पता कैसे। लेकिन जब विचार आते हैं, मौके मिलते हैं, तो ऐसा होता रहता है। इस गाने की प्रेरणा मुझे इंडियन आइडल के सेट पर रोहित से मिली। मैं, अनु मलिक और फराह खान जज थे। रोहित शर्मीले हैं, लेकिन उनकी आवाज शेर जैसी है। सोनू ने बताया कि रोहित ने यह गाना उनसे बेहतर गाया। रोहित की क्लासिकल म्यूजिक की पृष्ठभूमि और उनकी आवाज ने सोनू को बहुत प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि मैंने रोहित से बहुत कुछ सीखा। मैं उनकी तरह गाने की कोशिश की, लेकिन उनके स्तर तक नहीं पहुंच सका। फिर भी, इस कोशिश ने मुझे बेहतर बनाया। दो साल बाद मैंने इस गाने को फिर से गाया और मुझे लगा कि अब मैं बेहतर गा रहा हूं। सोनू ने गाने की प्रोडक्शन प्रोसेस के बारे में भी बताया। ड्रम और तबले से लेकर मिक्सिंग तक, उन्होंने हर बारीकी पर काम किया।

थिएटर्स में खाने-पीने की वस्तुओं के दामों पर निखिल सिद्धार्थ ने जताई नाराजगी, की खास अपील

चेन्नई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। तेलुगू सिनेमा के उभरते सितारे निखिल सिद्धार्थ ने थिएटर्स में खाने-पीने की वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों पर हैरानी जताते हुए प्रशासन से अपील की है कि वह दर्शकों को थिएटर में कम से कम पानी की बोतल ले जाने की इजाजत दें। निखिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' हैंडल पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि टिकटों की ऊंची कीमतों पर अंकुश लगाना चाहिए। लेकिन, उससे भी बड़ी समस्या थिएटर्स में पॉपकॉर्न और कोल्ड ड्रिंक्स की बेहिसाब कीमतें हैं। हाल ही में मैंने एक फिल्म देखी और हैरान रह गया कि मैंने स्नैक्स पर फिल्म के टिकट से ज्यादा खर्च किए। उन्होंने आगे कहा कि मैं डिस्ट्रीब्यूटर्स से अनुरोध करता हूं कि इस समस्या को

हल करें ताकि ज्यादा दर्शक बड़े पर्दे पर फिल्मों का आनंद ले सकें। कम से कम हमें अपनी पानी की बोतल थिएटर में ले जाने की अनुमति दी जाए।

निखिल की यह अपील दर्शकों की उस चिंता को दिखाती है जो देशभर में थिएटर्स में महंगे खाने-पीने की चीजों को लेकर है। उनकी यह मांग सिनेमा अनुभव को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है। वर्कफ्रंट की बात करें तो निखिल जल्द ही निर्देशक भरत कृष्णमाचारी की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया पीरियड फिल्म 'स्वयंभू' में नजर आएंगे। यह फिल्म साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें निखिल के साथ अभिनेत्री संयुक्ता और नभा नटेश मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शूटिंग पूरी हो चुकी है और एक शानदार टीजर तैयार किया जा रहा है, जो दर्शकों को इस भव्य फिल्म की झलक दिखाएगा। 'स्वयंभू' एक पीरियड-एक्शन फिल्म है, जिसमें निखिल एक योद्धा की भूमिका में हैं। हाल ही में रिलीज पोस्टर में निखिल को युद्ध के मैदान में तलवार लिए और संयुक्ता को धनुष-बाण के साथ दिखाया गया है पृष्ठभूमि में 'सेंगोल' दिखाई देता है।

'गानेवाली' जैसे तानों से लड़कर शास्त्रीय संगीत में बुलंदियां छूने वालीं गायिका गंगूबाई हंगल

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की दुनिया में एक ऐसी आवाज, जिसने न केवल रागों को जीवंत किया, बल्कि सामाजिक बाधाओं को तोड़कर एक मिसाल कायम की। वह थीं गंगूबाई हंगल। लोग उनको 'गानेवाली' कहकर ताना देते थे। उन्होंने अपनी दमदार आवाज और किराना घराने की गायकी से संगीत जगत में ऐसी जगह बनाई है, जिसको कोई भर नहीं सकता है। 21 जुलाई को उनकी पुण्यतिथि है। साल 1913 में कर्नाटक के धारवाड़ में एक केवट परिवार में जन्मी गंगूबाई का बचपन सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से भरा था। उनकी मां अंबाबाई एक कर्नाटक संगीत गायिका थीं। उन्होंने गंगूबाई को संगीत की प्रारंभिक शिक्षा दी। 13 साल की उम्र में गंगूबाई ने किराना घराने के उस्ताद सवाई गंधर्व से औपचारिक प्रशिक्षण लेना शुरू किया। हालांकि, सामाजिक रूढ़ियों के कारण उन्हें 'गानेवाली' कहकर ताने सहने पड़े। उस दौर में महिलाओं का सार्वजनिक मंच पर गाना स्वीकार्य नहीं था। सामाजिक वर्गीकरण में निचले पायदान पर मानी जाने वाली जाति का प्रतिनिधित्व करती एक महिला के लिए तो यह और भी मुश्किल भरा था। फिर भी, गंगूबाई ने हार नहीं मानी। उनकी आत्मकथा 'ए लाइफ इन थ्री ऑक्टेव्स द म्यूजिकल जर्नी ऑफ गंगूबाई हंगल' में इन संघर्षों का जिक्र मिलता है। गंगूबाई की गायकी की खासियत थी उनकी गहरी, स्थिर और भावपूर्ण प्रस्तुति। वे हर राग को धीरे-धीरे, जैसे सूरज की किरणों के साथ फूल की पंखुड़ियां खुलती हैं, वैसे खोलती थीं। उनकी आवाज में गहराई थी, जो श्रोताओं के दिल को छू जाती थी।

शिवनगरी का तिलभांडेश्वर मंदिर यहां तिल जितना बढ़ता है शिवलिंग

दर्शन से अश्वमेध यज्ञ का पुण्य

वाराणसी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का पावन माह चल रहा है। ऐसे में शिवनगरी काशी, जहां की हर गली में शिव की महिमा गूंजती है, वहां कई मंदिर हैं, जो न केवल चमत्कार की कहानी कहते हैं, बल्कि भक्त और भगवान के बीच के रिश्ते को भी दिखाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर है, तिलभांडेश्वर महादेव का, जो एक अनूठा चमत्कार समेटे हुए है। इस मंदिर का स्वयंभू शिवलिंग हर साल मकर संक्रांति पर तिल के बराबर बढ़ता है, जिसका उल्लेख शिव पुराण के काशी खंड में मिलता है।

मान्यता है कि यहां दर्शन करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है, जो भक्तों की आस्था को और गहरा करता है। काशी विश्वनाथ मंदिर से महज 500 मीटर दूर, पांडे हवेली में स्थित यह मंदिर ऋषि विभांड की तपस्थली पर बना है।

यह क्षेत्र ऋषि विभांड की तप स्थली थी और यहीं पर वह ध्यान लगाकर पूजा करते थे। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें वरदान दिया था कि यह शिवलिंग (तिलभांडेश्वर) हर साल तिल के बराबर बढ़ता रहेगा। तिल के बराबर बढ़ते रहने से और ऋषि विभांड के नाम पर इस मंदिर को तिलभांडेश्वर नाम मिला है।

धर्म शास्त्र में इस मंदिर के बारे में कथा उल्लेखित है, जिसके अनुसार भगवान शिव ने ऋषि को वरदान दिया था कि उनका शिवलिंग कलयुग में हर साल तिल जितना बढ़ेगा।

तिलभांडेश्वर मंदिर में भक्त कालसर्प दोष की शांति के लिए भी पूजा करते हैं। मंदिर में भोलेनाथ के अलावा कई देवी-देवताओं की

प्रतिमाएं स्थापित हैं। काशीवासियों के साथ ही देश-दुनिया से लोग बाबा के दर्शन को यहां पहुंचते हैं। काशी की रहने वाली श्रद्धालु रीता त्रिपाठी ने बताया कि हम लोग काफी समय से मंदिर आते रहे हैं। तिलभांडेश्वर हर साल तिल के बराबर बढ़ता है। सावन में पूरे माह में बाबा के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। बाबा स्वयंभू हैं और इनके दर्शन करने से पाप मिट जाते हैं और अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है।

उत्तर प्रदेश, पर्यटन विभाग के अनुसार, काशी नगरी में हर शिवलिंग का अपना अलग महात्म्य है। यहां अति प्राचीन तिलभांडेश्वर महादेव का पौराणिक इतिहास भी है। यह मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर से लगभग 500 मीटर दूर, पांडेय हवेली के पास स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का शिवलिंग विराजमान है। यहां सावन के साथ ही महाशिवरात्रि और प्रदोष पर भी भक्तों की भीड़ लगती है।

सावन, महाशिवरात्रि और प्रदोष व्रत पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। भक्त तिल, जौ और जल चढ़ाकर कालसर्प दोष, ग्रह-नक्षत्रों के कष्टों से मुक्ति पाते हैं। मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी मंत्रमुग्ध करती हैं।

बरसात में बढ़ जाता है 'नीम' का महत्व

- नीम में एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद
- नीम की पत्तियां कब्ज, अपच जैसी समस्याओं में भी फायदेमंद

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बरसात का मौसम जहां ताजगी लाता है, वहीं फंगल और बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में नीम की पत्तियां, फूल, फल और तना भी प्रकृति का अनमोल तोहफा बनकर सामने आते हैं। नीम के औषधीय गुण न केवल संक्रमण से बचाते हैं, बल्कि कई गंभीर बीमारियों में भी राहत देते हैं।

नीम में एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद हैं, जो बरसात में होने वाले संक्रमणों से रक्षा करते हैं। नीम के पत्तों से स्नान करने से त्वचा पर संक्रमण नहीं फैलता। नीम का अर्क डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों में प्लेटलेट्स बढ़ाने में सहायक है। नियमित सेवन से खून साफ होता है, त्वचा पर निखार आता है और मुंहासे, दाग-धब्बों से छुटकारा मिलता है। नीम की पत्तियां और फूल पेट के कीड़े खत्म करने, पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने और कब्ज, अपच जैसी समस्याओं में भी फायदेमंद हैं। आयुर्वेद में नीम को 'सर्व रोग निवारिणी' कहा जाता है। बरसात के मौसम में फंगल संक्रमण और बैक्टीरियल इन्फेक्शन बढ़ते हैं। नीम के पत्तों से स्नान करने पर शरीर पर संक्रमण नहीं फैलता।

टेलर एंड फ्रांसिस के जून 2024 के शोध पत्र के अनुसार, नीम के फूलों में मधुमेह और कैंसर विरोधी गुण पाए गए हैं। इथेनॉलिक अर्क मधुमेह और कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में सबसे प्रभावी है। नीम के फूलों का शरबत पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और डायबिटीज को नियंत्रित करने में मदद करता है। नीम के फूलों और पत्तियों का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और इससे भूख भी लगती है। उत्तर भारत में नीम के फूलों की भुजिया सरसों के तेल और जीरे की छौंक के साथ बनाई जाती है, जबकि दक्षिण भारत में इसे कई व्यंजनों में शामिल किया जाता है।गर्मी और बरसात में नीम का शरबत पीने से हीटवेव और त्वचा संबंधी समस्याओं से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में नीम को हर रूप में औषधि माना गया है, जो छोटी-बड़ी कई समस्याओं को दूर करता है।

रायपुर, सोमवार 21 जुलाई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मानसून सत्र या तूफान सत्र

कल से संसद का मानसून सत्र शुरु हो रहा है। देश का सियासी मौसम बता रहा है कि यह मानसून सत्र विपक्ष के तूफान सत्र में बदल सकता है। बड़ी बात यह है कि अब श्री मोदी के पास ऐसा कोई मुद्दा भी नहीं बचा है, जिसे सहारा बनाकर वो मजबूती से खड़े रहें। सत्ता की शुरुआत में तो राम मंदिर बनाने से लेकर जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेने जैसे कई वादे थे, जिनसे जनता की आंखों में न्यू इंडिया बनाने की चमक आ जाती थी। जनता वाकई यह मान बैठी थी कि हिंदुत्व को बचाने या राष्ट्रवाद को थोड़ा और उग्र कर देने से ही उसकी समस्याओं का समाधान निकल जाएगा। लेकिन हकीकत जनता भी देख रही है कि उसे अब भी शब्दों की जुगाली मिल रही है। मोदी को वाराणसी से जीतना था तो काशी को क्योटो बनाने की बात कहते थे, साथ में बुलेट ट्रेन की रफ्तार का पैकेज दे दिया। और 11 साल बाद मोतिहारी और मुंबई, गयाजी और गुरुग्राम, पटना और पुणे के गीत जनता को सुनाए जा रहे हैं। बिहार में अपने ताजा दौरे में मोदी ने यही किया। हम ये करेंगे, हम वो करेंगे, ऐसा कहते हुए श्री मोदी एक बार भी जनता को ये आश्वासन नहीं दे सके कि उससे वोट देने का हक नहीं छीना जाएगा, न ही उसकी सुरक्षा पर आ रही आंच को लेकर कोई चिंता जताई। क्योंकि प्रधानमंत्री खुद नहीं जानते कि जब असलियत में काम करना होता है, तो क्या और कैसे किया जाता है।

श्री मोदी की इस कमजोरी को अब चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार दोनों समझ रहे हैं। नीतीश कुमार को तो फिर से मुख्यमंत्री बनने की लालसा है, लिहाजा है वो नरेन्द्र मोदी के सामने न केवल खुद हाथ जोड़ रहे हैं, बल्कि बार-बार बिहार की जनता से कह रहे हैं, उठो रे, इनका नमन करो, इनको प्रणाम करो। ऐसा करके नीतीश कुमार उस लोकतंत्र को थप्पड़ मारने का काम कर रहे हैं, जिसके बूते इन लोगों को सत्ता पर बैठने मिला है। भला ये कोई बात हुई कि जनता का काम करने के लिए चुने गए लोगों को इस बात के लिए प्रणाम किया जाए कि वो काम कर रहे हैं, और जो काम नहीं कर पाएं हैं, या नहीं कर रहे हैं, क्या उसके लिए इन्हीं लोगों से सवाल नहीं होने चाहिए। क्या नीतीश कुमार एक बार भी यह कहेंगे कि उठो रे पूछो इनसे कि मोतिहारी में चीनी मिल चालू क्यों नहीं हुई है। खैर.. नीतीश कुमार कुछ न कहें या नरेन्द्र मोदी जनता के सवालों का जवाब न दे, फिर भी सवाल तो उठेंगे ही। इस मानसून सत्र में विपक्ष ऐसे ही सवालों को उठाने की तैयारी में है, जिनसे बचने की कोशिश में श्री मोदी कितनी बार संसद से गायब रहते हैं, ये देखना दिलचस्प होगा।

21 जुलाई से लेकर 21 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र को लेकर विपक्ष ने अपनी तैयारी को धार देना शुरु कर दिया है। शनिवार शाम इस सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति बनाने के लिए इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। हालांकि, इसमें आम आदमी पार्टी शामिल नहीं हुई, उसने बाकायदा कह दिया है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा तक ही था, लेकिन जो सवाल कांग्रेस समेत बाकी विपक्ष के हैं, वही सवाल आप के भी हैं। इसलिए इंडिया गठबंधन के उठाए सवालों में आप की आवाज शामिल हो या न हो, उन सवालों के असर से मोदी बच नहीं सकते। इंडिया गठबंधन के सवाल कितने कठिन रहने वाले हैं, इसकी झलक शनिवार को राहुल के एक ट्वीट से मिल भी गई, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर पर 24वीं बार किए गए दावे से एक बात को उठाते हुए राहुल ने सवाल किया है कि पांच जहाजों का सच क्या है। दरअसल ट्रंप ने इस बार पांच लड़ाकू जहाजों के नुकसान का भी जिक्र किया, लेकिन शायद जानबूझ कर ट्रंप ने यह नहीं बताया कि ये जहाज भारत के थे या पाकिस्तान के। भारत में पहले सीडीएस से लेकर इंडियन नेवी के अफसर तक ने यह बयान दिया है कि भारत को नुकसान हुआ है, लेकिन विपक्ष के पूछने के बावजूद सरकार ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। ट्रंप इस बात को अच्छे से जानते हैं कि उनके बयान पर नरेन्द्र मोदी अपने देश में घिर रहे हैं, और लड़ाकू विमान के गिरने की बात पर भी उनसे सवाल हो सकते हैं, फिर भी शायद नरेन्द्र मोदी को फंसाने के लिए ट्रंप ने ऐसा उलझाने वाला बयान दिया, ताकि भ्रम फैले। संसद में अब समूचा विपक्ष इस पर सच की मांग करेगा। सरकार भले ऑपरेशन सिंदूर को देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला बताकर सवाल को रफा-दफा करे या फिर इसके लिए कुछ सांसदों को निलंबित करे या जब वो बोलने खड़े हों तो उनके माइक बंद कर दिए जाएं, लेकिन क्या अब जनता तक इन सवालों को पहुंचने से रोका जा सकता है। वैसे मानसून सत्र में कौन से मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे, इसे लेकर इंडिया ब्लॉक की जो बैठक हुई, उसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए। पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के 24 बयान, बिहार में एसआईआर की कवायद, एससी, एसटी पर अत्याचार, परिसीमन, अहमदाबाद विमान हादसा इन मुद्दों पर खास तौर से सरकार को घेरने की तैयारी है। बाकी बेरोजगारी, महंगाई, नारी उत्पीड़न, किसानों पर अत्याचार ये सारे तो पिछले 11 सालों से स्थायी मुद्दे बन चुके हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक साल भर बाद हुई, लेकिन 24 दलों के नेता इसमें शामिल हुए, तो उससे एक बात जाहिर हो गई है कि विपक्ष अब भी एकजुट है। कुछ दलों के बाहर निकलने या नाराज होने से विपक्ष की एकजुटता पर कोई असर नहीं पड़ा है, न ही लोकतंत्र और संविधान को बचाने की उसकी प्रतिबद्धता में कोई कमी आई है।

संसद में मोदी राहुल के सवालों से बच नहीं सकेंगे!

पहलगाम के आतंकवादी हमले और सीजफायर पर सवाल न हों यह सोचकर मोदी सरकार ने संसद का विशेष अधिवेशन नहीं बुलाया। मगर रेत में सिर घुसाने से समस्या दूर नहीं हो जाती है बल्कि और बढ़ जाती है। यही मोदी सरकार के साथ हुआ।

अब सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वही सवाल और ज्यादा तथ्यों के साथ मोदी सरकार के सामने होंगे और उसके सामने इनसे बचने का एक ही तरीका होगा कि वे संसद नहीं चलने दें!

विपक्ष जो इन्डिया गठबंधन के रूप में फिर एकजुट दिख रहा है साफ कह रहा है कि वह संसद को शांतिपूर्वक चलाने का इच्छुक है। मगर सवाल यह है कि क्या सत्ता पक्ष इसे शांतिपूर्ण तरीके से चलने देगा? विपक्ष को परेशान करने के उसने नए-नए तरीके खोज लिए हैं। 2023 के शीतकालीन अधिवेशन में तो विपक्ष के लगभग सारे सदस्य सदन से निष्कासित ही कर दिए गए थे। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से।

अब सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सरकार क्या करेगी सबकी निगाहें इस पर हैं। विपक्ष का तो स्पष्ट है कि वह पहलगाम, सीजफायर, ट्रंप का दावा कि पांच जेट गिरे, बिहार में चुनाव आयोग द्वारा लगभग 15 प्रतिशत वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से उड़ाना, जिनकी संख्या डेढ़ करोड़ बनती है, के अलावा और भी बहुत सारे सवाल उठाने की तैयारी कर चुका है। इनमें चीन और पाकिस्तान का गठजोड़, जिन्हें राहुल गांधी संसद में ही मोदी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति की असफलता बता चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भी पाकिस्तान के नेतृत्व की प्रशंसा कर चुके हैं, यह भी विपक्ष मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी नाकामयाबी के तौर पर संसद में उठाने की तैयारी में है। अहमदाबाद का विमान हादसा और उसके बाद सारा दोष पायलटों पर मढ़ने की कोशिश, डिलिमिटेशन जो दक्षिण के राज्यों को खासतौर पर चिंतित किए हैं, सरकारी एजेन्सियों का दुरुपयोग जिसके तहत अभी छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया और राबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की चार्जशीट, उनकी संपत्तियां जप्त करना और दलित पिछड़ों पर बढ़ते अत्याचार जैसे मामले भी विपक्ष संसद में उठाएगी।

सारे मामले बहुत गंभीर हैं। मगर सवाल यह है कि क्या सत्ता पक्ष इन्हें उठाने देगा? संसद चलने देगा? बहुत मुश्किल है। सरकार अपने ऊपर उठने वाले हर सवाल से बचने की कोशिश करेगी। मगर विपक्ष खासतौर से कांग्रेस की तैयारियां भी कम नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहलगाम के आतंकवादी हमले और ट्रंप के दो दर्जन बार किए सीजफायर मैंने करवाया के दावों और 5 जेट गिरने जैसे अतिगंभीर विषय पर बोलने की तैयारी कर चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोकना सरकार के लिए बहुत मुश्किल होगा।

ट्रंप के बार-बार बोलने से सारा मामला अंतरराष्ट्रीय हो गया है। अब अगर संसद में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जाएगा तो यह मामला भी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर जाएगा। यह देश की लोकतांत्रिक आजादी से जुड़ा बड़ा सवाल बन सकता है। मोदी सरकार के लिए यह बहुत मुश्किल समय है। अगर नेता प्रतिपक्ष को बोलने देंगे तो राहुल आजकल जिस तरह फार्म में हैं वह सरकार की धज्जियां उड़ा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना पड़ेगा। और इसी से वे पहलगाम हमले के बाद से बच रहे हैं। गलती हुई यह माना जा चुका है। हालांकि छोटे स्तर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के स्तर पर इसकी जिम्मेदारी ली गई है। मगर सुरक्षा में चूक हुई स्वीकार करते ही यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की जिम्मेदारी किस की है? सबको पता है कि यह जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है। और केन्द्र तक बात आते ही सीधे प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल खड़े होते हैं। मोदी और शाह इसीसे बचना चाहते हैं। और इसलिए उप राज्यपाल मनोज सिन्हा जिम्मेदारी ले रहे हैं।

पहलगाम हमले के बाद से जनता में सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमला करने वाले आतंकवादी कहां हैं? सरकार ने उन्हें पकड़ना तो दूर उनके नाम पते के बारे में भी आज तक कुछ नहीं बताया है। सूरक्षा चूक बहुत देर से स्वीकार की। लेकिन अगर की है तो उच्च स्तर पर इसकी जवाबदेही होना चाहिए। मगर प्रधानमंत्री मोदी तो इस विषय में पूरी तरह मौन हैं। वे गोली का जवाब गोले से और मोदी की गोली, रगों में सिंदूर और इसी तरह की बातें कर रहे हैं। मगर पहलगाम के आतंकवादी क्यों नहीं पकड़े गए और सीजफायर किसने करवाया और किन शर्तों पर इस पर एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं।

और अब तो ट्रंप ने 5 जेट गिरे कहकर मामले को बहुत गंभीर बना दिया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि प्रधानमंत्री को देश को इस बारे में बताना चाहिए ताकि अनुमानों आशंकाओं पर विराम लग सके। राहुल प्रधानमंत्री से ही पूछे सकते हैं। ट्रंप से तो मोदी सरकार पूछ सकती है, राहुल नहीं।

मगर प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। सेना कह चुकी है हमें नुकसान हुआ। और आश्चर्यजनक बात है कि सेना के उच्चाधिकारी तीन-चार बार सार्वजनिक रूप से बोल चुके हैं। सेना कभी नहीं बोलती थी। लेकिन इस बार तो उसने साफ कहा कि नुकसान राजनीतिक कारणों से हुआ। और यह बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर खुद कबूल कर चुके थे कि भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने से पहले उन्हें सूचित कर दिया था। यह भूल भारतीय सेना को भारी पड़ी। राहुल गांधी यह सवाल भी उठा चुके हैं कि हमला करने से पहले उन्हें सूचित करने का क्या तुक था?

संसद के इस सत्र में राहुल इन सारे सवालों पर बोलेंगे। अगर उन्हें लोकसभा में नहीं बोलने दिया तो वे सदन के बाहर बोलेंगे। जो सरकार के लिए ज्यादा मुश्किलें खड़ी करेगा। क्योंकि फिर यह सवाल विदेशी मीडिया के लिए भी बन जाएगा कि भारत के नेता प्रतिपक्ष को सदन के अंदर नहीं बोलने दिया तो वे सदन के बाहर बोले।

अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि इन दिनों कमजोर हुई है। कभी भारत निर्गुट देशों का नेतृत्व करता था। जिसमें 120 से ज्यादा देश थे। आज पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारत अकेला पड़ गया था। मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह असफल साबित हो गई थी। और यह ऐसा नहीं है कि अचानक हो गई। इसके बारे में विदेशी मामलों के जानकारों ने बहुत पहले से चेतावनी दे रखी थी कि भारत की विदेश नीति राष्ट्र केन्द्रित न होकर व्यक्ति केन्द्रित की जा रही है। भारत भारत के बदले मोदी मोदी कहा जा रहा है। यहां तक कि मोदी के दौरे पर विदेश में एक भारतीय महिला ने कहा कि भारत का बताने पर हमारा अपमान होता था अब मोदी के देश का कहने पर सम्मान मिलता है। यह देश से बड़ा मोदी को बनाने का ही दुष्परिणाम था कि संघर्ष के समय एक भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। सेना को कहना पड़ा कि सामने हमसे पाकिस्तान लड़ रहा था मगर पीछे से दो देश चीन और तुर्किए और लड़ रहे थे। मोदी इन सारे सवालों से बचते रहे। मगर अब संसद में इनके लिए इनसे बचना मुश्किल होगा।

जैसे 2024 लोकसभा के समय विपक्ष एकजुट था वैसे ही अब है। जबकि सत्ता पक्ष में अंदर ही अंदर कई हलचलें हैं। पहलगाम सीजफायर और ट्रंप के दावे मोदी के लिए बहुत बड़ी मुश्किल बन गए हैं। 11 साल में पहली बार मोदी इतनी कमजोर स्थिति में हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शकील अख्तर

> विपक्ष जो इन्डिया गठबंधन के रूप में फिर एकजुट दिख रहा है साफ कह रहा है कि वह संसद को शांतिपूर्वक चलाने का इच्छुक है। मगर सवाल यह है कि क्या सत्ता पक्ष इसे शांतिपूर्ण तरीके से चलने देगा? विपक्ष को परेशान करने के उसने नए-नए तरीके खोज लिए हैं। 2023 के शीतकालीन अधिवेशन में तो विपक्ष के लगभग सारे सदस्य सदन से निष्कासित ही कर दिए गए थे। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से।

ब्रिक्स के सदस्यों को ट्रंप की टैरिफ़ धमकी का संयुक्त रूप से विरोध करना होगा

17वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई को रियो डीजनेयरो में आयोजित हुआ, जो ग्यारह देशों की विस्तारित सदस्यता वाला पहला शिखर सम्मेलन था। इसके तुरंत बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिक्स के साथ जुड़ने वाले देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ़ लगाने की धमकी दी। इससे पहले भी, ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ़ लगाने की धमकी देते हुए कहा था कि वे अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को नष्ट करना चाहते हैं और अमेरिका को कमज़ोर करना चाहते हैं। ट्रंप ब्रिक्स से इतने भयभीत और उत्तेजित क्यों हैं?

ब्रिक्स मूलरूप से पांच देशों से बना था: ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका। इसकी शुरुआत 2009 में पहले चार देशों के साथ हुई और एक साल बाद दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ। ब्रिक्स की परिकल्पना एक ऐसे मंच के रूप में की गई थी जो वैश्विक दक्षिण के हितों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करे। ब्रिक्स के पांच सदस्य विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या और विश्व की अर्थव्यवस्था का एक-चौथाई हिस्सा हैं। 2024 में जोहान्सबर्ग में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, इस मंच में छह और देशों - मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया- को शामिल करने का निर्णय लिया गया। अब ब्रिक्स के ये ग्यारह देश मिलकर विश्व की 49.5 प्रतिशत जनसंख्या, विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत और विश्व के व्यापार का 26 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रकाश कारत

> ब्रिक्स कोई गुट या गठबंधन नहीं है। यह वैश्विक दक्षिण के देशों का एक समूह है (रूस एकमात्र अपवाद है), जो बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, व्यापार, आर्थिक सहयोग, जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी पर समान विचारों पर पहुंचने का प्रयास करता है। इस प्रकार, ब्रिक्स में आईएमएफ, विश्वबैंक जैसी संस्थाओं और व्यापार एवं वित्तीय तंत्रों पर जी-7 देशों और पश्चिमी साम्राज्यवाद के प्रभुत्व को चुनौती देने की क्षमता है।

ब्रिक्स कोई गुट या गठबंधन नहीं है। यह वैश्विक दक्षिण के देशों का एक समूह है (रूस एकमात्र अपवाद है), जो बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, व्यापार, आर्थिक सहयोग, जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी पर समान विचारों पर पहुंचने का प्रयास करता है। इस प्रकार, ब्रिक्स में आईएमएफ, विश्वबैंक जैसी संस्थाओं और व्यापार एवं वित्तीय तंत्रों पर जी-7 देशों और पश्चिमी साम्राज्यवाद के प्रभुत्व को चुनौती देने की क्षमता है। ब्रिक्स का उदय 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में हुआ और जी-20 के जी-7 देशों की छाया से बाहर निकलने में विफल रहने के बाद यह और अधिक प्रासंगिक हो गया।

रियो डीजनेयरो घोषणापत्र ने हाल ही में हुई दो आक्रामक घटनाओं के संबंध में वैश्विक दक्षिण की स्थिति को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित किया है। इसने ईरान की संप्रभुता और परमाणु स्थलों पर हमलों की निंदा की है, और इसने गाजा पर इज़राइल के नए हमलों और खाद्य एवं मानवीय आपूर्ति की नाकेबंदी की कड़ी निंदा की है। घोषणापत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम लिए बिना एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों में वृद्धि पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। इसने आईएमएफ और विश्व बैंक में प्रमुख वैश्विक दक्षिण देशों के लिए अधिक मतदान शक्तियों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ब्राजील और भारत के प्रतिनिधित्व की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी दोहराया है।

राष्ट्रपति ट्रंप की नाराज़गी का कारण ब्रिक्स द्वारा डॉलर पर निर्भरता कम करने और बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों पर अमेरिका और जी-7 देशों की पकड़ ढीली करने के लिए उठाए जा रहे कदम और उपाय हैं। अमेरिका द्वारा विशिष्ट देशों के विरुद्ध आर्थिक और वित्तीय प्रतिबंधों का तेज़ी से उपयोग करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एवं बैंकिंग प्रणालियों से बाहर करने के साथ, अधिक से अधिक देश वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से अपने हितों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिक्स सदस्यों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और मुद्रा विनिमय व्यवस्था पर चर्चा की है।

सीमा पार भुगतान के लिए कदम भी एजंडे में हैं। रियो घोषणापत्र में कहा गया है कि नेता अपने देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों को 'ब्रिक्स सीमा पार भुगतान पहल पर चर्चा जारी रखने और ब्रिक्स भुगतान कार्य बल (बीपीटीएफ) द्वारा ब्रिक्स भुगतान प्रणालियों की बेहतर अंतर-संचालन क्षमता पर चर्चा जारी रखने के लिए संभावित रास्तों की पहचान करने में हुई प्रगति की सराहना' करने का काम सौंपेंगे। हालांकि वैकल्पिक मुद्रा व्यवस्था का कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं है, लेकिन डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए उठाए गए सीमित कदम ट्रंप प्रशासन में चिंता का विषय बन रहे हैं।

ब्रिक्स कुछ वैकल्पिक संस्थाओं की स्थापना में क्रमिक प्रगति कर रहा है, यह न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) के उदाहरण से स्पष्ट है। इसकी स्थापना 2015 में 100 अरब डॉलर की पूंजी से हुई थी और इसका मुख्यालय शंघाई में है। यह बैंक ऋणों के भुगतान के लिए ऋण देने के बजाय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ऋण प्रदान करता है। बैंक ने अब तक ब्रिक्स सदस्य देशों और वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों में 98 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 36 अरब डॉलर का ऋण दिया है। वर्तमान में इस बैंक की प्रमुख ब्राज़ील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मारूसेफ हैं। एनडीबी के अलावा, आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था (सीआरए) भी है, जिसमें ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के बीच से एक साझा कोष शामिल होता है। सीआरए मुद्रा संकट के दौरान सदस्य देश को सहायता प्रदान करता है।

वामपंथी आलोचक ब्रिक्स को महत्वहीन मानते हैं क्योंकि इसका कोई सुसंगत साम्राज्यवाद-विरोधी एजेंडा नहीं है। यह आलोचना अनुचित है। ध्यान रखना चाहिए कि ब्रिक्स एक साम्राज्यवाद-विरोधी मंच नहीं है। जहां तक इस मंच के वैश्विक रुख को स्पष्ट करने का सवाल है, दक्षिण के साथ सहयोग करने और वैश्विक दक्षिण की विकास आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाले साझा प्रयासों की शुरुआत करने से, यह बहुध्रुवीयता को मज़बूत करने के उद्देश्य की पूर्ति करेगा। जैसे-जैसे ब्रिक्स मंच अपनी पहुंच और एकजुटता, दोनों के स्तर पर विकसित होता जाएगा, यह अमेरिका के नेतृत्व वाली साम्राज्यवादी व्यवस्था और विकासशील देशों के बीच मौजूद विरोधाभास की अभिव्यक्ति होगा। भारत सहित कई ब्रिक्स सदस्यों के संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। लेकिन, ये देश वस्तुत: एक बहुध्रुवीय विश्व में भी भागीदार हैं जो उनके राष्ट्रीय हितों की बेहतर पूर्ति करेगा। ऐसे देशों के लिए, ब्रिक्स में भागीदारी, अमेरिकी-साम्राज्यवादी व्यवस्था के साथ जुड़े रहते हुए भी, कुछ हद तक रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के अधिक अवसर प्रदान करती है।

ट्रम्प के राष्ट्रपतित्व में व्यापार और अन्य सभी क्षेत्रों में एकतरफा आक्रामकता देखी जा रही है, जिसका वैश्विक दक्षिण के देशों पर बुरा असर पड़ रहा है। व्यापार युद्ध केनडा, यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे घनिष्ठ सहयोगियों को भी नहीं बख्श रहा है। जहां एक ओर यह अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्राज्यवादी गठबंधन को कमज़ोर कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक दक्षिण के लिए एक प्रामाणिक मंच के रूप में ब्रिक्स की अपील बढ़ रही है। अधिक से अधिक देश ब्रिक्स में शामिल होने के इच्छुक हैं। रियो शिखर सम्मेलन में एक नई 'भागीदार देशों' की श्रेणी की शुरुआत की गई। आठ देशों- बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान - को यह भागीदार दर्जा दिया गया है। इस नवाचार के साथ, वैश्विक दक्षिण के और भी देश इस मंच से जुड़ गए हैं।

ब्रिक्स की अध्यक्षता एक वर्ष के लिए है। ब्राज़ील 2025 तक इसकी अध्यक्षता करेगा। राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में, कुछ अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। समूह ने संयुक्त कार्रवाई के लिए एक नया ढांचा पेश किया, जो संयुक्त राष्ट्र के आगामी जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, जिसे कोप:30 के नाम से जाना जाता है, से पहले समूह की समन्वित स्थिति को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, घोषणापत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर अधिक समावेशी वैश्विक चर्चाओं की वकालत की गई, जो वैश्विक दक्षिण की उन चिंताओं को प्रतिध्वनित करता है जिनका अक्सर इन बहसों में कम प्रतिनिधित्व होता है। एक अन्य परिणाम ब्रिक्स बहुपक्षीय गारंटी पहल का प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य जोखिम कम करने के लिए निवेश गारंटी प्रदान करके वैश्विक दक्षिण में बुनियादी ढांचे और विकास निवेश को सुगम बनाना है।

2026 में भारत इसकी अध्यक्षता करेगा और मोदी ने इसका विषय 'सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन और नवाचार का निर्माण' घोषित किया है। वैश्विक दक्षिण की आवाज़ बनने के अपने तमाम दावों के बावजूद, मोदी सरकार की विदेश और रणनीतिक नीतियां आम तौर पर अमेरिका और इज़राइल के साथ संरेखित रही हैं। पाकिस्तान-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर, सभी बहुपक्षीय संस्थानों में आतंकवाद को प्राथमिक एजंडा बनाने की उसकी वर्तमान व्यस्तता भी वैश्विक दक्षिण की समग्र चिंताओं के अनुरूप नहीं रही है। वह अमेरिका द्वारा प्रायोजित क्वाड में अपनी भूमिका को मज़बूत करने के लिए उत्सुक है। फिर भी, भारत ट्रम्पवाद की अनिश्चितताओं का शिकार हो रहा है। वह ट्रम्प की आक्रामक मांगों से चाहे जितना समझौता करने की कोशिश करे, ट्रम्प के कई प्रहारों का शिकार उसे ही होना पड़ेगा।

भारत सरकार का आधिकारिक रुख यह है कि वह बहुध्रुवीयता को बढ़ावा देना चाहती है। हाल के दिनों में भारत और चीन ने सीमा पर तनाव कम करने और आर्थिक एवं यात्रा संबंधों को बहाल करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए संयुक्त कदम उठाए हैं। इससे ब्रिक्स मंच के भीतर सुचारू सहयोग की बाधाएं दूर होनी चाहिए। आशा की जानी चाहिए कि मोदी सरकार ब्रिक्स नेतृत्व की स्थिति का उपयोग ऐसे एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए करेगी जो वैश्विक दक्षिण के सामूहिक हितों को बढ़ावा देगा और वैकल्पिक नीतियों और तंत्रों को कमजोर करने के सभी प्रयासों को विफल करेगा।

आपके पत्र

परिसीमन के ज़रिए 2029 की तैयारी में है भाजपा!

आजकल चुनाव क्षेत्र परिसीमन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। हालांकि यह सुविचारित रणनीति का ही मसला है। याद कीजिए कोरोना काल को जब लोगों का घर से निकलना बंद था उस दौरान माननीय प्रधानमंत्री जी सेंट्रल विस्टा का काम देखने जाते थे स्वाभाविक है मज़दूर भी बुलाए जाते होंगे। इस दौरान मोदीजी के मन में हरदम उन 888 सांसदों के बैठने की चिंता रहती होगी, जिनमें परिसीमन के बाद सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश और बिहार से आए भाजपा सांसदों की उपस्थिति होगी। लोगों ने पहले इसे हल्के में लिया। किंतु जब ये समझ आया कि यह तो सिर्फ भाजपा की जय का रास्ता बनाने के लिए है तब से दक्षिण के सभी राज्यों में खलबली है। जो स्वाभाविक है।

ताज़ा स्थिति में दक्षिण भारत के पांच राज्यों- आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में लोकसभा की कुल 129 सीटें हैं. जबकि उत्तर भारत के सिर्फ़ दो राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में मिलाकर 120 लोकसभा सीटें है। यदि उनकी 80 सीट भी बढ़ जाती हैं तो यह भाजपा की जीत सुनिश्चित कर सकता, लेकिन जैसे-जैसे साल 2026 क़रीब आ रहा है, दक्षिण भारत के नेता केंद्र सरकार पर 'भेदभाव' और दक्षिण राज्यों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए हमलावर हैं। वे जनसंख्या के आधार पर परिसीमन के लिए कतई तैयार नहीं है।

फलस्वरूप परिसीमन को लेकर उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विवाद गहरा रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया है। दक्षिण के राज्य 2050 तक परिसीमन रोकने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीटें बढ़ाने का आधार जनसंख्या नहीं होना चाहिए अन्यथा उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी कम हो जाएगी। पिछले हफ्ते चेन्नई में हुई जॉइंट एक्शन कमिटी की बैठक से यह भी साफ हो गया कि उन्हें काफी समर्थन मिल रहा है। इस बैठक में तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक के साथ ओडिशा और पंजाब के नेताओं ने हिस्सा लिया। ओडिशा और पंजाब जैसे दक्षिण के बाहर के राज्यों का इस मुद्दे पर साथ आना सकारात्मक है। वैसे भी इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों ने इस मुहिम का समर्थन किया है। कांग्रेस का पूरा साथ मिल रहा है। क्योंकि कांग्रेस को खराब दिनों में दक्षिण ने ही संभाला है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि परिसीमन सिर्फ जनसंख्या के आधार पर नहीं होता। लेकिन, यह साफ नहीं है कि अगर जनसंख्या आधार नहीं है, तो फिर फैसला किस तरह होगा। हिस्सा बढ़ाने की मांग को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पहले की नीति को बनाए रखने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि राज्यों के भीतर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हो सकता है, लेकिन लोकसभा सीटों की कुल संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए। वह यह भी चाहते हैं कि अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षित सीटें बढ़ाई जाएं और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए।

दक्षिण भारत में लोकसभा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। अगर यह मांग विभिन्न दलों के गठबंधन एकजुट होकर उठाते हैं तथा यहां के भाजपा गठबंधन में शामिल दल सरकार से अपना समर्थन वापसी की घोषणा करते हैं तो बात बन सकती है। वरना जो लोकसभा सदन में 888 सीट्स बनी हुई है उस पर आधिपत्य उत्तर भारत के साथ भाजपा शासित राजस्थान, मध्यप्रदेश, छग आदि प्रदेशों का होगा। दक्षिण शीर्ष पर नहीं होगा। मतलब दक्षिण को कमज़ोर कर भाजपा अपने प्रतिद्वंद्वियों की जीत के बाद भी 2029 में आसानी से पुनर्स्थापित हो जाएगी। इसीलिए चुनावी जय के लिए भाजपा की यह बड़ी कोशिश है। जिसके लिए आयोग का गठन हो चुका है।

-सुसंस्कृति परिहार

ललित सुरजन की कलम से

दलित हिंदी कविता: मर्मान्तक वेदना और प्रखर चेतना

*हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दलित शोधार्थी रोहित वेमुला की आत्महत्या एक ऐसा प्रकरण था जिसने पूरे देश के संवेदी समाज को हिलाकर रख दिया था। सत्ताधीशों द्वारा इस त्रासदी को छोटा करने के लिए जितने भी उपक्रम किए गए उनसे उन्हीं का बौनापन उजागर हुआ। गुजरात में दलितों पर अत्याचार और उसके प्रतिकार में जिग्नेश मेवाणी के नेतृत्व में एक नए आंदो

देश विदेश

सऊदी अरब के 'स्लीपिंग प्रिंस' का निधन, 20 साल से कोमा में थे

रियाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी अरब के 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से मशहूर प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद का 36 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह करीब दो दशक कोमा में थे। प्रिंस अल-वलीद के परिवार ने रविवार को उनके निधन की पुष्टि की है। प्रिंस अल-वलीद के पिता प्रिंस खालिद बिन तलाल बिन अब्दुल अजीज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, अल्लाह के हुक्म, नियति में पूर्ण विश्वास और गहरे दु:ख के साथ, हम अपने प्यारे बेटे प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल बिन अब्दुल अजीज अल सऊद के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। अल्लाह उन पर रहम करे।

अमेरिका ने मेक्सिकन उड़ानों पर लगाए नए प्रतिबंध

■ द्विपक्षीय समझौते के उल्लंघन का लगाया आरोप ■ वर्षों से अमेरिकी पर्यटकों का शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गंतव्य रहा है मेक्सिको

वॉशिंगटन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट (2015) का पालन नहीं कर रहा है।

विभाग के मुताबिक, मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे बेनिटो जुआरेज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्राडोर ने इसे भीड़भाड़ और 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था।

अमेरिकी परिवहन सचिव सीन पी. डफी ने तीन अमेरिका फर्स्ट उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग के पास दाखिल करना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही, डेल्टा एयरलाइंस और

एरोमैक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है।

डेल्टा और एरोमैक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। कंपनियों ने तर्क दिया है कि सरकार की कार्रवाई की सजा उन्हें नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे दो दर्जन रूट प्रभावित होंगे और करीब 800 मिलियन डॉलर की उपभोक्ता बचत पर असर पड़ेगा।

विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि मेक्सिको ने सुधारात्मक कदम नहीं उठाए, तो उसकी उड़ानों को मंजूरी देने से इंकार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मेक्सिको वर्षों से अमेरिकी पर्यटकों का शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गंतव्य रहा है। 2024 में वहां 4.5 करोड़ से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे।

अमेरिका के वाशिंगटन में गोलीबारी, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के वाशिंगटन राज्य में रविवार को एक गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। रेंटन पुलिस विभाग के अनुसार, गोलीबारी की घटना के बाद इलाके को सील कर दिया गया है और संदिग्ध की तलाश शुरू कर दी गई है, जो अभी फरार है। यह गोलीबारी मीडो क्रेस्ट प्लेग्राउंड, मीडो क्रेस्ट पिकलबॉल और टेनिस कोर्ट, और मीडो क्रेस्ट अर्ली लर्निंग सेंटर के पास हुई। रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है, लेकिन पुलिस ने अभी तक मौतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एक प्रवक्ता ने कोमो न्यूज को बताया कि गोलीबारी हुई और तीन लोगों की मौत हो गई है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि अधिकारी शाम 7:30 बजे के बाद किर्कलैंड एवेन्यू एनई और एनई 18वीं स्ट्रीट के पास हुई गोलीबारी की जांच कर रहे हैं, जिसमें कई लोग मारे गए। यह एक सक्रिय घटनास्थल है, इसलिए भारी पुलिस बल तैनात रहने की उम्मीद है। कृपया इस इलाके में जाने से बचें। पीआईओ रास्ते में हैं। हालांकि, पीड़ितों की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है, लेकिन पुलिस ने पुष्टि की है कि गोलीबारी में तीन लोग मारे गए हैं। फिलहाल जांचकर्ता घटनास्थल पर मौजूद हैं, सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। यह घटना 11 जुलाई को रेंटन ट्रांजिट सेंटर में हुई एक गोलीबारी के बाद हुई, जिसमें 52 वर्षीय एक व्यक्ति को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। इस घटना में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। उनकी हालत अब स्थिर है और उस मामले में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो लोगों की उम्र 20 साल है और एक संदिग्ध की उम्र 18 साल है। 233 बर्नेट एवेन्यू साउथ में स्थित रेंटन ट्रांजिट सेंटर एक व्यस्त परिवहन केंद्र है, और यहां बार-बार गोलीबारी की घटनाएं देखी गई हैं।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह नेता की मौत

यरूशलम/बेरूत, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिणी लेबनान में शनिवार को हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह की योहमोर चौकी का प्रमुख अहमद मुहम्मद सलाह मारा गया। यह जानकारी इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दी।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सलाह योहमोर क्षेत्र में हिजबुल्लाह की सैन्य अवसंरचना को फिर से स्थापित करने की कोशिशों में शामिल था। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने इससे पहले कहा था कि नाबातीह जिले के योहमोर के शारबिक इलाके में एक मोटरसाइकिल पर हुए इजरायली ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

इससे पहले दिन में इजरायली और लेबनानी सूत्रों के अनुसार दक्षिणी लेबनान के अल-खियाम शहर में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के कुलीन रदवान बलों के एक आतंकवादी मोहम्मद अब्दुल्ला अल-हादी मारा गया।

अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच हुआ युद्धविराम समझौता 27 नवंबर, 2024 से प्रभावी हो चुका है।

सुडोकू 6980

		5			2			
	6	2		4			9	
				7				4
7				3	1	8		
	3						5	
		4	2	8				6
6				2				
	9			5		3	2	
			3			4		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 21 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 11

राशिफल

मेष - आज अत्यधिक धन खर्च की संभावना है, इसलिए संभलकर खर्च करने की सलाह दी जाती है। किसी के साथ आर्थिक व्यवहार करते समय काफी सावधानी बरतें।

वृषभ - आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक होगा। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति निखर उठेगी। मन दुविधा से मुक्त होने के कारण आप हिम्मत से काम कर सकेंगे और उत्तरदायित्वों का अच्छी तरह निर्वाह कर सकेंगे।

मिथुन - आपकी वाणी और व्यवहार से किसी के साथ गलतफहमी होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ भी व्यवहार में सावधानी रखनी पड़ेगी। दुर्घटना या बीमारी से बचना होगा। आपकी प्रतिष्ठा में कलंक लग सकता है।

कर्क - अचानक धन लाभ हो सकता है। मित्रों, सगे- सम्बंधियों और स्नेहीजनों के साथ दिन आनंद और रोमांच से भरपूर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। बिजनेस में लाभदायक लेन-देन और सौदा कर सकेंगे।

सिंह - काम में विलंब होगा। घर और ऑफिस में उत्तरदायित्व बढ़ जाएंगे। जीवन अधिक गंभीर होता हुआ प्रतीत होगा। नए रिलेशन या काम के सम्बंध में अभी कोई महत्वपूर्ण निर्णय ना लें। पिताजी के साथ मतभेद हो सकता है।

कन्या - आज शारीरिक सुस्ती और मानसिक थकान महसूस होगी। संतान के साथ अनबन या संघर्ष रहेगी। ऑफिस में उच्च अधिकारी के साथ भी विवाद हो सकता है। किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

तुला - आज आप नए काम की शुरुआत ना ही करें। भाषा और व्यवहार पर संयम रखने से आपको लाभ होगा। गुप्त शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। तबियत का ध्यान रखें। ज्योतिष विद्या और धार्मिक काम आपको आकर्षित करेंगे।

वृश्चिक - आज आपका दिन कुछ अलग तरीके से गुजरेगा। खुद के लिए आप समय निकाल सकेंगे। दोस्तों के साथ घूमना-फिरना, मौज-मस्ती, मनोरंजन, पर्यटन तथा भोजन आदि से आप बहुत आनंदित रहेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु - आज आपको आर्थिक लाभ की संभावना है। परिवार में सुख- शांति और आनंद व्याप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को नौकरी में लाभ और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।

मकर - आपको मानसिक भय और उलझन रहेगी, जिसके कारण आप को योग्य निर्णय नहीं ले सकेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। संतान की चिंता हो सकती है।

कुंभ - मन में भय और सुस्ती के कारण आप निराशा का अनुभव करेंगे। परिवार में संघर्ष और निकटस्थ लोगों के साथ मतभेद हो सकता है। समय पर भोजन नहीं मिल सकेगा। नींद नहीं ले पाएंगे। मां के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मीन - आज नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। भाइयों के साथ आनंद के पल गुजारेंगे। मानसिक स्वस्थता के साथ निर्णय ले सकेंगे। विरोधियों के समक्ष आपकी जीत होगी। किसी के साथ प्रेम संबंध में बंधने की संभावना है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

एक ही दिन में स्वेदश लौटे 1,500 से ज्यादा अफगानी

काबुल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने रविवार को बताया कि एक ही दिन में 1,500 से ज्यादा अफगान शरणार्थी परिवार अपने वतन अफगानिस्तान लौट आए हैं। यह लोग पड़ोसी देश ईरान और पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौटे हैं।

सरकारी मीडिया एजेंसी के अनुसार शनिवार को कुल 1,576 शरणार्थी परिवार अफगानिस्तान लौटे। इनमें 81 परिवार पाकिस्तान से, जबकि 1,495 परिवार ईरान से अपने वतन लौटे हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार अफगानिस्तान लौटने वाले सभी लोगों को क्रॉसिंग प्वाइंट पर जरूरी सहायता प्रदान की गई है। मेजबान देशों ने बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को वापस जाने के लिए कहा है। इसके चलते पिछले कुछ महीनों में अफगान शरणार्थियों की वापसी में तेजी आई है। पिछले एक साल में 13 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थी अपने वतन लौट चुके हैं। जून में ही लगभग 6 लाख अफगान शरणार्थी ईरान से वापस लौटे हैं। स्थानीय अधिकारी के अनुसार जून की शुरुआत में, पश्चिमी हेरात में इस्लाम कला बॉर्डर क्रॉसिंग के रास्ते 30,000 से ज्यादा अफगान शरणार्थी ईरान से स्वदेश लौटे, जो हाल ही में हुई सबसे बड़ी सामूहिक वापसी में से एक थी।

डीआरसी व एम23 ने संघर्ष खत्म करने का किया ऐलान

अदीस अबाबा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अफ्रीकन यूनियन कमीशन (एयूसी) के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) की सरकार और मार्च 23 मूवमेंट (एम23) के बीच दोहा, कतर में संघर्ष समाप्ति को लेकर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जाने का स्वागत किया है। यह घोषणा ईस्टर्न डीआरसी में लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

शनिवार को जारी एक बयान में, यूसुफ ने इस घोषणा को पूर्वी डीआरसी और व्यापक ग्रेट लेक्स क्षेत्र में स्थायी शांति, सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 55 सदस्यीय महाद्वीपीय संगठन के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि डीआरसी और रवांडा की सरकारों ने संवाद, समझौते और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जिस भावना का प्रदर्शन किया है, वह अत्यंत

अफ्रीकन यूनियन ने जताई खुशी

सराहनीय है। बयान में कहा गया है कि एयू सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि इस घोषणापत्र को सफलतापूर्वक लागू करते हुए डीआरसी और पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास को बढ़ावा दिया जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, यह दस्तावेज कतर ने महीनों की शांत मध्यस्थता के बाद तैयार किया है। इसमें आगे होने वाली वार्ताओं के लिए कुछ सहमत सिद्धांतों को शामिल किया गया है। यह कोई अंतिम शांति समझौता नहीं है, लेकिन एक व्यापक समझौते की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम जरूर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

संसद में हर सवाल का ...

नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी। कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम नियमों और परंपराओं के अनुसार काम करते हैं और इनका बहुत महत्व रखते हैं। इसलिए हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आएगा महाभियोग प्रस्ताव

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले में सभी पक्ष मिलकर प्रक्रिया अपनाएंगे। यह अकेले सरकार का कदम नहीं है। मामले को लेकर हस्ताक्षर की प्रक्रिया चल रही है और यह पहले ही 100 को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने साझा किया जाना चाहिए। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

मोदी को ट्रंप के आरोपों पर ...

इस सत्र में हम पहलगाम पर बात करेंगे। सीमा पर संघर्ष, प्रत्येक नागरिक के मतदान के अधिकार और बिहार में मतदाता पुनरीक्षण से संबंधित मुद्द पर प्रधानमंत्री को संसद से राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए। उम्मीद है प्रधानमंत्री अपना नैतिक कर्तव्य निभाएंगे।

चैतन्य से मिलने ...

भूपेश बघेल के भिलाई स्थित आवास पर शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापामारी की थी। इस दौरान उनके बेटे चैतन्य बघेल से पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर दोपहर को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां कोर्ट ने सुनवाई के बाद कोर्ट ने पांच दिन की ईडी रिमांड पर भेज दिया था।

चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को कथित शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की 'अपराध आय प्राप्त हुई.ज्ज लगभग 1,070 करोड़ रुपये की धनराशि के साथ ही चैतन्य बघेल की भूमिका भी एजेंसी की जांच के दायरे में है।

एक ही मामले में ...

तो पहले आपराधिक मामले की सुनवाई पूरी होनी चाहिए। एक ही मामले में आपराधिक केस और विभागीय जांच एक साथ नहीं चल सकती। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का यह फैसला सरकारी कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। यह फैसला सुनिश्चित करता है कि आपराधिक मुकदमे की प्रक्रिया पर विभागीय जांच का असर न पड़े और न्याय प्रक्रिया प्रभावित न हो।

तेलंगाना से बकाया राशि ...

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग गठित हुई है। इसकी जांच चल रही है। दूसरी तरफ, राज्य पॉवर कंपनी की नई याचिका के बाद बिजली के भुगतान के विवाद का निपटारा जल्द होने की उम्मीद कम है। तेलंगाना बोर्ड के पास खिलाफ में फैसला आने पर केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग जाने का विकल्प रहेगा।

वर्ग पहेली 6980

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			
	■	८	९				■		■
■	१०	■		■	■	■	११	■	१२
१३				■	१४	■	१५		
■		■	१६				■	■	
१७			■	■		■	१८	१९	
	■	■	२०			२१	■		■
२२				■	■	२३			

बायें से दायें:-

१. पूरी तरह शुद्ध और साफ
३. पूरी तरह पका हुआ
५. आंखों के सामने
६. दूरी, अंतर
७. युधिष्ठिर
८. समुद्र रूपी संसार
१३. नाजुक
१५. राजा, सम्राट
१६. हष्ट-पुष्ट
१७.वीरता, तेज
१९. वास्तविक
२०. शासन द्वारा लगाया जाने वाला एक कर
२२. प्रधान, मुखिया (उर्दू)
२३. सभी लोगों के लिए

ऊपर से नीचे:-

१. उजागरस, प्रत्यक्ष, (उर्दू)
२. शुद्ध मुनाफा
३. पक्षी, तरफदारी करने वाला
४. गरुड़ (उपमा)
५. तारीफ
९. इत्यादि (उर्दू)
१०. बेचैनी
११. चुप, खामोश
१२. प्रसन्नता
१४. एका- एक होने वाला
१७. कोशिश
१९. स्वाभाविक.सरल
२०. फौज
२१. पृथ्वी

वर्ग पहेली-6979

१ च	क्र	२ म	ध्य	■	■	३ प	द	४ मु	क्त
को	■	धु	■	५ उ	द	र	■	क	■
६ त	मा	शा	■	प	■	७ ख	ब	र	ची
रा	■	८ ला	९ त	मा	र	ना	■	ना	■
■	१० अ	■	ह	■	■	■	११ व	■	१२ आं
१३ व्य	भि	चा	री	■	१४ बे	■	१५ क्ष	मि	त
■	मा	■	१६ र	स	प	ति	■	■	रि
१७ वि	न	ती	■	■	ना	■	१८ त	१९ नि	क
षै	■	■	२० खे	ति	ह	२१ र	■	र्जी	■
२२ ला	भ	प्र	द	■	■	२३ थ	का	व	ट

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1884-कोलकाता में भारत के पहले सार्वजनिक थियेटर की शुरुआत हुई।
1930-भारतीय कवि और फ़िल्मी गीतकार आनंद बख़्शी का जन्म।
1940-सोवियत संघ ने एस्टोनिया लातविया और लिथुआनिया पर कब्जा किया।
1947-प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी चेतन चौहान का जन्म।
1960-श्रीलंका (सीलोन) में सिरिमावो भंडारनायके विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी।
1962-भारत चीन के बीच सीमा पर युद्ध।
1963-काशी विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया।
1969-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एवं एडविन एल्ड्रिन चन्द्रमा पर उतरे।
1972-भूटान के तीसरे राजा जिग्मे दोरजी वांग्चुक का निधन।
1977-नीलम संजीव रेड्डी भारत के राष्ट्रपति चुने गए।
1988-भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इनसैट-1सी) का प्रक्षेपण।
1995-भारतीय हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध संगीतकार सज्जाद हुसैन का निधन।
2001-प्रसिद्ध तमिल अभिनेता शिवाजी गणेशन का निधन।
2004-संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने भारी बहुमत से पश्चिमी किनारे के फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों से इस्रायल को बाढ़ हटाने का प्रस्ताव पारित किया।
2007-वाशिंगटन में चार दिनों तक चले विचार-विमर्श के बाद भारत-अमेरिका परमाणु समझौते का प्रारूप तैयार किया गया।
2007-प्रतिभा पाटिल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति बनी।

मामला नेशनल सिटिजन पार्टी ने भारत के खिलाफ उगला जहर, बोला

बांग्लादेश में विदेशी विचारधारा के लिए कोई जगह नहीं

ढाका, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख युवा नेता सरजिस आलम ने ढाका स्थित सुहरावर्दी उद्यान में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत समर्थक मुजीबपंथी ताकतें एक बार फिर बांग्लादेश में सक्रिय हो रही हैं। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, पार्टी के उत्तरी क्षेत्र के प्रमुख आयोजक सरजिस ने कहा कि इस देश में किसी भी विदेशी समर्थक विचारधारा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

भारतीय आधिपत्य का विरोध किया जाना जरूरी है। सरजिस ने कहा कि जुलाई की एक क्रांति तो बीत गई, लेकिन मुजीबपंथी ताकतों की साजिशें अभी भी जारी हैं। उन्होंने कहा कि गोपालगंज में आज भी इनके ठिकाने मजबूत हैं। सिर्फ कानूनी तरीके से मुजीबपंथ को नहीं रोका जा सकता, इसे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी खत्म करना होगा।

आलम ने जन आंदोलनों में भाग लेने वाले सभी लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर क्रांति के सभी सिपाहियों को एक साथ खड़ा होना चाहिए।

सरजिस ने यह भी कहा कि 5 अगस्त, 2024 को जिस सपने के लिए हजारों छात्रों और नागरिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, वह सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है।

बोले कि हमें कोई नागरिक समाज की शैली वाली अंतरिम सरकार नहीं चाहिए, बल्कि ऐसी सरकार चाहिए जो लोगों के अधिकारों को सुनिश्चित कर सके।

सरजिस ने शेख हसीना को हत्यारिन कहकर उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की और एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना पर बल दिया जो किसी विशेष राजनीतिक दल की कठपुतली न हो। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी कानून व्यवस्था नहीं चाहिए जो सिर्फ सत्ता की सेवा करे।

हसीना को कभी माफ नहीं किया जा सकता : बीएनपी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने रविवार को कहा कि अपदस्थ शेख हसीना को जुलाई के जन विद्रोह के दौरान हुई हत्याओं और क्रूरताओं के लिए कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने 'जन विद्रोह 2024 -सदाबहार स्मृतियां' नामक एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुश्री हसीना मानवता के लिए कलंक हैं, माताओं के लिए कलंक हैं। श्री फ़खरुल ने आंदोलन में अपने बेटे की मृत्यु के बारे में भावुक होकर बताया कि अपने बेटे के ज़रिए भविष्य का सपना देखा था। लेकिन उसे गोली मार दी गई, फिर दूसरों के साथ एक वैन में फेंक दिया गया।

दुनिया को जानें

चीन में दुनिया के सबसे गहरे बलुआ पत्थर-प्रकार के औद्योगिक यूरेनियम की खोज

बीजिंग, 19 जुलाई (एजेंसियां)। चीनी परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, चीनी विशेषज्ञ दल ने चीन के शिनच्यांग उइगुर स्वायत्त प्रदेश के तारिम बेसिन में 1,820 मीटर जमीन के नीचे दुनिया के सबसे गहरे बलुआ पत्थर-प्रकार के औद्योगिक यूरेनियम खनिज की खोज की है। इसने बलुआ पत्थर-प्रकार के औद्योगिक यूरेनियम खनिजीकरण की सबसे गहरी खोज का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह दर्शाता है कि चीन के गहरे भू-भाग में बलुआ पत्थर-प्रकार के यूरेनियम संसाधन अन्वेषण में दुनिया में अग्रणी हैं। यूरेनियम अन्वेषण का उद्देश्य औद्योगिक मूल्य वाले यूरेनियम भंडारों का पता लगाना और उनके संसाधन की मात्रा और विकास की संभावनाओं का आकलन करना है।

औद्योगिक यूरेनियम खनिजीकरण औद्योगिक यूरेनियम भंडारों की खोज का एक प्रत्यक्ष व विश्वसनीय संकेत है। इस बार खोजा गया औद्योगिक यूरेनियम खनिजीकरण चीन में तारिम बेसिन के रेगिस्तानी भीतरी क्षेत्र के रिक्त क्षेत्र में लाल रंग की परत में खोजा गया पहला मोटा औद्योगिक यूरेनियम खनिजीकरण है, जो चीन के सबसे बड़े रेगिस्तानी कवरेज क्षेत्र में खान पूर्वेक्षण अंतराल को भरता है।

खेल जगत

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में रचा इतिहास

नई दिल्ली। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 8 विकेट से जीता। इसी के साथ इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर सर्वाधिक महिला वनडे मैच जीतने वाला देश बन गया है। इंग्लैंड ने अपने घरेलू मैदान पर अब तक 182 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 121 मुकाबले में उसने जीत दर्ज की है। इंग्लैंड से पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के नाम था, जिसने 146 वनडे मुकाबलों में 120 जीते हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम 166 में से 86 मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। भारत ने अपने घर पर 131 में से 81 मैच जीते हैं। भारतीय महिला टीम इस लिस्ट में चौथे पायदान पर है। लॉर्ड्स में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया।

चोटिल आकाश और अर्शदीप के मैनचेस्टर टेस्ट खेलने पर संशय

- चौथा टेस्ट मैच बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा
- आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट में 10 विकेट लेकर भारत को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी

मैनचेस्टर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मैनचेस्टर में होने वाले महत्वपूर्ण चौथे टेस्ट से पहले भारत के दो तेज गेंदबाजों आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल हो गये है, जिससे इन दोनों के अगले टेस्ट मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। अर्शदीप को गुरुवार को बैकनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान अपने ही फॉलो थ्रू में गेंदबाजी हाथ में चोट लगी है, जबकि आकाश दीप को पीठ में परेशानी से जूझ रहे है। चौथा टेस्ट मैच बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। ये टेस्ट दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत या तो इंग्लैंड के साथ बराबरी कर सकता है या एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी हार सकता है। भारत के सहायक कोच टेन डेश्काटे ने गुरुवार को कहा था कि अर्शदीप की चोट भारत की योजना पर असर डालेगी और अब आकाश दीप पर संदेह के साथ चिंताएं और भी बढ़ गई होंगी। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने बर्मिंघम टेस्ट में 10 विकेट लेकर भारत को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। लॉर्ड्स में अगले टेस्ट में आकाश दीप ने केवल एक विकेट लिया और पवेलियन एंड से गेंदबाजी करते हुए लय हासिल करने में संघर्ष करते दिखे थे। वह चौथे दिन दोपहर में भी इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए थे, हालांकि उस समय यह पुष्टि नहीं हो पाई थी कि समस्या क्या थी।आकाशदीप ने थोड़ी देर अभ्यास गेंदबाजी और वह चोटिल होकर बाहर आए और उनके गेंदबाजी वाले हाथ पर टेप लगा दिखा। यह पता नहीं चल सका कि उन्हें टांके लगे हैं या नहीं, लेकिन अगर आकाश दीप बाहर हो जाते तो अर्शदीप उनकी जगह ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट की दौड़ में शामिल हो जाते। मोहम्मद सिराज एकमात्र तेज गेंदबाज हैं जो इस दौरे पर भारत के लिए सभी टेस्ट मैचों में रहे हैं और अब तक इस सीरीज में उन्होंने भारत की ओर से सबसे ज्यादा ओवर डाले हैं। टेन डेश्काटे ने कहा है कि सिराज के वर्कलोड पर भी प्रबंधन की नजर है।

इंग्लैंड दौरे के बीच भारतीय टीम में शामिल हुए अंशुल कंबोज

नई दिल्ली। हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को इंग्लैंड के मौजूदा दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हो गए, जिसके बाद अंशुल को टीम के साथ जोड़ने का फैसला लिया गया। 'स्टार स्पोर्ट्स' ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत-ए के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले कवर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 24 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 79 विकेट अपने नाम किए हैं। वह पिछले महीने भारत-ए टीम का हिस्सा थे। इस दौरान दो तीन दिवसीय मैच खेले गए। अंशुल ने दोनों मैचों में कुल पांच विकेट अपने नाम किए। वहीं, लिस्ट-ए के 25 मुकाबलों में अंशुल 40 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में 30 टी20 मुकाबले भी खेले, जिसमें 34 विकेट चटकाए। चौथे टेस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने पर अब तक संशय है। कुछ अन्य भारतीय गेंदबाज पिछले मुकाबलों में प्रभाव नहीं छोड़ सके हैं। ऐसे में अर्शदीप सिंह को मैनचेस्टर टेस्ट की दौड़ में आगे माना जा रहा था।

प्रिया मलिक ने 76 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता रजत पदक

- हमवतन मनीषा ने 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता

बुडापेस्ट, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की वर्ल्ड कैडेट्स चैंपियन प्रिया मलिक ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीता। हंगरी के बुडापेस्ट में खेले गये फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया मलिक को ब्राजील की थामिरेस मार्टिन्स माचाडो के खिलाफ 4-3 के बेहद करीबी अंतर से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान ने टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में रियो 2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कजाकिस्तान की एलमिरा सिजदिकोवा को 7-2 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में वैलेरिया ट्रिफोनोवा पर 11-1 की जबरदस्त जीत दर्ज की। हमवतन मनीषा ने 62 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। जहां कांस्य पदक मुकाबले में मनीषा ने क्रिस्टिना को 9-0 से पटखनी देकर जीत हासिल की। क्वार्टरफाइनल में मनीषा को अमीना टंडेलोवा से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने रेपचेज राउंड के जरिए वापसी करते हुए फ्रांस की ओलंपियन अमेलिन डोआरे को 8-2 से हराया। वहीं, नॉर्डिक सिस्टम के तहत 55 किग्रा वर्ग में खेल रहीं पुष्पा को अमेरिका की क्रिस्टेल नोएल रोड्रिगेज और कनाडा की वर्ल्ड चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता कार्ला गोडिनेज से हार का सामना करना पड़ा। ग्रीको-रोमन कुश्ती में करण कांबोज (87 किग्रा) क्वालिफिकेशन से, अंकित गुलिया (72 किग्रा) प्रीक्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। जीते गये पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या आठ हो गई है। जिसमें तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

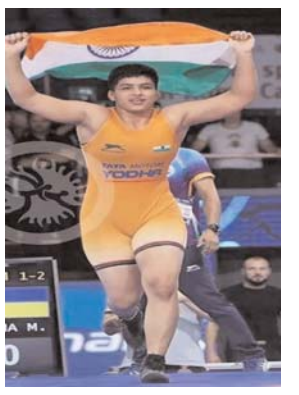

आरसीए ने की सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला चयन समिति घोषित

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आसीए) की तदर्थ समिति ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की विभिन्न वर्गों की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान की टीम चुनने के लिये पुरुष वर्ग की सीनियर, जूनियर और महिला चयन समिति घोषित कर दी है। तदर्थ समिति के संयोजक डी डी कुमावत ने रविवार को बताया कि राजस्थान सीनियर चयन समिति (पुरुष) में राहुल कांवट, विलास जोशी, विजेंद्र यादव, सूर्यवीर सिंह, कुलदीप सिंह, शमशेर सिंह को चयन समिति का सदस्य चुना गया है। इसी प्रकार राजस्थान जूनियर चयन समिति (पुरुष) में नरेश गहलोत, लोकेश जैन, सिद्धार्थ जोशी, प्रणय शर्मा, सिद्धार्थ सर्राफ और अंकित लाम्बा को चुना गया है।

एशियाई जूनियर मिश्रित टीम चैम्पियनशिप

भारत ने हांगकांग को हराकर ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया

सोलो, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने इंडोनेशिया में बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के ग्रुप चरण में अपनी लगातार जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए रविवार को ग्रुप डी के अंतिम मुकाबले में हांगकांग चीन को 110-100 से हराकर ग्रुप तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। दोनों टीमें पहले ही नॉक-आउट चरण में जगह बना चुकी हैं। इसके बावजूद जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुजुला रामू ने एक बार फिर भारत को विजयी शुरुआत दिलाई। उन्होंने आईपी सुम याउ को 11-8 से हराया, और फिर भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की विश्व नंबर 6 जूनियर बालक युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और देंग ची फाई के खिलाफ बढ़त को 22-13 तक पहुंचा दिया। हांगकांग के लाम का तो ने 13 अंक बनाकर अपनी टीम के अंतर को कम करने में मदद की, इससे पहले रौनक चौहान ने भारत के अंकों को 33 तक पहुंचाया था। पांच मैचों के बाद दोनों टीमों के बीच केवल छह अंकों का अंतर (55-49) था। जूनियर विश्व नंबर 1 तन्वी शर्मा ने दूसरे बालिका एकल में लियू होई किउ अन्ना पर दबदबा बनाया और 66-54 से भारत को बढ़त दिला दी। अगले चार मैच कांटे के रहे। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी और ग्रुप में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा। जापान ग्रुप ए में थाईलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इससे पहले, भारत ने ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात पर 110-83 से शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। भारत ने शुक्रवार को इंडोनेशिया में ग्रुप डी के मुकाबले में श्रीलंका को 110-69 से हराकर बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

- रुजुला रामू ने एक बार फिर भारत को विजयी शुरुआत दिलाई
- आज क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा

मुरली श्रीशंकर ने लगाई 7.75 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग

पुर्तगाल एथलेटिक्स मीट में पहला स्थान

माइया (पुर्तगाल), 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने मीटिंग माया सिदादे दो देसपोर्टो 2025 में देश का नाम रोशन किया है। यह एक वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर का ब्रॉन्ज-लेवल मुकाबला था, जिसमें श्रीशंकर ने 7.75 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया। श्रीशंकर ने प्रतियोगिता की शुरुआत 7.63 मीटर की छलांग से की। इसके बाद उन्होंने दूसरे राउंड में 7.75 मीटर की छलांग लगाई, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। तीसरे प्रयास में उन्होंने 7.69 मीटर की छलांग लगाई, और चौथा प्रयास फाउल रहा। उन्होंने पांचवें प्रयास में 6.12 मीटर और आखिरी राउंड में 7.58 मीटर की छलांग लगाई। पोलैंड के पिओत्र टारकोव्स्की दूसरे स्थान पर रहे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के क्रिस मिटरव्स्की ने तीसरा स्थान हासिल किया। मुरली श्रीशंकर घुटने की चोट के चलते लंबे समय तक खेल से दूर रहे थे, जिसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की है।

मुरली श्रीशंकर को अप्रैल 2024 में घुटने में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा नहीं ले सके। उन्होंने 8.37 मीटर की छलांग के साथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2023 में रजत पदक जीतते हुए ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। 2023 का सीजन श्रीशंकर के लिए मिला-जुला रहा। उन्होंने एशियन चैंपियनशिप के अलावा एशियन गेम्स, दोनों में रजत पदक जीते। इसके साथ ही उन्होंने बुडापेस्ट वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया और यूजीन में डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया। चोट से उबरने के बाद श्रीशंकर ने 12 जुलाई 2025 को पुणे में आयोजित इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट में जबरदस्त वापसी करते हुए लॉन्ग जंप प्रतियोगिता जीती। यह मुकाबला सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ, जहां उन्होंने अपने चौथे प्रयास में 8.05 मीटर की छलांग लगाई। 26 वर्षीय मुरली श्रीशंकर ने अपनी छलांग की शुरुआत 7.84 मीटर से की, फिर इसे बेहतर करते हुए 7.99 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद 8 मीटर का आंकड़ा पार किया। हालांकि, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए क्वालिफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। लगभग दो साल पहले चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने के बाद मुरली श्रीशंकर का यह पहला प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन था।

सार संक्षेप

क्रिकेट में बने रहने के लिए उच्च स्तर की फिटनेस बेहद अहम : बिश्नोई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि लगातार बढ़ते क्रिकेट को देखते हुए खिलाड़ियों को पूरे साल फिटनेस को सर्वोत्तम बनाए रखना काफी महत्वपूर्ण हो गया है। रवि बिश्नोई भारतीय टीम के लिए 42 टी20 मैचों में 61 विकेट ले चुके हैं। वहीं, एक वनडे में उन्हें एक विकेट मिला है। आखिरी बार बिश्नोई को आईपीएल 2025 में एलएसजी की तरफ से खेलते देखा गया था। लेग स्पिनर ने कहा कि अब फिटनेस पर बहुत जोर दिया जा रहा है, क्योंकि खेल की मांग बहुत बढ़ गई है। खेल तेज होता जा रहा है, टी20 में हम 90 मिनट में मैच खत्म नहीं कर पाते, इसलिए हमें उस स्तर के खेल के लिए फिटनेस बनाए रखनी होगी। एक इवेंट के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए रवि बिश्नोई ने कहा कि हम कंधों और कलाइयों के व्यायाम भी करते हैं। हम कंधों के व्यायाम ज्यादा करते हैं, क्योंकि इससे हमारी स्पिन को काफी मदद मिलती है। हम अपने कंधों को मजबूत और लचीला बनाए रखने की कोशिश करते हैं। एक स्पिन गेंदबाज के तौर पर आपको लचीला होना जरूरी है।

भारतीय महिला बास्केटबॉल टीम ने कजाकिस्तान को हराया

शेनझेन (चीन)। भारतीय बास्केटबॉल टीम ने शनिवार को फीबा महिला एशिया कप 2025 डिवीजन बी टूर्नामेंट में कजाकिस्तान को 103-77 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया।

सुडोकू 6980 का हल

4	7	5	9	1	2	6	8	3
1	6	2	8	4	3	5	9	7
3	8	9	6	7	5	2	1	4
7	2	6	5	3	1	8	4	9
9	3	8	7	6	4	1	5	2
5	1	4	2	8	9	7	3	6
6	4	3	1	2	8	9	7	5
8	9	7	4	5	6	3	2	1
2	5	1	3	9	7	4	6	8

नामीबिया को हराकर जिम्बाब्वे ने रग्बी विश्वकप 2027 के लिए किया क्वालीफाई

कंपाला, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे की राष्ट्रीय 15एस रग्बी टीम, सैबल्स ने रग्बी अफ्रीका कप के रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी नामीबिया को 30-28 से हराकर रग्बी विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कंपाला के मंडेला नेशनल स्टेडियम में कप्तान हिल्टन मुदारिकी की अगुवाई वाली जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। कड़ी टक्कर वाले पहले हाफ 16-16 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन सैबल्स ने ब्रेक के बाद मजबूत वापसी की। गॉडफ्रे मुजानार्ग्वो और ब्रैंडन मुडजेकेन्येद्जी के प्रयासों और इयान प्रायर के त्रुटिहीन रूपांतरणों की बदौलत जिम्बाब्वे ने 30-16 की बढ़त बना ली। नामीबिया ने दो प्रयासों और एक रूपांतरण के साथ देर से वापसी की और अंतर को केवल दो अंकों तक सीमित कर दिया। अंतिम क्षणों में एक पेनल्टी चूकने के कारण अंततः उन्हें मैच हारना पड़ा। जिससे जिम्बाब्वे को रग्बी अफ्रीका कप ट्रॉफी और 1991 के बाद पहली बार विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिला।

कुलकर्णी बनें ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के डिप्टी हेड कोच

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के पूर्व विकेटकीपर सुलक्षण कुलकर्णी को ओमान की पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का डिप्टी हेड कोच बनाया गया है। ओमान क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमें सुलक्षण कुलकर्णी का ओमान पुरुष राष्ट्रीय टीम के डिप्टी हेड कोच के रूप में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। कुलकर्णी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय का काफी अनुभव है। जैसे कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है, कुलकर्णी की नियुक्ति हमारे कोचिंग ढांचे में गहराई और सक्षम नेतृत्व लाएगी। उनका काम टीम को 2026 में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद करना होगा। उनके कार्यकाल की शुरुआत 8 से 18 अक्टूबर तक ओमान में होने वाले टी20 विश्व कप क्वालिफायर से होगी। श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दलीप मेंडिस ओमान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं। कुलकर्णी ने 65 फर्स्ट-क्लास और 13 लिस्ट ए मैच खेले हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, मुंबई, तमिलनाडु, विदर्भ और छत्तीसगढ़ सहित कई घरेलू टीमों के मुख्य कोच के रूप में काम किया है। खास बात यह है कि उन्होंने 2012-13 सीजन में मुंबई को रणजी ट्रॉफी जिताई थी और पिछले सीजन में महाराष्ट्र रणजी टीम के मुख्य कोच थे। ओमान पहले ही सितंबर में होने वाले एशिया कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, हालांकि टूर्नामेंट की अंतिम स्थिति अभी तय नहीं है और यह एशियाई क्रिकेट परिषद की आगामी बैठक पर निर्भर करती है। यह दूसरी बार है जब ओमान क्रिकेट ने अपने सपोर्ट स्टाफ में किसी भारतीय और विशेष रूप से मुंबईकर को शामिल किया है। इससे पहले कुछ साल पहले ओंकार साल्वी टीम के गेंदबाजी कोच रहे थे। 58 वर्षीय कुलकर्णी से ओमान की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं में अनुभवी नेतृत्व और रणनीतिक योगदान दोनों लाने की उम्मीद है।

- कुलकर्णी की नियुक्ति हमारे कोचिंग ढांचे में गहराई और सक्षम नेतृत्व लाएगी

विश्व चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत बनाम पाकिस्तान मैच रद्द

झबर्मिंघम, 20 जुलाई (एजेंसियां)। शिखर धवन सहित भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के कारण बर्मिंघम में रविवार को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाने वाला वेटरन्स क्रिकेट मैच रद्द कर दिया गया है।

धवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने बयान का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया जिसमें लिखा, यह औपचारिक रूप से दोहराया जाता है कि श्री शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान टीम के खिलाफ किसी भी मैच में भाग नहीं लेंगे। यह चर्चा 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी बातचीत के दौरान पहले ही हो चुकी थी।

हमारी वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए, श्री धवन और उनकी टीम ने उचित विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है। हम इस मामले में लीग से सम्मानपूर्वक समझ और सहयोग का अनुरोध करते हैं।

डब्ल्यूसीएल के आयोजकों ने एक बयान में कहा कि उन्होंने यह खबर सुनने के बाद कि पाकिस्तान हॉकी टीम इस वर्ष भारत का दौरा करेगी और दोनों देशों की अंडर-16 टीमों के बीच हाल ही में वॉलीबॉल मैच को देखने के बाद टूर्नामेंट में इस मैच की योजना बनाई थी। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस मैच से अनजाने में हमारे भारतीय क्रिकेट दिग्गजों को असुविधा हुई है, तो हम इस मैच का रद्द करते हैं। डब्ल्यूसीएल का दूसरा संस्करा 18 जुलाई को बर्मिंघम में शुरू हुआ और अब तक तीन मैच खेले जा चुके हैं।

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट का पहला मैच खेला था, लेकिन रविवार का मैच भारत का पहला मैच होने वाला था। युवराज सिंह भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं जबकि मोहम्मद हफीज पाकिस्तान के कप्तान हैं। टूर्नामेंट की छह टीमें एक-दूसरे से एक-एक बार भिड़ेंगी, उसके बाद शीर्ष चार टीमें 31 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल और दो अगस्त को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी। टूर्नामेंट बर्मिंघम, नॉर्थम्प्टन, लीसेस्टर और लीड्स में खेला जाएगा।

- टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें भी शामिल

ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज: पहले टी-20 मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन घोषित

किंग्स्टन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मैट शॉर्ट के कैरेबियाई टी20 दौरे से बाहर होने के बाद, जेक फ्रेजर-मैकगर्क वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में पारी की शुरुआत करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। यह मैच भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर सबीना पार्क में खेला जाएगा। फ्रेजर-मैकगर्क को कैरेबियाई दौरे के लिए देर से बुलाया गया है। शुरुआत में मैकगर्क को 16 सदस्यीय टीम से बाहर रखा गया था, लेकिन इसके बाद उन्हें स्पेंसर जॉनसन की जगह टीम में बुलाया गया। इस मुकाबले के साथ मिशेल ओवेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। वह मध्यक्रम में खेलेंगे। मिशेल ओवेन पिछले साल होबार्ट के पहले बिग बैश खिताब के हीरो रहे थे। ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मुकाबलों की टी-20 सीरीज खेलनी है, जिससे पहले जमैका में ट्रेनिंग के बाद मैट शॉर्ट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। ऐसे में उन्हें वापस ऑस्ट्रेलिया लौटना पड़ गया। वहीं, दूसरी ओर टिम डेविड को आईपीएल-2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए हैमस्ट्रिंग की चोट लगी। वह इससे उबर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में कूपर कोनोली सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड, एलेक्स कैरी के साथ पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम दिया है।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	1.94 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.66 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	0.52 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.32 प्रतिशत
इंफोसिस	0.24 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	5.24 प्रतिशत
बीईएल	2.34 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.49 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.47 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.44 प्रतिशत

सर्राफा

दिल्ली	
सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	98,243
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,12,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7789-7818
मसूर काली	8006-8032
उड़द दाल	10556-10561
मूंग दाल	10133-10146
अरहर दाल	11130-11132

भारत में 76 हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रही महिलाएं : सिंह

- टियर 2 और टियर 3 शहरों में है बड़ी संख्या में स्टार्टअप
- 'जीविका ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम ऐप' किया लांच
- 'सशक्त महिला, समृद्ध बिहार' प्रकाशन का किया अनावरण

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में लगभग 76,000 स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाओं की ओर से किया जा रहा है। इसमें से बड़ी संख्या में स्टार्टअप टियर 2 और टियर 3 शहरों से है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनने की राह सशक्त महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व में तय होगी।

राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सिंह ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी सरकार ने अपने शासन ढांचे को चार स्तंभों पर केंद्रित किया है, जिसमें गरीब, किसान, युवा और महिला शामिल हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि महिला-केंद्रित शासन ने न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाया है, बल्कि समाज को भी नया रूप दिया है। लक्षित कल्याण के रूप में शुरू हुआ यह कार्य अब संस्थागत नेतृत्व में विकसित हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं के लिए सुलभ शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 'जीविका ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम ऐप' लॉन्च किया और 'सशक्त महिला, समृद्ध बिहार' नामक प्रकाशन का अनावरण किया, जो बिहार की प्रगति में महिलाओं के योगदान के बारे में जानकारी देता है।

डॉ. सिंह ने महिला सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री मोदी सरकार के व्यापक दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की, जो चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहले चरण में संस्थानों में पहुंच और समावेशन ने भारत के शैक्षिक और सैन्य परिदृश्य में महिलाओं की पहुंच को सुनिश्चित किया है। दूसरे चरण में वैज्ञानिक और तकनीकी सशक्तिकरण ने डब्ल्यूआईएसई, जीएटीआई, सीयूआरआईई और महिला वैज्ञानिक कार्यक्रम जैसी लक्षित योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाया है। तीसरे चरण आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण ने वित्तीय संसाधनों तक महिलाओं की पहुंच में व्यापक वृद्धि देखी है।

भारतीय स्टार्टअप्स ने इस हफ्ते जुटाए 97.45 मिलियन डॉलर

मुंबई। भारतीय स्टार्टअप्स इस हफ्ते 26 डील्स के जरिए 97.45 मिलियन डॉलर का फंड जुटाने में सफल रहे हैं। इसकी वजह देश के स्टार्टअप्स इकोसिस्टम का मजबूत रहना है। इस हफ्ते चार ने ग्रोथ स्टेज में और 16 ने अर्ली-स्टेज में फंड जुटाया है। वहीं, 6 स्टार्टअप्स की ओर से जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस हफ्ते कुल फंडिंग पिछले हफ्ते की तुलना में मामूली रूप से बढ़ी, जिसमें 17 स्टार्टअप्स ने लगभग 95 मिलियन डॉलर जुटाए थे। हालांकि, इस हफ्ते फंडिंग डील्स की संख्या अधिक रही, जो व्यापक निवेशक भागीदारी का संकेत देती है। डील्स की संख्या के मामले में बेंगलुरु शीर्ष शहर के रूप में उभरा, जहां 11 स्टार्टअप्स को फंडिंग मिली। इसके बाद मुंबई में छह डील्स हुई, जबकि दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई और पुणे ने भी फंडिंग गतिविधि में योगदान दिया। इस हफ्ते छह डील्स के साथ एआई सबसे आकर्षक सेक्टर रहा, इसके बाद ई-कॉमर्स और हेल्थटेक में क्रमशः चार और तीन डील्स दर्ज की गई।

भारत तेल आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा रहा कदम : पुरी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि भारत तेल आत्मनिर्भरता की ओर लगातार और आत्मविश्वास से कदम बढ़ा रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपने ऊर्जा भविष्य को कदम दर कदम सुरक्षित कर रहा है।

- अब तेल क्षेत्र अन्वेषण के लिए खुला 10 लाख वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्र

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 10 लाख वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्र अब तेल क्षेत्र अन्वेषण के लिए खुला है, जबकि 99 प्रतिशत 'नो-गो' क्षेत्रों में मंजूरी दे दी गई है। ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) के तहत पेश किए जा रहे तेल और गैस ब्लॉकों ने पहले ही वैश्विक और घरेलू ऊर्जा कंपनियों का ध्यान आकर्षित किया है और बोली के दसवें दौर में भागीदारी और निवेश के लिए नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इस महीने तेल और गैस क्षेत्र में तेजी लाने की योजना के तहत तैयार किए गए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमों, मॉडल राजस्व साझाकरण अनुबंध और पेट्रोलियम पट्टे के नए नियमों के ड्राफ्ट पर फीडबैक और सुझाव आमंत्रित किए। ये तेल और गैस क्षेत्र में अन्वेषण और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लागू किए जा रहे अग्रणी नीतिगत सुधारों की एक सीरीज है।

राजस्थान में 70 प्रतिशत हुई नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी : जोशी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के कहा कि राजस्थान को अब लगभग 70 प्रतिशत बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 35.4 गीगावाट है, जिसमें से 29.5 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता और 5.2 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता शामिल है।

राजस्थान में जेलेस्ट्रा इंडिया द्वारा विकसित 435 मेगावाट क्षमता वाली गोरबिया सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य अब आशा, ऊर्जा स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की नई किरण है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे द्वारा उत्पादित प्रत्येक मेगावाट के साथ, हम

केवल बिजली का उत्पादन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं और यह परियोजना परिवर्तन की गति और पैमाने को दर्शाती है।

आठ महीने से भी कम समय में बनकर तैयार हुई गोरबिया सौर ऊर्जा परियोजना 1,250 एकड़ में फैली है और इस परियोजना के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम के साथ 25 साल के विद्युत क्रय समझौते (पीपीए) भी किया गया है।

भारत सेमीकंडक्टर का उत्पादन करने वाले शीर्ष 5 देशों में होगा शामिल : वैष्णव

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जिस तरह से हम सेमीकंडक्टर बनाने के लिए आवश्यक पूंजीगत उपकरण और सामग्री का निर्माण कर रहे हैं, उससे आने वाले वर्षों में भारत सेमीकंडक्टर का उत्पादन करने वाले शीर्ष 5 देशों में शामिल हो जाएगा।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश की तीव्र प्रगति पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अब चिप डिजाइन से लेकर निर्माण तक एक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है, जो देश को इस क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने में मदद करेगा। आईआईटी-हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए, वैष्णव ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के

छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छात्रों ने पहले ही 20 चिपसेट डिजाइन कर लिए हैं, जिनमें से आठ को 'टेप आउट' करके निर्माण के लिए भेज दिया गया है। इन चिपसेट का निर्माण ग्लोबल फाउंड्रीज और मोहाली स्थित सरकारी स्वामित्व वाली सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) में किया जा रहा है जो 1976 से कार्यरत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत द्वारा

- चिप डिजाइन से लेकर निर्माण तक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा भारत

इस वर्ष अपना पहला व्यावसायिक स्तर का, मेड-इन-इंडिया सेमीकंडक्टर चिप तैयार किए जाने की उम्मीद है। इस उपलब्धि को सरकार के भारत सेमीकंडक्टर मिशन द्वारा सपोर्ट किया जा रहा है, जिसने 270 कॉलेजों और 70 स्टार्टअप्स को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरण प्रदान किए हैं। अकेले आईआईटी-हैदराबाद के 700 से अधिक छात्रों ने पिछले छह महीनों में इन उपकरणों का कुल मिलाकर 3,00,000 घंटे उपयोग किया है।

सार संक्षेप

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में किया 5,939 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जुलाई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 69.6 करोड़ डॉलर (5,939 करोड़ रुपए) का शुद्ध निवेश किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, महीने के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शेयरों में बिकवाली कर डेट खरीदे। इक्विटी में उन्होंने 64.3 करोड़ डॉलर की बिकवाली की जबकि 134.4 करोड़ डॉलर के डेट की लिवाली की। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में उन्होंने 4.6 करोड़ डॉलर लगाए जबकि हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट से पांच करोड़ डॉलर निकाले। इस महीने की शुरुआत में (एफपीआई) निवेशकों का रुख सकारात्मक था, हालांकि बाद में वे बिकवाल हो गये, खासकर पिछले सप्ताह। इससे पहले जून में एफपीआई निवेशक बिकवाल रहे थे। उन्होंने शुद्ध रूप से बाजार से 90.4 करोड़ डॉलर निकाले थे। पूरे कैलेंडर वर्ष के दौरान उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार से 682.2 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है।

भारत का ऑटोमोबाइल निर्यात अप्रैल-जून में 22 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही) की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के ऑटोमोबाइल निर्यात में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह मजबूत वृद्धि यात्री वाहनों की रिकॉर्ड शिपमेंट के साथ-साथ दोपहिया, वाणिज्यिक वाहनों और तिपहिया वाहनों के मजबूत प्रदर्शन के कारण संभव हुई है। कुल मिलाकर भारत ने पहली तिमाही में सभी श्रेणियों में 14,57,461 वाहनों का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 11,92,566 वाहनों के निर्यात से 22 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जून तिमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 2,04,330 इकाइयों के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में निर्यात की गई 1,80,483 इकाइयों की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। सियाम ने इस वृद्धि का श्रेय अधिकांश अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्थिर मांग और मध्य पूर्व एवं लैटिन अमेरिका में मजबूत प्रदर्शन को दिया।

जीनियस कानून से मजबूत होगा डॉलर, भारत पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को 'गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स' (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे देश में स्टेबलकॉइन्स को आधिकारिक मान्यता मिल गयी है। स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी की वह श्रेणी है जिसका मूल्य डॉलर या सोने जैसी किसी अपेक्षाकृत स्थिर एसेट के आधार पर निर्धारित होता है। इसलिए, इसमें बिटकॉइन तथा ऐसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह बड़ा उथल-पुथल देखने को नहीं मिलता है। इस कानून के लागू होने के दो बड़े प्रत्यक्ष प्रभाव होंगे। एक रिजर्व के रूप में डॉलर की मांग बढ़ेगी और दूसरा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड मजबूत होगा।

वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की चाल

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार तीन सप्ताह की गिरावट के बाद अगले सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय करने में घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक स्तर पर अमेरिका में स्टेबलकॉइन को लेकर बने नये कानून की अहम भूमिका होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को गाइडिंग एंड इस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फॉर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स (जीनियस) एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए जिसका असर सोमवार को बाजार खुलते ही दिखेगा। खासकर स्टेबलकॉइन जारी करने वालों के लिए शत-प्रतिशत रिजर्व रखने के प्रावधान से डॉलर और अल्पावधि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की मांग बढ़ेगी और ये मजबूत होंगे। इससे विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं। अमेरिका द्वारा नए टैरिफ को लेकर अंतिम समझौते से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं और उनका यह रूख आगे भी जारी रहने की संभावना है। सप्ताह के दौरान 21 जुलाई को इटरनल, 23 जुलाई को इंफोसिस और 25 जुलाई को बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज के परिणाम जारी होने हैं। आईडीबीआई, यूको बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक समेत कई बैंकों के परिणाम भी सप्ताह के दौरान जारी होने हैं।

निवेशकों की नजर सोमवार को जारी होने

- सेंसेक्स 0.90 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट के साथ 81,757.73 अंक पर
- निफ्टी 0.72 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 24,968.40 अंक पर बंद

वाले आठ प्रमुख उद्योगों के आंकड़ों पर भी रहेगी। बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में जहां लगातार तीसरी साप्ताहिक गिरावट रही, वहीं मझौली और छोटी कंपनियों के निवेशक लाभ में रहे। बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 मंगलवार और बुधवार को छोड़कर शेष तीन दिन लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 0.90 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 0.72 प्रतिशत लुढ़ककर 24,968.40 अंक पर आ गया। यह दोनों का एक महीने का निचला स्तर है। निफ्टी-100 में 0.53 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी तरफ, मिडकैप और स्मॉलकैप में साप्ताहिक तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 में 0.99 प्रतिशत का उछाल देखा गया और यह शुक्रवार को 16,645.40 अंक पर रहा।

2025 की पहली छमाही में आईपीओ मार्केट रहा गुलजार

नई दिल्ली। भारतीय इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) मार्केट के लिए 2025 की पहली छमाही (जनवरी से जून अवधि) काफी अच्छी रही है। इस दौरान कंपनियों ने 45,351 करोड़ रुपए जुटाया है, जो पिछले साल इसी अवधि में जुटाए गए 31,281 करोड़ रुपए से फंड से 45 प्रतिशत अधिक है। कंपनियों की ओर से आईपीओ लाकर यह राशि ऐसे समय पर जुटाई गई है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, 2025 में आईपीओ मार्केट अच्छा रहने की वजह घरेलू अर्थव्यवस्था का अच्छा प्रदर्शन करना, महंगाई और ब्याज दरों का कम होना है। फरवरी की शुरुआत से अब तक भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। वहीं, खुदरा महंगाई भी 6 वर्षों के न्यूनतम स्तर 2.1 प्रतिशत पर बनी हुई है।

भारत का चाय निर्यात बढ़कर 2024-25 में 2.58 लाख टन रहा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का चाय निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,57,880 टन हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 के 2,50,730 टन के मुकाबले 2.85 प्रतिशत अधिक है।

टी बोर्ड ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया कि निर्यात बढ़ने की वजह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत मांग और देश के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों से निर्बाध आपूर्ति होना है। आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर भारत से होने वाले चाय के निर्यात में वित्त वर्ष 2024-25 में 8.15 प्रतिशत का उछाल देखा गया है, जो कि बढ़कर 1,61,200 टन हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में यह 1,49,050 टन था।

हालांकि, दक्षिण भारत से चाय का निर्यात सालाना आधार पर 4.92 प्रतिशत कम होकर 96,680 टन हो गया है, जो कि पहले 1,01,680 टन था। वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात होने वाली चाय की प्रति किलोग्राम कीमत 290.97 रुपए रही है, जो कि पिछले साल की कीमत 258.30 रुपए से 12.65 प्रतिशत अधिक है। चाय निर्यात की वृद्धि को गति देने में कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों ने अहम भूमिका निभाई। रूस

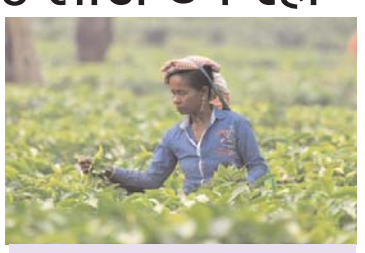

- अंतरराष्ट्रीय बाजारों का चाय निर्यात की वृद्धि को गति देने में अहम भूमिका

भारतीय पारंपरिक चाय के शीर्ष आयातकों में से एक बना हुआ है और वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद व्यापारिक संबंध बनाए रखे। ईरान, विशेष रूप से उत्तर भारतीय पारंपरिक किस्मों का, एक महत्वपूर्ण खरीदार बना रहा है हालांकि भुगतान और मुद्रा संबंधी बाधाओं के कारण व्यापार की मात्रा कभी-कभी प्रभावित हुई। संयुक्त अरब अमीरात एक प्रत्यक्ष उपभोक्ता और पुनर्निर्यात केंद्र, दोनों के रूप में भारतीय चाय का एक प्रमुख आयातक बना हुआ है, जबकि विशेष रूप से असम और दार्जिलिंग चाय के लिए यूनाइटेड किंगडम एक स्थिर बाजार बना रहा।

सोना इस हफ्ते 700 रुपए से अधिक हुआ महंगा, चांदी 1.12 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी दोनों की कीमत में इस हफ्ते बढ़त देखी गई है। सोने के दाम में 700 रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी का भाव 5,100 रुपए से अधिक बढ़ गया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 98,243 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 97,511 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 732 रुपए की बढ़त को दर्शाता है। 22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 89,991 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 89,320 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 73,682 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वहीं, समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 5,120 रुपए बढ़कर 1,12,700 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,07,580 रुपए प्रति किलो थी। चांदी अपने उच्चतम स्तर के करीब

- वैश्विक अस्थिरता माना जा रहा सोने व चांदी में बढ़त की वजह

बनी हुई है। 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 रुपए प्रति किलो का ऑल-टाइम हाई बनाया था।

सोने और चांदी में बढ़त की वजह वैश्विक अस्थिरता माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कई देशों पर टैरिफ लगाए जाने के कारण ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता में इजाफा हुआ है। वैश्विक अनिश्चितता के समय सुरक्षित माने जाने के कारण दुनिया भर में सोने और चांदी की मांग बढ़ जाती है।

भारत त्वरित भुगतान में ग्लोबल लीडर बना : आईएमएफ

- जून में यूपीआई से हुआ 24 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन
- केवल नौ वर्षों में इस मुकाम तक पहुंच गया यूपीआई

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत त्वरित भुगतान में दुनिया में ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है। यूपीआई से अकेले जून माह में 24.03 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन 18.39 अरब ट्रांजैक्शन के माध्यम से हुआ है। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से रविवार को जारी किए गए नोट में दी गई। बीते महीने सालाना आधार पर यूपीआई लेनदेन की संख्या में 32 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पिछले साल जून में यूपीआई लेनदेन की संख्या 13.88 अरब थी।

आईएमएफ की रिपोर्ट में बताया गया कि वर्तमान में भारत में सभी डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत और दुनिया भर में सभी रियल टाइम डिजिटल

भुगतानों में यूपीआई की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अब यह प्रतिदिन 64 करोड़ से ज्यादा लेनदेन संभालता है, जो वीजा जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों से कहीं ज्यादा है, जो प्रतिदिन लगभग 63.9 करोड़ लेनदेन संभालती हैं।

यह उपलब्धि काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूपीआई केवल नौ वर्षों में इस मुकाम तक पहुंच गया है। यूपीआई प्लेटफॉर्म वर्तमान में 49.1 करोड़ व्यक्तियों और 6.5 करोड़ व्यापारियों को सेवाएं प्रदान करता है और 675 बैंकों को एक ही प्रणाली के माध्यम से जोड़ता है। इसने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे देशभर के लोगों विशेष रूप से ग्रामीण और छोटे शहरों के लोगों को आसान और किफायती तरीके से डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिली है।

आईएमएफ की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की सफलता वर्षों के डिजिटल आधारभूत कार्य और समावेशी विकास के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग की एक मजबूत दृष्टि का परिणाम है। यूपीआई, जिसकी शुरुआत एक भुगतान प्रणाली के रूप में हुई थी, अब सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे में एक वैश्विक मानक बन गया है।

यूपीआई का प्रभाव केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। यह पहले से ही संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस सहित सात देशों में मौजूद है।

फ्रांस में इसकी शुरुआत यूरोप में इसके प्रवेश का प्रतीक है, जिससे वहां यात्रा करने वाले या रहने वाले भारतीय निर्बाध भुगतान कर सकेंगे। भारत ब्रिक्स समूह में भुगतान मानक के रूप में यूपीआई को अपनाने की भी वकालत कर रहा है, जिसमें हाल ही में छह नए सदस्य देश शामिल हुए हैं।

नरहराधाम जलप्रपात में सैलानियों की जान का खतरा बना हुआ है

कुरुद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। आषाढ़ व सावन माह में हुई अच्छी बारिश के बाद पर्यटन क्षेत्र नरहराधाम के जलप्रपात क्षेत्र में पानी की तेज आवक बनी हुई है। यहां इन, दिनों हर रोज सैलानी पहुंच रहे हैं, जो जान जोखिम में डालकर यहां के डेंजरजोन पर जाकर फोटोग्राफी, रील और सेल्फी ले रहे हैं। यहां थोड़ी सी लापरवाही हुई, तो सीधे सैलानियों के जान जाने का खतरा बना हुआ है, इसे लेकर प्रशासन गंभीर नहीं है। कुछ जागरूक सैलानियों की मानें तो डेंजरजोन वाले जगहों पर रेलिंग यां लोहे के जाली लगाने की जरूरत है। यह सुरक्षा लगने के बाद यदि सैलानी यहां धोखे से गिरते हैं, तो सीधे जाली व रेलिंग पर फंसकर अपनी जान बचा सकते हैं।

जिला मुख्यालय धमतरी से 35 किलोमीटर दूर जंगलों के बीच पर्यटन क्षेत्र नरहराधाम जलप्रपात में 19 जुलाई को सुबह से शाम तक करीब 200 से अधिक सैलानी पहुंचे हुए थे। ज्यादातर सैलानी यहां पानी के बहाव व जलप्रपात वाले जगहों पर नहा रहे थे। इसमें महिला, पुरूष, युवक-युवती व बच्चे भी शामिल है। सभी प्रकार के सैलानी जलप्रपात से होकर गिरने वाले पानी के बाद नीचे के डेंजर जोन क्षेत्र में कई सैलानी छोटे बच्चों को लेकर फोटोग्राफी, सेल्फी और रील बनाते हुए नजर आए। जानकारी के अनुसाज्यहां के अधिकांश पत्थरों में फिसलन है। नहाते न्या. चलते वक्त कब कौन गिर जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। डेंजरजोन पर फिसलकर गिरते हैं, तो सीधे गहरे पानी में चला जाएगा, जहां से बचना मुश्किल है।

सुरक्षा के लिए रेलिंग व जाल जरूरी: ऐसे में जागरूक सैलानी लगातार यहां सुरक्षा के उपाय की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे हैं। यहां पहुंचे सैलानी उमाशंकर, रितेश कुमार, गिरवर राम, सावित्री बाई आदि का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर वास्तव में डेंजरजोन वाले जगह जहां पानी नीचे गिरता है, वहां पर यदि शासन-प्रशासन लोहे के मोटा जाल या रेलिंग लगा दें, तो गिरने वाले सैलानी पानी में नहीं जाएंगे और जान भी बच जाएगा। गिरे हुए लोगों को यहां से आसानी से निकाला जा सकता है।

डेंजरजोन में हो चुकी है कई मौतें: उल्लेखनीय है कि नरहराधाम जलप्रपात के डेंजरजोन वाले जगहों पर गिरने के बाद से कुछ लोगों की मौतें भी हो चुकी हैं। मृतकों में कई युवक शामिल हैं। पिछले दिनों नरहराधाम पहुंचे कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नरहराधाम के विकास और सुरक्षा के लिए हर पहल की बातें जरूर कही, लेकिन अब तक सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए है।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

कैबिनेट मंत्री व सांसद ने किया सम्मानित

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने कुराश एवं नेट बॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। इन विजेता खिलाड़ियों को कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, जांजगीर-चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े ने शनिवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व कलेक्टर दीपक सोनी ने राज्य सरकार की ओर दी गई पुरस्कार राशि का चेक खिलाड़ियों को प्रदान किया। इस दौरान स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 21 हजार रुपये, रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 15 हजार रुपये और कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 10 हजार रुपये का चेक दिया गया।

हॉस्टल बना जंजाल बच्चे होंगे परेशान

बागबाहरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत वार्षिक योजना 2024-25 के तहत भारत सरकार के के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता मिशन द्वारा महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम पंचायत झिटकी के आश्रित ग्राम मुडपार में 100 सीटर छात्रावास भवन के निर्माण के लिए कलेक्टर एवं मिशन संचालक समग्र शिक्षा द्वारा 271 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है जो कि ग्राम नर्रा में स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला से संबद्ध रहेगा। गौरतलब है कि यह पूर्व माध्यमिक शाला नर्रा के लिए बनने वाला यह हॉस्टल विद्यालय से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित झिटकी पंचायत के आश्रित ग्राम मुड़पार में बनाया जाना प्रस्तावित हुआ है।

प्रशासन के इस निर्णय पर अनेक सवाल उठते है प्रथम तो यह कि नर्रा के मिडिल स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे अगर इस हॉस्टल में रहेंगे तो रोज उन्हें पढ़ाई के लिए 10 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करके आना जाना पड़ेगा। जबकि शासन की नीति के अनुसार मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए मिडिल स्कूल की अधिकतम दूरी तीन किलोमीटर निर्धारित की हुई है। दूसरे अगर इस बीच नन्हे बच्चों के साथ किसी प्रकार के अनहोनी की जिम्मेदारी किसकी होगी। तीसरा और सबसे अहम प्रश्न यह है कि जब छात्रावास को पूर्व माध्यमिक शाला नर्रा से संबद्ध किया गया है तो क्यों ना इसको पूर्व माध्यमिक शाला नर्रा के समीप निर्मित किया जाए। पूर्व माध्यमिक शाला नर्रा के समीप छात्रावास भवन के लिए पर्याप्त स्थान है जिससे छात्र-छात्रावास से निकालकर सीधे शाला पहुंचेंगे।

नर्रा स्थित विद्यालय परिसर में भौगोलिक लोकेशन मुड़पार के नाम से दिखाता है। जो अक्षांश और देशांतर रेखाओं के आधार पर नर्रा की पहचान है वह मुड़पार के नाम से प्रदर्शित होता है। अत: प्रशासन की मंशा वास्तविक विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने की है तो इस तकनीकी पहलू का अध्ययन करा लेवे एवं तत्पश्चात वास्तविकता के आधार पर नर्रा स्थित विद्यालय परिसर में ही पर्याप्त भूमि उपलब्धता के कारण, इसी परिसर में ही उक्त हॉस्टल का निर्माण कराया जा सकता है। यदि हॉस्टल नर्रा में बनेगा तभी इसका वास्तविक लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हो पाएगा। ऐसे निर्माण से लाभार्थी ही असुविधा में रहेंगे तो इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। क्षेत्र प्रबुद्ध लोगों ने प्रशासन से पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के संविदा शिक्षकों ने गांधी मैदान में दिया धरना, वेतनमान वृद्धि और नियमितीकरण की मांग

गरियाबंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में कार्यरत संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों ने दो सूत्रीय मांग को लेकर रविवार को गरियाबंद में गांधी मैदान में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान वेतनमान वृद्धि और नियमितीकरण की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। धरने में जिले के लगभग 129 संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया।

संविदा शिक्षकों ने कहा कि वे 2020 से आत्मानंद स्कूलों में सेवा दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें स्थायी दर्जा नहीं मिला। वेतन भी बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों और अस्थायी सेवा शर्तों में भी उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है। आज आत्मानंद स्कूलों की पहचान उन्हीं की मेहनत से बनी है। संघ के अध्यक्ष प्रीतम साहू ने कहा कि पांच साल से वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। वर्तमान वेतन महंगाई के दौर में बहुत कम है। नियमित शिक्षकों जैसी सुविधाएं भी नहीं मिलतीं। उन्होंने मांग की कि हर साल वार्षिक वेतनवृद्धि दी जाए। कार्य के अनुसार वेतनमान तय किया जाए।

वही धरने में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शक्ति कुमार खरे ने कहा कि संविदा शिक्षकों को शिक्षा विभाग में समाहित किया जाए। उनकी सेवाएं नियमित की जाएं। इससे उन्हें स्थायित्व और सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व शिक्षा मंत्री और वर्तमान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी संविलयन की बात कह चुके हैं।

ज्ञात हो कि प्रदेश के आत्मानंद स्कूलों में अभी 13 से 14 हजार संविदा शिक्षक कार्यरत हैं। फिलहाल आत्मानंद स्कूलों में व्याख्याता को 38,100 रुपए, शिक्षक को 35,400, सहायक शिक्षक को 25,400, लाइब्रेरियन को 22,400, चपरासी को 15,600 और लैब असिस्टेंट को 25,300 रुपए फिक्स मासिक वेतन मिलता है। जबकि इनकी तुलना में नियमित कर्मचारियों को हर पद पर 10 से 15 हजार रुपए अधिक वेतन मिलता है। धरने में शामिल शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा। इस मौके पर विनेश कुमार डडसेना, योगेंद्री कश्यप, रिया कुटारे, रमीज खान, विकास चंद्राकर, ईश्वर कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

दादा गुरुदेव की धोलका से अजमेर तक भव्य चलित भाव यात्रा धूमधाम से निकाली गई

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रविवार को पूज्य विवेकसागर जी मसा आदि ठाना.2 की पावन निश्रा में जैनों के प्रथम दादागुरुदेव श्रीजिनदत्त सूरीश्वर जी की धोलका से अजमेर तक की भाव यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई। प्रात 8.30 बजे वल्लभ भवन में प्रवचन में पूज्य विवेकसागर जी ने फरमाया कि अगर जिनदत्त सूरी की हस्ती ना होती तो जैनों की बस्ती ना होती। उन्होंने कहा की किसी भी व्यक्ति का जन्म दो बार होता है, पहली बार माँ के गर्भ से और दूसरी बार जब उसे गुरु का सानिध्य मिलता है। श्री जिनदत्त सूरी गुरुदेव नें एक लाख तीस हज़ार लोगों को जैन बनाया था। स्थानीय मेघराज बगतावरमल श्रीश्रीमाल जी के निवास स्थान में दादागुरुदेव की जन्मस्थली धोलका नगरी सजाई गई थी, जहाँ उनके जन्म, दीक्षा, ग्रंथ रचना, अंधे की आँख में रोशनी देना, भयानक बिजली को अपने पात्र में समा लेना और लाखों जन को जैन बनाने की मनमोहक झांकी तैयार की गई थी। जैन मंदिर में प्रवचन के बाद सकल जैन संघ गांधी चौक स्थित धोलका नगरी गाजे बाजे के साथ पहुंचा। जहां श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा द्वारोद्घाटन के पश्चात झांकियों का विश्लेषण व विवेचन के साथ प्रदर्शन हुआ। उसके बाद दादागुरुदेव की आरती और मंगलदीपक हुआ। जिसके लाभार्थी टीकमचंद मनोज कुमार पीचा परिवार और अनोपचंद जवेरीलाल गोलछा परिवार थे। तत्पश्चात धोलका नगरी से दादगुरुदेव की पालकी यात्रा सकल संघ की उपस्थिति में गाजे बाजे के साथ अजमेर नगरी नेमीचंद मनोज कुमार मालू के मेघ बसंत स्थित निवास स्थान पहुँची। अजमेर नगरी में दादागुरुदेव कि अष्टप्रकारी पूजा की गई। ज्ञात हो कि अजमेर दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरी जी की साधना स्थली एवं स्वर्गारोहण स्थली है एवं अजमेर में विश्व की प्रथम दादबाड़ी स्थित है। रायपुर से पधारे केवल्य धाम के ट्रस्टी सुपारस गोलछा ने अजमेर में दादाबाड़ी के भव्य पुनर्निर्माण की जानकारी दी और सभी से वरदहस्त से सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर विचक्षण जैन विद्यापीठ के ट्रस्टी, कॉलेज के चेयरमैन सहित रायपुर, दुर्ग, धमतरी, राजिम, फिंगेश्वर, बागबाहरा के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। साथ ही श्रीमती आकांक्षा सौरभ मालू के 11 उपवास के उपलक्ष्य में स्वामी वात्सल्य श्री शांतिनाथ भवन में रखी गई थी। झांकी व्यवस्था के प्रमुख धीरज गोलछा ने बताया की प्रथम दादागुरुदेव के जीवन से जुड़ी अचरज भरी घटनाओं का जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा मॉडल बनाकर जीवंत झाकी की रचना की गई थी। जिससे उनके जीवन को समझने और जानने का अवसर सभी को प्राप्त हुआ। उक्त जानकारी श्रीमती ललिता बरडिया एवं रितेश गोलछा ने दी।

सिटी कोतवाली पुलिस ने दिया मानवता का परिचय एक वृद्ध महिला की मृत्यु पर की गई अंतिम संस्कार

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। थाना सिटी कोतवाली के अंतर्गत जिला अस्पताल बलौदाबाजार बाजार में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक नेतराम साहू एवं आरक्षक कामदेव गायकवाड द्वारा मानवता का परिचय देते हुए एक मृत महिला का संपूर्ण विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। ग्राम शुक्लाभाटा निवासी मृतिका महिला जूगाबाई धृतलहरे उम्र 75 साल जो कि 5 अप्रैल 2025 को अपने इलाज हेतु जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती हुई थी। जिसका की इलाज के दौरान 18 जुलाई 2025 को मृत्यु हो गई। उक्त महिला के संबंध में ग्रामवासियों, ग्राम सरपंच आदि से संपर्क करने पर उनके द्वारा महिला से किसी प्रकार का भी रिश्ता नहीं होना बताया गया। साथ ही उनके द्वारा मृतिका महिला के कफन-दफन में भी किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया गया, जिस पर से उप निरीक्षक नेतराम साहू एवं एवं आरक्षक कामदेव गायकवाड द्वारा उक्त मृतिका महिला का अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात 19 जुलाई 2025 को दोनों पुलिस स्टाफके द्वारा सम्मान पूर्वक मृतिका महिला का अंतिम संस्कार कर कफन-दफन किया गया।

बंसल परिवार की बेटी कृतिका ने लंदन में किया कुरूद का नाम रोशन

कुरुद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कुरूद के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि स्व रामचंद्र अग्रवाल की पौत्री और सुभाषचंद्र अग्रवाल की पुत्री कृतिका अग्रवाल ने लंदन में न केवल पूरे परिवार का बल्कि अपने क्षेत्र का भी मान बढ़ाया है। कृतिका ने ग्रीनविच यूनिवर्सिटी से मास्टर इन इंटरनेशनल बिज़नेस की डिग्री प्राप्त की है।

उन्होंने पढ़ाई करते हुए बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड भी जीता साथ ही साथ उन्होंने अपने पूरे यूनिवर्सिटी में टॉप भी किया है।

कुरूद जैसे छोटी सी जगह नगर से आगे जाकर विदेश में अपने नगर का नाम रोशन करने से पूरे परिवार में खुशी की लहर है। वर्तमान में कृतिका ग्रीनविच यूनिवर्सिटी में मैनेजमेंट ऑफिसर के रूप में कार्य कर रही है। कृतिका के चाचा सुनील अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, भाई अभिषेक अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, नवदीप अग्रवाल, निकुंज अग्रवाल और परिवार के सभी सदस्य गण ने अपनी प्रसन्नता जाहिर की और इसे परिवार के लिए गौरवान्वित पल बताया। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने भी परिवार को बहुत शुभकामनाएं दी है।

किराये से देना है

श्रीराम संगीत महाविद्यालय परिसर, श्याम टॉकीज रोड बुढ़ापारा रायपुर में उपलब्ध, फर्नीचर सहित 13 सर्व सुविधा युक्त क्लास रूम एवं कार्यालय किसी स्कूल /शैक्षणिक संस्था अथवा कोचिंग क्लासेस के प्रयोजन हेतु किराए पर उपलब्ध है।

इच्छुक व्यक्ति तत्काल मोबाइल नंबर 9827195697 पर संपर्क करें।

न्यायालय तहसीलदार सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

रा.प्र.क्रं. 202505210600009 अ / 6 वर्ष 2024-25 साकिन- हरिनभट्ठा, प.ह.नं. 43, तहसील सिमगा

राजस्व मामले में नोटिस / सूचना

प्रति,

1. सभन पिता खेलावन, 2. फगनी पिता समारू 3. किरन पिता समारू, 4. सुकबाई पिता समारू 5. तिरथबाई पिता समारू, कास्तकार ग्राम हरिनभट्ठा प.ह.नं. 43 तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

आवेदिका श्रीमती हेमलता पिता दयादास बरेया निवासी तेलीबांधा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र वास्ते अभिलेख दुरूस्त करने बाबत प्रस्तुत किया गया है कि अनावेदक क्रं.01 एवं 06 के पिता खेलावन एवं फगनी, किरन, सुकबाई, तिरथबाई ने अपने जीवनकाल में अपने नाम व स्वामित्व की कृषि भूमि ख.नं. 135 रकबा 0.1200 हे. स्थित कृषि भूमि ग्राम हरिनभट्ठा तहसील सिमगा में स्थित है, को आवेदिका के पास पंजीकृत विक्रयनामा के आधार पर दि. 16/06/2006 को विक्रय कर दिया है। उक्त भूमि का कब्जा भी आवेदिका को सौंप दिया था। अनावेदक क्रं.01 से 06 विक्रेता खेलावन के विधिक वारिसान है। खेलावन की मृत्यु के बाद विधिक वारिसान होने की हैसियत से अनावेदकगण क्रं.01 से 06 का नाम भू-राजस्व अभिलेखों में दर्ज हुआ है। विक्रय बाद से ही उक्त भूमि पर आवेदिका का कब्जा है तथा तब से लेकर आज दिनांक तक उक्त भूमि में आवेदिका शांति पूर्व कब्जा कर कृषि कार्य करते आ रही है। आवेदिका के उक्त क्रयशुदा भूमि का नामांतरण तत्कालीन समय में कराया गया था जिस पर नामांतरण कर भू-राजस्व अभिलेखों में आवेदिका का नाम इंदार कलने का आदेश दिया था। किंतु बुटिवश हल्का पटवारी द्वारा आवेदिका का नाम भू-राजस्व अभिलेखों में इंद्राज नहीं किया गया। आवेदिका ने ख.नं. 135 रकबा 0.1200 हे. स्थित कृषि भूमि ग्राम हरिनभट्ठा प.ह.नं. 12 तहसील सिमगा में स्थित भूमि को नामांतरण आदेश के परिपालन में आवेदिका के नाम पर दर्ज करने निवेदन किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त भूमि, प्रकरण में आप आवश्यक पक्षकार हैं। प्रकरण में पेशी दिनांक 25-07-2025 को प्रातः 11.00 बजे इस न्यायालय में सुनवाई हेतु नियत है।

अत: प्रकरण में नियत तिथि 25-07-2025 को प्रातः 11.00 बजे आप स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब, आपत्ति आदि प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि को अनुपस्थित रहने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 15-07-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर तहसीलदार सिमगा

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं लुकेश कुमार साहू पिता घनश्याम साहू, निवासी म.नं.A00124, वार्ड नं. 13, राजीव गांधी वार्ड, स्ट्रीट नं. 3, पारसनगर, चैतराम किराना स्टोर के पास, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492009 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम लुकेश साहू पिता घनश्याम साहू रख लिया हूं।

अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम लुकेश साहू पिता घनश्याम साहू से ही जाना पहचाना जावे।

लुकेश साहू
पारसनगर रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक-जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग

बटांकन बावत् सूचना

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग के आदेश क्रमांक Q/ क्रं. अति. तह. 2025 दुर्ग दिनांक 07/03/2025 के अनुसार आपको सूचित किया जाता है कि श्री सुनील कुमार शर्मा आत्मज/ पति कांतिचन्द्र शर्मा निवासी सिरसाखुर्द के द्वारा सीमांकन/बटांकन हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में सीमांकन ग्राम सिरसाखर्द प.ह.न.-0.6, रा.नि.मं. जेवरा सिरसा, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा न..29/1, 4, रकबा... हे. का सीमांकन दिनांक 24/07/2025 को मेरे द्वारा किया जाना है। अत: सर्व सम्बंधित दिनांक 24/07/2025 को सीमांकन स्थल पर समय 11.00 से 5.00 से दस्तावेज सहित उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। सूचना तामिली हेतु व्यक्तियों को नाम/ चौहददी। सूचना प्राप्ति के हस्ताक्षर

1) सुनील कुमार शर्मा-आवेदक, 2) दिप्ती जितेश पता. 1ए, सड़क न 07 से.-10, 3) कल्पा सत्यनारायण पता 6/सी, सडक-29, से.-104) नीलम गांधी पता-74, फेस -4 ए वार्ड नं.-63 मैत्री नगर, 5) राजेश्वरी गणपति पता म.न. 143 मेत्री कुं. रिसाली, 6) आर जया लक्ष्मी पता.प्लांट न.-6 पी अवंती उद्यान रोड मैत्री कुं. रिसाली

राजस्व निरीक्षक
जेवरा सिरसा

न्यायालय तहसीलदार भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र....अ/6 वर्ष 2024-2025
ग्राम खोखली प.ह.नं. 41

एतद व्दारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है आवेदक ना.बा. तुषार भारद्वाज पिता मनीराम भारद्वाज वली पिता मनीराम वल्द प्रीतलाल भारद्वाज निवासी ग्राम खोखली तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के व्दारा ग्राम खोखली प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. खोखली तह. भाटापारा में स्थित भूमि खसरा नंबर 285/1, 285/2 शामिल रकबा 4050 हे. में से 0.2030 हे खसरा नंबर 291 रकबा 0.2390 हे. में से 0.1200 हे. कुल रकबा 0.3230 हे. घनहा असिंचित एक फसली भूमि को भू-स्वामी प्रीतलाल पिता जगोली भारद्वाज के व्दारा प्रेम-स्नेह से अपने नाति आवेदक ना.बा. तुषार भारद्वाज पिता मनीराम भारद्वाज वली पिता मनीराम भारद्वाज को पंजीकृत दान-पत्र विलेख दिनांक 24/06/2025 से प्राप्त होने से आवेदक के पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय पजीकृत दान पत्र विलेख की छाया प्रति पेश किया है। तत्ससबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक25/07/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

उपरोक्त भूमि के सबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई हेतु नियत दिनांक 25/07/25 को स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, निश्चित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अत: उपरोक्त उद्घोषणा आज दिनांक 09/07/25 को मेरे हस्ताक्षर वो न्यायालय के पद मुहर से जारी किया गया है।

सील **तहसीलदार भाटापारा**

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.....ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम धनेली

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अमरीका ध्रुव पति श्री लीलुराम ध्रुव जाति गोंड निवासी ग्राम धनेली प0080नं0 26 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) के द्वारा अपने पुत्री अर्चना कुमारी ध्रुव पिता श्री लीलुराम ध्रुव माता का नाम श्रीमती अमरीका ध्रुव का जन्म दिनांक 30.07.1995 (स्थान) ग्राम धनेली का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म/मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत धनेली तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, सरपंच प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक. 30/07/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 30/07/25 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 16/07/25को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयकी मुहर सहित जारी किया।

सील **कार्यपालिक दण्डाधिकारी निपनिया(छत्तीसगढ़)**

न्यायालय तहसीलदार भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.....अ/6 वर्ष 2024-2025
ग्राम खोखली प.ह.नं. 41

एतद व्दारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है आवेदक ना.बा. सागर पिता चरणदास वली पिता चरणदास वल्द प्रीतलाल भारद्वाज निवासी ग्राम खोखली तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) के व्दारा ग्राम खोखली प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. खोखली तह. भाटापारा में स्थित भूमि खसरा नंबर 285/1, 285/2 शामिल रकबा 0.4050 हे. में से 0. 2020 हे खसरा नंबर 291 रकबा 0.2390 हे. में से 0.1190 हे. कुल रकबा 0.3210 हे. घनहा असिंचित एक फसली भूमि को भू-स्वामी प्रीतलाल पिता जगोली भारद्वाज के व्दारा प्रेम-स्नेह से अपने नाति आवेदक ना.बा. सागर पिता चरणदास वली पिता चरणदास को पंजीकृत दान-पत्र विलेख दिनांक 24/06/2025 से प्राप्त होने से आवेदक के पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय पजीकृत दान पत्र विलेख की छाया प्रति पेश किया है। तत्ससबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है तथा दिनांक 25107 125 को सुनवाई हेतु नियत है।

उपरोक्त भूमि के सबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई हेतु नियत दिनांक 25/07/25. को स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, निश्चित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अत: उपरोक्त उद्घो षणा आज दिनांक 09/07/25 को मेरे हस्ताक्षर वो न्यायालय के पद मुहर से जारी किया गया है।

सील **तहसीलदार भाटापारा**

न्यायालय नजूल अधिकारी भाटापारा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.. 2025072111000/20 (1)
वर्ष 2024-25 साकिन- भाटापारा

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामचंद जायसवाल पिता श्री गुहाराम जायसवाल निवासी- नेहरू वार्ड भाटापारा, तहसील-भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) ने नगर भाटापारा स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 11 सी, भूखंड क्रमांक 48/1, क्षेत्रफल 160.62 वर्गमीटर, निर्धारण 19.27 रुपये भूमि जो कि नजूल अभिलेख में रामचंद जायसवाल पिता गुहाराम जायसवाल निवासी- भाटापारा के एकल नाम पर दर्ज है। उक्त पट्टे की लीज / अवधि वर्ष 2009 में समाप्त होने का उल्लेख करते हुए पट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ शपथपत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति संलग्न किया है। जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी को आपत्ति / दावा करना हो तो अपना आपत्ति दावा प्रकरण सुनवाई हेतु नियत दिनांक 06.08.2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त दिनांक पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील **नजूल अधिकारी भाटापारा**

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, MOHAMMAD TAIYYUB S/O TAR MOHAMMAD resident of HOUSE NO. 57, NOORI BAI WARD, T.M. K. KIRANA MARCHENT, KESHKAL, DISTT KONDAGAON (C.G.) 494331 have changed my old name MOHAMMAD TAIYYUB S/O TAR MOHAMMAD so in future I should be recognized by my new name that is MOHAMMAD TAYYUB S/O TAR MOHAMMAD in all Government and other documents.

MOHAMMAD TAYYUB
HOUSE NO. 57, NOORI BAI WARD, T.M. K. KIRANA MARCHENT, KESHKAL, DISTT KONDAGAON (C.G.) 494331

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, ABDUL RAHMAN KHAN LOHANI S/O MOHAMMAD AZIZ resident of HOUSE NUMBAR 325 WARD NO 7 SALIHA PARA KANKER (C.G.) have changed my old name ABDUL RAHMAN KHAN LOHANI S/O MOHAMMAD AZIZ so in future I should be recognized by my new name that is RAHMAN KHAN S/O MOHAMMAD AZIZ in all Government and other documents.

RAHMAN KHAN
HOUSE NUMBAR 325 WARD NO 7 SALIHA PARA KANKER (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, KAJAL KOTWANI D/O GHANSHYAM DAS KOTWANI resident of H.NO.-164, MOTHER TERISA WARD, RICKY PLASTIC KE SAMNE, SHYAM NAGAR TELIBANDHA RAIPUR (C.G.) have changed my old name KAJAL KOTWANI D/O GHANSHYAM DAS KOTWANI so in future I should be recognized by my new name that is KIARA VASWANI W/O GAURAV VASWANI in all Government and other documents.

KIARA VASWANI
H.NO.-164, MOTHER TERISA WARD, RICKY PLASTIC KE SAMNE, SHYAM NAGAR TELIBANDHA RAIPUR (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, BHAGVAT PRASAD VERMA S/O THANVAR RAM resident of 508, WARD -18 GIROUD NEAR SHIV TEMPLE, RAM NAGAR GIRAUD RAIPUR (C.G.) 493111 have changed my old name BHAGVAT PRASAD VERMA S/O THANVAR RAM so in future I should be recognized by my new name that is BHAGWAT PRASAD VERMA S/O THANVAR RAM in all Government and other documents.

BHAGWAT PRASAD VERMA
508, WARD -18 GIROUD NEAR SHIV TEMPLE, RAM NAGAR GIRAUD RAIPUR (C.G.) 493111

न्यायिक अधोसंरचना से न्याय शीघ्र व सुलभ होगा: मुख्य न्यायाधीश सिन्हा

बिलासपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में न्यायिक अधोसंरचना में वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए एवं आमजन के लिए बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के द्वारा आज बिलासपुर जिला के बिल्हा तहसील में नवीन सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला बिलासपुर, न्यायामूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास, न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की गरिमामय उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधिपति महोदय सिन्हा ने न्याय की प्रभावी पहुंच आमजन तक स्थापित किये जाने में न्यायिक अधोसंरचना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि, सशक्त अंधोसंरचना ही प्रभावी न्यायप्रणाली की आधारशिला होती है। छ.ग. राज्य के समस्त जिले में बुनियादी न्यायिक अधोसंरचना स्थापित होने से न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ आमजन को निष्पक्ष एवं कुशल न्याय, शीघ्र, सरल, सुलभ हो सकेगा।

मुख्य न्यायाधिपति के द्वारा नवीन सिविल न्यायालय भवन बिल्हा की हरियाली, वातावरण एवं स्वच्छता के साथ - साथ न्यायालय कक्ष, सुविधाजनक प्रतिक्षालय, शिशु देखभाल कक्ष अभियोजन कार्यालय, सुरक्षित बंदीगृह एवं उपलब्ध सुविधाओं की प्रंशसा करते हुए कहा कि यह भवन छत्तीसगढ़ के अन्य जिला न्यायालयों के लिये मिसाल साबित होगा।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने कहा कि, माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा न्यायिक संस्थाओं में बुनयादी एवं आधारभूत सुविधा उपलब्ध किये जाने पर जोर दिया जाता रहा है। उनकी प्राथमिकता ऐसी व्यवस्था किये जाने की है कि, छत्तीसगढ़ के सभी न्यायिक संस्थाओं में सर्वसुविधायुक्त भवन हो, जिससे आधारभूत संसाधन उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि बिल्हा में नवीन सिविल कोर्ट भवन, समय की जरुरत थी। बिल्हा में नवीन न्यायालय भवन निर्माण से स्थानीय नागरिकों को न्याय तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित होगी। यह भवन न केवल भौतिक रूप से सुसज्जित है, बल्कि इसमें डिजिटल कोर्ट, वकीलों के लिए आधुनिक कक्ष, अस्पताल, ए.टी.एम. तथा प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। मुख्य न्यायाधिपति द्वारा उपस्थित न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी एवं अधिवक्तागण को दिशानिर्देश दिया गया कि, सुविधायुक्त अधोसंरचना व आधुनिक तकनीकी का उपयोग पक्षकारों को सुविधापूर्ण वातावरण में शीघ्र एवं गुणवत्तायुक्त न्याय प्रदान किये जाने हेतु किया जाए। न्याय की आशा के साथ उपस्थित पक्षकारों की समस्याओं को सुविधापूर्ण वातावरण में शीघ्रता से निराकृत किया जाए।

यह उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा पद भार ग्रहण करने के पश्चात् सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ जिला मुख्यालय एवं बाह्य न्यायलयों का भ्रमण कर न्यायिक अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाओं का अभाव होने से पक्षकारों, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं अधिकारियों को होने वाली असुविधा को दृष्टिगत रखते हुये दूरदर्शिता-पूर्ण एवं सकारात्मक सोच के भागीरथ प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में न्यायिक अधोसंरचना से अभूतपूर्ण विकास कार्य हो रहा है। इससे अधिकारी एवं कर्मचारियों की दक्षता में वृद्धि होने के साथ पक्षकारों को सुविधायुक्त वातावरण, शीघ्र न्याय प्राप्त करने की परिकल्पना साकार हो रही है। बिल्हा का नवीन न्यायालय भवन का निर्माण कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता के उच्चतम मानको के अनुरूप पूर्ण हो सका है। लोकार्पण, कार्यक्रम की शुरूआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर के स्वागत भाषण से हुई और समापन मुख्य न्यायिक मजिस्टेट धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, कार्यकम के पश्चात न्यायालय भवन प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में छ.ग. उच्च न्यायालय के महाधिवक्ता, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण बिलासपुर, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ बिलासपुर, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बिल्हा, संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य प्रशासनिक, पुलिस एवं अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी और इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि शामिल थे।

रानीदहरा जलप्रपात में हादसा

एक व्यक्ति की मौत, दूसरा लापता

कवर्धा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रानीदहरा जलप्रपात में रविवार दोपहर अचानक आई तेज बारिश ने बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, दोपहर बाद जलप्रपात के आसपास तेज बारिश के चलते पानी का बहाव अचानक तेज हो गया, जिसमें दो लोग बाइक सहित बह गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य को ग्रामीणों ने बचा लिया।

मृतक की पहचान मुंगेली निवासी नरेंद्र पाल पिता औतार सिंह, उम्र 45 वर्ष के रूप में हुई है। उनका शव झरने से करीब तीन किलोमीटर दूर बरामद किया गया है। वहीं, दूसरे व्यक्ति को समय रहते ग्रामीणों ने बचा लिया और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

इसके अलावा एक अन्य घटना में मुंगेली से घूमने आई 30 लोगों की टीम के एक युवक के लापता होने की भी सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह युवक ऊपर झरने की ओर गया था और उसके बाद से दिखाई नहीं दिया है।

हादसे की सूचना मिलते ही बोड़ला थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे हैं और एनडीआरएफ की टीम भी सर्च ऑपरेशन में जुटी है। हालांकि शाम ढलने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम लापता युवक की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार सुबह फिर शुरू करेगी।

प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि मानसून के दौरान जलप्रपात और नालों के पास जाने से बचें।

कुकदूर नेउर वन क्षेत्र में हिरण की संदिग्ध मौत, शिकार की आशंका

वन विभाग ने शुरू की जांच, ग्रामीणों ने दी जानकारी

कवर्धा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत कुकदूर नेउर के वन क्षेत्र में एक हिरण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने जंगल से लगे खेत में मृत हिरण को देख तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

मौके पर पहुंचकर वन विभाग ने हिरण के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हिरण की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है या फिर यह किसी अवैध शिकार का मामला है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी इस वन क्षेत्र में वन्य प्राणियों के शिकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और दोषियों की तलाश जारी है। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी वन्य प्राणियों से संबंधित संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत विभाग को सूचित करें।

वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत शिकार जैसी गतिविधियां दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता हैं और इसके लिए कठोर कानूनी प्रावधान हैं।

तेज रफ्तार बस ने डिवाइडर से टकराई, हेल्पर की मौके पर ही मौत

चारामा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। आज राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग 30 कंडेल नैनी नदी रामजानकी मंदीर के पास नैनी नदी पूल मे लगे डिवाइडर को जबरदस्त ठोकर मार दी जिससे बस के हेल्पर की सामने मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई घटनास्थल एवं पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आज लगभग 11,40 बजे पायल ट्रेवल की बस क्र.ष्टत्र,07.ए एफ 4444 अपने निर्धारित समय पर से सवारी लेकर धमतरी से कांकेर की ओर

तीव्र गती से आ रही थी तभी अचानक मोटर सायकल सामने आ जाने के कारण बस अनियंत्रित होकर पुल मे लगे डिवाइडर से जा टकराई जिससे बस के गेट पास खडे हेल्फर भुनेश्वर साहू पिता प्रभू राम साहू 41 वर्ष निवासी ईर्रा थाना भखारा जिला धमतरी की बस के सामने फंस जाने मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बस के सामने के हिस्से के परखच्चे उड गये तत्काल पुलिस द्वारा लोगो की मदद से रैस्कू अभियान चलाकर बस में बुरी तरह से फंसे हेल्पर को बहार निकाला गया साथ ही बस मे सवार लगभग 45 यात्रीयो मे चीख पुकार मच गई वही बस ड्राइवर के तेजी से ब्रेक लगाने और डिवाइडर में टकराने से बस पूल के नीचे नदी मे गिरने से बच गई जिससे बस मे सवार यात्रीयो को कोई गंभीर चोटे नही आई और सभी को बस से सुरक्षित बहार निकाला गया पुलीस द्वारा मर्ग कायम कर मृतक के शव को पीएम के लिए भेजा गया साथ ही बस को थाने मे लाकर बस चालक निरंजन साहू पिता डोमार साहू के खिलाफ धारा 281,125,106, के तहत मामला पंजीबद्व कर दुर्घटना की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्रदेश में अब तक 437 मिमी औसत वर्षा

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 437.1 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 738.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की गई है बेमेतरा जिले में सबसे क[illegible] 236.8 मि.मी. औस[illegible] वर्षा दर्ज हुई है।

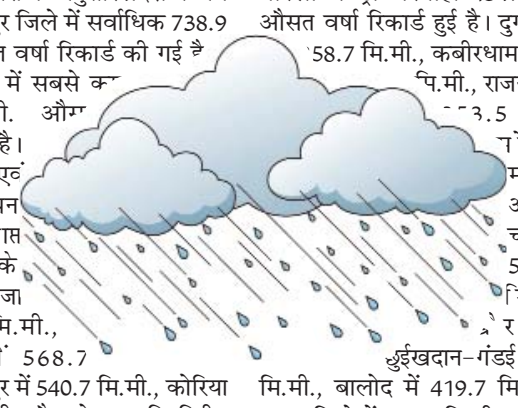

राजस्व एव[illegible] आपदा प्रबंधन [illegible] विभाग से प्राप्त [illegible] जानकारी के [illegible] अनुसार सरगुजा [illegible] में 348.4 मि.मी., सूरजपुर में 568.7 मि.मी., जशपुर में 540.7 मि.मी., कोरिया में 528.4 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 484.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 427.2 मि.मी., बलौदाबाजार में 435.2 मि.मी., गरियाबंद में 355.2 मि.मी., महासमुंद में 392.9 मि.मी. और धमतरी में 361.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 462.3 मि.मी., मुंगेली में 501.1 मि.मी., रायगढ़ में 563.3 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 433.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 566.3 मि.मी., सक्ती में 523.6 मि.मी. कोरबा में 510.9 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 431.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में [illegible]58.7 मि.मी., कबीरधाम में 322.5 [illegible]मि.मी., राजनांदगांव में [illegible]3.5 मि.मी., [illegible]ोहला-[illegible]मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 502.8 मि.मी., [illegible]रागढ़-छुईखदान-गंडई में 304.6 मि.मी., बालोद में 419.7 मि.मी. और बस्तर जिले में 508.7 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 289 मि.मी., कांकेर में 383.9 मि.मी., नारायणपुर में 340.1 मि.मी., दंतेवाड़ा में 425.4 मि.मी., सुकमा में 300.5 मि.मी. और बीजापुर में 502.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

दिशा समिति की बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

- वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन सहित जिले की समग्र विकास पर जोर
- गुड़ेलिया को सांसद आदर्श ग्राम के रूप में किया जाएगा विकसित
- सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कमलेश जांगडे, मंत्री टंकराम वर्मा हुए शामिल

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं जांजगीर चाम्पा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की अध्यक्षता तथा राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की विशिष्ट उपस्थिति में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षा बैठक शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार में संपन्न हुई। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं का जिले में क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने अधिकारियों को निर्देश दिये गए।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, अश्वनी शर्मा,कलेक्टर दीपक सोनी, डीएफओ गणवीर धम्मशील, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी ने हर वर्ग के लोगों के लिए अनेक योजनाएं लागू की है इन योजनाओं का लाभ शतप्रतिशत हितग्राही तक पहुंचाना होगा। सभी जरूरतमंदो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिले। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के संकल्प को साकार करना है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सही मायने में सरकार की योजना तभी लागू होगी जब उसका लाभ सभी पात्र हितग्राही को मिले। उन्होने कहा कि जिन विभागों में केंद्र सरकार की ऐसे योजनाएं जो जिले में अब तक शुरु नहीं हुई है उन योजनाओं को शुरु करने आवश्यक पहल करें। उन्होने तहसील भाटापारा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुडेलिया को सांसद आदर्श ग्राम के रूप में विकसित कर मॉडल के रूप में स्थापित करने कहा। जांजगीर-चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े ने अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावासों में शतप्रतिशत प्रवेश व ब्यवस्थाएं दुरुस्त करने कहा। उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ पात्रता अनुसार लोगों को दिलाने तथा विकास कार्यों में तेजी लाने अधिकारियो को निर्देशित किया।

बैठक में जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने, सभी शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में भवन निर्माण की अनुमति में वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य शर्त रखने के निर्देश दिये गए। किसानों को खाद बीज की पर्याप्त उपलब्धता तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने, फल-फूल एवं सब्जी की खेती के लिए आवशक जानकारी देने कहा गया।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी अंतर्गत स्वीकृत आवासो को तेजी से पूर्ण कराने तथा शहरी आवास के लिए कार्ययोजना बनाने सीएमओ को निर्देशित किया गया। कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत जिले के लिए स्वीकृत 200 बिस्तर के अस्पताल निर्माण हेतु श्रम विभाग के अधिकारी को अवश्यक समन्वय करने कहा गया। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के कार्य की समीक्षा करते हुए जिन गांवो में जल स्रोत की समस्या है वहां वैकल्पिक स्रोत के उपाय के साथ समय सीमा में कार्य पूरा करने निर्देशित किया गया। पुराने खदानों के पानी को पेयजल के रूप में उपयोग हेतु वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर जालोपचार कराने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान सांसद सडक सुरक्षा समिति की बैठक में सडक दुर्घटनाओ की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए वाहनो की गति और नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कड़ी निगरानी करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही जिले में बढ़ते औद्योगिक इकाइयों को दृष्टिगत रखते हुए भारी वाहनो को शहर के बाहर से आवागमन हेतु बायपास एवं रिंग रोड के लिए कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिये गए। बैठक में जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, दुर्गा महेश्वर, सुरेन्द्र टिकरिहा, नंदकुमार साहू सहित समिति के सदस्य व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

चारामा के गिरहोला नदी मे मिला युवक का शव

चारामा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर से लगे गिरहोला नैनी नदी के घाट में क्षतिग्रस्त पूल के पास नगर के एक युवक का तैरता हुआ शव मिलने से हंगामा मच गया देखते ही देखते लोगो की भीड उमड पडी घटनास्थल से मिली जानकारी अनुसार मृतक सुरेन्द्र कुमार यादव पिता स्व सीताराम यादव उम्र 40 वर्ष मछली पकडने के नाम से शनिवार दोपहर लगभग 1बजे घर से निकला था घर वापस नही आने पर उनकी मां श्रीमति शकुन बाई अपने पुत्र की आस-पास खोजबीन करने लगी पर सुरेन्द्र का कही पता नही चला वही रविवार लगभग 2,30 बजे नदी में मछली पकड रहे कुछ लोगो को नदी में तैरता हुआ शव दिखा तत्पश्चात पुलिस को सुचना दी गई पुलिस द्वारा लोगो की मदद से शव को बहार निकाला गया उक्त शव की पहचान मां शकून की तस्दीक पर उनके पुत्र सुरेन्द्र उर्फ बुधारू के रूप मे की गई है। नदी मे पानी कम होने के बावजूद डूब कर मौत होना तो जांच का विषय है अंदाजा लगाया जा रहा है की पुराने टुटे हुये पूल के मलमे के खोह में फंस जाने से यूवक की मौत हूई होगी ज्ञात हो की जहां सुरेन्द्र का शव मिला 2 वर्ष पूर्व उसी जगह पर नगर के ही राजू सोनकर नामक यूवक कि डुबने से मौत हो चुकी है जिससे यह आंशका जताई जा रही है की नदी मे क्षतिग्रस्त पुल का मलमा नीचे अन्दर खोह का रुप ले ली है। जहां पानी के गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। और नदी मे उतरने वाला व्यक्ति पानी के धार के साथ खोह में फंस जाता है जहां से वह बहार नही निकल पाता और डुबने से उनकी मौत हो जाती है मगर यह सोचनीय विषय है कि गंभीर हादसा होने के बावजूद भी प्रशासन द्वारा अभी तक उस क्षतिग्रस्त पूल के मलमे को नही हटाया गया है जोकि आगे चलकर और भी घटना का कारण बन सकती है लोगो ने प्रशासन से घटना का कारण बन रहे उस क्षतिग्रस्त पूल के मलमे को हटाने की मांग की है। ताकि भविष्य मे इस तरह की घटना घटित ना हो पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच की जा रही और शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है।

कोतबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 56 पदों की मिली स्वीकृति

जशपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। पत्थलगांव विकास खंड के कोतबा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नयन करके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है।

- अस्पताल अधीक्षक, सर्जन, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य पदों को भरा जाएगा

मुख्यमंत्री ने कोतबा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण करने के लिए 4 करोड़ 37 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति भी दे दी है।

कोतबा में लोगों तक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 56 पद स्वीकृत किए हैं। इनमें अस्पताल अधीक्षक, सर्जन, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग सिस्टर, लैब टेक्नीशियन, ओटी टेक्नीशियन, स्टाप नर्स, लेखापाल, फार्मासिस्ट, सहायक ग्रेड 3, ड्रेसर, वार्ड बॉय, आया और भृतय के पद स्वीकृत किया गया है। शीघ्र ही उनकी पदस्थापना की जाएगी जिसमें लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराया जा सके।

पांडुका क्षेत्र में पहुंचा दंतैल हाथी, दर्जनों गांवों में अलर्ट, वनकर्मी मौके पर मौजूद

राजिम 20 जुलाई (देशबंधु)। पांडुका वन क्षेत्र में एक दंतैल हाथी विचरण कर रहा है। मगरलोड रेंज से विचरण कर रहा यह हाथी शाम को पैरी नदी पार कर कुकदा क्षेत्र में पहुंच गया। वन विभाग की टीम लगातार हाथी पर नजर रख हुई है। विभाग ने पांडुका रेंज के दर्जनों गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है।

बता दें कि दोपहर में मगरलोड क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 02 आरएफ से विचरण करते हुए दंतैल हाथी मखाना आज शाम कुकदा क्षेत्र में पहुंच गया है। हाथी फिलहाल पोंड रेंज के कक्ष क्र 65 में विचरण कर रहा है।

हाथी का पैरी नदी पार कर पांडुका क्षेत्र में पहुंचने का एक वीडियो भी सामने आया है। हाथी ने फिलहाल किसी घर, व्यक्ति या फसल को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। वन विभाग ने कुकदा, पोंड, पचपेड़ी सहित पांडुका रेंज के दर्जनों गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है।

वन विभाग, हाथी मित्र दल के साथ सुरक्षाकर्मी भी लगातार हाथी पर नजर रख रहे हैं। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि कोई भी जंगल की ओर न जाए। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। हाथी मखाना किसी भी दिशा में जा सकता है। इसके साथ ही लोगों को चिंगरा पगार और गजपल्ला समेत आसपास के जलप्रपातों पर जाने से रोक लगा दी गई है।

NECC

21.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	490	68	165
चिल्हर	6.00	90	190

डिलीवरी 505 सैकड़ा
दर्जन अंडा 78 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

प्रकाशक, मुद्रक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए देशबन्धु परिसर रामसागरपारा रायपुर से प्रकाशित एवं मुद्रित। सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव। प्रेस पंजीयन- 6072/59
फोन- (0771) 4077750, 4077760, email id: deshbandhuraipur@gmail.com, website:deshbandhu.co.in

संपादकीय

विस्थापितों की मांगें हों पूरी

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कोरबा स्थित कुसमुंडा परियोजना के महाप्रबन्धक कार्यालय में शनिवार को जो हुआ वह एसईसीएल प्रबंधन के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के लिये भी शर्मनाक है। कुसमुंडा खदानों के लिये जिन लोगों की जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, उन प्रभावित परिवारों की महिलाओं ने कार्यालय में अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया। भू अर्जन के दौरान एसईसीएल ने नौकरी सम्बन्धी जो वादे किये गये थे वे अब तक पूरे न होने से यह स्थिति हुई। मुख्य आश्वासन ऐसे परिवारों के सदस्यों को कम्पनी में स्थायी रोजगार देने की थी। वैसे तो महिलाओं के इस प्रदर्शन के कारण प्रबन्धन तत्काल हरकत में आया और जीएम कार्यालय में आनन-फानन में बैठक बुलाई गई। प्रबन्धन ने उनकी मांगों पर जल्दी विचार करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि एसईसीएल कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करता है ताकि महिलाओं को ऐसे अतिरेकपूर्ण कदम न उठाने पड़ें।

माना जाता है कि लम्बे इंतज़ार के बाद भी एसईसीएल की ओर से अपना आश्वासन पूरा न करने के कारण प्रभावित परिवारों की महिलाओं को यह कदम उठाना पड़ा जो निश्चित ही उनकी इच्छा के विरूद्ध रहा होगा। प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन को चाहिये कि एसईसीएल से स्पष्टीकरण ले क्योंकि इसे कोई सामान्य धरना-प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। एसईसीएल की कोरबा सहित प्रदेश भर में कई खदानें हैं। उन सभी के लिये बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अक्सर इस प्रकार की शिकायतें आती हैं और प्रभावित परिवारों के प्रदर्शन भी आयोजित होते रहते हैं जिनमें या तो उन्हें मुआवजा न मिलने की बात कही जाती है अथवा रोजगार सम्बन्धी आश्वासन पूरा न होने को लेकर रोष प्रकट किया जाता है। ये मांगें विस्थापितों के संगठनों, सिविल सोसायटियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जाती रही हैं।

ऐसा भी नहीं कि एसईसीएल की ओर से अधिग्रहित किसी भी प्रभावित को मुआवजा न दिया गया हो या किसी को भी नौकरी नहीं मिली हो। कम्पनी की विभिन्न खदानों में नौकरियां कर रहे लोगों में बड़ी संख्या उनकी भी है जिनकी जमीनें कोयला उत्खनन के लिये ली गयी थीं। बहुतों को भरपूर मुआवजा भी दिया गया है। कई बार तकनीकी कारणों से भी यह काम पूरा नहीं हो पाता। अधिग्रहित जमीन के स्वामित्व, उसकी नपाई, रोजगार के लिये परिवार के भीतर ही विवाद आदि ऐसे मुद्दे हैं जिनके कारण प्रभावितों को उनके हक से वंचित रह जाना पड़ता है।

राज्य में एसईसीएल के अलावा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कई उपक्रम लगाये गये हैं। इनमें से कई कम्पनियों में इस तरह के विवाद होते रहते हैं। कोयले के अलावा बिजली, सीमेंट, लोहा-स्टील, एल्यूमीनियम आदि के उद्योग जब लगते हैं तो ये मुद्दे बनते हैं। बांध, सड़क या अन्य निर्माण में भी भू अर्जन होता है। सरकार विस्थापितों की समस्याएं दूर करे।

उल्टा पुल्टा

रमेश ने शौक-शौक में व्रत रख लिया।
रमेश (पत्नी से)- देखो सूरज डूब चुका है, अब खाना खाते है।
पत्नी (रमेश से)- नहीं जी।
रमेश- देखो डूबा या नहीं
पत्नी- नहीं जी।
रमेश- लगता है ये मुझे साथ लेकर ही डूबेगा।

सुकमा में बारिश से डायवर्सन बहा, ग्रामीणों का टूटा सब्र

बीमारों की जान जोखिम में, बच्चों की पढ़ाई बाधित, विकास की राह में फिर से बारिश बनी दीवार

सुकमा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। हर साल बारिश आती है, रास्ता बहा ले जाती है हम फिर से फंस जाते हैं। कांकेरलंका क्षेत्र के एक बुजुर्ग ग्रामीण के ये शब्द इस क्षेत्र के हालात को बयां करने के लिए काफी हैं। सुकमा जिले में कल रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते निर्माणाधीन पुल का अस्थायी डायवर्सन बह गया है। यह डायवर्सन दोरनापाल से पोलमपल्ली, जगरगुड़ा, पूवर्ती, मिनपा, एल्मागुंडा और सिलगेर जैसे सुदूर ग्रामीण अंचलों को जोड़ता है, लेकिन अब इन क्षेत्रों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह टूट चुका है। यह कोई पहली बार नहीं है जब यह डायवर्सन बहा हो। हर साल की तरह इस बार भी वही कहानी दोहराई गई। अधूरा पुल, कच्चा डायवर्सन और प्रशासन की चुप्पी। ग्रामीणों के मुताबिक, पुल का निर्माण

वर्षों से अधूरा पड़ा है और निर्माण एजेंसियों की सुस्त कार्यप्रणाली ने इस स्थिति को और बदतर बना दिया है।

बीमारों के लिए संकट, बच्चों की पढ़ाई पर असर- इस मार्ग से गुजरने वाले अधिकांश लोग आदिवासी समुदाय से हैं, जिनकी आजीविका खेती, वनोपज और दैनिक मज़दूरी पर निर्भर है। डायवर्सन बह जाने से लोगों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो गया है। कई मरीज अब भी गांव में फंसे हुए हैं, जिन्हें इलाज की सख्त ज़रूरत है। गर्भवती महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। वहीं, स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों की पढ़ाई भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। छात्रों को या तो लंबी दूरी तय करनी पड़ रहा है या फिर शिक्षा से पूरी तरह कट जाना पड़ रहा है।

नाराज हैं ग्रामीण, बोले – कब तक यूं ही झेलते रहेंगे

ग्रामीणों में गहरी नाराज़गी है। उनका कहना है कि प्रशासन और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण यह समस्या बार-बार सामने आती है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता। यदि वर्षा पूर्व मजबूत अस्थायी पुल या वैकल्पिक डायवर्सन बनाया जाता, तो इस तरह की स्थिति से बचा जा सकता था।

विधायक किरणदेव क्षेत्र की जनता की समस्याओं से हुए अवगत

जगदलपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने विधायक कार्यालय नयापारा में रविवार को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र की जनमानस से भेंट एवं मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। उनकी समस्याओं का निराकरण करने संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर उन समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। क्षेत्रीय विधायक किरण देव ने क्षेत्र की जनता से सुबह से ही विधायक कार्यालय में मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जिसमें मुख्यत: पेयजल आपूर्ति, सडक निर्माण, नाली निर्माण, देवगुड़ी का नवनिर्माण

समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

,राजस्व संबंधी प्रकरण, विधुत संबंधित व अन्य समस्याओं से अवगत होकर तत्काल कार्रवाई करते जिन समस्याओं का तत्काल निराकरण करने, उन समस्याओं के संबंध में विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल निराकरण करने निर्देशित किया। वहीं सड़क, पुलिया, नाली, मूलभूत सुविधाओं व अन्य समस्याओं को जल्द आगामी दिनों में निराकरण करने की बात कही। क्षेत्र की जनता से जिस उम्मीदों से जगदलपुर विधानसभा का विधायक बनाया है उन उम्मीदों पर सजगता से जनमानस के बीच रहकर उनकी समस्याओं का ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

निगम अध्यक्ष ने लिया बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा

जगदलपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। शहर में बीते दिनों हुई भारी वर्षा के कारण शहर के सुन्दरलाल शर्मा वार्ड, दलपत सागर वार्ड, चंद्रशेखर आजाद वार्ड, शहीद पार्क एवं महात्मा गांधी वार्ड के कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसकी जानकारी मिलते ही महापौर संजय पांडे के मार्गदर्शन में नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन के नेतृत्व में एमआईसी सदस्यों की टीम मौके पर पहुंची और संबंधित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण करने वालों में खेमसिंह देवांगन के साथ स्वच्छता विभाग के सभापति लक्ष्मण झा, निर्मल पानीग्राही, योगेंद्र पांडे शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को तत्काल जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। श्री देवांगन ने प्रभावित

लोगों से मिलकर स्थिति की जानकारी ली और आश्वासन दिया कि वर्षा जल की निकासी का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा। इसके साथ ही बरसात से पूर्व नालियों की सफाई के कारण पानी कुछ ही समय में उतर जा रहा है। स्थायी समाधान हेतु ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नगर निगम परिवार जनता की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। वहीं स्वच्छता विभाग के सभापति लक्ष्मण झा ने कहा नगर निगम के पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में बीते वर्षों के दौरान नालियों का निर्माण पूरी तरह से अव्यवस्थित और बिना किसी ठोस योजना के किया गया। इस बेतरतीब निर्माण के कारण कई क्षेत्रों, विशेषकर गायत्री नगर, ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

टेटरई तक बनी सड़क पहली बारिश में बही आने-जाने वालों को हो रही है परेशानी

सुकमा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में आज भी ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां आजादी के बाद पहली बार पक्की सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में भी काफी उत्साह है। लेकिन ग्रामीणों के उत्साह पर पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदार पानी फेरने का काम कर रहे हैं। ताजा मामला जिले के बोड्डीगुड़ा से टेटरई को जोड़ने वाली सड़क का है जो चंद बारिश में ही बह गई, जबकि अभी बारिश का मौसम काफी बचा हुआ है। सड़क बह जाने से ग्रामीणों को आने जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सडक़ बह जाने से टेटरई एवं पुजारीपारा के ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं। दरअसल बीते कुछ दिनों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बारिश हुई। वहीं टेटरई इलाके में भी तेज बारिश के कारण आस-पास के खेतों में पानी भर गया। 15 जुलाई के आस-पास टेटरई को जोड़ने वाली सड़क बारिश के पानी में बह गई। लोक निर्माण विभाग के द्वारा बीते 3 वर्षों से इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि दो-तीन माह पूर्व ही मिट्टी मुरुम व डब्ल्यूबीएम का कार्य किया गया था। यह एकमात्र सड़क है जो टेटरई को एनएच व शहरी क्षेत्रों से जोड़ती थी। लेकिन अब

इसके टूटने के बाद गाँव वालों को संपर्क लगभग टूट सा गया है। वहीं बाइक एवं साइकल से आने जाने वाले लोग औपचारिक मार्ग बनाकर जान जोखिम में डालकर रास्ते से गुजर रहे हैं।

एम्बुलेंस तक नहीं पहुंच पाएगी: ग्रामीणों ने बताया कि अगर गाँव में कोई बीमार हो जाता है तो अब एंबुलेंस तक वहां नहीं पहुंच पाएगी। ग्रामीणों ने बहे हुए रास्ते की बगल से रोड को व्यवस्थित करने की कोशिश की लेकिन परेशानी अभी बनी हुई है। टेटरई के ग्रामीण कुर्रम एंका ने बताया कि वर्षों बाद गाँव तक पक्की सड़क पहुंचने की संभावनाएं दिखीं परंतु यह सड़क भी पहली बारिश में दम तोड़ता दिख रहा है। वहीं अन्य ग्रामीणों का कहना है कि उक्त स्थान पर पुल का निर्माण किया जाना था परंतु विभाग एवं ठेकेदार ने पुल का निर्माण नहीं किया जिसके कारण ग्रामीणों को ये दिन देखने पढ़ रहे हैं।

औपचारिक व्यवस्था कर जल्द निराकरण किया जाएगा : पीडब्ल्यूडी ईई

इस मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी ईई आलोक ध्रुव ने कहा कि हमने कलेक्टर के निर्देश पर मौके का मुआयना किया गया ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

फास्टर केयर योजना के तहत अनाथ व बेसहारा बच्चों के लिए व्यक्ति या समाज सेवी संस्था को मिलेंगे 4 हजार रुपए

जगदलपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। फास्टर केयर योजना के तहत अनाथ व बेसहारा बच्चों के लिए 4 हजार रुपए की राशि जारी की जाएगी। इसके लिए समिति की बैठक होगी, जिसमें जिम्मेदारों की जांच के बाद उसके खाते में उक्त राशि बच्चों के पालन-पोषण के लिए डाली जाएगी। इस योजना में बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी समाजसेवी संस्था से लेकर कोई भी व्यक्ति ले सकता है। बाल कल्याण समिति बस्तर के अध्यक्ष नरेंद्र पाणिग्राही ने बताया कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख व संरक्षण) अधिनियम-2015 के तहत पालन पोषण व देखरेख योजना (फास्टर केयर योजना) के अंतर्गत निराश्रित, बेसहारा, अनाथ व एड्स से पीड़ित माता-पिता के बच्चों, जेल में बंद माता-पिता के बच्चों, ऐसे बच्चें जिनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है को शिक्षा स्वास्थ्य एवं भरण पोषण के लिए समुचित देखरेख, विकास, उपचार करने के लिए सर्वोत्तम हित में कार्य करना है। इसके लिए आर्थिक सहायता राशि 4 हजार प्रति माह देने का प्रावधान है।

बाल कल्याण समिति बच्चों के पोषण के लिए जिम्मेदारों के खातों में डलवाएगी यह राशि

नियमानुसार यह राशि उन परिवार व संस्थाओं को दी जाएगी, जो ब्लड रिलेशन में नहीं हैं और सेवा भावना की दृष्टि से अपने पास पारिवारिक माहौल में रखकर बच्चों को पालना चाहते हों। उक्त व्यक्ति व संस्था को जांच उपरांत शासन नियमानुसार बाल कल्याण समिति द्वारा उपयुक्त व्यक्ति व उपयुक्त संस्था घोषित किया जाएगा। इसके बाद समिति के अनुमोदन पर जिला बाल सरंक्षण इकाई द्वारा प्रकरण स्वीकृत होने पर संयुक्त बैंक खाते में राशि का भुगतान किया जाएगा। फास्टर केयर परिवार का दायित्व होगा कि वह बालक बालिका को समुचित भोजन, वस्त्र, आश्रय, शिक्षा, उच्च शिक्षा, देखभाल एवं संरक्षण, आवश्यकतानुसार सभी प्रकार की चिकित्सा, उपचार, आयु एवं रुचि अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण, बालक की विकास संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति, शोषण, दुर्व्यवहार, हानि, उपेक्षा से सुरक्षा तथा बालक एवं उसके जैविक परिवार की निजता का सम्मान करें। साथ ही फास्टर केयर मार्गदर्शिका में उल्लेखित सभी दायित्व एवं शर्तों तथा बालक कल्याण समिति एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। ऐसे भारतीय दंपती जो देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों को अस्थाई रूप से संरक्षण में लेना चाहते हैं वे जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास के कार्यालय में संपर्क कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के पश्चात उक्त अधिनियम एवं गाइडलाइन के प्रकाश में गृह अध्ययन प्रतिवेदन के अनुमोदन समिति की अनुशंसा के आधार पर जिले की बाल कल्याण समिति द्वारा देखरेख एवं संरक्षण के लिए बालक, संबंधित दंपती को फास्टर केयर में दिया जा सकेगा। पहले चरण में दो साल के लिए बच्चे को संरक्षण में दिया जाता है बाद में बच्चे को संतुष्टि होने पर पुन: दो साल संरक्षण की अवधि बढ़ाई जा सकती है। जो बच्चे बाल कल्याण समिति की देखरेख में किसी संस्थान में कम से कम दो साल रह चुके हैं। ऐसे बच्चों को देखरेख एवं संरक्षण में दिया जाता है। इसके लिए संबंधित बच्चे की सहमति भी जरूरी होती है।

फुटबॉल अकैडमी ने डीएफए ट्रॉफी पर किया कब्जा

जगदलपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में स्वर्गीय सिद्धार्थ मिश्रा स्मृति डीएफए ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को खेला गया। दोनों ही टीम के खिलाड़ियों ने आकर्षक फुटबॉल का प्रदर्शन किया। फुटबॉल अकैडमी ने 3ङ्क2 से आड़ावाल फुटबॉल क्लब को पराजित कर डीएफए ट्रॉफी पर कब्जा किया। खेल के आरंभ में दोनों ही टीम के खिलाड़ी एक दूसरे के गोल पोस्ट पर आक्रमण जारी रखें जिसके परिणाम स्वरूप आड़ावाल फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी जर्सी नंबर 15 ने खेल के 5वें मिनट में पहला गोल कर टीम को 1ङ्क0 की बढ़त दिलाई। इसी तरह अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए आड़ावाल टीम के खिलाड़ी जर्सी नंबर 11 सुनील ने खेल के 43 वें मिनट में गोल कर टीम को 2ङ्क0 की बढ़त दिला दी। 2ङ्क0 से पिछड़ रहे फुटबॉल एकेडमी टीम के

खिलाड़ी भी मैच में अपनी वापसी के लिए प्रयास में लगे रहे इस प्रयास में रोहित जगत जर्सी नंबर 17 ने खेल के 53वें और 61वें मिनट में अपने टीम के लिए दो गोल कर टीम को बराबरी की स्थिति में ला खड़ा किया। इसके पश्चात मैच और रोमांचक हो गया। फुटबॉल अकादमी के खिलाड़ी पूरे जोश के साथ खेलते हुए आड़ावाल टीम पर दबाव बनाए रखा जिसके परिणाम स्वरूप टीम के खिलाड़ी रोहित भारती ने खेल के 70 वें मिनट में गोल कर टीम को 3ङ्क2 से जीत दिलाया। मुख्य रेफरी विश्वजीत भट्टाचार्य ने प्रभावि रूप से दायित्व का निर्माण करते हुए पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर बनाए रखा। अरावली टीम के जर्सी नंबर 15 के खिलाड़ी जयराम को खेल के 59वें मिनट में और जर्सी नंबर 11 के खिलाड़ी सुनील को खेल के 70+2 मिनट में पीला कार्ड दिखाए वही फुटबॉल अकादमी के जर्सी नंबर 6 के खिलाड़ी रोहित भारती को खेल के 70वें मिनट में और खेल के 70+2 मिनट में पीला कार्ड दिखाया। इस मैच में सहायक रेफरी के रूप में विक्की पोड़ाल और दीपक डहरिया के साथ टेबल रैफरी के रूप में राहुल लाल ने अपना दायित्व निभाया। मैच के दौरान काफी संख्या में फुटबॉल प्रीमियर दर्शक उपस्थित थे।

फाइनल मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि जगदलपुर के विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और समारोह की अध्यक्षता कर रहे बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी के द्वारा फुटबॉल को किक मारकर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद उन्हें शुभकामना देते हुए कहा कि बस्तर के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उनके प्रतिभा को निखारने के लिए इस तरह के प्रतियोगिताओं का आयोजन अति आवश्यक है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से कहा कि खेल भावना से खेलते हुए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन दें। श्री मददी ने भी कहा कि इस तरह के प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा प्रदर्शित करने और निखारने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में जिला फुटबॉल संघ के पदाधिकारी के साथ वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी उपस्थित थे।

देशबन्धु
एजेंसी देना है
छत्तीसगढ़ प्रदेश की सर्वाधिक प्रसारित लोकप्रिय व विश्वसनीय अखबार दैनिक देशबन्धु को कांकेर, केशकाल में एजेंसी देना है। विज्ञापन, प्रसार व समाचार प्रेषण में रुचि रखने वाले व्यक्ति तत्काल संपर्क करें।
प्रबंधक
मो. 7000480650

आधुनिक यंत्रों के समावेश से किसानी हुई आसान

- खेती का नया युग, पावर टिलर बना बदलाव का आधार
- प्रशासन ने किसानों को बांटे 75 पावर टिलर
- जैविक खेती में बेहद लाभकारी है नया यंत्र

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के बस्तर अंचल में स्थित दंतेवाड़ा जिला, जो अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा, उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु के लिए जाना जाता है, अब जैविक खेती में एक नई दिशा की ओर अग्रसर हो चुका है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ-साथ अब आधुनिक यंत्रों का समावेश कर खेती को अधिक आसान और लाभकारी बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने किसानों को पावर टिलर वितरित कर यंत्रीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दंतेवाड़ा में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन उसमें सबसे बड़ी चुनौती श्रम और समय की अधिकता रही है। जैविक खादों, प्राकृतिक कीटनाशकों और पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के बावजूद खेत की तैयारी, खरपतवार नियंत्रण और खाद मिलाने जैसी गतिविधियों में काफी मेहनत लगती है। इस चुनौती से निपटने के लिए अब पावर टिलर जैसे उपकरण किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने हाल ही में 75 पावर टिलरों का वितरण किया है, जो कि महिला स्व-सहायता समूहों और प्रगतिशील किसानों को प्रदान किए गए हैं। यह वितरण न केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए किया गया है, बल्कि सामूहिक यंत्र उपयोग मॉडल को भी बढ़ावा दिया गया है, जिससे मशीनों का अधिकतम उपयोग हो सके। समूहों के माध्यम से यह पावर टिलर किराए पर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अन्य किसान भी इसका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही पावर टिलर का उपयोग जैविक खेती में बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। इससे खेत की गहरी जुताई, मिट्टी को बारीक करने और जैविक खादों को समरस रूप से मिलाने में आसानी हो रही है। जहां पहले पारंपरिक हल से खेत की जुताई में दो से तीन दिन लगते थे, वहीं अब यह काम कुछ ही घंटों में पूरा हो रहा है। इसके अलावा पावर टिलर का आकार छोटा और संचालन सरल होने के कारण यह छोटे जोत के किसानों के लिए भी उपयुक्त है।

इस संबंध में हीरानार के किसान लूदरुराम और कासौली के सुरेश नाग बताते हैं कि पावर टिलर के उपयोग से खेती करना अब कहीं ज्यादा आसान हो गया है। उन्हें समय की बचत तो हो ही रही है, साथ ही उत्पादन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन और कृषि विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मल्टीपरपज मशीन न केवल जुताई के काम आती है, बल्कि मिट्टी पलटने, कतार बनाने, निंदाई-गुड़ाई, खाद मिलाने और ट्रॉली से परिवहन जैसे कार्यों में भी सहायक है। इससे श्रम लागत में भी कमी आई है, जिससे जैविक खेती अब और अधिक टिकाऊ और लाभदायक बन रही है। जिला प्रशासन की यह पहल कृषि क्षेत्र में तकनीक के समावेश का उत्कृष्ट उदाहरण है। पावर टिलर वितरण के माध्यम से न केवल जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि युवा किसान भी अब आधुनिक कृषि तकनीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह पहल दंतेवाड़ा को जैविक कृषि में एक मॉडल जिला बना सकती है, जहां परंपरा और तकनीक का संतुलन एक नई कृषि क्रांति को जन्म देगा।

किसानों के पंजीयन के लिए गांव में लगेंगे शिविर- कलेक्टर

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा बैठक
- किसानों के कम पंजीयन पर नाराजगी
- 12 हजार पंजीयन का लक्ष्य, 31 जुलाई अंतिम तिथि

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में किया गया था। बैठक में लीड बैंक अधिकारी शिवराम बघेल, कृषि विभाग के उप संचालक सूरज पंसारी, जिला सहकारी नोडल सीएल यादव, डिस्ट्रिक मैनेजर एचडीएफसी ए. रविशंकर, सभी बैंक शाखाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक जिले में किए गए पंजीकृत किसानों की अद्यतन प्रगति, की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि योजना के तहत जिले के सभी किसान जिसका बी-1 और खसरा में नाम है उनका पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस कार्य में प्रगति लाने के लिए संबंधित विभागों को किसानों से संपर्क कर एवं ग्रामों में कैंप लगाकर लक्ष्य को पूरा करें। उन्होंने पिछले वर्ष की तुलना में अब तक किये गए पंजीयन को असंतोषप्रद बताते हुए कहा कि इसके लिए सभी बैंक और जिला सहकारी तथा कृषि विभाग आपसी समन्वय बनाकर अपेक्षित प्रगति लाए। शासन द्वारा इसके लिए निर्धारित समय अवधि दी गई है। अत: इसमें किसी भी प्रकार का विलंब नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में आगामी सप्ताह में पुन: समीक्षा की जावेगी। उन्होंने यह भी कहा कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के तहत पंजीकृत सभी किसान को इसका लाभ दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस पोर्टल के जरिये किसानों को केन्द्र और राज्य के सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसल जैसे उड़द, मूंग, मूंगफली, कोदो, कुटकी, मक्का, असिंचित धान, अरहर, रागी, सोयाबीन उगाने वाले सभी किसान आवरित होगें। इसके लिए 31 जुलाई तक का सीमा निर्धारण किया गया है। जिले में इस वर्ष योजना के तहत 12 हजार किसानों का लक्ष्य निर्धारण किया गया है। विगत वर्ष योजना के तहत 9 हजार 3 सौ से ज्यादा कृषक बीमित हुए थे।

मलेरिया खत्म करने मिशन मोड में हो काम- डॉ. प्रियंका

- दंतेवाड़ा में आयुक्त एवं सह-संचालक ने ली अहम बैठक
- आश्रम-छात्रावासों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश
- गर्भवती माताओं के परीक्षण और ईलाज में गंभीरता जरूरी

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले की प्रभारी सचिव और आयुक्त स्वास्थ्य सेवा तथा सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली। बैठक में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़, सिकल सेल रोग नियंत्रण और टीबी उन्मूलन जैसे जन स्वास्थ्य से जुड़े अहम मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत करते हुए डॉ. शुक्ला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन का उद्देश्य है कि मलेरिया को पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य अमला पूरी सक्रियता के साथ कार्य करे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं फील्ड में जाकर मलेरिया अभियान की निगरानी करें। डॉ. शुक्ला ने कहा कि आरडी किट से जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे दवा की पूरी खुराक दी जाए। साथ ही मितानिनों द्वारा दी गई दवाओं का रैपर जमा किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मरीज ने दवा पूरी कर ली है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मलेरिया से किसी भी स्थिति में मृत्यु नहीं होनी चाहिए। इस अभियान में एपीआई दर को 2 प्रतिशत से नीचे लाने का भी लक्ष्य तय किया गया है।

बैठक में आश्रम शालाओं की स्वास्थ्य व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। डॉ. शुक्ला ने कहा कि सभी आश्रम शालाओं में नियमित रूप से मलेरिया की जांच सुनिश्चित की जाए। यदि एक भी छात्र मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो तत्काल सभी छात्रों की स्क्रीनिंग की जाए। सिकल सेल रोग पर विशेष चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि जितने भी मरीज सिकल सेल से पीड़ित हैं, उनका तुरंत आभा हेल्थ आईडी बनाया जाए, ताकि उनके इलाज में किसी तरह की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी समर्पण भाव से कार्य करें, तो सिकल सेल की रोकथाम और बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा सकती है।

डॉ. शुक्ला ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की भी समीक्षा करते हुए कहा कि सभी पंचायतों में टीबी मित्र बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि जब जागरूकता स्थानीय बोली और भाषा में होगी, तब लोग अधिक बेहतर समझ पाएंगे और इलाज के लिए आगे आएंगे। उन्होंने बताया कि टीबी मित्र स्थानीय स्तर पर न केवल प्रचार-प्रसार करेंगे, बल्कि संभावित मरीजों की पहचान और उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे। बैठक में डॉ. शुक्ला ने जिले में संचालित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं जैसे जननी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण अभियान और कृमि मुक्ति अभियान की भी क्रमवार समीक्षा की और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर डॉ. शुक्ला ने कहा कि हमारा कार्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगों की रोकथाम, जागरूकता और जन विश्वास बनाना भी हमारी जिम्मेदारी है। गर्भवती माताओं का प्रथम तिमाही में पंजीयन करना आवश्यक है, क्यूंकि उनकी चार बार जांच होंगी, जिससे उच्च जोखिम वाली माताओं का पता चलेगा जिससे होने वाली मातृ मृत्यु को कमी की जा सके। प्रत्येक माह 9 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में पंजीकृत गर्भवती माताओं सभी बीब, चीब एवं की में लाकर जाँच करवाए।

इसकी चार्ट बनाकर जांच करें जिससे पता चले कि कौन सी गर्भवती कब आई थी। उच्च जोखिम वाली माताओं की प्रसव पूर्व फॉलोअप करना अति आवश्यक है और प्रसव उच्च संस्था में ही करें, ताकि जच्चा और बच्चा दोनों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, सभी सीएचसी-पीएचसी प्रभारी, मलेरिया, टीबी और सिकल सेल प्रभारी तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

31 तक राशन कार्डों में केवायसी अनिवार्य

- एसडीएम और खाद्य अधिकारी ने की पीडीएस की समीक्षा
- 17 रूपए किलो से ज्यादा दर पर शक्कर बेचने पर होगी कार्रवाई

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) मूलचंद चोपड़ा एवं जिला खाद्य अधिकारी कीर्ति कौशिक ने संयुक्त रूप से की। इस बैठक में विकासखंड दंतेवाड़ा एवं कटेकल्याण के शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं की उपस्थिति रही।

बैठक का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करना और वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना था। बैठक में अधिकारियों द्वारा सभी पीडीएस विक्रेताओं को शासन द्वारा निर्धारित दरों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से शक्कर वितरण को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कार्डधारकों को शक्कर का वितरण 17 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से ही किया जाए। यदि कोई विक्रेता इस निर्धारित दर से अधिक राशि वसूलता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि राशन कार्ड में शामिल सभी सदस्यों की ई-केव्हीसी की प्रक्रिया 31 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। इसके लिए विक्रेताओं को घर-घर जाकर ई-केव्हीसी सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ बिना किसी व्यवधान के मिल सके।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित विक्रेताओं से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनी और वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता से बचने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर और पारदर्शिता से पहुँचना चाहिए, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें।

मोदी की गारंटी याद दिलाने सीएम के नाम ज्ञापन

- अफसर-कर्मचारी फेडरेशन ने दी आंदोलन की चेतावनी
- महंगाई भत्ता, लंबित एरियर्स सहित कई मांगों पर मुखर

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला दंतेवाड़ा ने प्रदेश के शासकीय सेवकों को देय तिथि से महंगाई भत्ता, लंबित एरियर्स सहित अन्य मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरकार से मोदी की गारंटी पूरी करने की मांग की गई। ज्ञापन में वेतन विसंगति एवं अन्य मुद्दों के लिए गठित पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने, प्रदेश में चार स्तरीय पदोन्नति समय मान वेतनमान देने, सहायक शिक्षक पद पर नियुक्त शिक्षक एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी को तृतीय समय मान वेतनमान स्वीकृत आदेश जारी करने, प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति निशर्त लागू करने, मध्य प्रदेश की भांति छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय सेवकों को 300 दिवस अर्जित अवकाश नगदीकरण करने, सहित 13 सूत्रीय मांगे शामिल थी। इस दौरान छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन संभाग उपाध्यक्ष संजय सिंह ठाकुर, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला संयोजक अरविंद यादव, पीलाराम सिन्हा जिला सचिव, नागेश जासवाल प्रवक्ता, रामलाल नेताम सदस्य, देवेंद्र चापड़ी, केशव सिंह, राजकुमार कर्मा, राजेंद्रसिंह ठाकुर न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष, अंकित सिंह उपाध्यक्ष जूरी, राजेश मांडवी, कपूर चंद पाल, दिनेश कर्मा, विजय मरकाम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

शंखनी-डंकनी नदी के पवित्र जल से शिव अभिषेक

- सुरभि कालोनी में श्रावण मास पर भव्य कांवड़ यात्रा
- श्रीराम लिंगेश्वर महादेव मंदिर में जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। श्रावण मास पर सुरभि कालोनी स्थित श्रीराम लिंगेश्वर महादेव मंदिर में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। दंतेश्वरी मंदिर के पीछे शंखनी-डंकनी नदी के संगम से पवित्र जल लेकर कांवड़ियों ने भगवान महादेव का अभिषेक किया। शिव मंदिर से कांवड़ यात्रा सुबह 9 बजे प्रारंभ हुई। इसमें कालोनी वासियों के साथा ही शहर के भी शिव भक्तों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कांवड़ यात्रा पहले दंतेश्वरी मंदिर संगम स्थल पहुंची, फिर वहां से अनुष्ठान के बाद पवित्र जल के साथ बोल बम का जयकारा करते भक्त श्रीराम लिंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां पूजा-अर्चना के साथ जलाभिषेक किया। आरती हुई और भण्डारा में प्रसाद ग्रहण कर इस आयोजन का समापन हुआ। कांवड़ यात्रा का यह दूसरा वर्ष था। हर वर्ष अब इसमें भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। सावन सोमवार पर कल शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होगी। रूद्राभिषेक, हवन और आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे। सावन का यह दूसरा सोमवार होगा। पूरे सावन में इस बार केवल 4 सोमवार ही पड़ने वाले हैं। भक्तों में सावन के दौरान महादेव की पूजा-अर्चना को लेकर बेहद उत्साह है।

मीनू के हिसाब से नहीं मिल रहा मध्यान्ह भोजन

- शिक्षा स्थायी समिति की बैठक में उठा मामला
- सभापति अरविंद कुंजाम ने कार्रवाई के दिए निर्देश
- बेहतर कार्य करने वाले दो संकुल समन्वयक होंगे पुरस्कृत

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिला पंचायत में शिक्षा स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक जिपं उपाध्यक्ष और समिति के सभापति अरविंद कुंजाम के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं समिति के सचिव द्वारा किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, सहित कई सदस्य भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के सम्बंध में, जर्जर विद्यालय भवनों की जानकारी, पोटाकेबिन में चल रहे निर्माण/मरम्मत के संबंध में, विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की नामांकन एवं उपस्थिति की अद्यतन स्थिति के बारे में चर्चा, एकल शिक्षक/शिक्षक विहीन विद्यालयों के संबंध में चर्चा की गई। सभी शैक्षणिक संस्थाओं में बालक एवं बालिका शौचालय को दुरुस्त रखने, बालिका आवासीय संस्थाओं में सुरक्षा पर विशेष फोकस, जिले के सभी संकुल समन्वयकों को अपने पदस्थापना शालाओं में अनिवार्य रूप से 2 कक्षाएं लेने एवं उनके प्रशासनिक एवं शैक्षिक कार्य के आधार पर प्रत्येक वर्ष 2 संकुल समन्वयक को पुरस्कृत करने निर्देशित किया गया। शिक्षा समिति के सभापति द्वारा जिले के सभी शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था हो। लापरवाही की स्थिति में संबंधित दोषी के विरुद्ध जिम्मेदारी तय की जावें।

शिक्षा समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके शाला निरीक्षण के दौरान स्व सहायता समूहों के द्वारा मध्यान्ह भोजन के मीनू अनुसार एवं पर्याप्त मात्रा में सामग्री नही दी जा रही है, इस संबंध में विशेष मॉनिटरिंग की जावे एवं स्व सहायता समूह पर्याप्त मात्रा एवं मीनू अनुसार सामग्री प्रदान करे, इसकी व्यवस्था की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी एवं समिति के सभापति ने समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, खंड स्रोत समन्वयकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष, सभापति एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किये गए चर्चा एवं बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन जावे। इस बैठक में जितेंद्र सोरी सदस्य, श्रीमती ममता मंडावी सदस्य, श्रीमती तिलेश्वरी नागेश सदस्य, रमेश गावड़े उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सहित अन्य पदाधिकारी एवं जिले के जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खंड स्रोत समन्वयक उपस्थित रहे।

प्रादेशिकी का शेष...

विधायक किरणदेव क्षेत्र...

समाधान करने का कार्य कर दायित्व के निर्वहन की बात श्री देव ने कही। उन्होंने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधा देना हमारा कर्तव्य है जिसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। हमारी सरकार में क्षेत्र का लगातार चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। हम प्राथमिकता के साथ जनता के बीच रहकर उनकी समस्या का समाधान करने का कार्य करना हमारा दायित्व है।

निगम अध्यक्ष ने लिया...

गांधी नगर नागरिकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। महापौर संजय पाण्डे के नेतृत्व में सभी नालों का निरीक्षण किया जा चुका है वहीं निर्माण की योजना बनाई जा रही है। मालूम हो कि नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्रही, निगम अधिकारियों द्वारा यह आश्वासन दिया गया है कि गौरतलब है कि वर्तमान में नालियों की नियमित सफाई की जा रही है, जिसके फलस्वरूप शहर के किसी भी हिस्से में सफाई के अभाव में जलभराव जैसी समस्या उत्पन्न नहीं हो रही है। निगम की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि बरसात के मौसम में नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नगर निगम लोगों से अपील करता है कि वे सहयोग बनाए रखें और किसी भी समस्या की सूचना तुरंत निगम कार्यालय को दें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

टेटरई तक बनी सड़क...

है। जल्द ही पाइप डालकर औपचारिक रूप से रास्ता सुगम किया जाएगा एवं जल्द से जल्द पुलिया का निर्माण कराया जाएगा।

खत्म हुआ लाल आतंक तो रात में होने लगी समीक्षा

- राजधानी से पहुंची प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका ने अफसरों की ली क्लास
- केन्द्र और राज्य की महत्वपूर्ण योजनाओं में गति लाने के निर्देश
- सुरक्षा कैंपों के करीबी गांव में विकास की बनी रणनीति
- पीएम आवास, जल जीवन मिशन और मलेरिया उन्मूलन की ली जानकारी

दंतेवाड़ा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले की प्रभारी सचिव डॉ. प्रियंका शुक्ला शनिवार देर शाम दंतेवाड़ा पहुंची। यहां उन्होंने कलेक्टर कुणाल दुदावत की मौजूदगी में विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रमुख योजनाओं, उनके लक्ष्यों, प्राप्तियों और जमीनी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक लगभग रात साढ़े 10 बजे तक चलती रही। नक्सल मुक्त दंतेवाड़ा के इस नए माहौल में यह पहला अवसर था जब राजधानी से पहुंची सचिव ने रात में ही अफसरों की बैठक ली और प्रशासन को धरातल पर महसूस करने की कोशिश की।

बैठक की शुरुआत में डॉ. शुक्ला ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों, स्वीकृत आवासों, निर्माण प्रगति और पूर्णता की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली और कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वॉयल हेल्थ कार्ड, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा मुख्यमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड योजना जैसी फ्लैगशिप योजनाओं की भी बारीकी से समीक्षा की। डॉ. शुक्ला ने नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत मार्च 2024 तक स्थापित 22 नये कैंपो और इनसे जुड़े 86 लक्षित ग्रामों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देशित किया कि इन क्षेत्रों में योजनाओं का सतत और समग्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जैविक खेती मिशन को लेकर भी विभागीय अधिकारियों से चर्चा की और किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता जताई। प्रभारी सचिव ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि आयुष्मान योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का वय वंदना योजना में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और इसके लिए फील्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोलने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो सके। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत सोलर ड्यूल पंप स्थापना कार्य, सौर सुजला योजना फेस-09 के तहत सिंचाई पंपों की स्थापना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीएम सूर्यघर योजना, धरती आबा योजना, स्वामित्व योजना और मोबाइल टावरों की स्थापना जैसे कार्यों की भी समीक्षा की गई। डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से ग्रामीण परिवहन सेवाओं को लेकर तैयार किए जा रहे प्रस्तावों की जानकारी ली और कहा कि दूरस्थ गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने मलेरिया नियंत्रण के लिए फील्ड में जाकर जागरूकता और चिकित्सा कार्यों को और अधिक सघन करने के निर्देश दिए। डॉ. शुक्ला ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पूरी मेहनत, पारदर्शिता और आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने दोहराया कि शासन की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और इसके लिए जमीन पर ठोस कार्यवाही जरूरी है। बैठक के समापन पर कलेक्टर श्री दुदावत ने कहा कि प्रभारी सचिव द्वारा दिए गए समस्त निर्देशों का अक्षरश: पालन किया जाएगा और सभी विभाग अपने-अपने कार्यों में पूर्ण गंभीरता से जुटेंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सेजेस दहिकोंगा में छात्र परिषद युवा क्लब का चुनाव

- चार मतदान केंद्र में कुल 73.6 प्रतिशत मतदान हुआ
- साकीराम नायक, डिगेश्वरी छात्रा प्रतिनिधि, ऋषिका सचिव व कौस्तुभ कोषाध्यक्ष निर्वाचित

कोण्डागांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के पत्र अनुसार इस वर्ष बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मंशा अनुरूप प्रारंभ से ही कुछ जिम्मेदारी देते हुए उनके भीतर रचनात्मक कौशल को विकसित करते हुए समुदाय के हित में कार्य करने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्राथमिक स्तर पर बाल सभा, उच्च प्राथमिक स्तर पर बाल कैबिनेट एवं हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्तर पर युवा एवं इको क्लब के गठन हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देश के परिपालन में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दहीकोंगा में हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्तर पर छात्र परिषद युवा क्लब गठन प्रक्रिया के तहत निर्वाचन कार्य संपन्न किया गया। संस्था के प्राचार्य त्रिनाथ प्रसाद जोशी ने प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर तक संस्था में क्लब संचालन हेतु ऋषिदेव सिंह व्यायाम शिक्षक को नोडल शिक्षक के रूप में नियुक्ति प्रदान की। संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता अमलेश्वर बारले को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया।

कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक अध्यनरत 518 बच्चों को चार मतदान केंद्र बनाकर मतदान दलों के माध्यम से निर्वाचन कार्य संपन्न करवाया गया। छात्र प्रतिनिधि के लिए नीला, छात्रा प्रतिनिधि के लिए गुलाबी, सचिव के लिए सफेद एवं कोषाध्यक्ष के लिए पीला मतपत्र छपवाया गया था। दर्ज 518 विद्यार्थियों में से 381 विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पहली बार मतदान करने को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल दिखाई दिखा। विद्यार्थियों ने 73.6 प्रतिशत मतदान कर छात्र प्रतिनिधि साकीराम मौर्य को 284 मत, दशरथ यादव को 95 मत, छात्रा प्रतिनिधि डिगेश्वरी पांडे को 211 मत, संजना बघेल को 168 मत, सचिव पद हेतु ऋषिका मानिकपुरी को 201 मत, उनके निकटतम प्रतिबंध तेजेश्वर दीवान को 92 मत, चन्द्रकांत साहू को 87 मत, कोषाध्यापक हेतु कौस्तुभ दुबे को 283 मत, नरेंद्र यादव को 98 मत प्राप्त हुए। प्राप्त मतानुसार छात्र प्रतिनिधि साकीराम मौर्य, छात्रा प्रतिनिधि डिगेश्वरी पांडे, सचिव ऋषिका मानिकपुरी एवं कोषाध्यक्ष कौस्तुभ दूबे निर्वाचित हुए। चुनाव संपन्न करने के लिए छात्र समूह से मतदान दल में क्रमशः पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी 01, मतदान अधिकारी 02 एवं मतदान अधिकारी के रूप में मतदान केंद्र क्र.01 कक्षा नवीं में छात्र हरीश नेताम, पंकज कश्यप, पूर्णिमा नेताम, तीलो नाग, मतदान केंद्र क्र.02 कक्षा दसवीं के लिए नागेंद्र पोयाम, राजेंद्र सिंहा, जामवंती पोयाम, देविका नेताम, मतदान केंद्र क्र.03 कक्षा ग्यारहवीं के लिए पप्पू सेठिया, चैतन कश्यप, करीना कोर्राम, मीनाक्षी सिन्हा एवं मतदान केंद्र क्र.4 कक्षा 12 वीं के लिए दिनेश्वर बघेल, मोहित पोयम, चांदनी सेठिया एवं सीमा नेताम को नियुक्त किया गया था। सभी मतदान केंद्रों के लिए शिक्षक शिक्षिकाओं को भी पर्यवेक्षक, आब्जर्वर एवं प्रभारी के रूप में मतदान केंद्र क्र.01 कक्षा नवमी में शिक्षक कमलेश्वर कमेटी, सपना रंगारी, निधि मंडावी, कृतिका उत्पल सोनी, दीप्ति साहू, मतदान केंद्र क्र.2 कक्षा दसवीं दशरथ लाल ध्रुव, ज्योति सागर, जूही पांडे, मुस्कान सवाई, प्रीत कौर मतदान केंद्र क्र.3 कक्षा 11 वीं शशि मंडावी, ऋतु वर्मा, भारती शर्मा, पम्मी नेताम, शुभम निषाद, मतदान केंद्र क्र.04 कक्षा 12 वीं योगेश्वर सिंहा, दिनेश प्रजापति, वर्षा मंडावी, दिव्या वर्मा, विद्या मांझी को नियुक्त किया गया था। निर्वाचन कार्य संपन्न कराने के लिए संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। निर्वाचन उपरांत मतदान केंद्रों में ही मतगणना का कार्य सम्पन्न किया गया। संस्था प्राचार्य त्रिनाथ प्रसाद जोशी के द्वारा प्राप्त गणना परिणाम की घोषणा करते हुए समस्त निर्वाचित पदाधिकारी को सम्मानित किया गया।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आए दो की मौत

- कांकेर से नारायणपुर जा रही थी कार, दो अलग-अलग घटनाओं में हुई मौत

फरसगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। फरसगांव थाना क्षेत्र में देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहाँ दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की जान चली गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस इन दोनों घटनाओं को आपस में जोड़कर जाँच कर रही है। पहली घटना फरसगांव पेट्रोल पंप के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार कार (क्र-सीजी-04-डीजेड 2555) ने एक राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद घायल राहगीर कार की छत पर अटक गया। स्थानीय लोगों ने बाइक से कार का पीछा करना शुरू किया, जिससे घबराकर कार चालक ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी। लगभग 5 किलोमीटर दूर बोरगांव ढाबे के पास जाकर चालक ने कार मोड़ते घायल राहगीर को नीचे गिरा। बोरगांव के ग्रामीणों ने तुरंत राहगीर को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। घायल की पहचान फरसगांव निवासी बजरुराम के रूप में हुई है। इस घटना के बाद, तेज रफ्तार कार बोरगांव से आगे कुल्हाड़गांव चौक और जुगानी कैंप के बीच स्थित पुलिया से जा टकराई। इस टक्कर में कार चालक बुरी तरह घायल हो गया, जिसे तुरंत फरसगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान नारायणपुर के छोटे डोंगर निवासी तापस नाथ (पिता-अरुण नाथ) के रूप में हुई है।

पुलिस कर रही है दोनों घटनाओं की जांच

दूसरी घटना फरसगांव से आगे मांझी आठगांव में हुई, जहाँ एक अज्ञात वाहन ने एक बाइक चालक को टक्कर मार दी थी, जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चिचाड़ी निवासी रोहित कुमार मरकाम के रूप में हुई। पुलिस यह अनुमान लगा रही है कि कार चालक तापस नाथ ने ही मांझी आठगांव में बाइक सवार को टक्कर मारकर फरसगांव पहूंची होगी और उसके बाद ही फरसगांव का घटना हुआ होगा। हालाँकि, पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और दोनों मामलों की गहनता से जाँच की जा रही है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आइटीबीपी करेगी 10000 पौधों का रोपण

नारायणपुर , 20 जुलाई (देशबन्धु)। सामरिक मुख्यालय, 38वी वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा श्री रोशन सिंह असवाल सेनानी के मार्गनिर्देशन में व श्री अशोक कुमार सिंह, द्वितीय कमान एवं श्री उदित नारायण, सहायक सेनानी के नेतृत्व में शासकीय हाइस्कूल, हलामी मुन्जमेटा, नारायणपुर में सघन वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई। 38वी वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की सुरक्षा इकाईया, जिला नारायणपुर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत अपने कर्तव्यों का कुशलता से निर्वहन कर रही है। भारत सरकार द्वारा बल को सुरक्षा दायित्वों के अतिरिक्त अन्य सामाजिक भागीदारी एवं पर्यावरण संबंधी कार्यों की भी जिम्मेदारी दी गई है, जिसके अंतर्गत बल की तैनाती के जिम्मेवारी वाले क्षेत्रों में लगभग 10,000 वृक्षारोपण अभियान का दायित्व दिया गया है। इस परिपेक्ष में श्री रोशन सिंह असवाल सेनानी 38वी वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के मार्गदर्शन में हलामी मुन्जमेटा के स्थानीय हाइस्कूल में लगभग 200 पौधे लगाकर अभियान की शुरूआत की गई जिसमें शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया। पौधारोपण के साथ साथ स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों से भी संवाद स्थापित किया गया, जिसमें भारत सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में चलाई जा रही विकास संबंधी योजनाओं एवं बच्चों को उच्च शिक्षा एवं रोजगार संबंधी विषयों की भी जानकारी दी गई। इस अभियान को सफल बनाने हेतु श्रीमति प्रमिला सरपंच हलामी मुन्जमेटा, श्री गणेश शौरी, श्री हीरा लाल ढाले प्राचार्य शासकीय हाइस्कूल, हलामी मुन्जमेटा एवं अन्य गणमान्य जन ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

> सुरक्षा दायित्वों के साथ सामाजिक भागीदारी एवं पर्यावरण संरक्षण प्राथमिकता - रोशन सिंह असवाल सेनानी

धान की कीटों से होने वाले नुकसान को रोकने, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने दिया सुझाव

फरसगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। धान की फसल में कीटों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए, कृषि विज्ञान केंद्र, कोण्डागाँव के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री सुरेश कुमार मरकाम ने प्रमुख हानिकारक कीटों की पहचान और उनके प्रभावी नियंत्रण के उपाय सुझाए हैं। छत्तीसगढ़ में धान की फसल को कीटों से 20 से 50 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है, जिससे पैदावार में भारी कमी आती है।

प्रमुख हानिकारक कीट और उनके नियंत्रण के उपाय

गंगई

यह कीट धान के पौधों में च्सिल्वर शूटज (सफेद तना) पैदा करता है, जिससे तने में बालियां नहीं आतीं। अगर 10 प्रतिशत से अधिक पौधों में यह लक्षण दिखाई दे, तो नियंत्रण के लिए फिप्रोनिल 5त्न एस.सी. 400-600 ग्राम प्रति एकड़ या फिप्रोनिल 0.03त्न जी.आर. 6.5-10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

तना छेदक

यह कीट तने के अंदर घुसकर उसे खोखला कर देता है, जिससे पौधे का मध्य भाग सूखकर डेड हार्ट (सूखा तना) कहलाता है। बालियां आने पर यह उन्हें भी सुखा देता है, जिसे च्सफेद बालीज्ज कहा जाता है। 10त्न से अधिक सूखे तने या 2त्न से अधिक सफेद बालियां दिखने पर, फिप्रोनिल 5त्न एस.सी. (400-600 ग्राम प्रति एकड़) या क्लोरट्रानिलीप्रोल 18.5त्न एस.सी. (60 मि.ली. प्रति एकड़) जैसे कीटनाशकों का उपयोग करें।

माहू

सफेद, भूरा और हरा माहू पौधे के तने और पत्तियों से रस चूसकर उसे कमजोर कर देता है। अगर एक पौधे में दो से अधिक माहू या मित्र कीटों की अनुपस्थिति में एक माहू भी दिखे तो ब्युपरोफेजीन 25त्न एस.सी. 320 मि.ली. प्रति एकड़ या फिप्रोनील 5त्न एस.सी. 400 मि.ली. प्रति एकड़ का छिड़काव करें।

पत्ती मोड़क

यह कीट पत्तियों को मोड़कर उनके अंदर से हरा पदार्थ खुरच कर खाता है, जिससे पत्तियों पर सफेद धारियां बन जाती हैं। वानस्पतिक वृद्धि के दौरान 10त्न से अधिक पत्तियां और फूल आने पर 5त्न से अधिक फ्लैग लीफ (सबसे ऊपरी पत्ती) प्रभावित होने पर, फेनिनथ्रोथिओन 50 ई.सी. या प्रोफनोफासस 50 ई.सी. का 400 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

केस वर्म

यह कीट पत्तियों को काटकर उसका खोल जैसा बना लेता है और उसके अंदर रहते हुए पत्तियों पर से हरा पदार्थ खुरच कर खाता है। अगर प्रति गुच्छे में दो पत्तियां पूरी तरह नष्ट हो जाएं, तो फेन्थोएट 50त्न ई.सी. 500 मिली. प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।

कटुआ

इसे च्सैनिक कीटज्ज भी कहते हैं क्योंकि यह समूह में चलता है। यह थरहा (शुरुआती) अवस्था में पत्तियों और बाली अवस्था में बालियों को काटकर खेत में गिरा देता है। प्रति वर्गमीटर में 4-5 सुंडियां दिखने पर क्लोरोपायरीफोस 20त्न + साईपरमेथ्रिन 5त्न 400-500 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

गंधी बग

यह कीट मच्छर जैसी आकृति का होता है और बालियों से रस चूस लेता है, जिससे दाने खाली या पोंचे रह जाते हैं। इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोपिरिड 6त्न + लैम्डा साइहेलोथिन 4त्न एस.एल. 120 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से उपयोग करें।यह जानकारी किसानों को धान की फसल को कीटों के प्रकोप से बचाने और बेहतर उपज प्राप्त करने में मददगार साबित हो सकती है।

संकुल भवन, प्राथमिक शाला बोलबोला में किया पौधा रोपण

कोण्डागांव , 20 जुलाई (देशबन्धु)। ''एक पेड माँ के नाम'' 2.0 अभियान के तहत, 19 जुलाई दिन शनिवार को पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। ''एक पेड माँ के नाम'' 2.0 कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि भावनात्मक रूप से विद्यार्थियों को प्रकृति और परिवार सें जोड़ने का एक सुन्दर प्रयास भी है। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि इस अभियान को केवल एक दिन की गतिविधि ना मानते हुए, इसे निरंतर चलाया जायेगा, इस अवसर पर संकुल समन्वयक रमन ठाकुर, प्रधान पाठक जगर कुमार सोरी, लक्ष्मणि ठाकुर, दिबयगुलाब खेस, दुखरूराम बघेल, कौशिल्या सोरी, लोकेश कुमार यादव एवं समस्त स्टॉफ मौजूद रहे।

मर्दापाल ब्लॉक कांग्रेस ने बिजली दफ्तर का घेराव कर राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मर्दापाल द्वारा बढ़ते बिजली के दरों के विरोध में पूर्व कांग्रेस विधायक चंदन कश्यप और जिला अध्यक्ष बुधराम नेताम के नेतृत्व में बिजली कार्यलय का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार द्वारा चौथी बार फिर आम जनता की जेब में डाका डालने का प्रयास करते हुए बिजली की दरों में बेतहाशा वृद्धि कर दिया है, जिसके तहत घरेलू उपभोक्ताओं के लिये 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट, गैर घरेलू उपभोक्ताओं के लिये 25 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोत्तरी के साथ-साथ किसानों के कृषि विद्युत दर में भी 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोत्तरी की गयी है, जिससे आम जनता एवं किसानों को अतिरिक्त भार वहन करना पड़ेगा। इस अवसर पर केंद्रीय एजेंसियों की कथित द्वेषपूर्ण कार्यवाही के खिलाफ आज ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में प्रवर्तन निदेशालय ईडी का पुतला दहन किया गया। पूर्व मुख्य मंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी ने एक बार फिर पहुंच, उन्हें प्रताड़ित करने की कोशिश की। दोपहर बाद भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। इस कार्रवाई के विरोध में आज कांग्रेसियों ने ईडी का पुतला फूंक जमकर नारेबाजी की। जिला महामंत्री रितेश पटेल कहा की आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। तहसीलदार के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को बिजली दरों में मूल्य वृद्धि वापस लेकर प्रदेश के उपभोक्ताओं को आर्थिक बोझ से छूट दिलाने के लिए निवेदन किया है। सीएसईबी कार्यालय के समक्ष रैली के माध्यम से भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बुधराम नेताम, पूर्व अध्यक्ष झुमुकलाल दीवान, जिला महामंत्री रितेश पटेल, शहर अध्यक्ष तरुण गोलछा, कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेंद्र देवांगन, मर्दापाल ब्लॉक अध्यक्ष निमेंद्र दीवान, पीसीसी सदस्य राजेंद्र साहू, पूर्व विधायक प्रतिनिधि वरुण सेटिया, निलय कश्यप, मेहतर नाग, रसूल कश्यप, धीरज कोर्राम, दया कोर्राम, शिव कोर्राम, उमाकांत सेठिया, देवेंद्र कोर्राम, बबलू बघेल, पोहडू कोर्राम, वैशाखुदास पड़वार, रामब्रिज ठाकुर, जंगलु, गंदरु, बली सोढ़ी, देवसिंग बघेल, रामनाथ नाग सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुलिस के झूमा झटकी रोकने के बाद भी ईडी का पुतला जलाने मे सफल हुए कांग्रेसी

तहसील चौक मे रोकने के बाद भी जय स्तम्भ चौक मे ईडी का पुतला जला

नारायणपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के परिवार के घर ईडी के छापेमारी एवं उनके पुत्र चैतन्य बघेल को ईडी के द्वारा गिरफ्तार कर पांच दिन के लिए रिमांड पर ले जाने के विरोध मे कांग्रेस ने ईडी का पुतला दहन किया! जिला कांग्रेस एवं यूथ कांग्रेस के सयुक्त तत्वाधान मे राजीव भवन से समस्त कांग्रेस जन पुतला को लेकर जलाने के लिए जय स्तम्भ चौक निकले थे, पुलिस प्रशासन ने दर्जनों सिपाही को कांग्रेस भवन के सामने पहले से ही लगा दिया था, कांग्रेस कार्यकर्त्ता ईडी का पुतला जय स्तम्भ चौक मे जलाना चाहते थे किन्तु पुलिस तहसील चौक से आगे जाने के लिए रोकने लगी तो कांग्रेस कार्यकर्त्ता तहसील चौक मे ही सड़क पर बैठ कर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे बाज़ी करने लगे, तत्पश्चात नारे बाज़ी करते हुए जय स्तम्भ चौक पहुंचने मे कांग्रेस कार्यकर्त्ता सफल हो गए जय स्तम्भ चौक पहुंच कर सड़क पर फिर से भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारे बाजी करने लगे इस बीच कांग्रेस कुछ कार्यकर्त्ता ने पुतला को लेकर आये और जला दिया इस बीच पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्त्ता के बीच जमकर छिना झपटी हुआ लेकिन पुतला जलाने मे कांग्रेस सफल हो गयी! इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रवि देवांगन ने कहा की भाजपा सरकार ने तमनार और हसदेव के जंगलो को अपने चहेते उद्योग पति को बेचने के बाद लगातार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हसदेव को बचाने के लिए विरोध कर रहे है वही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विधानसभा मे प्रश्नन करने निकलने के पहले भाजपा सरकार ने उनके परिवार के घर ईडी को भेज दिया जिससे साफ समझ आता है की भाजपा सरकार अपने चहते को खुश करने और उनके बदनामी को रोकने ईडी भेज कर रोकने का प्रयास किया है ! इस कार्यक्रम मे शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव वेदबती पात्र, जिला कांग्रेस महासचिव शेख तौहीद अहमद, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, बोधन देवांगन, पूर्व जनपद अध्यक्ष पंडी राम वड्डे, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद नैलवाल, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव सोनिका पोर्ते, एनएसयूआई प्रदेश सचिव जय वट्टी, एनएसयूआई अध्यक्ष विजय सलाम, वरिष्ठ कोंग्रेसी वीपी शुक्ला, शब्बीर बढ़गुजर, पूर्व एन एस यू आई अध्यक्ष उमेश कर्मा, राकेश केसरिया, यूथ कांग्रेस कार्यकर्त्ता मनोज सेन, सुक्कू सलाम, महेश कश्यप, एवं समस्त यूथ कांग्रेस एनएसयूआई कार्यकर्त्ता उपस्थित थे!

श्रीराम फाइनेंस पर गुंडागर्दी का आरोप, बिना नोटिस ग्रामीणों के वाहन उठाए

- सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना

कोण्डागांव , 20 जुलाई (देशबन्धु)। कोण्डागांव जिला में संचालित श्रीराम फाइनेंस कंपनी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कंपनी पर ईएमआई वसूली के नाम पर गुंडागर्दी करने और उच्चतम न्यायालय के आदेशों की खुली अवहेलना का गंभीर आरोप लगाया गया है। पीड़ितों का कहना है कि केवल 11 दिन की देरी पर फाइनेंस कंपनी ने बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस दिए उनके दोपहिया वाहन जबरन जब्त कर लिए।

घटना मर्दापाल क्षेत्र की है, जहाँ तीन अलग-अलग ग्रामीणों के वाहन, श्रीराम फाइनेंस कंपनी द्वारा जब्त किए गए। मेढ़पाल निवासी अंगत राम की एचएफ डीलक्स बाइक, हंगवा निवासी धनीराम कोर्राम की एचएफ डीलक्स बाइक और नवागांव निवासी केदारनाथ पोयाम की बेटी दामेंद्री पोयाम की होंडा एक्टिवा स्कूटर, इन तीनों वाहनों की किस्त भुगतान में केवल 11 दिन की देरी हुई थी।

पीड़ितों का आरोप है कि श्रीराम फाइनेंस कंपनी ग्रामीणों को कम डाउन पेमेंट पर वाहन उपलब्ध कराती है, लेकिन बाद में उन पर भारी-भरकम किस्तें थोप दी जाती है। किस्त में मामूली देर होने पर कंपनी बिना किसी नोटिस या कानूनी प्रक्रिया का पालन किए सीधे वाहन उठाकर ले जाती है। यह पूरी कार्रवाई उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है।

क्या कहता है कानून और सुप्रीम कोर्ट का आदेश ?

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक आदेश आइसीआइसीआइ बैंक विरुद्ध शांति देवी शर्मा व अन्य आईसीआईसीआई (2008) इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि फाइनेंस कंपनियां या बैंक यदि वाहन या संपत्ति को जब्त करते हैं, तो उन्हें केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत ही ऐसा करने की अनुमति है। बलपूर्वक या जबरदस्ती वाहन उठाना गैरकानूनी है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि बिना नोटिस या कस्टमर को उचित जानकारी दिए, किसी भी चल संपत्ति को जबरदस्ती उठाना संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भी एनबीएफसी और बैंकों को निर्देशित किया गया है कि वसूली एजेंटों की आक्रामक और धमकाने वाली कार्यशैली गैरकानूनी और दंडनीय है। ग्राहकों को स्पष्ट नोटिस, समय सीमा और विकल्प देना अनिवार्य है।

इस घटना के बाद क्षेत्र में कंपनी के खिलाफ रोष फैल गया है। लोग इसे ग्रामीणों के साथ अन्याय और दमनकारी वसूली नीति करार दे रहे हैं। इस पूरे मामले ने श्रीराम फाइनेंस कंपनी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन या संबंधित विभाग इस प्रकरण को लेकर क्या कार्रवाई करता है।

संविदा शिक्षकों का ऐलान- मांग पूरी न होने पर 1 अगस्त को राजधानी रायपुर में डटेंगे

कोण्डागांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने 20 जुलाई को छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर मुख्य मंत्री विष्णुदेव साय को सम्बोधित ज्ञापन को जिला कलेक्टर को सौंपा गया। यह धरना संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के मार्गदर्शन, बस्तर संभाग अध्यक्ष राहुल कुमार पांडेय के निर्देशन और कोंडागांव जिला अध्यक्ष प्रकर्ष राव पत्की व जिला सचिव यशवंत चौहान के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्वामी आत्मानंद स्कूलों से आए संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वहीं धरने का समर्थन और बल प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष ऋषिदेव सिंह भी मौजूद थे।

धरना के माध्यम से संघ ने अपनी दो सूत्रीय प्रमुख मांगों को दोहराया। पहली मांग नियमित वेतन वृद्धि एवं वेतनमान निर्धारण की है, जिसमें शिक्षकों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से पूर्णकालिक सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो वेतनमान मिला है और न ही कोई वार्षिक वेतनवृद्धि सुनिश्चित की गई है। दूसरी मांग शिक्षा विभाग में समावेशन (संविलियन) एवं नियमितीकरण की है, जिसे पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था। संघ ने मांग की है कि सभी संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में समाहित कर नियमित किया जाए, जिससे उन्हें सेवा सुरक्षा मिल सके और वे बिना भय के प्रदेश की शिक्षा गुणवत्ता में योगदान दे सकें। संघ ने यह भी घोषणा की कि यदि समय रहते इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 1 अगस्त 2025 से राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से शिक्षक-कर्मचारी शामिल होंगे। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और न्यायसंगत होगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख शिक्षकों एवं कर्मचारियों में अनीश यादव, कुमारी भूमि जैन, प्राची यादव सहित कई अन्य साथियों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने एकजुटता के साथ यह संदेश दिया कि जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक संघ का संघर्ष जारी रहेगा।

संघ ने प्रदेश सरकार से अपील की है कि शिक्षकों की न्यायसंगत मांगों पर संवेदनशील होकर विचार किया जाए और शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं अन्यथा भविष्य में हम अपने हक और अधिकारों के लिए जमीनी लड़ाई लड़ने को मजबूर होंगे।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

टीचर- बेटा, बताओ जान कैसे निकलती है?
पप्पू- खिड़की से।
टीचर- क्या मतलब?
पप्पू- दीदी, कल ही एक लड़के से कह रही थी- जान, खिड़की से निकल जाओ।

संपादकीय

विस्थापितों की मांगें हों पूरी

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कोरबा स्थित कुसमुंडा परियोजना के महाप्रबन्धक कार्यालय में शनिवार को जो हुआ वह एसईसीएल प्रबंधन के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के लिये भी शर्मनाक है। कुसमुंडा खदानों के लिये जिन लोगों की जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, उन प्रभावित परिवारों की महिलाओं ने कार्यालय में अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया। भू अर्जन के दौरान एसईसीएल ने नौकरी सम्बन्धी जो वादे किये गये थे वे अब तक पूरे न होने से यह स्थिति हुई। मुख्य आश्वासन ऐसे परिवारों के सदस्यों को कम्पनी में स्थायी रोजगार देने की थी। वैसे तो महिलाओं के इस प्रदर्शन के कारण प्रबन्धन तत्काल हरकत में आया और जीएम कार्यालय में आनन-फानन में बैठक बुलाई गई। प्रबन्धन ने उनकी मांगों पर जल्दी विचार करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि एसईसीएल कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करता है ताकि महिलाओं को ऐसे अतिरेकपूर्ण कदम न उठाने पड़ें।

माना जाता है कि लम्बे इंतज़ार के बाद भी एसईसीएल की ओर से अपना आश्वासन पूरा न करने के कारण प्रभावित परिवारों की महिलाओं को यह कदम उठाना पड़ा जो निश्चित ही उनकी इच्छा के विरूद्ध रहा होगा। प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन को चाहिये कि एसईसीएल से स्पष्टीकरण ले क्योंकि इसे कोई सामान्य धरना-प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। एसईसीएल की कोरबा सहित प्रदेश भर में कई खदानें हैं। उन सभी के लिये बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अक्सर इस प्रकार की शिकायतें आती हैं और प्रभावित परिवारों के प्रदर्शन भी आयोजित होते रहते हैं जिनमें या तो उन्हें मुआवजा न मिलने की बात कही जाती है अथवा रोजगार सम्बन्धी आश्वासन पूरा न होने को लेकर रोष प्रकट किया जाता है। ये मांगें विस्थापितों के संगठनों, सिविल सोसायटियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जाती रही हैं।

ऐसा भी नहीं कि एसईसीएल की ओर से अधिग्रहित किसी भी प्रभावित को मुआवजा न दिया गया हो या किसी को भी नौकरी नहीं मिली हो। कम्पनी की विभिन्न खदानों में नौकरियां कर रहे लोगों में बड़ी संख्या उनकी भी है जिनकी जमीनें कोयला उत्खनन के लिये ली गयी थीं। बहुतों को भरपूर मुआवजा भी दिया गया है। कई बार तकनीकी कारणों से भी यह काम पूरा नहीं हो पाता। अधिग्रहित जमीन के स्वामित्व, उसकी नपाई, रोजगार के लिये परिवार के भीतर ही विवाद आदि ऐसे मुद्दे हैं जिनके कारण प्रभावितों को उनके हक से वंचित रह जाना पड़ता है।

राज्य में एसईसीएल के अलावा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कई उपक्रम लगाये गये हैं। इनमें से कई कम्पनियों में इस तरह के विवाद होते रहते हैं। कोयले के अलावा बिजली, सीमेंट, लोहा-स्टील, एल्यूमीनियम आदि के उद्योग जब लगते हैं तो ये मुद्दे बनते हैं। बांध, सड़क या अन्य निर्माण में भी भू अर्जन होता है। सरकार विस्थापितों की समस्याएं दूर करे।

भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को बेचने की रची साजिश, 10 जनपथ के दबाव में काटे जंगल

वनमंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। वन मंत्री केदार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल में हुए घोटालों, पर्यावरणीय स्वीकृतियों में गड़बड़ियों और कथनी-करनी के अंतर को उजागर करते हुए कहा कि कांग्रेस हाई कमान भी भूपेश बघेल का साथ देगी, क्योंकि वे च्चोर चोर मौसेरे भाई हैं।

रविवार को रायपुर के एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान श्री कश्यप ने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को बेचने के लिए भूपेश बघेल की सरकार ने कई हथकंडे अपनाए थे। उन्होंने दिल्ली के दस जनपथ से आए निर्देशों के तहत प्रदेश में जनविरोधी फैसले लिए। शराब, महादेव, पीएसी, चारा, गोबर और डीएमएफ जैसे घोटालों के जरिए जनता के पैसों की खुलकर लूट की गई। इन घोटालों के मुख्य आरोपी आज जेल की सलाखों के पीछे हैं, लेकिन भूपेश बघेल अब भी खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पेड़ कटाई और कोल ब्लॉक आवंटन में दोहरा रवैया

केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने एक ओर पर्यावरण और आदिवासियों की रक्षा की बात की, लेकिन हकीकत यह है कि भूपेश सरकार ने ही हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई के लिए नो गो जोन हटाया।

उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर 2019 में ही राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति की सिफारिश की थी, और 2022 में कोल माइंस राजस्थान को आवंटित की गई। कश्यप ने कांग्रेस पर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि वह एक ओर खदानों को स्वीकृति देती है और विपक्ष में आकर उसका विरोध करते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आर्थिक नाकेबंदी को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था और किसानों को नुकसान पहुंचा रही है, ताकि कानून-व्यवस्था बिगड़े और अपराध की स्थिति बने। कांग्रेस अपने नेताओं को बचाने के लिए जनता की बलि चढ़ा रही है।

केदार कश्यप ने भूपेश बघेल से पूछे कई सवाल

केदार कश्यप ने भूपेश बघेल पर तीखा हमला करते हुए कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार के दौरान कोल ब्लॉक आवंटन जैसे निर्णय लिए गए थे, तो क्या भूपेश बघेल अब उनके लिए माफ़ी मांगेंगे? उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या भूपेश बघेल कांग्रेस भवन की बिजली काटने का साहस दिखाएंगे, जैसे वे दूसरों से उम्मीद करते हैं?

श्री कश्यप ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी विफलताओं और घोटालों से ध्यान हटाने के लिए प्रदेश को अराजकता की आग में झोंकना चाहती है। उन्होंने पूछा कि क्या भूपेश बघेल जनता के साथ किए गए धोखे की जिम्मेदारी लेंगे? उन्होंने यह भी दावा किया कि राजस्थान सरकार के मंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भूपेश सरकार को पत्र लिखकर यह बताया था कि कैसे 10 जनपथ के दबाव में जनविरोधी निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल राजनीति चमकाने और खुद को बड़ा नेता साबित करने के लिए भाजपा पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है, लेकिन जनता सब देख रही है। इसी कारण, पांच वर्षों में ही कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया गया।

हसदेव में पेड़ सरकार बनने से पहले ही काटे गए : भूपेश

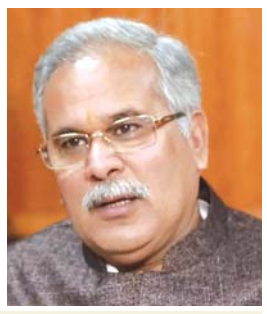

■ भूपेश बघेल दिल्ली रवाना, हाईकमान से करेंगे चर्चा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को दिल्ली रवाना हुए। जहां वे कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात कर राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और चैतन्य बघेल पर हुई कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रायपुर एयरपोर्ट पर रवाना होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में भाजपा और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

वनमंत्री केदार कश्यप द्वारा रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता पर पलटवार करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाज़ी मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्रियों को करनी चाहिए थी।लेकिन जिम्मेदारी से बचते हुए एक मंत्री को सामने भेजा गया। उन्होंने केदार कश्यप पर घटिया भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह के बारे में वैसी ही बातें कह दी होतीं जैसी भाषा उन्होंने राहुल गांधी के लिए इस्तेमाल की, तो भाजपा किस तरह प्रतिक्रिया देती?

हसदेव में पेड़ों की कटाई पर भाजपा से जवाब तलब

भूपेश बघेल ने भाजपा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिन लोगों ने कांग्रेस को एटीएम कहा था, वे खुद आज रिजर्व बैंक बनकर बैठे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, वे हम पर चोरी के आरोप लगाते हैं, लेकिन डकैती तो ये खुद कर रहे हैं। हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई को लेकर उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य में सरकार बनी भी नहीं थी, तब किसके निर्देश पर वहां कटाई की गई?

उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी समूह के लोग कटर लेकर तमनार के जंगल में कैसे घुसे और किसकी अनुमति से कटाई शुरू हुई, इसका जवाब वन मंत्री को देना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि यदि आदिवासी समुदाय को दिया गया सामुदायिक पट्टा निरस्त नहीं हुआ था, तो पेड़ों की कटाई कैसे की गई?

कोल ब्लॉक नीतियों पर जवाबी हमला

कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर भी भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय खदानों का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ नीति पर आधारित था, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि अब तक नीलामी की गई खदानों में से कितनी वास्तव में चालू हैं और पिछले दरवाज़े से राज्यों को खदान किसने दिया?

उन्होंने भाजपा नेताओं को लुटेरे करार देते हुए कहा कि इनके साथी लूट रहे हैं और ये खुद लुटवा रहे हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेतृत्व प्रेस से बच रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण साव और विष्णुदेव साय ने खुद को प्रेसवार्ता से दूर रखा और जिम्मेदारी से बचने के लिए केदार कश्यप को सामने किया गया।

राज्य सरकार ने 25 साल पुराने नियम में किया संशोधन

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। एमबीबीएस छात्रों को एक साल के बांड का लाभ लेने के लिए अभी इंतजार करना होगा। अभी अध्ययनरत विद्यार्थियों को इस नियम का लाभ नहीं मिल पाएगा क्योंकि इसके दायरे में 2025 बैच में एडमिशन लेने वाले आएंगे। 2031 में पासआउट होने वाले ही एक साल की बांड सेवा में जाएंगे। दरअसल में एक दिन पहले ही राज्य सरकार ने प्रवेश के संबंध में 25 साल पुराने नियम में महत्वपूर्ण बदलाव किया था।

हनी बग्गा संगठन सचिव व दिल्ली प्रदेश के प्रभारी बने

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की है। जिसमें छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा को संगठन सचिव एवं दिल्ली प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। हनी बग्गा लगातार 2 वर्षों से दिल्ली प्रदेश के प्रभारी रहे हैं उनके नेतृत्व में दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव एनएसयूआई ने जीता। उसके बाद आज राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली के साथ संगठन का प्रभार भी हनी बागा को बना दिया।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ शहर कांग्रेस ने दिया धरना

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। यह कार्यवाही पूरी तरह से राजनीतिक विद्वेष से प्रेरित है।

इसी के विरोध में आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर द्वारा दो दिवसीय धरना प्रदर्शन की शुरुआत की गई।प्रदर्शन का आयोजन राजीव गांधी चौक, रायपुर के सामने किया गया, जो सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला।

इस धरना प्रदर्शन में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ नारेबाजी की।

धरना में पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के खिलाफ जमकर बरसे सभी नेताओं ने एकजूट हो कर कहां की लोकतंत्र में जांच एजेंसियों का स्वतंत्र होना जरूरी है,परंतु भाजपा सरकार इन संस्थाओं को अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के लिए औजार की तरह इस्तेमाल कर रही है, जो कि संविधान और लोकतंत्र दोनों के खिलाफ है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस तानाशाही और ईडी जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ देशभर में आवाज बुलंद करती रहेगी।कल दूसरा दिन होगा, जिसमें और अधिक संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे तथा यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिशें बंद नहीं की जाती। इस धरना प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी गिरीश देवांगन शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे प्रमोद दुबे पंकज शर्मा सुशील आनंद शुक्ला प्रमोद चौबे कुलदीप जुनेजा ऐजाज ढेबर श्रीकुमार मेमन सुरेश ठाकुर आकाश शर्मा नीरज पाण्डे शिव सिह ठाकुर धनंजय ठाकुर सतनाम पनाग आकाश तिवारी बंशी कन्नौजे ममता राय गंगा यादव अमित शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रदेश में 5 हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए जल्द ही आवेदन

डेढ़ साल में 10 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी : साय

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के बड़े मौके बना रही है। पिछले डेढ़ साल में 10 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। यही नहीं, पांच हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए बहुत जल्द विज्ञापन जारी किए जाने वाले हैं।श्री साय रजक युवा गाडगे सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही है। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में एक माह के भीतर शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाने वाली है।

उन्होंने सम्मेलन में रजक समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, प्रबुद्धजनों एवं समाजसेवियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को उन्नति के नए आयाम तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और सुशासन की स्थापना के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन मोड पर हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हुई है। पीएम मोदी की गारंटियों को पूरा करते हुए हमने 3100 रुपए प्रति चिंटल की दर से धान की खरीदी की है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। तेन्दूपत्ता की खरीदी 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से की जा रही है।

श्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति के माध्यम से महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं दिव्यांगजनों को रोजगार एवं उद्योग स्थापित करने हेतु विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योग नीति से आकर्षित होकर बीते छह से आठ महीनों में लगभग साढ़े छह लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के अवसर सृजित किए हैं। साथ ही, स्वरोजगार के लिए भी सकारात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से राज्य को भुखमरी की समस्या से मुक्ति मिली और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ।

प्रदेश में मानसून सक्रिय

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में शनिवार रात से मौसम ने करवट ली है, और प्रदेश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है। गरियाबंद और इसके आसपास के इलाकों में शनिवार देर रात से रविवार सुबह तक लगातार बारिश दर्ज की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को रायपुर, दुर्ग, गरियाबंद, बलौदाबाजार, धमतरी, महासमुंद, कबीरधाम, राजनांदगांव, बेमेतरा और बालोद जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

रायपुर, दुर्ग सहित कई जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग की चेतावनी- भारी बारिश के साथ वज्रपात का खतरा ?मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मानसूनी तंत्र के कारण छत्तीसगढ़ में बारिश की तीव्रता बढ़ी है। रायपुर और दुर्ग संभाग में सबसे अधिक बारिश की संभावना है, जबकि कुछ क्षेत्रों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं और वज्रपात की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। बारिश के दौरान पेड़ों के नीचे या खुले स्थानों में खड़े होने से बचें, क्योंकि वज्रपात का खतरा बना हुआ है। विभाग ने सलाह दी है कि बारिश में फंसने पर सुरक्षित स्थान पर शरण लें और नदी-नालों के पास जाने से परहेज करें। प्रदेश में बारिश का प्रभाव ?पिछले 24 घंटों में गरियाबंद, सूरजपुर, बलरामपुर और बस्तर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई। रायपुर में रविवार सुबह हल्की बूंदाबांदी देखी गई, लेकिन दिन चढ़ने के साथ बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। ङ्क पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि सरगुजा, बस्तर और कोरबा सहित 19 में गरज-चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। बिलासपुर और सरगुजा के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही खेतों और सड़कों पर पानी भरने की खबरें हैं। सुरक्षा सावधानियां और प्रशासन की तैयारी ?मौसम विभाग ने लोगों से बिजली के खंभों, पेड़ों और खुले मैदानों से दूर रहने की सलाह दी है। बच्चों को नदी-नालों के पास जाने से रोकने और मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने की अपील की गई है। स्थानीय प्रशासन ने भी अलर्ट वाले जिलों में आपदा प्रबंधन टीमें तैयार रखी हैं और नागरिकों से सतर्कता बरतने को कहा है। ङ्क पर मौसम से संबंधित पोस्ट्स में लोगों ने चिंता जताई है कि लगातार बारिश से सड़कों पर जलभराव और यातायात बाधित हो सकता है।

इज़रायल यात्रा एक अविस्मरणीय और महत्वपूर्ण अनुभव : महापौर

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे का कहना है कि इजरायल की हालिया यात्रा उनके लिए एक अविस्मरणीय और महत्वपूर्ण अनुभव रहा है .यह एक ऐसा सफर था, जो सिर्फ भौगोलिक दूरी तय करने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसने मुझे तकनीकी उन्नति, मानवीय लचीलेपन और सांस्कृतिक समृद्धि के कई पहलुओं से रूबरू कराया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा है कि इजरायल यात्रा एक साहसिक निर्णय था, खासकर मौजूदा युद्ध के माहौल को देखते हुए। लेकिन इसने मुझे सीधे ज़मीन पर वास्तविक स्थिति को समझने का मौका दिया। इजरायल की तकनीकी श्रेष्ठता, विशेषकर उनके म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन और मुनि एक्सपो में प्रदर्शित उच्च तकनीकी मशीनों को देखकर मैं चकित थी .यह दर्शाता है कि कैसे नवाचार को शहरी जीवन और सुरक्षा में एकीकृत किया जा सकता है।इस दौरान इज़रायल के माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन सुनने को भी मिला.विदेश मंत्री,इज़रायल में अमेरिकी राजदूत और स्थानीय सरकार ने आपातकालीन प्रक्रिया और सामुदायिक विकास में अपने अनुभवों को साझा किया.यह जानकर खुशी हुई कि कैसे वे युद्ध के माहौल में भी नागरिकों के जीवन को सामान्य बनाये रखने का प्रयास कर रहे हैं.

यात्रा के दौरान, ऐतिहासिक शहर जेरुसलम के भ्रमण का अवसर मिला.मैंने होलोकास्ट म्यूजियम में मानवीय त्रासदी की गहराई को महसूस किया और 7 अक्टूबर 2023 के आतंकी हमले के अवशेषों को देखकर और पीड़ित लोगों से बात करके जो लगातार संघर्ष के बीच जी रहे है उनके दर्द और अदम्य भावना को समझने का प्रयास किया.यह अनुभव हृदय विदारक था, पर इसने मुझे जीवन के प्रति और भी संवेदनशील बना दिया। इस दौरान मुझे इज़रायल में रहने वाले भारतीयों से भी बातचीत करने का मौक़ा मिला जिन्होंने अपने अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया.डेड सी का अनुभव एक अनूठा और शांतिपूर्ण पहलू था, जो इस तीव्र यात्रा में एक विराम की तरह था इस पूरी यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने में भारत सरकार और इज़रायल स्थित भारतीय दूतावास का अतुलनीय सहयोग रहा। दिल्ली में विदेश मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स) की ब्रीफिंग से लेकर इज़रायल में भारतीय राजदूत श्री जे.पी. सिंह जी का विशेष समर्थन और उनके साथ-साथ प्रशिक्षु आईएफएस मोहित और आराधिका का सहयोग सराहनीय था। उन्होंने हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन किया, जिससे हमें अपने देश से दूर होकर भी घर जैसा महसूस हुआ।

राजस्थान को कोल खदान केंद्र सरकार ने 2015 व 2022 में आबंटित किया : कांग्रेस

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार ने राजस्थान को कोयला खनन का अधिकार 2015 मे दिया। जब केंद्र ने कोयला खनिज (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 के तहत कोयला खदानों की नीलामी शुरू की।राजस्थान को कोयला खनन के लिए जो मुख्य ब्लॉक परसा ईस्ट और कांता बासन कोल ब्लॉक हसदेव अरण्य क्षेत्र को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को दिया और परसा कोल ब्लॉक का आवंटन2022 में केंद्र सरकार ने राजस्थान को दिया जो छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पत्रकार वार्ता में उपमुख्यमंत्री एवं विधि मंत्री अरुण साव भी शामिल होने वाले थे। लेकिन वह जानबूझकर नहीं आए क्योंकि उन्हें विधि की जानकारी है और उन्हें पता है कि कोल आवंटन का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। मंत्री केदार कश्यप आदिवासी वर्ग से है लेकिन वह जंगल की कटाई का विरोध नहीं कर रहे हैं। श्री बैज ने कहा भाजपा की सरकार ने राजस्थान को कॉल खनन की अनुमति दिया तभी राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया था। भाजपा नेता झूठ बोलकर मोदी सरकार की छत्तीसगढ़ विरोधी आदिवासी विरोधी कार्यों पर पर्दा नहीं कर सकते।

प्रवेश प्रारंभ | पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. से सम्बद्ध | प्रवेश प्रारंभ
शांतिनिकेतन महाविद्यालय
M.Sc. Micro Bio., Com. Science, I.T.,
B.Sc. Micro Bio., Com. Science, I.T. & Plain
B.Com. Plain & Computer Application
प्रवेश शुल्क में 50% की विशेष छूट
ST, SC, OBC विद्यार्थियों के लिए (100%) छात्रवृत्ति की सुविधा
BCA, DCA, PGDCA
-: प्रवेश हेतु संपर्क करें:-
बाजार चौक के पास, चंगोराभाठा, रायपुर
0771-2243085, 2242890, 9425526891, 7828168418

विधायक मूणत, महापौर और सभापति ने किया चूड़ामणि वार्ड में विकास कार्यों का लोकापर्ण-भूमिपूजन

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे सहित नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष और शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद दीपक जायसवाल, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष मनोज वर्मा, स्वामी आत्मानंद वार्ड के पार्षद आनंद अग्रवाल सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, बच्चों की उपस्थिति में रायपुर पश्चिम बिधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 7 अंतर्गत शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न 8 कार्यों का 1 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृत लागत वाले विभिन्न 8 नवीन विकास कार्यों का एकमुश्त लोकार्पण कर जनता को अनुपम सौगात दी है.

आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयोजन में नए विकास कार्यों के लोकार्पण हेतु वार्ड 37 में सभी 8 विभिन्न स्थानों पर नन्ही कन्याओँ का हल्दी कुमकुम लगाकर गृह प्रवेश करवाने की तर्ज पर जनता हेतु लोकार्पण किये जाने की पद्धति की चर्चा करते हुए प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने सराहा और कहा कि उन्होंने नन्ही कन्याओँ को हल्दी कुमकुम लगाकर गृह प्रवेश करवाने ह्रश्र तर्ज पर लोकार्पण करवाने की पद्धति शासकीय कार्य में आज पहली बार देखी है. लोकार्पण हेतु ऐसी पद्धति नगर पालिक निगम रायपुर का एक सराहनीय कार्य है. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में 1 करोड़ 8 लाख के नए विकास कार्यों की एकमुश्त लोकार्पण सौगातें मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वार्ड पार्षद एवं एमआईसी

सदस्य दीपक जायसवाल की सक्रिय और जागरूक कार्यशैली को सराहा. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी नागरिकों को सावन के पवित्र मास की हार्दिक शुभकामनायें दीं. प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष और शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद दीपक जायसवाल, मगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष मनोज वर्मा, नगर निगम जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, स्वामी आत्मानंद वार्ड क्रमांक 38 के पार्षद आनंद अग्रवाल, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि अशोक पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्त्ता बजरंग खंडेलवाल, नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे सहित गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, बच्चों की उपस्थिति में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 अंतर्गत मेघा मारुति के सामने वन्दना ऑटो के बाजू में अधोसंरचना मद अंतर्गत 50 लाख में सामुदायिक भवन निर्माण का फीता काटकर लोकार्पण करते हुए शानदार सौगात दी. वार्ड 37 के क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक भवन में विद्युतीकरण, टाइल्स, अन्य कार्यों, आमातालाब उद्यान में ओपन जिम, आमातालाब में हमर क्लीनिक के पास मुंडन चबूतरा निर्माण और शेड निर्माण कार्य, वार्ड में अपूर्ण सामुदायिक भवन को पूर्ण करने के कार्य, शासकीय प्राथमिक शाला रामकुण्ड में शौचालय मरम्मत और मैदान समतलीकरण कार्य, बजरंग नगर में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण कर नागरिकों को एकमुश्त शानदार सौगात दी. नगर निगम लोक कर्म विभाग अध्यक्ष और वार्ड 37 पार्षद दीपक जायसवाल ने नगर निगम जोन 7 अंतर्गत शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 में वार्ड के 8 भिन्न स्थानों में विविध नए विकास कार्यों का एक करोड़ 8 लाख की स्वीकृत लागत से नागरिकों को दी गयी एकमुश्त लोकार्पण की शानदार सौगात पर समस्त वार्डवासियों की ओर से प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता

चबूतरे पर बैठे युवक पर हमला, पुलिस ने दर्ज किया आपराध

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कोतवाली पुलिस ने सेक्टर 5 स्थित मार्केट में मारपीट के मामले में अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी से अनुसार सिगरेट पी रहे बीएसपी कर्मी पर अचानक दो युवकों के द्वारा जबरिया गाली गलौज की गई। इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर दिया। घायल बीएसपी कर्मी की रिपोर्ट पर से भिलाई नगर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी चन्द्रकांत वमा 36 वर्ष सेक्टर 5 निवासी बीएसपी प्लांट के आई.आर. डिपार्टमेंट में काम करता है। 18 जुलाई की रात 10.15 बजे के पान ढेला सेक्टर 5 मार्केट के समीप चबूतरा में बैठा था। रात्रि करीबन10.30 बजे के आसपास के यशवंत एवं लकी आये जबरिया गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों एक राय से धारदार हथियार से हमला किया। चंद्रकांत ने स्वयं को बचाने का कोशिश किया जिससे बाएं हाथ की उंगली में चोट आई। फिर लक्की सामने से आकर धारदार हथियार से सिर में मारा। जिससे सिर से खून निकलने लगा। चंद्रकांत घबराकर भागने लगा भागते भागते जमीन में गिर गया। जिससे दाहिने पैर के घुटने में चोट आइ। चंद्रकांत ने तुरंत एक कार वाले से लिफ्ट लेकर ईलाज के लिए स्वयं सेक्टर 9 अस्पताल आया। रास्ते में घटना के संबंध में अपने जान पहचान वाले को फोन करके बताया। चंद्रकांत वर्मा 36 के रिपोर्ट पर से यशवंत, लक्की के खिलाफ 109, 115(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तालाश शुरु कर दी है।

आध्यात्मिक और धार्मिक बनने के लिए सामाजिक बनना आवश्यक : मनीष सागर

स्वयं पर नियंत्रण आवश्यक है, आत्मनियंत्रण ही अनुशासन को दर्शाता हे

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। टैगोर नगर पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रवचनमाला में परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने जीवन में सुधार का प्रारंभ कहां से करें सभी को समझाया। उन्होंने कहा कि आज से ही नई शुरुआत करें, जिसकी उपेक्षा करना शुरू कर दिए थे उसे वापस अपने निकट लाएं और जिसके प्रति कुछ वहम पाल लिए थे उसे हटाकर सब कुछ अच्छा है ऐसा मानकर जीवन जीने का प्रयास करें और अपने घर परिवार को स्वर्ग जैसा बनाएं। ऐसा करके हम अपने परिवार के साथ आध्यात्मिक यात्रा में आगे बढ़े। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि निज पर शासन फिर अनुशासन अर्थात् अपने आप पर नियंत्रण आवश्यक है। आत्म-नियंत्रण ही अनुशासन को दर्शाता है। जब हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों पर पूरी तरह से शासन कर लेते हैं, तभी हम अनुशासन की ओर बढ़ सकते हैं। अनुशासन केवल बाहरी नियमों का

पालन करना नहीं है, बल्कि यह आंतरिक शक्ति और आत्म-नियंत्रण का परिणाम है। ये हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में मदद करता है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमेशा स्वभाव में शांति, संस्कारों में मर्यादा, समाज में मिलनसारिता और शासन के प्रति समर्पण रखें। यह चार विशेषताएं अपने भीतर डेवलप करें क्योंकि तैयारी नहीं हो तो नाटक भी फेल हो जाता है। यदि जीवन में तैयारी ना हो तो परिवार भी बिगड़ जाता है। आज बच्चे समाज से दूर हो रहे हैं। सबसे पहले अपने बच्चों को सामाजिक बनाएं,समाज से जोड़ें। जैसे हम घर-घर में मंदिर नहीं संघ का मंदिर बनाते हैं ताकि व्यक्ति घर से निकाल कर चार लोगों से मिले और उससे प्रेरणा मिलेगी। कोई तो उदाहरण बनेगा कोई तो आदर्श बनेगा। जब तक सामाजिक नहीं बनोगे तो आध्यात्मिक और धार्मिक कैसे बनोगे। समाज में मिलनसारिता यदि आ जाए तो परिवार में भी मिलनसरिता अपने आप आ जाएगी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि अनुकूलता में तो सब जीवन जीते हैं प्रतिकूलता में भी हमें जीवन सीखना है। अपनी वे ऑफ़ लिविंग,वे का रिएक्टिंग और वे ऑफ वर्किंग बदलना पड़ेगा। ऐसा कर प्राप्त परिस्थिति में आसानी से जी सकेंगे। इस तैयारी की जरूरत सभी को है। आज परिवार में बिखराव के कारण मन अशांत रहता है और जीवन में वास्तव में जो आगे बढ़ने की संभावना है जो इतना अमूल्य जीवन मिला है उसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। वह प्रयास और पुरुषार्थ भी खत्म हो जाता है। परिवार को एक प्रयोगशाला बनाएं और अच्छा जीवन जीना सीखो।

मैथिली महिला मंडल ने जगन्नाथ मंदिर में कराया रुद्राभिषेक

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मैथिल ब्राह्मण सभा रायपुर के महिला मंडल द्वारा श्रावण मास के पुण्य अवसर पर टूरी हटरी पुरानी बस्ती स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। समाज के अध्यक्ष पं विजय कुमार झा ने बताया है कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। यज्ञ पूजन पं पंकज झा द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष आनंद मोहन ठाकुर अधिवक्ता, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शोभिता पाठक, समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पं विजय कुमार झा, सचिव पंकज भावेश झा, अजय ठाकुर,श्रीमती प्रिया ठाकुर,श्रीमती रितु झा, श्रीमती अल्पना झा, स्नेह लता झा, माला झा, संगीता झा, अभिषेक झा, सत्यम झा, तारा झा, ऊषा झा,आदि पूजा यज्ञ हवन में शामिल होकर महाआरती,पश्चात प्रसादी वितरण किया गया।

समग्र ब्राह्मण परिषद् ने किया नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। सामाजिक संगठन समग्र ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ द्वारा रविवार 20 जुलाई को दलदल सिवनी स्थित श्री वेंकटेश स्कूल में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया.

संगठन की प्रदेश सचिव श्रीमती अर्चना दीवान ने जनकल्याण हेतु आयोजित इस शिविर के विषय में जानकारी देते हुये बताया कि संगठन द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संपूर्ण ?मानव समाज को लाभान्वित करने की श्रृंखला के अंतर्गत आज निश्शुल्क चिकित्सा परामर्श, नेत्र परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का एक दिवसीय आयोजन हुआ.

शिविर का उद्घाटन वार्ड पार्षद एवं एम आई सी सदस्य श्री खेम कुमार सेन द्वारा किया गया.

संगठन के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष पं.शैलेन्द्र रिछारिया ने चिकित्सा शिविर की विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि आज के इस आयोजन में शिशु रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र परीक्षण से संबंधित कुल 140 मरीज़ों की जांच की गई, इसके अलावा 14 रक्तदाताओं द्वारा शिविर पहुँचकर रक्तदान किया गया. शिविर में मौसमी बीमारियों सहित विभिन्न साधारण रोगों के लिये निश्शुल्क दवा भी दी गई. इस आयोजन में हड्डी रोग विशेषज्ञ डा.केतन शाह, शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ डा.सौमित्र सिंह, होम्योपैथ डा.श्रीमती शोभना तिवारी, फिजियोथेरेपिस्ट डा.खगेश देवांगन सहित सिटी ब्लड बैंक, श्री साई बाबा नेत्र चिकित्सालय द्वारा सेवा प्रदान की गई. शिविर के समापन में आये हुये चिकित्सकों सहित सभी चिकित्सा सहयोगियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

इस आयोजन में? पं.संजय शर्मा, श्रीमती कालिंदी उपाध्याय, श्रीमती अमिता मिश्रा, पं.दीपक शुक्ला, पं.विवेक दुबे, श्रीमती संध्या उपाध्याय, श्रीमती प्रीति तिवारी, पं.श्रीकांत तिवारी, पं.विजय पांडेय, पं.चक्रेश तिवारी, पं.गौरव मिश्रा, पं.गौरव दुबे, पं.रमन दुबे, पं.कार्तिक तिवारी एवं डा.भावेश शुक्ला च्पराशरका विशेष सहयोग प्राप्त हुआ.

रिसाली में बीएसपी भूमि को कराया गया कब्जामुक्त

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग ने रिसाली में अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की और जेसीबी मशीनों के माध्यम से स्थाई कब्जे को तोड़ा गया। संपदा न्यायालय के आदेश के आधार पर यह कार्यवाही की गई। संदर्भित आदेशानुसार वार्ड नम्बर 29, इस्पात नगरए रिसाली भिलाई स्थित बी.एस.पी. की भूमि से अवैध कब्जाधारियों के विरूध्द संपदा न्यायालय द्वारा डिक्री आदेश जारी कर अवैध कब्जाधारियो की बेदखली हेतु निर्देश जारी किया गया था। उक्त आदेश के क्रियान्वयन करते यह बेदखली कार्यवाही की गई। संपदा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रवर्तन अनुभाग की टीम द्वारा प्रात: 11.30 बजे उक्त भूमि से बेदखली कार्यवाही में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल व सुरक्षाकर्मियों ने सहयोग प्रदान किया। जिनमें नेवई, थाना प्रभारी कमल सिंह सेंगर सहित महिला पुलिस व पुलिस बल की उपस्थिति तथा कार्यपालक मजिस्टेट दिलेश्वर साहू के निर्देश एव उपस्थिति भी रही। कार्यवाही में महाप्रबंधक प्रवर्तन और पीएचडी के के यादव भी उपस्थित थे। बेदखली कार्यवाही के दौरान कब्जाधारियों द्वारा बनाए पक्के स्ट्रक्चर को 2 जेसीबी मशीन की सहायता से ढ़हाया गया। स्थल से किसी भी प्रकार के सामान की जप्ती नही की गयी। कार्यवाही के दौरान अवैध कब्जेधारी द्वारा कार्यवाही का विरोध किया गया तथा इनफोर्समेंट टीम के साथ बहस और हुज्जत की गयी। उक्त बीएसपी भूमि से अवैध कब्जा, निर्माण को हटाने की कार्यवाही में भूमि अनुभाग के सर्वेक्षक डाकेश्वर परगनिहा, त्रिभुवन कौशिक के भूमि चिन्हांकन पश्चात कार्यवाही की गयी। उपरोक्त बेदखली कार्यवाही में प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, निजी सुरक्षा गार्ड महिला सुरक्षागार्ड सहित जन. स्वा. विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों, भूमि अनुभाग के कार्मिकों के साथ कब्जा तोड़ने हेतु लगभग 150 लोगो की टीम कार्यवाही मे शामिल रही।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव ला रहीं है समूह की दीदियां

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं अब स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशों के अनुरूप महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन जशपुर ने उल्लेखनीय पहल की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले में 11,559 स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया है, जिनसे 1,24,117 महिलाएं जुड़ी हुई हैं और विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

इन महिला स्व-सहायता समूहों को 703 ग्राम संगठन एवं 32 संकुल संगठनों के माध्यम से संगठित कर कार्यशील बनाया गया है। समूहों की महिलाओं की आय में वृद्धि के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, किराना व्यवसाय, ईंट निर्माण जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रही है।

स्व-सहायता समूह की महिलाएं अब परंपरागत कृषि को आधुनिक एवं प्राकृतिक पद्धतियों से जोड़ रही हैं। बीज उपचार, द्रव और घन जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र जैसी जैविक विधियों के निर्माण और उपयोग हेतु उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। इससे जहां खेती की लागत घटी है और उत्पादकता में भी सुधार हुआ है।

राज्य शासन की विभिन्न योजनाएं जैसे कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, रेशम विकास एवं मनरेगा के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उनके लिए आय के नए स्रोत सृजित किए जा रहे हैं। सामुदायिक निधियों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराए जा रहे हैं, वहीं बैंक लिंकेज और मुद्रा लोन जैसी योजनाओं से दीदियों को आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने में भरपूर सहायता मिल रही है। समूहों से जुड़ी कई महिलाएं आज दूसरों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। समूह की सहायता से कुछ महिलाएं अब खुद की दुकान चला रही हैं, तो कुछ दुग्ध उत्पादन और मछली पालन कर रही हैं। इससे न केवल उनके परिवार की आय में वृद्धि हुई है, बल्कि उनमें एक नया आत्मविश्वास जगा है।

सरकार के नीतिगत फैसलों ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ के किसानों का मान

◆ **साल दर साल बढ़ रहा है किसानों की संख्या, रकबा और उत्पादन**

डॉ. ओम डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के नीतिगत फैसलों एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के किसान खुशहाल हैं। इन नीतियों से प्रदेश के किसान निरंतर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश के पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 चिंटल 31 सौ रूपए प्रति चिंटल की मान से धान खरीदी कर न सिर्फ किसानों का मान बढ़ाया बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य

किया है। राज्य सरकार ने बीते 18 महीने में विभिन्न योजनाओं के तहत् लगभग सवा लाख करोड़ रूपए किसानों के खाते में अंतरित की है। इन कल्याणकारी फैसलों और प्रोत्साहन से साल दर साल किसानों की संख्या, खेती-किसानी का रकबा और उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

बता दें कि देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री साथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन डेढ़ साल की अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीति गत फैसलों से खेती-किसानी की नया सम्बल मिला है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों से बीते खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक 24.75 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी कर एक नया रिकार्ड कायम किया है। किसानों को समर्थन मूल्य के रूप में 32 हजार करोड रूपए का भुगतान एवं किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मूल्य की अंतर की राशि 13,320 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया था। इसी तरह खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में प्रदेश के किसानों से रिकार्ड 149.25 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई और धान खरीदी के एवज में किसानों को 34,500 करोड़ रूपए का तत्काल भुगतान किया गया तथा 12 हजार करोड़ रूपए की अंतर की राशि एकमुश्त सीधे किसानों के खातों में अंतरित किया गया। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वायदे को पूरा कर यह बता दिया है कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली और अर्थव्यवस्था को सुदृढ करने का रास्ता खेती-किसानी से ही निकलेगा। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 चिंटल धान की खरीदी के साथ ही दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड रूपए का भुगतान करके अपना संकल्प पूरा किया।

दो सगे भाइयों ने की शातिर बदमाश की हत्या

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी में खम्हारडीह थाने की पुलिस ने बार बार घर में आने से मना करने के बावजूद शातिर बदमाश के घर में आने से परेशान दो सगे भाईयों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है बताया गया कि प्रार्थी ललित राव ने थाना खम्हारडीह में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह भवानी नगर खम्हारडीह में रहता है। प्रार्थी के पुत्र सुनील राव का मोहल्ले के राहुल यादव व ओम प्रकाश यादव से पुराना विवाद था कि कल रात लगभग 09:30 बजे प्रार्थी का पुत्र खदान की ओर खाली मैदान में गया था। उसी समय ओम प्रकाश यादव तथा राहुल यादव उसके पुत्र सुनील राव को अश्लील गाली गलौच देते हुए जान से मारने की नियत से रॉड व कुल्हाडी से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाये जिससे सुनील राव की मौके पर मृत्यु हो गई कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में अपराध पंजीबद्ध किया गया। हत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुये थाना प्रभारी खम्हारडीह निरीक्षक वासुदेव परगनिहा को आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी खम्हारडीह के नेतृत्व में थाना खम्हारडीह पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही कर घटना के चंद घंटो के भीतर आरोपी राहुल यादव उर्फदादू एवं ओम प्रकाश उर्फप्रकाश उर्फ साधू को पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा हत्या की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया। आरोपी राहुल यादव उर्फदादू एवं ओम प्रकाश उर्फप्रकाश उर्फसाधू रिश्ते में सगे भाई है। आरोपियान एवं मृतक एक.दूसरे से परिचित है। आरोपियों के घर में उनकी अनुपस्थिति के दौरान मृतक सुनील राव आरोपियों के घर अन्य सदस्यों से मिलने जाता था कि आरोपीगण अपनी अनुपस्थिति में उसे अपने घर आने से मना करते थे किंतु मृतक लगातार उनके घर आता जाता था। इसी बात को लेकर दोनों भाईयों ने दिनांक घटना को सुनील राव की हत्या की घटना को अंजाम दिया था।

दोनों आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड एवं कुल्हाड़ी जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

ईडी ने चैतन्य से पूछा- प्रॉपर्टी, निवेश और आय के स्त्रोत का हिसाब

सौरभ चंद्राकर ने गिफ्ट की थी जैगवार कार

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल से उसकी प्रॉपर्टी निवेश और आय के स्त्रोत की जानकारी मांगी। साथ ही पूछा कि करोड़ों रुपए की बेहिसाब रकम किस चैनल के जरिए और किसके द्वारा पहुंचाई गई। हालांकि चैतन्य ने इन सभी आरोपों को नकार दिया। उन्होंने बताया वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। साथ ही कृषि उनके आय का स्त्रोत है। चैट और मैसेज के संबंध में कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। वह किस आधार पर इसका आरोप लगा रहे हैं। ईडी के अधिकारियों ने बताया की मनीलॉन्ड्रिंग के जरिए उनके पास करोड़ों रुपए मिले हैं। इसके ट्रांजैक्शन का ब्योरा उनके पास है।

चैतन्य ने उक्त सभी से अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि ईडी जो भी आरोप लगा रही है वह झूठ और बेबुनियाद हैं। चैतन्य के करीबियों से पूछताछ ईडी ने चैतन्य के करीबी और होटल एवं रेलवे ठेकेदार विजय अग्रवाल उनकी बेटी रूही भतीजे राहुल और भूपेश बघेल के करीबी पप्पू बंसल को पूछताछ के लिए तलब किया था। सभी की उपस्थिति दर्ज करने पर चैतन्य द्वारा किए गए रकम के निवेश और शराब एवं सट्टा कारोबार से जुड़े लोगों के साथ उनके संबंधों की पूछताछ की।

सट्टा प्रमोटर सौरभ से गिफ्ट में कार: महादेव सट्टा ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर द्वारा दी गई एक बेशकीमती जैगवार कार के संबंध में जानकारी ली। बताया जाता है यह कार सौरभ ने चैतन्य को उसके विवाह पर गिफ्ट किया था। कार की खरीदी करने से 4 महीने पहले ही चॉइस नंबर मुंह मांगी कीमत पर देकर खरीदा गया था। इसके इनपुट मिलने के बाद ईडी इसकी जांच कर रही है। हालांकि इसके इनपुट के आधार पर पूरे मामले को खंगाला जा रहा है।

दर्जनों निवेश और प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की पूछताछ: ईडी ने चैतन्य के विट्ठलपुरम रियल एस्टेट कंपनी के संबंध में पूछताछ की। इस दौरान चैतन्य ने बताया कि मूल रूप से वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। ईडी ने कुम्हारी दुर्ग के पुलगांव और बिलासपुर सहित अन्य शहरों में उनके करीबी लोगों को दी गई उधर रकम और निवेश के संबंध में जानकारी ली।

बता दें की चैतन्य के साथ ज्वेलरी संचालक शराब कारोबारी पप्पू बंसल त्रिलोक ढिल्लन और दीपेश चावड़ा के साथ कनेक्शन मिले हैं।

रविवि ने की सभी छुट्टियां रद्द

कभी भी पहुंच सकती है नैक की टीम रविवार को भी खुला रहेगा विवि

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रविवि विश्वविद्यालय की सभी छुट्टियां कैंसलए कभी भी पहुंच सकती है नैक की टीमए रविवार को भी खुला रहेगा प विशंकर विश्वविद्यालय प्रबंधन अलर्ट मोड पर है। विवि प्रबंधन ने प्रशासनिक और अकादमिक स्टाफकी छुट्टियां कैंसल कर दी हैं। यहां नैक की टीम कभी भी निरीक्षण करने पहुंच सकती है। शनिवार को प्रशासनिक छुट्टी होने के बाद भी सभी अधिकारियों की छुट्टी कैंसल करते हुए उन्हें कैंपस बुलाया गया। प्राध्यापक.कर्मचारियों का कहना है कि हो सकता है हरेली की छुट्टी भी कैंसल हो जाए। विश्वविद्यालय में गर्मी की छुट्टी के समय से ही कहा जा रहा है कि कभी भी नैक की टीम कैंपस आ सकती है। अभी तक किसी को भी जानकारी नहीं है कि कब नैक की टीम कैंपस पहुंचेगी। परविशंकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार अभी विश्वविद्यालय को नैक द्वारा बी ग्रेड दिया गया है। जानकारी के अनुसार यूनिवर्सिटी को ए प्लस ग्रेड भी मिल चुका है।

रायपुर में शिक्षा विभाग की नई पहल

हर विद्यार्थी मां संग लगाएगा पौधा, प्रैक्टिकल में भी मिलेंगे नंबर

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। शिक्षा विभाग की ओर से रायपुर में नई पहल की जा रही है। इसके तहत स्कूल के छात्र.छात्राएं अपनी मां के साथ पौधरोपण करेंगे। इसकी सेल्फी लेकर स्कूल को शेयर करेंगे। इस पहल की शुरुआत पौधों को भावनाओं से जोड़ने के लिए की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने बताया कि मां हमें जिस तरह से पालन पोषण करती है हमारा भी कर्तव्य है कि हम जो पौधा लगाए उसकी देखरेख करें इसलिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्कूल में पढ़ने के वाले स्टूडेंट्स को भी इससे जोड़ रहे हैं। इसमें वे अपनी मां के साथ पौधा लगाएंगे ताकि पौधे के साथ उनकी भावनाएं भी जुड़ी रहे। पौधे के बढ़ने तक उसकी देखरेख भी करेंगे। जिले में 4 लाख 76 हजार पौधे लगाने का टारगेट है। इसमें छात्रों के फाइनल प्रैक्टिकल में नंबर भी दिए जाएंगे। यह काम अलग.अलग विभाग के साथ समन्वय करते हुए किया जाएगा। इसके लिए अभी मीटिंग की जा रही है। डीईओ हिमांशु भारती ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत सभी विषय में प्रैक्टिकल और व्यावहारिकता पर जोर दिया जा रहा है। विज्ञान की तरह भाषा और सामाजिक विज्ञान में भी प्रोजेक्ट को जोड़ दिया गया है। कुल 100 अंक में से 30 अंकों की प्रैक्टिकल परीक्षा होगी। पौधरोपण के भी नंबर छात्र.छात्राओं को दिए जाएंगे। जो उनके प्रैक्टिकल नंबर में जुड़ेंगे। पौधरोपण के दौरान हर पौधे ही जियो टैगिंग भी होगी। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी फोटोए वीडियो या अन्य डिजिटल मीडिया में उस स्थान का भौगोलिक डेटा जोड़ा जाता है। यह डेटा उस मीडिया को एक विशिष्ट स्थान से जोड़ता हैए जिससे उस स्थान से संबंधित जानकारी को खोजना या उस स्थान को किसी विशिष्ट स्थान से जोड़ने वाले अन्य मीडिया को खोजना आसान हो जाता है।

मां संग पौधे लगाने की जरूरत

स्कूल के हर स्टूडेंट्स को एक.एक पौधा दिया जाएगा। स्टूडेंट्स को जो पौधा मिलेगा उसे लगाते हुए स्टूडेंट्स को सेल्फी लेकर फोटो शेयर करना होगा। जिसमें स्टूडेंट्स के साथ उनकी मां भी होनी चाहिए। साथ ही पौधे के विकास को लेकर मॉनिटरिंग भी की जाएगी ताकि पौधा सही तरीके से पनप सकें। स्टूडेंट्स कहीं भी पौधा लगा सकता है। घर में जगह हो तो वहां भी लगा सकता है। इसके लिए सरकारी जमीन पर समन्वय कर भी पौधरोपण किया जाएगा।

रायपुर की महिला ने संत पर लगाए गंभीर आरोप

कहा- मुझे न्याय नहीं मिला तो उसी के घर के सामने करूंगी आत्मदाह

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बाबा के खिलाफगंभीर आरोप सामने आए है बोरियाखुर्द नवरंग चौक निवासी प्रमिला बाबुरिक लोधी क्षत्री ने कुशालपुर निवासी अमनदत्त ठाकुर उर्फस्वामी अभिरामदास पर ये गंभीर आरोप लगाए है महिला ने चेतावनी दी है कि यदि उसके आरोपों पर जांच के बाद उसे न्याय नहीं मिला तो वे परिवार के साथ उक्त बाबा के घर के सामने आत्मदाह करने के लिए बाध्य होगी ये शिकायत रायपुर एसएसपी से की गई है। महिला ने संत अमनदत्त ठाकुर उर्फअभिरामदास पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने उनके छोटे पुत्र प्रशांत कुमार बाबुरिक को धर्म के नाम पर बरगला कर उसे सन्यास के लिए उकसाया परिवार का कहना है कि उक्त बाबा भोले.भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर वृंदावन के आश्रम में ले जाता है जहां उन्हें नौकरों की तरह काम करने के लिए मजबूर किया जाता है प्रमिला ने आरोप लगाए है कि उनका परिवार निम्न वर्ग से है और उन्होंने अपनी हैसियत से अधिक खर्च कर प्रशांत की शिक्षा पूरी कराई थी ताकि वह परिवार का सहारा बने लेकिन संत अमनदत्त ठाकुर ने उनके बेटे को भागवत कथा जैसे आयोजनों में शामिल होने के बाद सन्यास के लिए प्रेरित किया बाबा ने प्रशांत को नया नाम शेष नारायण वैष्णव देने और परिवार का त्याग कर उनके साथ वृंदावन जाने के लिए कहा परिवार के विरोध करने पर बाबा ने धमकी दी कि अगर प्रशांत को सन्यास लेने से रोका गया तो वह पागल हो जाएगा या किसी दुर्घटना का शिकार हो सकता है। प्रार्थी प्रमिला ने एसपी से की शिकायत में यहां तक आरोप लगाए है कि यह ढोंगी बाबा तंत्र.मंत्र के नाम पर लोगों को डराता.धमकाता है और उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर सन्यास के लिए दबाव बनाता है

खपरीखुर्द में सब इंस्पेक्टर विकास देशमुख की जुआ अड्डा में दबिश, 7 गिरफ्तार

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। तिल्दा नेवरा के दबंग सब इंस्पेक्टर विकास देशमुक ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की जो स्थानीय समुदाय के लिए एक सख्त संदेश है। उन्होंने मुख्य मार्ग स्थित गौठान ग्राम खपरी खुर्द में एक अवैध जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 52 पत्ती तास और 7720 रुपए की जुआ रकम जप्त की इस कार्रवाई में 7 आरोपियों के खिलाफजुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया जिनमें शामिल हैं नरेंद्र निषाद पिता कलीराम निवासी मोहगांव, देव कुमार वर्मा पिता चैत राम, निवासी खपरी खुर्द मनसा राम, पिता बंसीलाल निवासी खपरी खुर्द, रामलाल पटेल, पिता गंगाराम निवासी खपरी खुर्द, सुरेश यादव पिता बृजलाल, निवासी खपरी खुद बबलू साहू पिता रामकिशोर निवासी खपरी खुर्द, श्यामलाल नेताम पिता जगन्नाथ निवासी खपरी खुर्द, सब इंस्पेक्टर विकास देशमुक ने यह स्पष्ट किया कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और कानून का पालन कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सख्त कार्रवाई से जुआवालों में डर बैठता है और वे भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहते हैं। इस तरह की कार्रवाई से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है और कानून का पालन सुनिश्चित होता है।

अवैध शराब बिक्री करते कोचिया पकड़ाया

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। निरीक्षक थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल गोबरा नवापारा के नेतृत्व में अवैध शराब बिक्री पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु एवं अवैध शराब बिक्री संचालित करने वालो पर लगाम लगाने कि नियत से छाटा रोड नवापारा हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति प्लास्टिक नीले रंग के थैला में अवैध शराब रखकर बिक्री हेतु पैदल ले जा रहा है कि मुखबीर सूचना पर हमराह स्टाप व गवाहान के रेड कार्यवाही के दौरान अवैध शराब बिक्री करने हेतु ले जाते एक व्यक्तिय को पकड़ा गयाए पूछताछ में अपना नाम शंकर निर्मलकर पिता टीकू निर्मलकर उम्र 25 साल ग्राम पारागांव कुटीपारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर का होना बताया गया। जिस पर आरोपि को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में 35 पौवा शेरा देशी मदिरा मसाला शराब सील बंद कीमती रकम 3500 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना गोबरा नवापारा मे धारा. 34 ;2 आबकारी एक्ट अपराध पंजीबद्ध कर आरोपि के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप

इंडोर स्टेडियम में गूंजे पंच-किक्स, पंजाब ने मारी बाज़ी

सीएम साय ने विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का अंतिम दिन शानदार उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से आई टीमों ने दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विजेता खिलाड़ियों को अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और महापौर मीनल चौबे भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर सीएम विष्णुदेव साय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ अच्छा लगा होगा। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से भरा हुआ है और एक प्रोड्यूसिंग स्टेट है। छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद को समाप्त करने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल हमारे आत्मविश्वास समर्पण की भावना को बढ़ता है। खेल में किसी की जीत नहीं होती न हार होती हैए प्रतिभा का प्रदर्शन होता है। खिलाड़ियों को सरकार आर्थिक रूप से सहायता देती है खिलाड़ियों को सरकार नौकरी भी देती है। ओलंपिक में गोल्ड मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये सरकार देती है। बता दें कि राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता 2025 में देश भर के 33 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से 1200 खिलाड़ी और 300 अधिकारी सहित कुल 1500 प्रतिभागी हिस्सा लिये।

नेशनल किकबॉक्सिंग की प्रतियोगिता में किसने हासिल किये कितने मेडल

प्रथम स्थान: पंजाब राज्य ;पंजाब किकबॉक्सिंग अकादमी, 22 स्वर्ण पदक, 18 रजत पदक, 26 कांस्य पदक

द्वितीय स्थान: महाराष्ट्र राज्य, 21 स्वर्ण पदक, 16 रजत पदक, 29 कांस्य पदक

तृतीय स्थान: तमिलनाडु राज्य 12 स्वर्ण पदक, 14 रजत पदक, 15 कांस्य पदक, सर्वश्रेष्ठ अनुशासित टीम: असम राज्य ;असम राइफल्स एकेडमी।

एसएसपी ने किया तिल्दा नेवरा थाना का औचक निरीक्षण

जनता को मजबूत पुलिस सेवा का आश्वासन

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रात करीब 10 बजे की खामोशी को तोड़ते हुए रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद्र सिंह अचानक तिल्दा नेवरा थाना पहुंचे। उनका यह औचक दौरा जनता को बेहतर पुलिस व्यवस्था दिलाने और थाने की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किया गया। एसपी की मौजूदगी से पूरे थाने में हलचल मच गई और पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क होकर अपनी.अपनी जिम्मेदारियों में जुट गए। डॉ सिंह ने निरीक्षण के दौरान थाना परिसर के हर हिस्से का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने रिकॉर्ड रजिस्टर ड्यूटी चार्ट और लंबित प्रकरणों की फाइलों की गहन जांच की। गश्ती दल के वाहनोंए वायरलेस सेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि हर फरियादी की शिकायत का तत्काल समाधान हो और गश्ती व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई न हो। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि थाना प्रभारी किसी कारणवश मौके पर मौजूद नहीं थे। इस पर डा सिंह ने स्पष्ट किया कि थाने की जिम्मेदारियां किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए और प्रबंधन को और बेहतर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मौके पर मौजूद पत्रकारों ने जब तिल्दा नेवरा थाने में स्टाफकी कमी का मुद्दा उठायाए तो डॉ सिंह ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहाए श्नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्टाफ की कमी को दूर करके पुलिस सेवा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा ताकि गश्त और शिकायतों के निपटारे की गति तेज हो सके। डॉ सिंह ने अंत में सभी पुलिसकर्मियों को यह संदेश दिया कि रायपुर जिले में कानून व्यवस्था को लेकर कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहाए श्जनता की सुरक्षा हमारी पहली जिम्मेदारी है और हर पुलिसकर्मी को पूरी ईमानदारी और तत्परता से अपने कर्तव्य निभाने होंगे।

जीवन में अहंकार नहीं सरलता जरूरी : शंभूशरण लाटा

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिस घर में अपने से बड़ों का बुजुर्गों का सम्मान नहीं हो रहा है उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा समझ लो उस घर में रामचरितमानस के अनुसार सुंदरकांड नहीं बल्कि लंका कांड शुरू होने वाला है। समता कॉलोनी स्थित मैक कॉलेज के ऑडिटोरियम में श्री राम कथा का भक्तों को रसपान कराते हुए अंतर्राष्ट्रीय संत श्री शंभू शरण लाटा जी ने यह बातें बताई उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में वृद्ध रूप में जामवंत जी थे जिनका सभी वानर सी और राजा भी सम्मान करते थे जब माता सीता का पता लगाने के लिए लंका जाने की पारी आई तो हनुमान जी ने जामवंत जी के द्वारा कहे हुए वचनो पर ध्यान दिया और उनकी आज्ञा का पालन किया।।

श्री राम कथा के अंतिम दिवस भक्तों को राम की कथा बताते हुए आगे संत श्री ने कहा कि मनुष्य जीवन की कथा है श्री रामचरितमानस मनुष्य जीवन में हमें अहंकारी नहीं बल्कि अपने आप को सरल बना कर रखना है जैसे श्री रामचरितमानस के जो पात्र हैं उनमें कई पात्र ऐसे हैं जो अपने आप को सरल और सहज बनाकर रखे हैं। स्वयं राम जी मनुष्य रूप धारण करके आए हैं उन्होंने मनुष्यों को सीख दी है कि हमे सरल और सहज रहना चाहिए हम सरल और सहज रहेंगे तो निश्चित ही भगवान की भक्ति और भगवान की प्राप्ति मनुष्यों को होगी।

संत श्री ने आगे श्री राम कथा का भक्तों को रसपान कराते हुए बताया कि भगवान राम जब लंका की ओर प्रस्थान करने वाले थे समुद्र में पत्थरों से जब रास्ता बन गया था तब भगवान ने अपने आराध्य देव भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने की इच्छा जाहिर की तब श्री राम जी ने अपने हाथों से समुद्र के किनारे ही बालू से भगवान भोलेनाथ का लिंग तैयार किया और भगवान भोलेनाथ की अपने इष्ट अपने आराध्य की पूजन अर्चन कि उसी स्थान का नाम आज रामेश्वरम है जिसे श्री राम जी ने बनाकर पूजा अर्चना किया था। पूजा अर्चना के साथ ही भगवान राम ने कहा कि जो भक्त रामेश्वरम में गंगाजल लाकर चढ़ाएगा उसे पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होगी साथ ही भवसागर को गाय के खुर के समान पार कर जाएगा।

फ्लिपकार्ट और कोरियर कंपनी के 6 कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद इलाके में पेट्रोल पंप के मैनेजर की चाकू से हत्या के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। चौंकाने वाली बात ये सामने आई कि वारदात में इस्तेमाल चाकू ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगवाया गया था। इसी सुराग के बाद पुलिस ने ई-कॉमर्स और कोरियर कंपनियों की भूमिका की जांच की और छह कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले पेट्रोल पंप के मैनेजर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पकड़े गए आरोपियों कुणाल तिवारी उर्फ लालू और समीर टंडन ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने ऑनलाइन साइट फ्लिपकार्ट से चाकू मंगवाया था और उसी से वारदात को अंजाम दिया।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्त्रद्यद्बश्चद्मड्डह्ल और डिलीवरी कंपनी 'इलास्ट्रिक रन' के कुल 6 कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में दो मैनेजर ङ्क गुलरेज अली और मोहित कुमार, एक सुपरवाइजर ङ्क अभिजीत गोस्वामी, और तीन डिलीवरी बॉय ङ्क दिनेश कुमार, हरिशंकर साहू और आलोक साहू शामिल हैं।

इन सभी के खिलाफ मंदिर हसौद थाने में अपराध क्रमांक 293/25, धारा 125(बी), 3(5) क्रह्रस् के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब कंपनी के अन्य कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच कर रही है, और संलिप्तता मिलने पर और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने कहा कि हत्या में इस्तेमाल हथियार की सप्लाई को नजरअंदाज करना गंभीर लापरवाही है। अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और डिलीवरी नेटवर्क की भी जवाबदेही तय की जाएगी।

संपादकीय

विस्थापितों की मांगें हों पूरी

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कोरबा स्थित कुसमुंडा परियोजना के महाप्रबन्धक कार्यालय में शनिवार को जो हुआ वह एसईसीएल प्रबंधन के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के लिये भी शर्मनाक है। कुसमुंडा खदानों के लिये जिन लोगों की जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, उन प्रभावित परिवारों की महिलाओं ने कार्यालय में अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया। भू अर्जन के दौरान एसईसीएल ने नौकरी सम्बन्धी जो वादे किये गये थे वे अब तक पूरे न होने से यह स्थिति हुई। मुख्य आश्वासन ऐसे परिवारों के सदस्यों को कम्पनी में स्थायी रोजगार देने की थी। वैसे तो महिलाओं के इस प्रदर्शन के कारण प्रबन्धन तत्काल हरकत में आया और जीएम कार्यालय में आनन-फानन में बैठक बुलाई गई। प्रबन्धन ने उनकी मांगों पर जल्दी विचार करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि एसईसीएल कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करता है ताकि महिलाओं को ऐसे अतिरेकपूर्ण कदम न उठाने पड़ें।

माना जाता है कि लम्बे इंतज़ार के बाद भी एसईसीएल की ओर से अपना आश्वासन पूरा न करने के कारण प्रभावित परिवारों की महिलाओं को यह कदम उठाना पड़ा जो निश्चित ही उनकी इच्छा के विरूद्ध रहा होगा। प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन को चाहिये कि एसईसीएल से स्पष्टीकरण ले क्योंकि इसे कोई सामान्य धरना-प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। एसईसीएल की कोरबा सहित प्रदेश भर में कई खदानें हैं। उन सभी के लिये बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अक्सर इस प्रकार की शिकायतें आती हैं और प्रभावित परिवारों के प्रदर्शन भी आयोजित होते रहते हैं जिनमें या तो उन्हें मुआवजा न मिलने की बात कही जाती है अथवा रोजगार सम्बन्धी आश्वासन पूरा न होने को लेकर रोष प्रकट किया जाता है। ये मांगें विस्थापितों के संगठनों, सिविल सोसायटियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जाती रही हैं।

ऐसा भी नहीं कि एसईसीएल की ओर से अधिग्रहित किसी भी प्रभावित को मुआवजा न दिया गया हो या किसी को भी नौकरी नहीं मिली हो। कम्पनी की विभिन्न खदानों में नौकरियां कर रहे लोगों में बड़ी संख्या उनकी भी है जिनकी जमीनें कोयला उत्खनन के लिये ली गयी थीं। बहुतों को भरपूर मुआवजा भी दिया गया है। कई बार तकनीकी कारणों से भी यह काम पूरा नहीं हो पाता। अधिग्रहित जमीन के स्वामित्व, उसकी नपाई, रोजगार के लिये परिवार के भीतर ही विवाद आदि ऐसे मुद्दे हैं जिनके कारण प्रभावितों को उनके हक से वंचित रह जाना पड़ता है।

राज्य में एसईसीएल के अलावा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कई उपक्रम लगाये गये हैं। इनमें से कई कम्पनियों में इस तरह के विवाद होते रहते हैं। कोयले के अलावा बिजली, सीमेंट, लोहा-स्टील, एल्यूमीनियम आदि के उद्योग जब लगते हैं तो ये मुद्दे बनते हैं। बांध, सड़क या अन्य निर्माण में भी भू अर्जन होता है। सरकार विस्थापितों की समस्याएं दूर करे।

उल्टा पुल्टा

टीचर- बेटा, बताओ जान कैसे निकलती है?
पप्पू- खिड़की से।
टीचर- क्या मतलब?
पप्पू- दीदी, कल ही एक लड़के से कह रही थी- जान, खिड़की से निकल जाओ।

अस्मिता खेलों इंडिया लीग का शुभारंभ

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। गंजपारा दुर्ग में आज अस्मिता खेलो इंडिया सिटी लीग के अंतर्गत योगासन स्पोर्ट्स का शुभारंभ एक संक्षिप्त, परन्तु गरिमामय समारोह के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में सांसद श्री बघेल ने कहा कि श्योग आज भारत से निकलकर विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है और खेलों का भी समग्र विकास हो रहा है। समाज को भी आगे बढ़कर प्रतिभाओं को निखारने में सहयोग करना चाहिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां अपार संभावनाएं हैं।

श्री बघेल ने समारोह स्थल की विशेषता को भी रेखांकित करते हुए कहा यह भवन मेरे लिए शुभ रहा है, वर्ष 2019 और 2024 के चुनावों में यही मेरा मुख्य चुनाव कार्यालय रहा है। आज पुन: इस स्थल पर एक सकारात्मक आयोजन का हिस्सा बनना मेरे लिए गौरव की बात है।

समारोह में योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिंह, मधुसूदन, योद्धा धर्म साहू, अभय खनन समेत जिलेभर के योग संस्थानों से जुड़े अनेक प्रबुद्ध जन एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में अस्मिता खेलो इंडिया सिटी लीग का आयोजन तीन स्थानों पर किया जा रहा है, जिसमें दुर्ग की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

विधायक ललित चंद्राकर ने 10वी-12 वीं के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के विधायक ललित चंद्राकर ने आज अपने आर्य नगर निवास में ग्राम कोकड़ी की हाईस्कूल के पांच प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट परीक्षाफल प्राप्त करने के लिये शाल श्रीफल से सम्मनित करते हुए उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर जिन छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया उनमें दीपेश साहू ने कक्षा 10 वीं 97 प्रतिशत प्राप्तांक एवं जिले में 9 वां स्थान प्राप्त किया। लोकेश्वरी साहू 110 वीं 92.3 प्रतिशत, कु. ऐश्वर्या निषाद 10 वीं 94 प्रतिशत, कु. झमिता साहू 12 वीं 98 प्रतिशत, कु. खुशी निषाद 12 वीं 83.6 प्रतिशत कामर्स शामिल है।

इस अवसर पर सरपंच युगल किशोर चंद्राकर, मरोदा पुरैना मंडल भाजपा अध्यक्ष राजू जंघेल, राजू चंदेल, डोमेन्द्र चंद्राकर, सुरेन्द्र निर्मलकर, पंच खिलेन्द्र कुमार साहू, फलेन्द्र पटेल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विवेकानंद नगर में कांवर यात्रा का समापन

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। श्री शिव सिद्धि विनायक मंदिर गणपति चौक विवेकानंद नगर में आज समिति व कालोनी की महिला सदस्यों द्वारा भव्य कांवर यात्रा निकाली गई, जो मंदिर स्थल से माता तालाब से कांवर में पानी भर कर पुन: वापस श्री शिव सिद्धि विनायक मंदिर गणपति चौक में शिवलिंग में अर्पित कर समाप्त हुआ। इस कांवर यात्रा में कालोनी की महिलाएं व अन्य लोगों ने काफी जोश खरोश के साथ भाग लिया ।

आव्या को मिला उत्कृष्ट विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान

थानखम्हरिया। नगर की प्रतिभाशाली छात्रा आव्या सिंघानिया को सीबीएसई 12 वीं कॉमर्स में उल्लेखनीय सफलता के लिये प्राईवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसियेशन बेमेतरा एवं सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संसंकार समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। आव्या ने एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल बेमेतरा की 12 वीं कॉमर्स की टॉप टेन सूची में 89त्न प्राप्तांक के साथ स्थान बनाया है। 20 जुलाई को एलंस पब्लिक स्कूल बेमेतरा में आयोजित प्रतिभा सम्मान में आव्या को सम्मानित किया गया। आव्या नगर के व्यवसायी सुधीर सिंघानिया तथा निका सिंघानिया की सुपुत्री है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रांत संघ चालक बिसराराम यादव के मुख्य आतिथ्य तथा जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा डॉ कमल कपूर बंजारे, जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग अरविंद मिश्रा, प्राईवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव गुप्ता के विशेष आतिथ्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आव्या वर्तमान में मैक कॉलेज रायपुर से बीबीए तथा डिजिटल मार्केटिंग व ग्रॉफिक्स डिजाईन का कोर्स कर रही है। आव्या को यह सम्मान मिलने पर ओमप्रकाश जोशी, पुरूषोत्तम अग्रवाल, अनिल सिंघानिया, रमेश जैन, हरि अग्रवाल, राकेश जोशी, गोविंद शर्मा, सतीष केडिया, सुरेश सिंघानिया आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

पत्नी की हत्या के आरोपी कैदी ने जेल में की आत्महत्या : जांच जारी

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग के सेंट्रल जेल में एक विचाराधीन बंदी ने आज सुबह फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। इस घटना के बाद पूरे जेल में सनसनी फैल गई है। जेल में बंदी की आत्महत्या की सूचना पद्मनाभपुर थाना पुलिस को दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक बंदी 20 अप्रैल 2024 से जेल में बंद था । मृतक अपनी पत्नी की हत्या के मामले में विचाराधीन था । कैदी के आत्मघाती कदम उठाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पदमनाभपुर थाना में भी घटना सूचना दे दी गई है। अधिकारी इस पूरे मामले की जांच में जुट गए हैं।

जिला पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने बताया कि सेंट्रल जेल दूर के अस्पताल के बगल में स्थित बाथरूम में विचाराधीन बदी किशनु साहू पिता अर्जुन साहू 35 वर्ष ग्राम देवरी थाना धमधा के द्वारा आज सुबह फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली गई। विचाराधीन बंदी अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में पिछले 20 अप्रैल 2024 से बंद था । इस घटना की सूचना पद्मनाभपुर पुलिस को दे दी गई है। थाना प्रभारी पद्मनाभपुर राजकुमार लहरों ने बताया कि मर्ग कायम करके इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

विकास कार्यों के लिये राशि स्वीकृत

महापौर ने उपमुख्यमंत्री से भेंट कर जताया आभार

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर निगम क्षेत्र दुर्ग में विकास कार्यो के लिये राशि स्वीकृत करने के लिये महापौर अलका बाघमार ने रायपुर नाका उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय विकास मंत्री अरूण साव का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उन्होंने उपमुख्यमंत्री श्री साव की पत्नी मीना साव से भी भेंट कर उन्हें 2 व 3 अगस्त को दुर्ग नगर निगम द्वारा आयोजित सावन मेला उत्सव के लिये आमंत्रित किया।

महापौर श्रीमती बाघमार ने उपमुख्यमंत्री श्री साव से कहा कि उनके द्वारा दी गई राशि से नगर निगम दुर्ग विकास को निरंतर गतिशील करेगा। इससे निकट भविष्य में दुर्ग की तस्वीर और निखरेगी। नागरिकों को शीघ्र ही और अधिक सुविधाएं मिलेगीं।

इस भेंट में महापौर के साथ ही एमआईसी के प्रभारीगण देवनारायण चंद्राकर, नरेन्द्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, युवराज कुंजाम, रंजिता पाटिल, सावित्री दमाहे, सरिता चंद्राकर, पूर्व पार्षद सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

विधायक यादव ने एक पेड़ मां के नाम के तहत किया वृक्षारोपण

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। दुर्ग वनमंडल द्वारा नगर सेनानी कार्यालय में आज एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर पौधारोपण किया गया। परिसर को ग्रीन जोन के रूप में विकसित करने विधायक गजेन्द्र यादव ने स्वयं पौधा रोपे इसके पश्चात अन्य जनप्रतिनिधियों और स्काउट्स.गाइड्स कैडेट्स ने साथ मिलकर फलदार और छायादार पौधा रोपित किये पर्यावरण संरक्षण के प्रति आम जनमानस को प्रेरित किये। इस दौरान विधायक और कलेक्टर ने स्काउट्स के उत्कृष्ट कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर रचनात्मक गतिविधियों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने उनका उत्साहवर्धन किया।

हरियाली के प्रति जन.जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से दुर्ग वन मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर विधायक गजेन्द्र यादव के साथ दुर्ग निगम जनप्रतिनिधियोंए मंडल अध्यक्षए एसडीआरएफके जवान से लेकर स्काउट्स.गाइड्स तक सभी ने अपनी सहभागिता निभाते हुए पौधा रोपित किये और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिए।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वन मंडलाधिकारी दीपेश कपिल, वन रक्षक एम. मारिबेला, निगम आयुक्त, एसडीएम सहित नगर सेनानी कार्यालय के अधिकारी, जवान, पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में स्काउट्स.गाइड्स कैडेट्स उपस्थित रहे।

आनंद भवन में धर्म आराधना की रही दिनभर गूंज

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जय आनंद मधुकर रतन भवन में आज एक अभियान आयोजन के तहत समाज के 50 से अधिक युवाओं ने आज का एक पूरा दिन साधु चर्चा के रूप में व्यतीत किया। इस कार्यक्रम में साध्वी प्रियदर्शना जी का सानिध्य एवं साध्वी सुप्रज्ञपति की प्रेरणा से समाज के युवाओं ने आज के इस तप जिसे भिक्षदया भी कहते है उसे जैन साधुओं की तरह जीवन शैली को समाज के 50 से ज्यादा युवाओं ने इस तप की आराधना हर्ष और उल्लास वातावरण में व्यतीत करें। इसमें श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के सदस्य भी प्रमुखता से शामिल हुए।

कौन बनेगा आत्म ज्ञानी : आज इस अवसर पर कौन बनेगा आत्म ज्ञानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 36 सदस्यों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में प्रथम स्थान पर वर्धमान छत्तीसाबोहरा द्वितीय स्थान पर मंजू सुराणा एवं तृतीय स्थान पर कविता रतन बोहरा रहीं प्रथम स्थान रहने वाले वर्धमान को आत्मज्ञानी का चेक प्रदान किया गया ।

इस कार्यक्रम के संयोजन में कुमारी वेदिका सुराणा एवं ऋषिता गोलछा का विशेष सहयोग रहा। इस प्रतियोगिता के संयोजन में साध्वी सुप्रजापति श्रीजी ने लगभग 1 हजार से अधिक प्रश्नों की तैयारी की।

■ 50 से ज्यादा युवाओं ने आज साधु के रूप में किया दिनचर्चा

20 दिवसीय विरहमान तप की आराधना में जुड़े 60 से अधिक श्रावक श्राविका : बीस दिवसीय विरहमान तप की आराधना में साठ से अधिक तपस्वी इस तप की आराधना कर रहे हैं जिसे एकासन तब भी कहते हैं जिसमें साधक दिन में एक बार एक जगह पर बेठे कर एक बार भोजन ग्रहण करते हैं और उसके पश्चात भोजन का एक कण भी ग्रहण नहीं करते है सुयास्त के पश्चात पानी भी वर्जित रहता हे इस तप में तपस्वी का अभिनंदन तप की बोली के साथ जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब में तपस्वियों का अभिनंदन तप करने का संकल्प लेने वालों को दिया जा रहा है ।

जिज्ञासा बेगानी के तपस्वी तपस्या का सम्मान उनके पिता अनिल रेखा बेगानी ने किया इसी तरह पलक श्रीश्रीमाल की तपस्या अभिनंदन उनकी माता भारती श्रीश्रीमाल व आदित्य चौरड़िया की तपस्या अभिनंदन भी उनके परिवार के सदस्यों ने किया।

जीवन निर्माण में संस्कारों का विशेष महत्व : मुनि विराट सागर

दुर्ग 20 जुलाई (देशबन्धु)। नवकार भवन में प्रारंभ सहजानंदी वर्षावास जनमेदनी की उपस्थिति में पूर्ण हर्ष एवं उत्साह के साथ गति पर है।

इस वर्ष मूर्तिपूजक संघ दुर्ग को उपाध्याय द्वय महेंद्र सागर मसा एवं मनीष सागर मसा के विद्वान शिष्य रत्न विराटसागर मसा, मैत्रीवर्धन सागर मसा, आत्मवर्धनसागर सागर मसा के वर्षावास का सुखद सानिध्य प्राप्त हुआ है। गुरुदेव की निश्रा में दुर्ग संघ के सभी सदस्य सहजानंदी वर्षावास समिति के सदस्यों के मार्गदर्शन में पूर्ण उत्साह एवं उमंग के साथ भाग ले रहे है।

आज रविवारीय प्रवचनमाला के अंतर्गत जीवन संस्कार के विभिन्न पहलुओं पर गुरुदेव श्री का व्याख्यान हुआ। इसमें विशेष रूप से गर्भ संस्कारए गृह संस्कार, सहन संस्कार, भय संस्कार से विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से सभा को परिचित कराया। उन्होंने कहां हमारा जीवन 3 पन्नों की किताब है पहला पेज बचपन अर्थात भूमिका, दूसरा ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

अवैध गांजा विक्रय करते दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। पद्मनाभपुर पुलिस ने आद रविशंकर स्टेडियम मानस भवन के पीछे दो युवकों से 26 हजार रूपयें मूल्य का अवैध गांजा, दो मोबाईल फोन गांजा बिक्री से मिली रकम 3 सौ रूपये तथा 1.3 सौ किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया। इस मामले में दोनों आरोपियों अंतगुरूनागेश एवं चंदन सोनी को धारा 20 (ख)27 (क) के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इन दोनों आरोपियों से कुल 46 हजार रूपये मूल्य का माल बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि रविशंकर स्टेडियम के पास मानस भवन के पीछे दो युवक गांजा बिक्री का प्रयास कर रहे है। इस पर पुलिस टीम ने दोनों युवकों अंतगुरू नागेश (28) एवं चंदन सोनी (32) को पकड़ा। तलाशी में आरोपी अंतगुरू नागेश के पास से 1 किलो 3 सौ ग्राम मूल्य 6 हजार रूपये का अवैध गांजा, विवो कंपनी का एक मोबाईल कीमती 20 हजार रूपये कुल जुमला 26 हजार रूपयें का गांजा व अन्य सामान बरामद किया गया। इसी तरह एक आरोपी चंदन सोनी के पास से गांजा बिक्री से मिली रकम 3 सौ रूपये तथा एक मोबाईल 20 हजार रूपये मिला। इस तरह दोनों आरोपियों के पास से कुल 46 हजार 3 सौ रूपयों का गांजा व मोबाईल जब्त किया गया। इन दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

सभी शक्तियां मन के भीतर है, मनुष्य बाह्य जगत में रहता फिर रहा : डॉ. शक्तिराज

दुर्ग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए हुए अंतरराष्ट्रीय माईंड पावर एवं मेमोरी मैनेजमेंट ट्रेनर डॉ. बी.के. शक्तिराज के सानिध्य में स्मृति से सिद्धि स्वरूप एक दिवसीय क्रिएटिव योग भट्ठी का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत तिलक व पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया । योग भट्ठी का शुभारंभ अतिथियों डॉ.बी.के. शक्तिराज (मेमोरी एवं माईंड मैनेजमेंट ट्रेनर), अशोक राठी (प्रदेश उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज)अटल गोदवानी (अध्यक्ष पूज्य सिंधी पंचायत दुर्ग), ज्ञानचंद पाटनी (समाजसेवी), ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी (वरिष्ठराजयोगी शिक्षिका) के संग दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया ।

ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने आए हुए आगंतुक अतिथियों एवं योग भट्ठी में सम्मिलित हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के भिन्न.भिन्न सेवाकेंद्रों व सूदूर ग्रामीण अंचल से आये हुए भाई बहनों का स्वागत किया । ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने काव्यमय मंच संचालन द्वारा सभी अतिथियों का अभिनंदन किया एवं ब्रह्माकुमार शक्तिराज भाई के विषय में बताया कि आपके नाम दो वर्ल्ड रिकॉर्ड है एवं आप विश्व के एकमात्र ट्रेनर है जिन्होंने 33 वर्ष के आयु में ही 10 लाख से अधिक लोगों को माईंड एवं मेमोरी मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया ।

डॉ शक्तिराज भाई ने स्मृति से सिद्धि स्वरूप क्रिएटिव योग भट्ठी में तन और मन के अनोख सामंजस्य के विषय में बताया । आपने वृतांत के माध्यम से बताया कि परमात्मा ने सृष्टि की रचना की तो ऐसे लगा मानव को ऐसी शक्ति प्रदान कर दिए हैं जिससे उसमें अहंकार आ जाएगा तो वह शक्ति कहां छिपाएं जिससे वह ढूंढ ना पाए तो परमात्मा ने सभी शक्तियां मन के अंदर छिपा दी और आज मनुष्य बाह्य जगत में ढूंढता फिर रहा है अब परमात्मा ने आकर बताया कि सर्व शक्तियां आपके मन के अंदर है। इसलिए कहा जाता है मन के जीते जीत है मन के हारे हार है।आपने क्रिएटिव मेडिटेशन के द्वारा शारीरिक और मानसिक एक्सरसाइज ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

प्रदेश ने शिक्षा में हासिल की नई उचाईयां-मुख्यमंत्री

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रूंगटा यूनिवर्सिटी में आयोजित विश्व युवा कौशल उत्सव 2025 के समापन समारोह में आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर रूंगटा यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नया कीर्तिमान दर्ज किया। जिससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे प्रदेश के युवाओं को कौशल विकास क्षेत्र में एक नई दिशा मिली है। ऑनलाइन मोड से युवाओं को विभिन्न देशों के विशेषज्ञों द्वारा एक से अधिक कौशलों की ट्रेनिंग दी गई। इस पहल के पहले चरण में 8183 युवाओं को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न विधाओं से संबंधित स्किल की ट्रेनिंग दी गई। जिसमें से 25 युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशस्ति पत्र देकर मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस अवसर पर रूंगटा यूनिवर्सिटी ने अग्रणी कंपनियां गूगल, आईबीएम और इंटरनेशनल काउंसिल के साथ मिलकर ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत की। साथ ही हार्वेड और कैम्ब्रिज के बीच एमओयू हुआ। इससे युवाओं को वैश्विक स्तर की शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह आयोजन इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गया है। गोल्ड बुक आफवर्ल्ड रिकार्ड की टीम यहां आई है और उन्होंने यहां 8,183 प्रतिभागियों को एक सप्ताह के भीतर दिये गये प्रशिक्षण के लिए इसे प्रमाणित कर इसका सर्टिफिकेट संस्था को प्रदान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रबंधन ने प्रशिक्षण का यह आयोजन पूरा निःशुल्क किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर और हुनरमंद बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा के क्षेत्र में रूंगटा यूनिवर्सिटी का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है और इस वर्ष को हम रजत जयंती वर्ष के रूप में मना रहे हैं। जब डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने थे, तब राज्य में उच्च शिक्षा की संस्थाओं का विस्तार हुआ। आज छत्तीसगढ़ में 15 मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, सिपेट, एम्स, और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं। हमारे राज्य ने शिक्षा ही नहीं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी प्रगति की है। पिछले डेढ़ साल में हम सुशासन स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। शासन को पारदर्शी बनाने के लिए अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं। जिससे भ्रष्टाचार के रास्ते बंद हुए हैं और राजस्व वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध प्रदेश है और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के लिए काम कर रहे हैं और यह इतना बड़ा कार्य है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है और यह कार्य बड़े पैमाने पर होना चाहिएए जैसा कि आज हुआ है। प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने के अगले वर्ष ही 2015 में नरेंद्र मोदी ने स्किल इंडिया मिशन आरंभ किया। इस मिशन ने देश की तस्वीर ही बदल दी। जब यह मिशन आरंभ हुआ। उस समय भारत दुनिया की दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था था। आज एक दशक के भीतर हमारा देश जापान को भी पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ चुका है। प्रधानमंत्री ने जिस तरह से मेगा प्लेसमेंट कैंप देश भर में आयोजित किये हैं उससे देश भर में नियोक्ताओं को कुशल लोग मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना एक बेहद महत्वपूर्ण योजना है। अब इंटर्नशिप योजना से युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान इंसेटिव मिल रहा है। इस एक पहल ने युवाओं के लिए संभावनाओं के द्वार खोल दिये हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं के लिए अवसर खोलने नई औद्योगिक नीति में अनेक प्रावधान किये हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने पर अनुदान प्रावधान किये गये हैं। नई औद्योगिक नीति में हमने आकर्षक प्रावधान रखे हैं। इज आफ डूइंग बिजनेस और इज आफलिविंग को बढ़ावा देते हुए हमने सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से क्लीयरेंस की प्रक्रिया को बेहद आसान कर दिया है। जब हम नई औद्योगिक नीति को लेकर देश के महानगरों में गये तो हमने जितना सोचा था, उससे कहीं बेहतर रिस्पांस मिला। अब तक हमें 6 लाख 75 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं और इनके अनुमोदन की प्रक्रिया तेजी से जारी है। नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल कंपनी का शुभारंभ विगत दिवस हुआ है। यह कंपनी रायपुर में दो कारणों से स्थापित हुइ। कार्यक्रम को सांसद विजय बघेल और विधायक रिकेश सेन ने भी संबोधित किया। रूंगटा युनिवर्सिटी के कुलपति संतोष रूंगटा ने स्वागत उद्बोधन में युनिवर्सिटी की कार्य गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने युनिवर्सिटी प्रबंधन की ओर से मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री साय एवं अन्य अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, आईजी आर.जी.गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं रूंगटा युनिवर्सिटी के प्रोफेसर, विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजपूत क्षत्रिय राष्ट्रीय मेधावी छात्र -छात्रा मैरिट पुरस्कार

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति द्वारा दिल्ली में 17 वां राजपूत राष्ट्रीय मेधावी छात्र छात्रा मैरिट पुरुस्कार 2025 का आयोजन आगामी 2 नवंबर को होने जा रहा है। इसके लिए देश भर में राजपूत समाज से ताल्लुक रखने वाले दसवीं और बारहवीं की परीक्षा 85 फीसदी से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण छात्र छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किया गया है। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी भिलाई निवासी क्षत्रिय कल्याण सभा महाराणा प्रताप भवन सेक्टर 7 भिलाई नगर के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह से आवेदन सहित अन्य जानकारी उनके दूरभाष नं 94064. 18400 पर संपर्क कर सकते हैं। वर्ष 2024 को मेधावी छात्र.छात्राओं को, जिन्होंने अधिकतम अंक कक्षा 10 (मैट्रिक) बोर्ड परीक्षा, इंटरमीडियेट परीक्षा, पास 2024 में की थी तथा जिन्होंने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, उन्हे नगद राशि एवं प्रमाण पत्र और मैडल देकर सम्मानित किया गया था। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम राजपूत छात्र.छात्राओं के लिए महाराणा प्रताप भवन चेतक चौक केशव पुरम लारेंस रोड दिल्ली में 2 नवंबर को किया जा रहा है। प्रत्येक राज्य से 8 विद्यार्थी जिन्होंने 85 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त किये हैं ;कक्षा: हाईस्कूल,इंटरमीडियेट पास परीक्षा-2025 उन्हें नगद राशि, मैडल तथा मैरिट प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। दिल्ली व एन.सी.आर.से बाहर के विद्यार्थी को रेलवे के द्वितीय साधारण शयनयान का आने जाने का किराया दिया जायेगा। आरक्षण टिकट की फोटो कॉपी अवश्य साथ लाएं। इस सम्बंध में सभी राज्यों के प्रभारी, संस्थाओं के अध्यक्षो, प्रतिनिधियों को पत्र द्वारा सूचित किया जा रहा है तथा वे अपने-अपने राज्य के 8 कक्षा, हाईस्कूल, इंटरमीडियेट, मेधावी छात्र-छात्राओं के नाम मैरिट के आधार पर प्रेषित करेंगे और वही नाम कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकृत किये जायेगें।

क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म दिवस पर संगोष्ठी

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। भिलाई नेहरू नगर भेलवा तालाब में आज 1857 गदर के प्रथम नायक मंगल पांडे का जन्म दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसका उद्देश्य था युवाओं के बीच में महान क्रांतिकारी द्वारा किए गए बलिदान एवं राष्ट्रीय भक्ति के भावनाओं को जागृत करना। संगोष्ठी के दौरान नगर निगम भिलाई के सहायक राजस्व अधिकारी एवं आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक अजय शुक्ला ने बताया कि मंगल पांडे का जन्म जिला बलिया उत्तर प्रदेश में हुआ था। 22 वर्ष की उम्र में वे सेना में भर्ती हो गए थे। प्रथम विद्रोह उनके द्वारा कियाए जब पता चला कि गाय की चर्बी लगा हुआ गोला जिसे मुंह से खोलना पड़ेगा। उन्होंने इस्तेमाल करने से मना कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ की पूरी सेना की पलटन उनके साथ हो गई और वहीं से अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की शुरुआत हो गई। उस समय अंग्रेजों का बहुत खौफ था। अंग्रेजों के डर के आगे कोई मुंह नहीं खुलता थाए पहले आजादी का आवाज बनकर मंगल पांडे जी मुखर हुए। संघ के तरफसे ओम सिंघानिया ने बताया कि आजादी हमें ऐसे नहीं मिली है हम कुछ लोगों को ही जानते हैं। लेकिन इसके पीछे ऐसे महान लोग छिपे हैं जिनके बारे में हमें जानना चाहिए मंगल पांडे उनमें से एक है। भारत विकास परिषद के सचिव जितेंद्र सिंह ने कहा बहुत सारे आजादी के दीवाने गुमनामी में खो गए। उनकी क्रांति का आवाज का जिक्र बहुत कम हुआ। लेकिन यह जहां थेए जिस हालत में थे वहीं से स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल बज रहे थे। विश्व हिंदू परिषद के शैलेंद्र परिहार ने बताया मंगल पांडे को फांसी बहुत कुरता के साथ दी गई थी। जिससे बाकी क्रांतिकारीयो के अंदर डर बैठ जाए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ विद्रोह बढ़ता गया क्रांति का स्वरूप उग्र होता चला गया। भारत माता को आजाद करने के लिए बहुत सी कुर्बानियां देनी पड़ी। संगोष्ठी में उपस्थित रहे पंकज चौरसियाए देवेश सिंहए एमपी सिंह एभारत विकास परिषद से नरेश गुप्ताए जीपी सोनीए रितेश वर्माए प्रताप डीजेए सुनील यादवए डोमार सिंह राजपूतए सौरभ ठाकुरए आदित्य सिंहए अमिया जानाए संजय साठवानेए सुभाष सिंहए जय किशन आहूजाए विक्की गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

चबूतरे पर बैठे युवक पर हमला पुलिस ने दर्ज किया अपराध

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कोतवाली पुलिस ने सेक्टर 5 स्थित मार्केट में मारपीट के मामले में अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी से अनुसार सिगरेट पी रहे बीएसपी कर्मी पर अचानक दो युवकों के द्वारा जबरिया गाली गलौज की गई। इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर दिया। घायल बीएसपी कर्मी की रिपोर्ट पर से भिलाई नगर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी चन्द्रकांत वमा 36 वर्ष सेक्टर 5 निवासी बीएसपी प्लांट के आई.आर. डिपार्टमेंट में काम करता है। 18 जुलाई की रात 10.15 बजे के पान ढेला सेक्टर 5 मार्केट के समीप चबूतरा में बैठा था। रात्रि करीबन10.30 बजे के आसपास के यशवंत एवं लकी आये जबरिया गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों एक राय से धारदार हथियार से हमला किया। चंद्रकांत ने स्वयं को बचाने का कोशिश किया जिससे बाएं हाथ की उंगली में चोट आई। फिर लक्की सामने से आकर धारदार हथियार से सिर में मारा। जिससे सिर से खून निकलने लगा। चंद्रकांत घबराकर भागने लगा भागते भागते जमीन में गिर गया। जिससे दाहिने पैर के घुटने में चोट आइ। चंद्रकांत ने तुरंत एक कार वाले से लिफ्ट लेकर ईलाज के लिए स्वयं सेक्टर 9 अस्पताल आया। रास्ते में घटना के संबंध में अपने जान पहचान वाले को फोन करके बताया। चंद्रकांत वर्मा 36 के रिपोर्ट पर से यशवंत, लक्की के खिलाफ 109, 115(2), 296, 3(5), 351(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तालाश शुरु कर दी है।

रिसाली में बीएसपी भूमि को कराया कब्जामुक्त

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग ने रिसाली में अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की और जेसीबी मशीनों के माध्यम से स्थाई कब्जे को तोड़ा गया। संपदा न्यायालय के आदेश के आधार पर यह कार्यवाही की गई। संदर्भित आदेशानुसार वार्ड नम्बर 29, इस्पात नगरए रिसाली भिलाई स्थित बी.एस.पी. की भूमि से अवैध कब्जाधारियों के विरूध्द संपदा न्यायालय द्वारा डिक्री आदेश जारी कर अवैध कब्जाधारियो की बेदखली हेतु निर्देश जारी किया गया था। उक्त आदेश के क्रियान्वयन करते यह बेदखली कार्यवाही की गई। संपदा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रवर्तन अनुभाग की टीम द्वारा प्रातः 11.30 बजे उक्त भूमि से बेदखली कार्यवाही में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल व सुरक्षाकर्मियों ने सहयोग प्रदान किया। जिनमें नेवई, थाना प्रभारी कमल सिंह सेंगर सहित महिला पुलिस व पुलिस बल की उपस्थिति तथा कार्यपालक मजिस्टेट दिलेश्वर साहू के निर्देश एव उपस्थिति भी रही। कार्यवाही में महाप्रबंधक प्रवर्तन और पीएचडी के के यादव भी उपस्थित थे। बेदखली कार्यवाही के दौरान कब्जाधारियों द्वारा बनाए पक्के स्ट्रक्चर को 2 जेसीबी मशीन की सहायता से ढ़हाया गया। स्थल से किसी भी प्रकार के सामान की जप्ती नही की गयी। कार्यवाही के दौरान अवैध कब्जेधारी द्वारा कार्यवाही का विरोध किया गया तथा इनफोर्समेंट टीम के साथ बहस और हुज्जत की गयी। उक्त बीएसपी भूमि से अवैध कब्जा, निर्माण को हटाने की कार्यवाही में भूमि अनुभाग के सर्वेक्षक डाकेश्वर परगनिहा, त्रिभुवन कौशिक के भूमि चिन्हांकन पश्चात कार्यवाही की गयी। उपरोक्त बेदखली कार्यवाही में प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, निजी सुरक्षा गार्ड महिला सुरक्षागार्ड सहित जन. स्वा. विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों, भूमि अनुभाग के कार्मिकों के साथ कब्जा तोड़ने हेतु लगभग 150 लोगो की टीम कार्यवाही मे शामिल रही।

जन संपर्क विभाग द्वारा विश्व जनसंपर्क दिवस मना

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा विश्व जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में राष्ट्र स्तरीय पीआर कॉन्क्लेव कनेक्टकॉन का आयोजन संयंत्र के निदेशक प्रभारी चितरंजन महापात्रा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। एक दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्देश्य जनसंपर्क के क्षेत्र में नवीनतम प्रवृत्तियों, चुनौतियों, अवसरों और बदलते रुझान पर गहन विचार विमर्श करना था। कॉन्क्लेव में सेल के राउरकेला, बोकारो, कार्पोरेट ऑफिस, वीआईएसएल, सीएसपी सहित जनसंपर्क पेशेवरों, उद्योग विशेषज्ञों और विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर प्रभावी संचार रणनीतियों एवं सम्बंधित विषयों पर अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बिपिन कुमार गिरी, कार्यपालक निदेशक चिकित्सा डॉ रविन्द्रनाथ एम उपस्थित थे। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चितरंजन महापात्रा ने कहा कि जनसंपर्क की भूमिका अब केवल मीडिया प्रबंधन तक सीमित नहीं रही बल्कि यह किसी भी संगठन के संस्थागत विकास का एक रणनीतिक आधार बन चुका है। उन्होंने भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प का उल्लेख करते हुए राष्ट्र निर्माण में इस्पात उद्योग की अहम भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा संयंत्र द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे क्षेत्रों में व्यापक सीएसआर कार्यों के बावजूद विस्तार के समय हमें कई बार स्थानीय विरोध का सामना करना पड़ता है। जिनसे निपटने में जनसंपर्क विभाग की भुमिका अहम है और यह दर्शाता है कि संवाद और विश्वास निर्माण की आवश्यकता कितने महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क अमूल्य प्रियदर्शी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। कॉनक्लेव का पहला सत्र सेल की विभिन्न इकाइयों से आए प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतियों के साथ आरंभ हुआ। वक्ताओं में उप प्रबंधक जनसंपर्क राउरकेला के एस.एस. पटनायकय महाप्रबंधक एचआर एवं जनसंपर्क वीआईएसल, भद्रावती के एल. प्रवीण कुमारय सहायक प्रबंधक , सीएफपी, चंद्रपुर की सुश्री श्यामली लोखंडेय, वरिष्ठ प्रबंधक जनसंपर्क, बीएसएल, बोकारो के अभिनव शंकर शामिल थे। सेल नई दिल्ली के उप महाप्रबंधक मानिक भार्गव, सहायक महाप्रबंधक समन्विता घोष ने प्रतिनिधित्व किया ।इस अवसर पर उप महाप्रबंधक भिलाई इस्पात संयंत्र श्रीमती अपर्णा चंद्रा द्वारा अपनाई जा रही जनसंपर्क नीतियों एवं रणनीतिक संप्रेषण पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति। इस अवसर पर पूर्व विभाग प्रमुख जनसंपक विजय मैराल, महाप्रबंधक, अमूल्य प्रियदर्शी भी उपस्थित रहे। सत्र के समापन पर अनुप कुमार दत्ता ने समीक्षा प्रस्तुत की। मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी योगेश शास्त्री तथा पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सौरभ सिन्हा ने किया। इस सत्र का संचालन महाप्रबंधक श्रीमती बोन्या मुखर्जी ने किया। पूर्व प्रमुख जनसंपर्क एस.पी.एस. जग्गी, महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मेक एन एड रचनात्मक विज्ञापन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ प्रबंधक अभिनव शंकर ने प्रथम पुरस्कार, महाप्रबंधक एल. प्रवीण कुमार को द्वितीय पुरस्कार, उपमहाप्रबंधक नितिन अग्निहोत्री तृतीय स्थान पर रहे। प्रोत्साहन पुरस्कार सुश्री समन्विता घोष ने जीता। निर्णायक मंडल में विजय मैराल, एस.के. दरिपा एवं सत्यवान नायक। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पवन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर उपस्थित रहे। महाप्रबंधक जनसंपर्क प्रशांत तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक श्रीमती अपर्णा चंद्रा न किया। आयोजन की सफलता में जवाहर बाजपेई, एस.के. कामड़े, का विशेष योगदान रहा।

हत्या करने का प्रयास

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रार्थिया प्रीतम कौर उम्र 50 वर्ष साकिन कैम्प.1 छावनी ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि प्रार्थियां के पुत्र शुभदीप सिंह को पुरानी रंजिश की बात को लेकर छोटा भाचा, केश भुरू व उसके साथी द्वारा बीएसपी स्कूल के पीछे बुलाकर षड़यंत्र कर हत्या करने की नियत से बेस बॉल, डण्डा एवं रॉड से मारपीट कर चोंट पहुंचाया गया ।रिपोर्ट पर थाना वैशाली नगर में धारा 109, 61(2) 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पतासाजी के दौरान 'संदेही हेमंत से पूछताछ करने पर पीड़ित शुभदीप सिंह से पुरानी दुश्मनी होने से राकेश साहू उर्फ छोटा भांचा, केश भुरू और मयंक के साथ मिलकर बीएसपी हाई स्कूल के पीछे षड़यंत्र पूर्वक बुलाकर मारपीट करना स्वीकार किया उपरोक्त कार्यवाही में थाना वैशाली नगर पुलिस टीम की सराहनीय

महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेरित पर्यावरणीय जागरूकता अभियान ष्एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण 2 कार्यक्रम का आयोजन भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर 9 में किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्रबंधन और चैनल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी विजय बघेल धर्मपत्नी सांसद विजय बघेल ने कहा कि पेड़ लगाना एक पुण्य कार्य है, लेकिन उससे अधिक ज़रूरी है उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण। पर्यावरण संरक्षण की यह पहल समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रही है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि दुर्ग महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, निशांत भाई, पद्मश्री ऊषा बारले, पूर्व पार्षद जय प्रकाश यादव, उपासना साहू, नीतू सिंह, नीलू सिंह, पार्षद चंद्रशेखर चंद्राकर, शंकर राम वमा उपस्थित रहे। स्टेट हेड हनु नायक ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन और स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्राचार्य डा.संध्या मदन मोहन ने किया। इस अवसर पर राजनांदगांव के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश नामदेव, तरुण पटेल, अनिल कुमार सिन्हा, रोहिताश सिंह भुवाल, नूरुल निशा, प्रभा देशलहरें सहित अनेक पत्रकार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों, पत्रकार और वृक्षारोपण में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

निगम द्वारा मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु छिड़काव लगातार जारी

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नेहरू नगर के वार्ड-5 कोसानगर अंतर्गत दीक्षित कालोनी एवं वार्ड 29 स्थित वृंदानगर अटल आवास के समीप मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया से बचाव एवं मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निगम का विशेष दस्ता एवं जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम द्वारा घर घर जाकर सर्वेक्षण एवं स्प्रेयर पम्प द्वारा मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित एक्यूगार्ड एवं व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य संपादित किया गया। सभी सर्वेक्षित घरों में मच्छर रोधी आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा एवं पाम्पलेट वितरण में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह, सुदामा परगनिया एवं जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव व उमेश कपूर का विशेष सहयोग रहा। वार्ड- 44 लक्ष्मी नारायण नगर के गोकुल नगर लाईन में मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए टेमिफास का छिड़काव लगातार जारी है। बरसात का पानी घर के बाहर रखे पात्रों में भर जाने के कारण मच्छर पनपने लगते हैं। जिससे बिमारियां होने की संभावना ज्यादा बनी रहती है। समस्या को दृष्टिगत करते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी को दवाई छिड़काव कराने निर्देशित किए हैं। जोन क्रंण् 4 के स्वास्थ्य विभाग की टीम डोर.टू.डोर वार्डो में जाकर घरो के अंदर कुलरए पुराने टायरए पानी की टंकियों एवं अन्य जल भराव वाले सामग्रियों की जांच कर टेमिफास दवाई का छिड़काव कर रहे हैए जिससे मौसमी बिमारी न फैले।

विवान द्वारा निर्मित कलाकृतियों की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। पांच वर्षीय बाल चित्रकार विवान चतुर्वेदी द्वारा निर्मित कलाकृतियों की चित्र प्रदर्शनी मैत्री कुंज में लगाई गयी। प्रदर्शनी का उद्घाटन समाजसेवी एस.के.अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विवान चतुर्वेदी को अपनी शुभकामनायें देते हुए कहा कि इन चित्रों में एक अलग तरह की गति एवं छवि दिखाई देती है जो आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। समारोह में अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार महेश चतुर्वेदी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी ने विवान की कलाओं के बारे में जानकारी दी और बताया कि समकालीन रचना संसार में विवान की दस्तक कई आयामों के द्वार खोलेगा। उन्होंने शंकर पेंटिंग दिल्ली की चर्चा करते हुए कहा कि भिलाई में कला के प्रति सोच वैश्विक है। वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार शिवनाथ शुक्ल ने कहा कि विवान की कलाकृतियों में भविष्य के सपने हैं और उर्ध्वगामी सोच है। यही एक उभरते कलाकार की पहचान है। शिक्षाविद डॉ.ए दत्ता ने कहा कि विवान की स्केच लाइनें ध्यान आकर्षित करती हैं।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रमाकांत दानी ने कहा कि विवान की कलाकृतियां सहज ही लुभाती हैं। खासकर कलर कॉम्बिनेशन और पिक्चराइजेशन की कला बेमिसाल है। संयंत्र के भूतपूर्व डीजीएम एम. शंकर ने विवान के चित्रों की यह कहकर तारीफ की कि इन चित्रों में नेचुरल ब्यूटी बहुत अच्छी है। इस तरह के चित्र बड़े कलाकार बनाते हैं। शिक्षाविद डॉ एल. आर.सतपुते ने अपनी समीक्षा दृष्टि से चित्रों को देखते हुए कहा कि चित्रों में जो पॉइंट लगाए गए हैं वे अलग ही विवरण प्रस्तुत करते हैं। मेकॉन के भूतपूर्व अधिकारी अविनाश सिपहा, श्रीमती अन्तरा दत्ता, श्रीमती गीता गोयल, डॉ श्रीमती प्रीती दानी, श्रीमती आर. रेशू ने भी विवान के चित्रों अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। ज्ञात हो कि भावना नैवेद्य चतुर्वेदी के सुपुत्र विवान वर्तमान में गुड़गांव में प्री प्राइमरी में अध्ययन कर रहे हैं। बहुत छोटी अवस्था में चित्रों के प्रति उनका लगाव हो गया। वैसे चित्रकला उन्हें विरासत में मिली। उनके दादा महेश चतुर्वेदी मशहूर चित्रकार हैं जिनकी पेंटिंग्स देश.दुनिया में सराही गयी हैं।

कार्यवाही के विरोध में कांग्रेसियो की प्रर्दशन

भिलाईनगर, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रवर्तन निदेशालय (ईड़ी) द्वारा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के परिवार पर में द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरुद्ध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी, भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में सभी 7 ब्लॉकों में राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कांग्रेस नेताओं के निवास पर ईडी की कार्यवाही भाजपा की हताशा को दिखाता है। भाजपा, कांग्रेस और भूपेश बघेल से डरी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा इसी बौखलाहट में ईडी को भेजा है। भाजपा की राजनीति अब जांच एजेंसियों के सहारे चल रही है। क्योंकि वह राजनीतिक रूप से मुकाबला नहीं कर पा रही हैं। अगर भाजपा यह सोच रही है कि कांग्रेस को डराया या रोका जा सकता है, तो यह उसकी सबसे बड़ी भूल है। कांग्रेस न झुकी है, न झुकेगी अब हर षड्यंत्र का जवाब और भी दमदार होगा। बदरुद्दीन कुरेशी ने कहा कि अपनी राजनैतिक विफलता से तथा देश के मूल मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने भाजपा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और कांग्रेस के नेताओं के घर ईडी को भेजा है, ये जांच नहीं है राजनीतिक प्रतिशोध हैं। इस अवसर पर बदरुद्दीन कुरैशी, महापौर नीरज पाल, धर्मेंद्र यादव, विभोर दुरगकर, अर्जुन शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष नंदकुमार कश्यप, रामा विश्वकर्मा, प्रमोद प्रभाकर, गौरव श्रीवास्तव, मुकुंद भाऊ, मो रफीक, आनद डोंगरे, सलमान खान, अली हुसेन सिद्दीकी, जोहन सिन्हा, प्रभाकर जनबन्धु, नईम खान, अब्दुल तहूर पवार, मेरिक सिंह, लादू राम सिन्हा, उषा शर्मा, नेहा साहू, अमीर अहमद, शोएब मो. खान, रविंद्र सिंह, समय लाल साहू, दिनेश गुप्ता, कीर्ति सिंह, अनसुइया मरकाम, पिंकी वर्मा, बलदाऊ पिपरियाएदुर्गा प्रसाद साह, राजेश गुप्ता, निरंजन बिसाई, राजकुमार बंजारे, बुद्ध शरण बोरकर, अनिल सिंह, बद्री बघेल सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित थे।

जिले में अब तक 236.8 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 20 जुलाई 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 236.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 305.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 134 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है।

नपा अध्यक्ष टीम ने भोरमदेव में किया स्वच्छता श्रमदान

कवर्धा , 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में स्वच्छता संकल्प की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए भोरमदेव मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अध्यक्ष एवं उनकी टीम ने स्वयं श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर, गलियारों, कांवरिया मार्ग एवं मंदिर के अंदरूनी हिस्सों की सफाई की।

भोरमदेव पवित्र स्थल की सफाई हम सब की जिम्मेदारी-

नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और लोगों को अपने धार्मिक स्थलों की सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। श्रमदान के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता का संदेश फैलाने और इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि च्स्वच्छता सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। भोरमदेव जैसे पवित्र स्थलों की सफाई हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।ज्ज इस पवित्र श्रावण मास में छतीसगढ़ सहित आसपास के हजारों श्रद्धालु कांवड़ लेकर बाबा भोरमदेव का दर्शन करने पहुंचते है और अपनी मनोकामना के लिए बाबा से अर्जी लगाते है बाबा भोरमदेव भगवान सभी का मनोकामना पूर्ण भी करते है।

श्रावण मास के प्रत्येक रविवार को भोरमदेव मंदिर में होगा स्वच्छता श्रमदान

स्वच्छता एवं जनजागरूकता की दिशा में लगातार प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में भोरमदेव मंदिर परिसर में चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया की कि श्रावण मास के प्रत्येक रविवार को मंदिर परिसर में सफाई कर श्रमदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, च्श्रावण मास शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, और इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यह न सिर्फ भक्ति का प्रतीक है, बल्कि स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का माध्यम भी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जल संरक्षण की दिशा में भी गंभीर पहल की जा रही है हमारी टीम द्वारा अब तक 14 रविवार को तालाबो में श्रमदान किया जा चुका है श्रावण मास के बाद तालाबों की सफाई का कार्य आरंभ किया जाएगा, ताकि वर्षा जल का संरक्षण बेहतर ढंग से किया जा सके और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल स्रोत उपलब्ध हो सकें।

आज श्रमदान में नगर पालिका अध्यक्ष के साथ जिला पंचायत के उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापति दुर्गेश अवस्थी, बिहारी राम धुर्वे, अजय ठाकुर, पार्षद डोनेश राजपूत, योगेश चन्द्रवंशी, दीपक सिन्हा, मनीषा साहू, सुरेंद्र पांडे, अनिल साहू, केशरीचंद सोनी, हरीश साहू सहित अधिक संख्या में अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

****

एसएसपी बेमेतरा के निर्देशन पर अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी

◆ **माईनर एक्ट के तहत 05 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई**

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो,प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है।

जिसके तहत 19 जुलाई 2025 को थाना नवागढ एवं साजा में आम जगह पर शराब पिने की सुविधा उपलब्ध कराने का 04 प्रकरण में 04 आरोपियों 1. पोसागिल वर्मा उम्र 40 वर्ष, निवासी कवरा कांपा,थाना नवागढ, 2. तारण पाल उम्र 62 वर्ष, 3. रोशन साहू उम्र 20 वर्ष, 4. उदल राम सिन्हा उम्र 40 वर्ष, सभी निवासी मोहभट्ठा थाना साजा जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्यावाही की गई हैं। इसी क्रम में 19 जुलाई 2025 को माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए थाना खम्हरिया में 02 प्रकरण में 02 व्यक्ति, चौकी खण्डसरा में 02 प्रकरण में 03 व्यक्ति के खिलाफ धारा 170, 126, 135 (3) बीएनएसएस के तहत 04 प्रकरण में 05 व्यक्ति के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया।

कल जिला कांग्रेस कमेटी करेगी चक्का जाम और विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र की भाजपा तथा राज्य की भाजपा सरकार द्वारा दबाव पूर्वक छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल को दुर्भावना पूर्वक प्रवर्तन निदेशालय ई डी के द्वारा गिरफ्तार करने का विरोध करने के लिए 22 जुलाई 2025 दोपहर 12ः00 से 2ः00 बजे तक बेमेतरा कवर्धा बाईपास ग्राम चोर भट्टी के पास चक्का जाम करेगी जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के निर्देश जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए हैं साथ ही साथ आम जनता से अपील की गई है कि भाजपा सरकार के द्वारा दुर्भावना पूर्वक विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जो एजेंसियों का सहारा लिया जा रहा है इसका विरोध करने के लिए चक्का जाम में शामिल हो तथा अपना सहयोग प्रदान करें साथ ही साथ छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत टैरिफ का भाजपा सरकार आने के बाद चौथी बार वृद्धि किए जाने एवं घरों में अनाप-शनाप बिजली बिल दिए जाने के विरोध में बेमेतरा कार्यपालन अधिकारी विद्युत संभाग के कार्यालय के घेराव जो 22 जुलाई को दोपहर 2ः00 बजे से किया जाएगा मैं उपस्थित होने की अपील कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम जनता से की गई है ।

मतदाताओं में दिखा उत्साह, 95 प्रतिशत हुई वोटिंग, संरक्षण श्रेणी की गिनती होगी पहलें

डोंगरगढ़, 20 जुलाई (देशबन्धु)। मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति में 15 नए ट्रस्टी के लिए रविवार को मतदान हुआ। सुबह 7 बजें से वोटिंग शुरु हुई लेकिन बारिश ने शुरुआत धीमी कर दी। बारिश थमनें के बाद 12 बजें से मतदाता बड़ी संख्या में बूथ पहुंचें और मतदान करनें जमकर उत्साह दिखाया। शाम 4 बजें के बाद कतार में खड़े मतदाताओं को टोकन दे दिया गया। हालांकि निर्धारित समय तक अधिकतर मतदाताओं ने मतदान कर दिए थे। तीनों श्रेणी के ओवर ऑल वोटिंग प्रतिशत की बात करें तो 95 प्रतिशत मतदान हुआ। दो श्रेणी संरक्षक में 94.06 प्रतिशत व साधारण श्रेणी में 95.31 प्रतिशत मत पड़े। जबकि आजीवन श्रेणी में 90.95 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बाद मतपेटियों को सील करके नीचे मंदिर परिसर के स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व पुलिस जवानों की सुरक्षा में रखा गया है। अब सोमवार सुबह 7 बजें वोटों की गिनती शुरु होगी। सबसे पहलें संरक्षक श्रेणी के परिणाम आएंगे। इसके बाद शाम तक आजीवन श्रेणी के परिणामों की घोषणा हो जाएगी। सबसे अंत में देर रात तक साधारण श्रेणी का रिजल्ट आएगा। ट्रस्ट चुनाव के परिणाम पर अब सबकी नजर टिकी हुई है। संरक्षक श्रेणी में कुल 522 मतदाताओं में से 491 लोगों ने अपनें मताधिकार का प्रयोग किया है। इसी तरह आजीवन श्रेणी में कुल 884 मतदाताओं में से 804 लोगों ने वोट डालें। जबकि साधारण श्रेणी में सबसे अधिक 1537 मतदाता है, जिनमें से 1465 लोगों ने वोट डालकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। वोटिंग करनें में महिला वोटर्स भी पीछे नहीं थी। दोपहर तक संरक्षक श्रेणी व शाम तक 12 ट्रस्टी चुनकर आ जाएंगे। अब तक हुए ट्रस्ट के चुनाव में दोनों श्रेणी पर पक्ष-विपक्ष के एक-एक पैनल भारी पड़तें रहे है। जबकि ट्रस्ट में सरकार बनानें के लिए साधारण श्रेणी से चुनकर आनें वालें ट्रस्टी निर्णायक की भूमिका में रहतें है। इसलिए दोनों श्रेणी के परिणाम आनें के बाद भी देर रात तक स्थिति साफ नहीं होनें से मतदाताओं की नजर अंत के रिजल्ट पर ही टिकी रहेगी। साधारण श्रेणी के ट्रस्टी ही निर्णायक भूमिका में रहेंगे। साधारण श्रेणी में इस बार सबसे अधिक घमासान मची हुई है। तीन पद के लिए नौ उम्मीदवार मैदान में है। इनमें छह प्रत्याशी पैनल से तो तीन प्रत्याशी निर्दलीय के रूप में भाग्य आजमा रहे है।

आज होगा इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में राट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला

◆ **विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 की स्नातक से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू किया जाएगा**

खैरागढ़ ,20 जुलाई (देशबन्धु)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर वि.वि. में सोमवार 21 जुलाई को प्रात: 11 बजे कैम्पस 02 स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम के संबंध में त्रिस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। उपरोक्त कार्यशाला में अतिथि के रूप में डॉ. जीए घनश्याम संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय नवा रायपुर, डॉ.डीके श्रीवास्तव ओएसडी (एनईपी) उच्च शिक्षा संचालनालय नवा रायपुर तथा डॉ. राजेश पांडेय अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा दुर्ग उपस्थित होंगे। इसके साथ ही उक्त कार्यशाला में गठित समिति की संयोजिका प्रो. डॉ. मृदुला शुक्ल अधिष्ठाता कला संकाय, एनईपी नोडल अधिकारी प्रो. डॉ. नमन दत्त अधिष्ठाता संगीत संकाय, सदस्य डॉ. लिकेश्वर वर्मा सहायक प्राध्यापक गायन विभाग, डॉ. कौस्तुभ रंजन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग, डॉ. छगेन्द्र उसेण्डी सहायक प्राध्यापक मूर्तिकला विभाग, डॉ. एस. मेदिनी होम्बल सहायक प्राध्यापक भरतनाट्यम विभाग तथा डॉ. दीपशिखा पटेल सहायक प्राध्यापक लोक संगीत विभाग भी उपस्थित होंगे। एनईपी की कार्यशाला संपन्न होने के बाद विश्वविद्यालय में शिक्षा समिति की बैठक भी आयोजित की जाएगी जहां उच्च शिक्षा विभाग से पहुंचने वाले अतिथियों के साथ ही कुलपति प्रो.डॉ. लवली शर्मा सहित अधिष्ठातागण, संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, सह प्राध्यापकगण तथा डॉ. सौमित्र तिवारी कुलसचिव की उपस्थिति में शिक्षा में गुणवत्ता के साथ ही विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। कुलपति प्रो.डॉ. लवली शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा साथ ही हम नए रोजगारपरक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी प्रारंभ करने जा रहे हैं।

रोजगार की मांग को लेकर महिलाओं द्वारा अर्धनग्न प्रदर्शन करना निंदनीय : हर्षिता

डोंगरगढ , 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के जिला कोरबा के कुसमुंडा में महिलाओं द्वारा अर्धनग्न प्रदर्शन करने का मामला सामने आया है जिस पर क्षेत्रीय विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने प्रदेश की भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि प्रदेश के जिला कोरबा के कुसमुंडा से एक बेहद दुखद विडीयो आया है इन महिलाओं के ऊपर ऐसा क्या घटना घटित हुआ होगा जो इन महिलाओं को ऐसी अर्धनग्न प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पडा यह महिलाओं ने एसईसीएल के खिलाफ अपनी जमीन को विस्थापित रोजगार के मांग को लेकर विरोध करते नजर आ रहे है सरकार की कमजोर कार्य क्षमता के चलते महिलाओं को अपने अधिकार के लिए अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करना पड़ रहा है जो काफी निंदनीय है । विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने आगे कहा कि हमारे राज्य में महिलाओं को इस प्रकार से प्रदर्शन करने के मामले में भाजपा सरकार को शर्म आनी चाहिए और नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार को इस्तीफा देना चाहिए । जिन महिलाओं का सम्मान करना चाहिए उन महिलाओं को ऐसे विरोध प्रदर्शन करने के लिए भाजपा शासन मे मजबूर होना पड़ रहा है या मजबूर किया जा रहा है । विधायक ने सभी महिलाओं से निवेदन किया है कि हम अपनी मांगो को रख कर अपना विरोध दर्ज करे लेकिन ऐसा प्रदर्शन बिल्कुल भी ना करें कोई भी पद या रोजगार हमारे मान सम्मान से बड़ा नहीं है ।

आदिवासी समाज ने ट्रस्ट समिति में 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग, सोपा ज्ञापन

डोंगरगढ़, 20 जुलाई (देशबन्धु)।मां बमलेश्वरी मंदिर के ट्रस्ट चुनाव में 50त्न भागीदारी को लेकर आदिवासी समाज ने रविवार को आंदोलन किया है एक तरफ समाज द्वारा किए जा रहे आंदोलन तो वहीं दूसरी ओर मंदिर प्रबंधन हेतु ट्रस्ट चुनाव को देखते हुए प्रशासन ने रविवार को शहर को सुबह से ही पुलिस की छावनी में तब्दील कर दिया था । बताया जा रहा है कि हाई स्कूल मैदान में प्रदर्शन कर रहे आदिवासी समाज ने ट्रस्ट समिति में 50 प्रतिशत आरक्षण आदिवासी समुदाय को सौंपने की बात कही। आंदोलनकारी का कहना था कि माँ बम्लेश्वरी उनकी आराध्य देवी हैं और उनका गोत्र 'उइके' से जुड़ा हुआ है, इसलिए मंदिर का अधिकार आदिवासी समाज को मिलना चाहिए । प्रदर्शनकारियों का यह भी आरोप रहा कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने मंदिर प्रबंधन पर कब्जा कर लिया है और आदिवासी समाज को जानबूझकर इससे दूर रखा जा रहा है। शाम होते-होते आंदोलनकारियों ने विरोध को और तेज कर करके प्रशासन की मौजूदगी में ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि आगामी तीन महीने में उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़ा और उग्र आंदोलन किया जाएगा। गौरतलब है कि चुनाव और सर्व आदिवासी समाज की आपत्ति के चलते सुबह से ही नगर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। प्रशासनिक अधिकारी, सहित कई वरिष्ठ अधिकारी आदिवासी समाज द्वारा किए जा रहे आंदोलन की हर एक गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे । जिसके चलते प्रदर्शन करने वाले लोगों को केवल स्कूल ग्राउंड में ही रोक कर सभा का आयोजन करने की अनुमति दी गई थी ।

टीचर्स एसोसिएशन की जिला बैठक में कई अहम फैसले

◆ **पुस्तक आपूर्ति में विलंब व स्कैनिंग पर उठाए सवाल**

कवर्धा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छ्ग टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी की अध्यक्षता में स्थानीय राजीव गाँधी पार्क में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रमुख निर्णयों में संगठन की मजबूती हेतु सक्रिय सदस्य शिक्षकों को संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व दिया जाएगा। संकुल अध्यक्ष में आवश्यकतानुसार बदलाव किया जाएगा। क्रमोन्नति व समयमान वेतनमान सहित स्थानीय मुद्दों को लेकर शीघ्र ही जिला व जनपद के सीईओ, डीईओ व बीईओ को ज्ञापन सौंपकर निराकरण की मांग किया जाएगा। सत्र 2025-26 के सदस्यता अभियान की शुरुवात करते हुए आगामी 31 अगस्त तक जिले के सभी शिक्षकों से शिक्षकों व कर्मचारियों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए मजबूती के साथ खड़े रहने वाले जिले के सबसे मजबूत व एकमात्र संगठन छ्ग टीचर्स एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण करने का आव्हान किया गया। छ्ग शासन द्वारा पुरानी पेंशन योजना को एक बार फिर से बंद करने का विरोध करते हुए पुन: बहाली की मांग किया गया। यदि कोई डीडीओ शिक्षकों को नि:शुल्क फार्म-16 देने से मना करते हैं, तो उसकी उच्च स्तर पर शिकायत कर कार्यवाही की मांग किया जाएगा। प्राचार्य पदोन्नति की न्यायालयीन बाधाओं को शीघ्र दूर कर कॉउंसलिंग के माध्यम से अविलंब पदांकन की मांग रखा गया। उच्च परीक्षा में सम्मिलित होने वाले जिले के शिक्षकों से आगामी 30 जुलाई तक आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर अपने डीडीओ को अनुमति हेतु आवेदन देने का आव्हान किया गया। जिले के सभी शिक्षकों से पदीय दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन में सक्रिय सहभागिता देने कहा गया। बैठक के शुरुवात में जिलाध्यक्ष ने संघीय गतिविधियों के सम्बंध में विस्तार से प्रकाश डाला, तत्पश्चात उपस्थित संघ पदाधिकारियों व सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए जाने के बाद सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, आसकरण धुर्वे, रविन्द्र चन्द्रवंशी, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, बलदाऊ चन्द्राकर, गोकुल जायसवाल, मनोज चन्द्रवंशी, वंदना तागड़े, जयप्रकाश चन्द्रवंशी, मनोज कौशिक, सुंदर नाविक, उमेश चन्द्रवंशी, शहीदन खान, नरेंद्र चंद्रोल, रामफल चन्द्राकर, डोंगर मरकाम, चतुर मेरावी, ईश्वरी पटेल, दीनमधुर वर्मा, नंद सोनी, रमेश साहू, देवेंद्र पाण्डेय, भूपेंद्र साहू, अरविंद कुंजाम, राजेन्द्र तलवरे, घुरऊ नेताम, रामकुमार साहू, नारायण धुर्वे, रामशरण मेरावी, मूलचंद धुर्वे, कुंदन सागर, हुक्मीचंद धुर्वे, भानू मिश्रा, उत्तरा धुर्वे, लक्ष्मण झरिया, रामसिंह धुर्वे, कृष्णकुमार सोनी, श्रीराम साहू, नंदराम यादव, दिनेश नामदेव, मेहरबान अली, नारद कौशिक, संजीव शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुस्तक आपूर्ति में विलंब व स्कैनिंग पर उठाए सवाल

छ्ग टीचर्स एसोसिएशन ने स्कूलों में पुस्तकों की आपूर्ति में विलंब और ऑनलाइन स्कैनिंग पर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा सत्र प्रारम्भ हुए एक माह से अधिक समय व्यतीत हो गया है, लेकिन कई विषय की पुस्तकें आज पर्यन्त तक स्कूलों में नहीं पहुंच पाया है। साथ ही जो पुस्तक स्कूलों में पहुंचाया गया है, उनके ऑनलाइन स्कैनिंग ने शिक्षा सत्र के शुरुवात में ही शिक्षकों को उलझा कर रख दिया है। प्रशासन द्वारा बगैर पूरी तैयारी के प्रारम्भ किए गए स्कैनिंग सिस्टम से शिक्षक पढ़ाने के बजाय स्कैनिंग करने के जुगाड़ में लगे हुए हैं।

संविदा शिक्षकों के मांगों का किया समर्थन

छ्ग टीचर्स एसोसिएशन ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में कार्यरत संविदा शिक्षकों व कर्मचारियों के मांगों का समर्थन किया है। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने संविदा शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूलों में संविदा व्यवस्था उचित नहीं है। प्रदेश सरकार सभी आत्मानंद स्कूलों के संचालन को समिति के बजाय अपने हाथों में लेकर शासकीय विद्यालय के रूप में संचालन करे और वहां कार्यरत संविदा शिक्षकों व कर्मचारियों का नि:शर्त शासकीयकरण करे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2025-26 हेतु कार्यशाला आयोजित

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ मौसम वर्ष 2025-26 के लिए पोर्टल में एंट्री से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के उद्देश्य से शनिवार को शहर के टाउन हॉल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उप संचालक कृषि श्री एम.डी. डड़सेना, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी श्री आर.के. वारे, एस.के. श्रीनिवास सहित सभी शाखा प्रबंधक, समिति प्रबंधक, समिति ऑपरेटर, अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं बीमा कंपनी के संभाग व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बीमा कंपनी के संभागीय अधिकारी द्वारा बैंक एवं सीएससी ऑपरेटरों को पोर्टल संचालन के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं, किसान ऋण पोर्टल (केआरपी) पर केसीसी धारक किसानों की जानकारी अपलोड करने की प्रक्रिया एवं फसल नुकसान के स्तर की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई।

प्रादेशिकी का शेष...

जीवन निर्माण में संस्कारों का ...

पेज जवानी, हमारा संपूर्ण जीवन अर्थात किताब का मूल पार्ट और तीसरा पेज बुढ़ापा अर्थात उपसंहार।हमको अपनी किताब सुंदर लिखनी है तो परमात्मा के वचनों के प्रति, उनके बताए मार्ग के प्रति श्रद्धा रखनी होगी।अगर हमारे तीनों पेज सही है तो परमात्मा के प्रति आभार प्रगट करना चाहिए। साप्ताहिक गृहकार्य के लिए उन्होंने अगले रविवार तक परिवार का संविधान बनाकर लाने का निर्देश दिया। दूसरे सत्र में 18 वर्ष से ऊपर के युवक एवं युवतियों का एक स्पेशल सेशन लिया। जिसमें उन्होंने कहां अपने अंदर का बैरियर तोड़ोए जिससे आप अपना विकास कर पाएंगे। अपना विश्लेषण किसी और से नहीं करना ऐसा केवल कमजोर व्यक्ति ही करता हैए आदि चर्चाएं उन्होंने युवा पीढ़ी से की।इस सत्र में 2 सौ से अधिक युवक युवतियों ने भाग लिया। दोपहर 3 बजे से महिलाओं की नियमित स्वाध्याय की क्लास हुई, जिसमे उन्होंने गुरुमुख से शास्त्र का अध्ययन किया। दिन के अंतिम सत्र में 4 बजे से 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों के निखार के लिए जैन शासन के विभिन्न सोपानों से उन्हें परिचित कराया गया। सुबह सत्र के पश्चात गौतम प्रसादी एवं संध्या बच्चों के लिए भी स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। वर्षावास समिति जैन समाज के सभी महिलाओं, पुरुषों, युवक, युवतियों एवं बच्चों से अधिक से अधिक संख्या में चातुर्मास के प्रत्येक कार्यक्रम में आने का निवेदन करती है। उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे तक प्रवचन का क्रम नवकार भवनए ऋषभ नगर दुर्ग में रहता है। तपस्याओ के क्रम में आत्मशोधन तप प्रारंभ है। जिसमें 60 तपस्वी तपस्या कर रहे है। बड़ी तपस्याएं भी प्रारंभ है।

सभी शक्तियां मन के भीतर...

से लोगों को परमात्म सानिध्य और उमंग उत्साह की ऐसी अनुभूति कराए कि लोग पूरे समय में उमंग उत्साह से झूमने लगे। इसी श्रृंखला में समाज के सभी वर्गो के लिए ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में 22 जुलाई मंगलवार को संध्या 6 बजे सुपर माईंड. सुपर फ्युचर (श्रेष्ठ मन.श्रेष्ठ भविष्य) विषय पर नि:शुल्क व्याख्यान व ट्रेनिंग का आयोजन किया गया है ।

चौथी बार बिजली दर में बढ़ोतरी के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस पंडरिया ने किया बिजली आफिस का घेराव

पंडरिया , 20 जुलाई (देशबन्धु)। बिजली के मुद्दे को लेकर पंडरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया । बिजली की दर में बढ़ोतरी और अघोषित कटौती को लेकर पांडातराई बिजली आफिस का घेराव किया गया इसके बाद विरोध स्वरूप बिजली अधिकारी को लालटेन भेंट कर विरोध दर्ज कराया गया । कांग्रेस के इस आंदोलन को देखते हुए पुलिस ने पहले से ही आफिस का मुख्य गेट बंद कर दिया था । साथ ही पुलिस की तगड़ी व्यवस्था की गई थी। पंडरिया ब्लॉक के शहर व ग्रामीण इलाकों में लागातार अघोषित बिजली कटौती हो रही है ,वही राज्य सरकार ने एक बार फिर से बिजली की दरों में बेहिसाब बढ़ोतरी कर दी है । इसके अलावा स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों के अधिक बिल आने लगे हैं । उक्त सभी मुद्दों को ले कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पंडरिया ने पांडातराई जे.ई. कार्यलय का घेराव किया गया । घेराव के पूर्व धरना प्रदर्शन कर प्रदेश की भाजपा की साय सरकार पर कांग्रेस नेताओं ने जमकर भड़ास निकाली । पंडरिया ब्लॉक अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब से प्रदेश भाजपा की सरकार बनी है तबसे बिजली के दरों में बार बार अनावश्यक बढ़ोतरी की जा रही है। ऊपर से मोदी के मित्र अडानी का स्मार्ट मीटर लगाकर आम जनता का शोषण किया जा रहा है । बार बार बिजली गुल कर सत्तर साल पहले की लालटेन युग में वापसी का षड्यंत्र रचा जा रहा है।

सभा को कई दिग्गज नेताओं ने सम्बोधित किया कांग्रेस ने बिजली आफिस घेराव के पूर्व सभा का आयोजन किया ,इस सभा को कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने सम्बोधित किया ।इसमें प्रदेश महामंत्री अर्जुन तिवारी,पूर्व विधायक ममता चंद्राकर,पूर्व मंडी अध्यक्ष लालजी चंद्रवंशी,पूर्व जिला अध्यक्ष नीलकंठ चंद्रवंशी,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष, षितेश चंद्रवंशी,युवा नेता मनीष शर्मा,किसान नेता रवि चंद्रवंशी,घनश्याम साहू,सुभाष पूरी गोस्वामी, त्रिलोक चंद्र निर्मलकर,रवि मानिकपुरी शामिल हैं । सभा का संचालन आशीष गुप्ता ने किया ।

इस घेराव में दिनेश कोशरिया,गुरुदत्त शर्मा,शत्रुघन चंद्रवंशी, शिव गुप्ता,अमन पाटस्कर,गौतम शर्मा,पुष्कर लहँगीर, जुगल पांडेय,नंद पांडेय,देवेंद्र डाहीरे, प्रदीप जायसवाल,चेतन वर्मा,पुष्कर ठाकुर,बिल्लू खान,ढिंढोरे बंजारे,इमरान खान,अश्वनी तिवारी,अतुल बरगाह,देवव्रत चंद्रवंशी,खेमचंद चंद्रवंशी,नारद चंद्रवंशी,चंद्रभान टन्डन,सुजीत कुम्भकार,मुकेश सँवरा,राजकिरण ठाकुर,सुनील ठाकुर,दिलीप चंद्रवंशी,सरताज खान,वीरेंद्र चंद्रकार,वैभव ठाकुर, सुजल ठाकुर,पुष्पेंद्र पटेल,बासित खान,अनिमेष गुप्ता,झड़ीराम बारमते,फारुख खान,मधुसूदन यादब,आशाराम चद्रवंशी,दौलत गिरी गोस्वामी,आनंद चंद्रवंशी,कोमल साहू,नरोत्तम यादव,रूपेश चंद्रवंशी सहित सैकड़ों के संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता व

गोदावरी आनंद वृद्धाश्रम में सेवा का अनुपम उदाहरण देखने को मिला: विजय बघेल

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। वृद्धजनों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनके हालचाल जाने और अपने हाथों से उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया।

यह वृद्धाश्रम गोदावरी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित है, जिसकी संचालिका कल्पना योगेश तिवारी जी हैं। आश्रम में गोदावरी सेवा टर्स्ट और हीरा सीएसआर फाउंडेशन के सहयोग से निश्शुल्क आवास, भोजन, दवाई, वस्त्र आदि की संपूर्ण व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में यहाँ 35 महिलाएं और 42 पुरुष निवासरत हैं, जिनकी सेवा के लिए 35 कर्मचारी 24 घंटे समर्पित रहते हैं। किसी भी आपात स्थिति में सियस हॉस्पिटल, रायपुर में निश्शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

यहां सिर्फ छत्तीसगढ़ से ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों से भी वृद्धजन रहते हैं। उनके मनोरंजन हेतु हर कमरे में टीवी और खेल सामग्री की भी व्यवस्था है। सांसद श्री बघेल से मिलकर वृद्धजनों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। कुछ ने भावुक होकर अपनी व्यथा सुनाई—ज्कभी हमारा भी परिवार था, अच्छे दिन थे, पर आज अपने ही बच्चों ने ठुकरा दिया।ज्ज उन्होंने वृद्धाश्रम को ही अब अपना घर मान लिया है। कल्पना योगेश तिवारी ने अपने माता-पिता की स्मृति में वृद्धाश्रम की शुरुआत की है डॉ खुबचंद बघेल जी की 125 वी जयंती के अवसर पर सांसद विजय बघेल उनकी धर्मपत्नी रजनी बघेल ने वृद्धा आश्रम में भोजन की व्यवस्था की है

विजय बघेल जी ने भावुक होकर कहा, मैं आप सबका बेटा बनकर हमेशा आपसे मिलने आता रहूंगा। आप अकेले नहीं हैं।

उन्होंने बुजुर्गों के आंसू पोंछकर उनके दिल में अपनत्व और सम्मान का भाव फिर से जगाया। यह आयोजन न सिर्फ सेवा की मिसाल बना, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की सुंदर तस्वीर भी प्रस्तुत की।

एलॅन्स पब्लिक एवं सैनिक स्कूल में हर्षोल्लास एवं कृतज्ञता के साथ मनाया गया 'दादा-दादी/नाना-नानी दिवस'

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। एलॅन्स पब्लिक स्कूल एवं सैनिक स्कूल, बेमेतरा में 'ग्रैंडपैरेंट्स डे' हर्ष और भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों और उनके दादा-दादी/नाना-नानी के बीच के अटूट संबंध और जीवन मूल्यों को समर्पित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीतू सिंह द्वारा आत्मीय स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उपस्थित सभी वरिष्ठजनों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कार और मूल्यों की शिक्षा देने का सशक्त माध्यम हैं तथा पीढ़ियों के बीच की दूरी को कम करने में सहायक होते हैं।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटिका एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने अपने बड़ों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता के भाव को सुंदर तरीके से अभिव्यक्त किया।

विद्यालय के चेयरमैन श्री कमलजीत अरोरा एवं श्री सुनील जी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने विद्यालय परिवार की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम का समापन भावनात्मक संवाद, सामूहिक फोटोग्राफी और विद्यार्थियों व उनके दादा-दादी/नाना-नानी के बीच साझा किए गए आत्मीय पलों के साथ हुआ। यह दिन सभी के लिए अविस्मरणीय स्मृति बन गया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बालोद की बैठक में नयी कार्यकारणी का किया गठन

बालोद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। सर्व सम्मिति से डॉ राहुल अग्रवाल को अध्यक्ष, डॉ शिखर गुप्ता को च्सचिवज एवं डॉ अजय साहू को च्क्लीनिकल सचिवज निर्वाचित किया गया। बैठक के पहले बालोद आई. एम. ए. के द्वारा च्सतत चिकित्सा शिक्षा (ष्ट.रूश्व.) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रायपुर से आये डॉ नमन जैन ने गठिया रोग के इलाज के बारे में नयी जानकारियाँ साझा किया। बैठक में बालोद आई.एम.ए.के पूर्व अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन, पूर्व सचिव डॉ ए वी महेश्व , डॉ जयसिंग साहू, डॉ चेतना महेश्वर, डॉ प्रीति अग्रवाल, डॉ आकांछा साहू, डॉ प्रदीप साहू, डॉ विक्रांत केसरिया, डॉ पी सूर्यकुमार, डॉ अश्वनी मुंदावने उपस्थित थे। नव कार्यकारणी को बालोद आई.एम.ए. के प्रथम अध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य डॉ बी.के. क्लाडियस, डॉ शशि क्लाडियस सहित बालोद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ जे एल उइके एवं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ जितेंद्र कुमार ने शुभकामनाएं प्रेषित किया।

जिला कांग्रेस ने स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ के हड़ताल को दिया समर्थन

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा ने छत्तीसगढ़ व्यापी स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ के द्वारा किए जा रहे हैं हड़ताल को अपना समर्थन दिया है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा है कि जब भाजपा सरकार सत्तासीन हुई तो शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्वामी आत्मानंद स्मृति विद्यालयों के प्रबंध समिति जो कलेक्टर के अध्यक्षता में हुआ करती थी को भंग करते हुए उसे शिक्षा विभाग में मिलने का निर्णय लिया और जब यह निर्णय लिया गया है तो उन्हें शासकीय सेवकों के समान सुविधा भी दी जानी चाहिए पूर्व में जब कांग्रेस सरकार ने इन स्कूलों को प्रारंभ किया तो इन स्कूलों के शिक्षकों के वेतन भत्ते सभी चीजों का इंतजाम प्रबंधन समिति के माध्यम से किया था प्रदेश में कांग्रेस सरकार के रहते इन स्कूल में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों को कभी कोई शिकायत नहीं हुई किंतु जब से भाजपा सत्ता में आई है तब से इन स्कूलों को बंद करने का षड्यंत्र किया जा रहा है इन स्कूलों को धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है ना ही शिक्षा विभाग के माध्यम से इन्हें किसी प्रकार का आर्थिक सहयोग किया जा रहा है भाजपा नहीं चाहती कि गरीबों के बच्चे अंग्रेजी मध्य विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा हासिल करें यही कारण है कि इन स्कूलों को धीरे-धीरे बंद करने का एक षड्यंत्र किया जा रहा है साथ ही साथ यहां के कर्मचारी एवं शिक्षकों को स्कूल त्यागने के लिए विवश किया जा रहा है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने स्वामी आत्मानंद स्मृति संविदा शिक्षक संघ द्वारा किए जा रहे दो सूत्रीय मांगों का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने नियमित वेतन एवं भत्तो के भुगतान की बात कही है साथ ही साथ जब शिक्षा विभाग में इन स्कूलों का सिविलियन कर लिया गया है तो शिक्षकों का भी संविलियन किया जाना चाहिए

कल जिला कांग्रेस करेगी चक्का जाम और विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव

बेमेतरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र की भाजपा तथा राज्य की भाजपा सरकार द्वारा दबाव पूर्वक छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल को दुर्भावना पूर्वक प्रवर्तन निदेशालय ई डी के द्वारा गिरफ्तार करने का विरोध करने के लिए 22 जुलाई 2025 दोपहर 12ः00 से 2ः00 बजे तक बेमेतरा कवर्धा बाईपास ग्राम चोर भट्टी के पास चक्का जाम करेगी जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के निर्देश जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए हैं साथ ही साथ आम जनता से अपील की गई है कि भाजपा सरकार के द्वारा दुर्भावना पूर्वक विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए जो एजेंसियों का सहारा लिया जा रहा है इसका विरोध करने के लिए चक्का जाम में शामिल हो तथा अपना सहयोग प्रदान करें साथ ही साथ छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत टैरिफ का भाजपा सरकार आने के बाद चौथी बार वृद्धि किए जाने एवं घरों में अनाप-शनाप बिजली बिल दिए जाने के विरोध में बेमेतरा कार्यपालन अधिकारी विद्युत संभाग के कार्यालय के घेराव जो 22 जुलाई को दोपहर 2ः00 बजे से किया जाएगा मैं उपस्थित होने की अपील कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम जनता से की गई है ।

रेडक्रास के बच्चों ने किया वृक्षारोपण

बालोद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा बालोद द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर जिलाधीश बालोद के आदेशानुसार रविवार को समस्त प्राचार्य व रेडक्रॉस प्रभारी शिक्षक के नेतृत्व में रेडक्रॉस के बच्चों द्वारा पूरे जिले के प्रत्येक स्कूलों में वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। राज्य चेयरमेन रेडक्रास सोसायटी छत्तीसगढ़ तोमन साहू, जिला चेयरमैन डॉ प्रदीप जैन, सचिव डां.जेएल उइके, एवं जिला शिक्षा अधिकारी बालोद के मार्गदर्शन में रेडक्रास सोसायटी बालोद द्वारा प्रत्येक स्कूलों में वृहद वृक्षारोपण को अंजाम दिया और साथ ही साथ सुरक्षा करने का संकल्प भी लिया। जिला संगठक चन्द्रशेखर पवार ने बताया की 20 जुलाई एक पेड़ मां के नाम पर पूरे जिले में पौधा रोपा जाना था इसी तारतम्य में रविवार को भारी बारिश होने के बावजूद बच्चों के उत्साह को कम नहीं कर पाया और सभी बच्चे एक साथ एक समय पर पौधारोपण कार्य किये। संस्था प्राचार्य व प्रभारी शिक्षको ने इस दिन के लिए पूर्व से तैयारी कर लिए थे। पौधा रोपण कार्य को सम्पन्न करने पर जिलाधीश दिव्या उमेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी बालोद पीसी मरकले, जिला चेयरमैन डॉ प्रदीप जैन, कमला वर्मा वाइस चेयरमैन, रूपनारायण देशमुख कोषाध्यक्ष सदस्य दिनेश तापड़िया सभी को बधाई दिये है।

गंगाधर चांडक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज साजा इकाई के अध्यक्ष मनोनीत

थान खमरिया, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने साजा इकाई के अध्यक्ष पद पर गंगाधर चांडक को मनोनीत किया.

श्री चांडक ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज को सशक्त बनाने तथा व्यवसायियों एवं उद्यमियों को चेम्बर से जोड़ने में सक्रिय सहयोग निरंतर रहेगा।

श्री चांडक की नियुक्ति पर प्रदेश भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजक एवं पूर्व विधायक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक लाभचंद बाफना, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित नगर के व्यापारी संगठन एवं मित्रों ने बधाई प्रेषित की।

चिन्हारी रजत जयंती वर्ष सम्मान समारोह संपन्न

थान खमरिया, 20 जुलाई (देशबन्धु)। साहित्य, कला एवं संस्कृति की बहुआयामी संस्था चिन्हारी साहित्य समिति छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में च्चिन्हारी रजत जयंती वर्ष सम्मान 2025ज्ज एवं च्माता कौशल्या जन्मभूमि कोसलाज्ज पुस्तक का विमोचन समारोह आईसीआई भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में ब्राजील में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद विजय बघेल को विशेष रूप से च्चिन्हारी रजत जयंती वर्ष सम्मान 2025से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ तथा अतिथियों का स्वागत शाल श्रीफल माता कौशल्या का चित्रफ्रेम एवं धान की बाली भेंटकर किया गया।

मुख्य अतिथि एवं वक्ता- आचार्य डॉ. अरुण दिवाकर नाथ , अध्यक्षता-विजय बघेल, सांसद, दुर्ग लोकसभा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अलका वाघमर, महापौर, भिलाई, सुरेन्द्र कौशिक भाजपा जिलाध्यक्ष, डॉ. राजेश श्रीवास, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, डॉ. विद्यावती चंद्राकर, विभागाध्यक्ष, हिंदी, छत्तीसगढ़ भारती विश्वविद्यालय, डॉ. शांतिकुमार कैवर्त्य, इतिहासकार, श्री कुलेश्वर प्रसाद निषाद, प्रदेश अध्यक्ष, निषाद समाज जन जागरण समिति, श्री दुर्गा प्रसाद पारकर, प्रदेश अध्यक्ष, चिन्हारी साहित्य समिति

डॉ. विद्यावती चंद्राकर ने कहा कि च्छत्तीसगढ़ भगवान राम की ननिहाल है, माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला (पामगढ़) है जिसे पर्यटन स्थल घोषित किया जाना चाहिए। डॉ. राजेश श्रीवास ने कहा, च्माता वृद्धाश्रम में न जाएं, ऐसी संस्कृति नहीं बनानी चाहिए। महापौर अलका वाघमर ने माता कौशल्या के भव्य मंदिर की मांग दोहराई। सांसद विजय बघेल ने कहा, भगवान राम का मंदिर बन गया, अब माता कौशल्या के मंदिर की जिम्मेदारी भी हमारी है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर निवेदन करेंगे कि हरेली पर्व के अवसर पर उन्हें आमंत्रित किया जाए।

कलेक्टर व एसपी ने उप जेल सलोनी का किया निरीक्षण, बंदियों की सुनीं समस्याएं

खैरागढ़, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल व पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने उपजेल सलोनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदी बैरकों, पाकशाला (किचन), अस्पताल कक्ष, बंदी से मुलाकात कर कक्ष और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बंदियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, विचाराधीन एवं सजायाफ्ता मामलों की स्थिति तथा अन्य व्यक्तिगत समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। साथ ही जेल प्रशासन को बंदियों की गतिविधियों पर नियमित रूप से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जेल परिसर की स्वच्छता, भोजन व्यवस्था एवं सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर चंद्रवाल ने जेल प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बंदियों को नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

कुलपति लवली के रात्रि निरीक्षण में सोते हुये मिले सुरक्षा गार्ड

खैरागढ़, 20 जुलाई (देशबन्धु)। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा 4 बार रात्रि में निरीक्षण कर चुकी हैं जहां उन्हें सुरक्षा गार्ड सोते हुये नजर आये। विश्वविद्यालय की सुरक्षा की दृष्टि से कुलपति कभी रात्रि 1 बजे, कभी 2 बजे तो कभी 2:30 बजे उठकर कैम्पस का निरीक्षण करती हैं और काम के प्रति कोताही बरतने वालों पर विशेष कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। शुक्रवार 18 जुलाई की रात 1 बजे कुलपति ने कैम्पस-01 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एक सुरक्षा गार्ड बेंच पर सोया हुआ मिला, एक गार्ड टेबल पर सोया हुआ था और एक गार्ड गेस्ट हाउस के कमरे में बकायदा गद्दा लगाकर तथा कम्बल ओढ़कर सोया हुआ था। कुलपति के पहुंचते ही एक कर्मचारी तुरंत उठा जिसके बाद उसने हड़बड़ी में दूसरे कर्मचारी को उठाया। कुलपति के पूछने पर वह पैर में चोट लगने का बहाना बनाने लगा और निरीक्षण में निकली कुलपति के पीछे खाली पैर चलने लगा। जब कुलपति ने उससे कहा कि तुम्हारे पैर में चोट लगी है तो खाली पैर कैसे चल रहे हो तब वह जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद कुलपति लवली गेस्ट हाउस पहुंची जहां उन्होंने एक कर्मचारी को कमरे में सोते हुये देखा। पूछने पर कर्मचारी मोबाईल चार्ज करने आया हूं कहकर बहाना बनाने लगा जबकि कुलपति ने उसे कम्बल ओढ़कर सोते देख लिया था। इस दौरान कुलपति महोदया ने उन्हें ईमानदारी से काम करने को कहा, काम में लापरवाही करने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी, यह आदेश दिया। कुलपति ने विश्वविद्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों से स्पष्ट कहा है कि काम के प्रति सजग रहकर ईमानदारी से काम करना है ताकि विश्वविद्यालय को जिस ऊँचाई तक ले जाने की सोंच कुलपति की है उस पर सफल हो सकें। काम नहीं करने वालों पर उचित कार्यवाही की जायेगी जिसके जिम्मेदार वे स्वयं होंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन इसके लिये जिम्मेदार नहीं होगा।

■ बीते तीन महीने में कुलपति 4 बार कर चुकी हैं रात्रि निरीक्षण

शराब के नशे ने ले ली पत्नी की जान, पति-पत्नी आग में बुरी तरह झुलसे

खैरागढ़, 20 जुलाई (देशबन्धु)। ब्लॉक के ग्राम मदराकुही में पति पत्नी दोनों आग में झुलस गए जिन्हें उपचार के लिए गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया है। जानकारी अनुसार ग्राम मदराकुही में शनिवार 19 जुलाई को दोपहर तकरीबन 2 बजे शराबी पति की आये दिन खराब हरकत और वाद विवाद से तंग आकर ग्राम मदराकुही निवासी ममता साहू ने खुद को केरोसिन (मिट्टी का तेल) डालकर आग लगा ली और उसे बचाने गया नशे में धुत पति भी गंभीर रूप से झुलस गया ज्ञात हो कि राजकुमार साहू उम्र 36 वर्ष लंबे समय से शराब की लत में डूबा हुआ था रोजाना की तरह 19 जुलाई शनिवार की सुबह से ही वो नशे में धुत था और नशे की हालत में वह अपनी पत्नी ममता साहू उम्र 34 वर्ष से झगड़ने लगा जिसके बाद दोपहर तकरीबन 2 बजे ममता ने खुद पर आग लगा ली। जब चीख-पुकार मची तो पति राजकुमार दौड़ा पर वो आग में काबू करने के बजाय खुद भी आग की चपेट में बुरी तरह आ गया और देखते ही देखते घर के अंदर पति-पत्नी दोनों जलने लगे जिसके बाद बच्चों और उनकी दादी की चीख सुनकर पड़ोसी पहुंचे और उन्हें तत्काल एम्बुलेंस से खैरागढ़ सिविल अस्पताल लाया गया लेकिन दोनों की हालत नाजुक होने के चलते उन्हें राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया हालांकि पत्नी ने खुद आग लगाई कि नशेड़ी पति ने उसे जलाया था ये जांच का विषय है। खबर लिखे जाने तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

■ गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रिफर
■ मामला खैरागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मदराकुही का

चाकू दिखाकर नकदी की लूट,3 आरोपी पकड़ाए

■ सौ रुपए देने पर चाकू से मारा, 5 सौ देते ही भाग गए थे

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। बसंतपुर थाना पुलिस ने लूट के 3 आरोपियों को पकड़ने में सफलता पाई है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 19 जुलाई 2025 को यह अपने साथी के साथ मोटर सायकल क्रमांक सी0जी0/24/व्ही0/8539 से रेल्वे स्टेशन से देवघर बाबाधाम जाने निकले थे। कि शाम करीबन 04:30 बजे नंदई चौक राजू बिल्डिंग मटेरियल के पास पहुँचे थे तभी काले रंग को होण्डा सी0बी0साईन क्रमांक सी0जी0/08/ए0टी0/5918 में सवार तीन अज्ञात लडके प्रार्थी के मोटर सायकल के सामने अपना मोटर सायकल को लाकर खडी कर दिया और तीनो मे से एक लडका प्रार्थी को चाकू दिखाकर रूपये की मांग करने लगा। तब प्रार्थी ने उस लडके को 100/रूपये दिया किन्तु वे लोग नही माने और प्रार्थी के बाये जांघ में पर चाकू से वार कर चोट पहुँचाया तब प्रार्थी को डराकर उनने जेब में रखे 500/रूपये के नोट को निकाल कर तीनो लडके वहॉ से भाग गये। प्रार्थी द्वारा आसपास के लोगो से पूछने पर तीनो लडके का नाम प्रदीप पटेल निवासी सागरपारा, घनश्याम जोशी तथा अन्य विधि के विरूद्ध संघर्षरत् बालक होना बताये। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 317/2025 धारा 126(2),309(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत् अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया जाकर श्रीमान पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग (भा0पु0से0) के मार्ग दर्शन, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं श्रीमान नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी बसंतपुर एमन साहू के नेतृत्व में,आरोपीयों के पता तलाश हेतु टीम गठित कर टीम को अलग-अलग जगहो पर आरोपीगणों की पतासाजी की जा रही थी गठित टीम द्वारा आरोपी प्रदीप पटेल, घनश्याम जोशी एवं नाबालिक बालक को महज 03 घण्टे के भीतर हिरासत में लेकर आरोपी से पृथक-पृथक पूछताछ किया गया। जो जुर्म करना स्वीकार किया तथा आरोपीगण से घटना में प्रयुक्त मो0सा0 होण्डा सी0बी0 साईन क्रमांक सी0जी0/08/ए0टी0/5918 एवं घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू जप्त कर आरोपीगण एवं विधि के विरूद्ध संघर्षरत् बालक को गिरफ्तार कर माननीन न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय से आरोपीगण एवं विधि के विरूद्ध संघर्षरत् बालक का जेल वारंट प्राप्त होने उपरान्त आरोपी को जिला जेल एवं विधि के विरूद्ध संघर्षरत् बालक को बाल सम्प्रेक्षण गृह राजनांदगांव दाखिल किया गया । आरोपीगण का अपराधिक रिकार्ड आरोपी प्रदीप पटेल पिता जोहन पटेल निवासी सागरपारा थाना बसंतपुर का जो अपराधिक प्रवृत्ति का है, जिसके विरूद्ध थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 200/15 धारा 294,323,506 भादवि0, 47/16 धारा 294,323,506 भादवि., 278/16 धारा 294,323,506,34 भादवि0, 93/17 धारा 294,323,506 भादवि, 100/19 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट, 295/19 धारा 294,452,506 भादवि0, 345/20 धारा 379 भादवि0 25, 27 आर्म्स एक्ट, 156/21 धारा 294,323,506,34 भादवि, इस्तगाशा क्रमांक 12/17 धारा 110 जाफौ0, 84/17 धारा 107,116(3) जाफौ0, 138/20 धारा 107,116(3) जाफौ0, 94/20 धारा 107,116(3) जाफौ0, एवं 03/22 धारा 110 जाफौ0 पंजीबद्ध है। आरोपी घनश्याम जोशी आदतन बदमाश प्रवृत्ति का है, जिसके विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 75/24 धारा 379 भादवि., 94/24 धारा 457,380 भादवि0 एवं थाना घुमका में अपराध क्रमांक 157/24 धारा 331(4),305(ए) बीएनएसएस पंजीबद्ध है। प्रकरण में उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक एमन साहू, उप निरीक्षक नरेश सार्वा, सउनि. मनमोहन साहू, प्र0आर0 किशोर यादव, दीपक जायसवाल आरक्षक कुश बघेल, जामिन्द्र वर्मा एवं आशीष मानिकपुरी एवं अतहर अली की अहम भूमिका रही।

हरित परिषद की राष्ट्रीय बैठक संपन्न, एक पेड़ मां के नाम अभियान पर 22 राज्यों ने की चर्चा

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। वन एवं पर्यावरण जलवा परिवर्तन सवंर्धन परिषद इकाई (भारत) की राष्ट्रीय बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम च्च मंथन 2025 की बैठक हरियाणा टूरिज्म के फरीदा ?बाद सूरजकुंड में सम्पन्न हुई। इस बैठक में 22 राज्यों के चेयरमेन और वाइस चेयरमैन लोगों ने भाग लिया, पर्यावरण संरक्षण, वन विस्तार और जलवायु परिवर्तन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ से चेयरमैन पुनीत कुमार व वाईस चेयरमैन राजनांदगांव के नीलेश श्रीवास्तव ने की राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया कोर पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर चर्चा भी की।उक्त बैठक में परिषद के केन्द्रीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ-साथ केंद्रीय एडमिनिस्ट्रटीव टीम भी उपस्थित रही उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल द्विवेदी जी ने की इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विक्रम शर्मा सेन्ट्रल डायरेक्टर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण व मार्ग दर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में परिषद की कार्यप्रणाली, राज्य स्तर पर संचालन की रणनीति एवं संगठनात्मक दक्षता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।परिषद के सभी सदस्यों को पी.आर शर्मा सेन्ट्रल सलाहकार ने भी मार्गदर्शन दिया। राजनांदगांव के वाइस चेयरमैन भी बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिसमें उपस्थित लोगों ने काफी सराहा निलेश श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश पूरी तरह से वन्य आधारित है ऐसे में खासकर उन क्षेत्रों में जहां पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता नहीं है उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए जिसके लिए हम सब अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर जनता की भी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

राहुल द्विवेदी राष्ट्रीय चेयरमेन ने सभी राज्यों में आये प्रतिनिधियों का स्वागत किया तदोपरांत कहा कि पर्यावरण के श्रेत्र में सभी बेहतर कार्य कर रहे हैं। आपसी तालमेल में इसे और बेहतर बनाकर पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन के श्रेत्र में काम करना है। इस बैठक में हरितसैनिक अभिमान, ग्राम वन योजना, वृक्षमित्र योजना, आदि विषय पर गभीरता के विचार विमर्श किया गया।परिषद भारत सरकार की सभी योजनाओं को अपनी प्रमुख परिमोजनाओं के रूप मेंशामिल करते हुऐ। च्च्एक पेड़ मां के नाम के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं पर साथ साथ काम कर रही है। जिसकी परिकल्पना हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। त्रिवेणी पौधारोपण की इस अभियान में एक महत्व पूर्ण योजना सावित हो रही है।

अल्प बचत अभिकर्ताओं ने अपनी समस्या के निराकरण हेतु सांसद को मांग पत्र सौंपा

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ता संघ, भारत, जिला शाखा राजनांदगांव द्वारा राष्ट्रीय अल्प बचत अभिकर्ताओं के समस्याओं के निराकरण के संबंध में राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे जी को उनके कार्यालय में समक्ष भेंट कर मांग पत्र सौंपा गया । यह मांग पत्र राष्ट्रीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार अल्प बचत अभिकर्ताओं के समस्याओं के निराकरण हेतु सौंपा गया, जिस पर राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे द्वारा संवेदनशीलता से विचार करते हुए आश्वस्त किया गया कि प्रस्तुत मांग पत्र समुचित कार्यवाही हेतु भारत शासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा । इस मांग पत्र को प्रस्तुत करने हेतु संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती जमुना देवी साहू, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती किरण पवार तथा पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील बाजपेई के संयुक्त नेतृत्व में राजनांदगांव जिले के अभिकर्ता साथीगण क्रमशः नरेश यादव, धनीराम मटाले, कृष्ण देवांगन, योगेश गहरवार, आशीष सूरे, सुरेंद्र शुक्ला, राजू खान, सुरेश सोनी, रामकुमार देवांगन, श्री चौहान, एवं अन्य साथी गण उपस्थित रहे । मांग पत्र में मुख्य रूप से अभिकर्ताओं द्वारा अल्प बचत योजनाओं में 1 दिसंबर 2011 के पश्चात वित्त मंत्रालय द्वारा कमीशन में कटौती एवं कुछ योजनाओं में कमीशन समाप्त किए जाने के संबंध में, प्रत्येक 3 वर्ष में एजेंसी के नवीनीकरण हेतु पुलिस से चरित्र सत्यापन की अनिवार्यता के सम्बन्ध मे , एजेंसी नियमावली में डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था लागू करने के संबंध में एवं केंद्र सरकार के माध्यम से एक नई कमेटी के गठन एवं एजेंसी नियमावली के समीक्षा के संबंध में अपनी मांगों को रखते हुए सांसद के माध्यम से समुचित निराकरण हेतु अनुरोध किया है ।

नपं चिखलाकसा जनप्रतिनिधि एक पेड़ मां के नाम लगायें,पौधे की सुरक्षा का लिए संकल्प

चिखलाकसा,20 जुलाई (देशबन्धु)।नगर पंचायत चिखलाकसा एवं वन विभाग के तत्वाधान में सँयुक्त रूप से 20 जुलाई दिन रविवार को एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ! जिसमें वार्ड क्र 01 मुक्तिधाम के समीप मिश्रित पौधे रोपे गए ! कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुन्ती देवांगन अध्यक्ष न.पं. चिखलाकसा, श्री राजू रावटे उपाध्यक्ष न.पं. चिखलाकसा,अरविन्द नाथ योगी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मूलचंद शर्मा वन परिक्षेत्र अधिकारी वन मंडल दल्लीराजहरा, पार्षदगण हेमकुंवर तारम, श्री शांतनु मेश्राम, ताराचंद पाथोड़े, बसंत कोरेटी, खेदू सिंह गौतम, भिखी मसिया, लल्लू राम टेकाम, नूतन दास, सुनिता गुप्ता, बसंत जैन, संध्या शर्मा, विमला जैन, सतोष झा, लीला डड़सेना, एवं पूर्व उपाध्यक्ष भरत भाई पटेल, विजय डड़सेना, श्री अब्दुल इब्राहिम सैय्यद व पूर्व अध्यक्ष हितेश्वरी कोठारी पूर्व पार्षद सगीता साहू, लता पाथोड़े, तुलसी सिन्हा, व भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता हितेश मेश्राम , बृजमणि यादव (बिज्जु) स्वेता जैन, निकाय के उपअभियंता राकेश कुमार पाठक, समस्त अधिकारी कर्मचारी तथा स्कूल के प्राचार्य सर समस्त शिक्षक/शिक्षिका व समस्त विद्याथियों, वार्डवासी नगरवासियों आदि वृक्षारोपण महाअभियान में शामिल होकर पेड़ों की संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

महाकाल की पालकी यात्रा का लालबागेश्वर शिव मंदिर में होगा समापन, डा.रमन सिंह भी होंगे शामिल

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। पावन सावन मास के दुसरे सोमवार को श्री महाकाल सेना के पावन सानिध्य में बाबा चंद्रमौलेश्वर महाकाल की पालकी का नगर भ्रमण क्लब चौक से बसंतपुर चौंक, कमला कालेज चौंक होते प्रभात नगर, जगन्नाथ मंदिर होते हुए हेमू कल्याणी नगर के लालबागेश्वर धाम शिव मंदिर में समापन होगा।

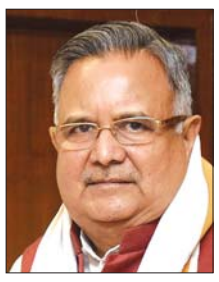

शिव सेवा मंडल के भक्त आवतराम तेजवानी ने बताया कि समाज द्वारा पालकी यात्रा का हेमू कॉलोनी चौक में भव्य स्वागत होगा एवं महाप्रसादी की व्यवस्था सिंधू भवन में रख गई है ।इस अवसर पर विशेष रूप से बाबा अमरनाथ का बर्फीले शिवलिंग के दर्शन भी होंगे एवं लालबागेश्वर शिव उद्यान मैं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया है ।

पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव हरीश मोटलानी एवं राजस्व चेयरमैन एवं पार्षद राजा मखीजा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह सुबह 8 बजे लालबागेश्वर धाम पहुंचकर गली नंबर पांच स्थित शिव मंदिर में शिवबाबा के अमरनाथ रूप का दर्शन करेंगे।

शिव शिव मंडल के संजय तेजवानी ने सभी शिव भक्तों को सभी कार्यक्रम में उपस्थिति का आव्हान किया है। यह जानकारी पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार डूलानी ने दी है।

सर्वजन, तीन पेड़ - माँ, भारत माँ एवं धरती माँ के नाम लगायें : द्विवेदी

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। देश-धरती में अतिलोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आह्वान्वित ''एक पेड़ माँ के नाम'' पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन अभिनव योजना का पूरजोर समर्थन करते हुए पर्यावरण विज्ञ विचारचिंतक डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी ने समसामयिक परिप्रेक्ष्य में अतिरिक्त जनआह्वान संदेश जारी करते हुए कहा कि अत्यंत आवश्यक हो गया है कि प्रत्येक जन-जन एक नहीं, तीन पेड़ सर्वप्रथम-माँ के नाम से, द्वितीय - भारत माँ के नाम से एवं तृतीय - धरती माँ के नाम से अपने-अपने, घर-आँगन, खेत-खलिहान अथवा सार्वजनिक स्थलों, उद्यानों-बगीचों में प्रत्येक वर्ष लगाये। तभी हम पृथ्वी पर चतुर्दिक गहराते जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट से निपट सकेंगे। हमारी भारतीय सनातन संस्कृति परंपरा में सदा-सर्वदा से पेड़-पौधों-वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। विशेषकर फलदार वृक्ष तो साक्षात देव स्वरूप होते है। फलदार वृक्ष अपने एक जीवनकाल में मानव को लाखों रूपये के निश्शुल्क अनुदान स्वरूप भोजन-वस्त्र के उत्पादों सहित सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्राण-वायु को सतत् रूप से प्रदान करते रहते हैं। साथ ही साथ सहज-सरल रूप में प्रमुख पर्यातत्वों-जल, मिट्टी, वायु, ताप तथा दाब को भी संतुलित रखते हुए प्रकृति चक्रों को जीवंत रखते हैं। यह उल्लेखनीय रूप से प्रमाणित सत्य है कि वन-वृक्ष नहीं तो वर्षा भी नहीं। और वर्षा नहीं तो सुजलां सुफलां धरती भी नहीं होगी। इसीलिए तीन-तीन वृक्षों का रोपण संरक्षण-संवर्धन प्रत्येक जन-जन को मन-प्राण से संकल्पित होकर करना ही चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी जी के नारे ''एक पेड़ माँ के नाम'' को संपूर्ण मानव सभ्यता की रक्षा का श्रेष्ठ-सरल सूत्र-संकेत मानकर और अपनी ओर से रचनात्मक सोच के साथ एक नहीं तीन-तीन पेड़ लगाने के लिए प्रतिवर्ष वर्षाकाल में परम पावन पहल करना चाहिए। हमारे देश-धरती में एक प्राचीन कहावत प्रचलित रही हैं ''सर साठे रूख रहे तो भी सस्ती जाण'' अर्थात सिर कटवाकर भी वृक्षों की रक्षा हो सके तो इसे फायदे का सौदा ही समझिए।

राजस्थान जोधपुर के गांव खेजकला गांव में वृक्षों की रक्षा में ग्रामवासियों का आत्मसोत्सर्ग / आत्मबलिदान अनुष्ठान विश्वभर में पर्यावरण प्रेम /रक्षा का सर्वाधिक अनूठा, अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। हमारी इस गौरवमयी विरासत से आज की युवा-किशोर-प्रबुद्ध पीढ़ी को प्रेरित होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष कम से कम तीन पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। यही हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नारे एक पेड़ माँ के नाम का माँ, भारत माँ एवं धरती माँ के प्रति मूल कर्तव्य - दायित्व का श्रेष्ठ-श्रेयष्कर निर्वहन संकल्प होगा।

दल्ली राजहरा में किया गया वृहद वृक्षारोपण

दल्लीराजहरा,20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नपाध्यक्ष तोरण लाल साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज दुबे की उपस्थिति व मुख्य आतिथ्य में गोठान वार्ड क्र 13 में लगभग 700 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वारडेकर, पार्षद सुरेश जयसवाल, मेवालाल पटेल, तरुण साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश दसोड़े, स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, सहायक अभियंता सलीम सिद्दीकी, घनश्याम शर्मा,बुद्धिमान सिंग, सुनील तारम, पी आई यू विक्रांत साहू, अनंत साहू, पंकज चंद्राकर,धरमू बक्शी, सुशील टंडन, देव देवांगन, निर्भयराम नरेटी, चित कुमार, परदेसी देवांगन, नगर पालिका के समस्त अधिकारी कर्मचारी, महिला समूह एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।

पेंडरवानी मे भी चार एकड़ मे अमृत सरोवर तालाब का किया गया जीर्णोध्दार

गंडई पंडरिया, 20 जुलाई (देशबन्धु)। च्जल है तो कल हैज, इस सूक्ति वाक्य को आत्मसात करने शासन स्तर से निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्र शासन की मिशन अमृत सरोवर भी एक है। बारिश के पानी को थामकर भूगर्भ में गहराई तक भेजने के लिए नदी और तालाब एक बड़ा माध्यम है। गांव मे तालाबो को तकनीकी मापदंड अनुसार संरक्षण किया जाए तो हजारों क्यूबिक मीटर पानी भू गर्भ में तेजी से अवशोषित करने में सहायक होते है, रिचार्ज करते हैं। ऐसे ही सरोवरो के प्रबंधन की कहानी गंडई तहसील क्षेत्र मे मिशन अमृत सरोवर से निकल कर सामने आई है।

बतादें कि जनपद छुईखदान क्षेत्र मे 21 अमृत सरोवर बनकर तैयार हो गए हैं। शासन के गाइडलाइन अनुसार प्रत्येक अमृत सरोवर में कम से कम 10 हजार क्यूबिक मीटर पानी भराव क्षमता से बनाए गए हैं। तकनीकी मापदंड अनुरूप बने इन सरोवरो मे वर्षा जल संचयित हो रहा है। ये सरोवर भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

गंडई तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत पेंडरवानी मे भी चार एकड़ मे अमृत सरोवर तालाब का जीर्णोध्दार किया गया है। तालाब के संबंध में विस्तार से बताते हुए यहां की सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी धुर्वे कहती है, तालाब मे गाद जमा हो जाने के कारण तालाब के जल धारण क्षमता मे कमी हो गयी थी। साथ ही बहुत सालो से तालाब की सफाई नही होने के कारण पानी इतना गंदा हो गया था, कि हवा के चलने पर इसकी बदबू दूर तक महसूस होती थी। पर अभी देखिए कितना सुंदर है यह तालाब और इसका पानी। इस तालाब ने गांव की अब दशा और दिशा ही बदल दी है। तालाब को पुनर्जीवित करने के लिए ग्राम पंचायत ने ग्रामीणो की बैठक आयोजित की। वर्ष 2023-24 मे महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अभिसरण से इस तालाब के जीर्णोद्धार हेतु कुल 9.99 लाख रूपये की राशि की स्वीकृति प्राप्त की गई। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं की भागीदारी और मेहनत से ही इस तालाब का जीर्णोध्दार हुआ। इस कार्य से जहां 522 ग्रामीणों को सीधे रोजगार के अवसर प्राप्त हुए और 3526 रोजगार दिवस सृजित हुआ, वहीं गांव को जल संरक्षण का साधन भी उपलब्ध हो गया है। ग्रामीण जनों की भागीदारी से निर्मित अमृत सरोवर से गांव के भूजल स्तर मे वृद्धि हुई है। अब असमय वर्षा की चुनौती से निपटने के लिए अमृत सरोवर के रूप मे सिंचाई का एक स्थायी साधन मिल गया है। इस सरोवर से आसपास के लगभग 30 एकड़ खेत सिंचित होंगे। साथ ही इस सरोवर मे मछलीपालन भी किया जाना भी प्रस्तावित है।

क्या है मिशन अमृत सरोवर ?

जल संसाधनो के लगातार दोहन से पूरे देश मे भूजल स्तर की कमी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रही है। देश के ज्यादातर हिस्सों में भूजल स्तर की गिरावट को देखते हुए केंद्र सरकार अमृत सरोवर योजना लेकर आई है। इस योजना के तहत न सिर्फ जल संरक्षण को बल मिला, बल्कि किसानों की आय भी तेजी से बढ़ोतरी हुई। किसान इन तालाब से सिंचाई और मछलीपालन दोनों का फायदा उठा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर तालाब बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था।

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस का आर्थिक नाकाबंदी-चक्काजाम कल

■ प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर शहर व जिला कांग्रेस की बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग में आर्थिक नाकेबंदी-चक्काजाम पर बनी रणनीति

■ चक्काजाम को सफल बनाने कांग्रेस के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता जुटें

राजनांदगांव, 20 जुलाई (देशबन्धु)। भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा सरकार कांग्रेस नेताओं पर द्वेषपूर्ण राजनीति करते हुए लगातार कार्यवाही कर परेशान किया जा रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निवास पर छापेमार कार्यवाही करते हुए उनके परिवार के खिलाफ की गई कार्यवाही, विपक्ष को जानबूझकर बदनाम किए जाने के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर 22 जुलाई को पूरे प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रमुख मार्गों पर आर्थिक नाकाबंदी-चक्काजाम किया जा रहा हैं। जिसको लेकर शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस द्वारा अतिआवश्यक बैठक लेकर आर्थिक नाकाबंदी चक्काजाम करने का निर्णय लिया है।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश की भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला, प्रदेश के खनिज संपदाओं का लगातार दोहन किया जा रहा है, मामला उजागर होने पर भाजपा सरकार घबराकर ईडी को सामने रखकर कांग्रेस नेताओं पर लगातार कार्यवाही कर डराया व धमकाया जा रहा है। उक्त जनहित मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर आगामी 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी चक्काजाम किया जा रहा है। जिसको लेकर शहर व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के नेतृत्व में 20 जुलाई रविवार को सतनाम भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में अतिआवश्यक बैठक लेकर आर्थिक नाकेबंदी चक्काजाम को सफल बनाने के संबंध में जिम्मेदारियां बांटी गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार इस चक्काजाम में स्कूली बस और एंबुलेंस को मुक्त रखा जाएगा।

बैठक में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूब चुकी है। उनके कार्यकाल में बलात्कार, हत्या, खनिज व रेत का अवैध उत्खनन बढ़ रहा है, बाहर से शूटर बुलाकार स्थानीय लोगों बंदूक से डराया व धमकाया जा रहा है। भाजपाईयों की दादागिरी में लगातार अवैध शराब का कारोबार बढ़ रहा है जिसके कारण युवा वर्ग शराब के लत में डूब रहे हैं, माताएं बहने असुरक्षित हो गई है। अडानी बंधुओं के लिए प्रदेश के जल, जंगल और जमीन को बेच रहे है। इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस विधायक दल के नेताप्रतिक्ष डा.चरण दास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा लगातार भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं जिससे घबराकर केन्द्र की मोदी सरकार के निर्देश पर कांग्रेसजनों पर सीबीआई, ईडी भेजकर जबरन कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 18 जुलाई को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निवास पर छापेमार कार्यवाही करते हुए उनके परिवार के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्रवाई को लेकर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी की जा रही है।

बैठक में शहर कांग्रेस प्रभारी बृजेश शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस प्रभारी सुजीत बघेल, पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, विधायक दलेश्वर साहू, भोलाराम साहू, संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिन्टू, पूर्व विधायक भुवनेश्वर बघेल, पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीकिशन खंडेलवाल, रमेश डाकलिया, ननि प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने अपनी बाते सुझाव के माध्यम से रखी।

इस दौरान प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी कुतबुद्दीन सोलंकी, जिपं सदस्य महेन्द्र यादव, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, विवेक वासनिक, पंकज बांधव, डा. नरेन्द्र साहू, इकरामुद्दीन सोलंकी, रमेश खंडेलवाल, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी, मोहम्मद यहया, महामंत्री नरेश शर्मा, हनी ग्रेवाल, अजय मारकंडे, चुम्मन साहू, विपिन यादव, विरेन्द्र बोरकर, संध्या साहू, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, अब्दुल खान, रतन यादव, शकील रिजवी, पार्षद मुकेश साहू, अमिन हुद्दा, सतीश मसीह, मनीष गौतम, किसान कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू, अशोक फडनवीस, रज्जू जॉन, रौशनी सिन्हा, सुरेन्द्र देवांगन, गोपीचंद गायकवाड़, प्रतिमा बंजारे, संगीता साहू, मनीष सिमनकर, प्रज्ञा गुप्ता, मोहिनी सिन्हा, शैलेश ठावरे, बबलू कसार, अब्बास खान, खिलेश बंजारे, अतुल शर्मा, मो. इब्राहिम, सूरज शर्मा, चेतन सिन्हा, सागर ताम्रकार, सोनू खान, प्रकाश ठाकुर, भावेश सिन्हा, संदीप जायसवाल, उमर सिंह ठाकुर, उमेश यादव, जितेन्द्र सिन्हा, देवेन्द्र देवांगन, रामनाथ निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

संपादकीय

विस्थापितों की मांगें हों पूरी

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कोरबा स्थित कुसमुंडा परियोजना के महाप्रबन्धक कार्यालय में शनिवार को जो हुआ वह एसईसीएल प्रबंधन के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के लिये भी शर्मनाक है। कुसमुंडा खदानों के लिये जिन लोगों की जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, उन प्रभावित परिवारों की महिलाओं ने कार्यालय में अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया। भू अर्जन के दौरान एसईसीएल ने नौकरी सम्बन्धी जो वादे किये गये थे वे अब तक पूरे न होने से यह स्थिति हुई। मुख्य आश्वासन ऐसे परिवारों के सदस्यों को कम्पनी में स्थायी रोजगार देने की थी। वैसे तो महिलाओं के इस प्रदर्शन के कारण प्रबन्धन तत्काल हरकत में आया और जीएम कार्यालय में आनन-फानन में बैठक बुलाई गई। प्रबन्धन ने उनकी मांगों पर जल्दी विचार करने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह है कि एसईसीएल कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करता है ताकि महिलाओं को ऐसे अतिरेकपूर्ण कदम न उठाने पड़ें।

माना जाता है कि लम्बे इंतज़ार के बाद भी एसईसीएल की ओर से अपना आश्वासन पूरा न करने के कारण प्रभावित परिवारों की महिलाओं को यह कदम उठाना पड़ा जो निश्चित ही उनकी इच्छा के विरूद्ध रहा होगा। प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन को चाहिये कि एसईसीएल से स्पष्टीकरण ले क्योंकि इसे कोई सामान्य धरना-प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। एसईसीएल की कोरबा सहित प्रदेश भर में कई खदानें हैं। उन सभी के लिये बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अक्सर इस प्रकार की शिकायतें आती हैं और प्रभावित परिवारों के प्रदर्शन भी आयोजित होते रहते हैं जिनमें या तो उन्हें मुआवजा न मिलने की बात कही जाती है अथवा रोजगार सम्बन्धी आश्वासन पूरा न होने को लेकर रोष प्रकट किया जाता है। ये मांगें विस्थापितों के संगठनों, सिविल सोसायटियों एवं राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जाती रही हैं।

ऐसा भी नहीं कि एसईसीएल की ओर से अधिग्रहित किसी भी प्रभावित को मुआवजा न दिया गया हो या किसी को भी नौकरी नहीं मिली हो। कम्पनी की विभिन्न खदानों में नौकरियां कर रहे लोगों में बड़ी संख्या उनकी भी है जिनकी जमीनें कोयला उत्खनन के लिये ली गयी थीं। बहुतों को भरपूर मुआवजा भी दिया गया है। कई बार तकनीकी कारणों से भी यह काम पूरा नहीं हो पाता। अधिग्रहित जमीन के स्वामित्व, उसकी नपाई, रोजगार के लिये परिवार के भीतर ही विवाद आदि ऐसे मुद्दे हैं जिनके कारण प्रभावितों को उनके हक से वंचित रह जाना पड़ता है।

राज्य में एसईसीएल के अलावा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कई उपक्रम लगाये गये हैं। इनमें से कई कम्पनियों में इस तरह के विवाद होते रहते हैं। कोयले के अलावा बिजली, सीमेंट, लोहा-स्टील, एल्यूमीनियम आदि के उद्योग जब लगते हैं तो ये मुद्दे बनते हैं। बांध, सड़क या अन्य निर्माण में भी भू अर्जन होता है। सरकार विस्थापितों की समस्याएं दूर करे।

उल्टा पुल्टा

रमेश ने शौक-शौक में व्रत रख लिया।
रमेश (पत्नी से)- देखो सूरज डूब चुका है, अब खाना खाते है।
पत्नी (रमेश से)- नहीं जी।
रमेश- देखो डूबा या नहीं
पत्नी- नहीं जी।
रमेश- लगता है ये मुझे साथ लेकर ही डूबेगा।

संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

भरूवाडीह/बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने आज छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। यह धरना संघ के संरक्षक तापस राय के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के निर्देशन, हरिओम शर्मा संभाग महासचिव, बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष ऐश्वर्य शर्मा, उपाध्यक्ष रमाकांत कोसले, राहुल यादव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्वामी आत्मानंद स्कूलों से आए संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांकेतिक धरना के माध्यम से संघ ने अपनी दो सूत्रीय प्रमुख मांगों को दोहराया। पहली मांग नियमित वेतन वृद्धि एवं वेतनमान निर्धारण की है, जिसमें शिक्षकों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से पूर्णकालिक सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें न तो वेतनमान मिला है और न ही कोई वार्षिक वेतनवृद्धि सुनिश्चित की गई है। दूसरी मांग शिक्षा विभाग में समावेशन (संविलियन) एवं नियमितीकरण की है, जिसे पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था। संघ ने मांग की है कि सभी संविदा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शिक्षा विभाग में समाहित कर नियमित किया जाए, जिससे उन्हें सेवा सुरक्षा मिल सके और वे बिना भय के प्रदेश की शिक्षा गुणवत्ता में योगदान दे सकें। संघ ने यह भी घोषणा है कि यदि समय रहते इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 1 अगस्त 2025 से राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से शिक्षक-कर्मचारी शामिल होंगे। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और न्यायसंगत होगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी गुंजन बिजोरा रायपुर संभाग सचिव, कौशल पटेल प्रदेश कार्यकारिणी, उमाशंकर साहू सचिव, प्रखर शास्त्री कोषाध्यक्ष, विक्की प्रधान संयुक्त सचिव, खिलेश वर्मा मीडिया प्रभारी सहित शिक्षक सबिता नायक, केसर पटेल, राखी जसवानी, डिंपल होतवानी, आदि महिला शक्ति एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने एकजुटता के साथ यह संदेश दिया कि जब तक मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक संघ का संघर्ष जारी रहेगा।

संघ ने प्रदेश सरकार से अपील की है कि शिक्षकों की न्यायसंगत मांगों पर संवेदनशील होकर विचार किया जाए और शीघ्र समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं अन्यथा भविष्य में हम अपने हक और अधिकारों के लिए जमीनी लड़ाई लड़ने को मजबूर होंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण में छग के नगरीय निकाय को पुरस्कार मिलने पर मंत्री अरूण साव को दी बधाई

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागृत करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एवं सपनों को साकार करते हुए स्वच्छता परमो धर्मः के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए देश के स्वच्छता सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को स्वच्छता पुरस्कार मिलने पर छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को शुभकामनाएं दी गई एवं दिल्ली में राष्ट्रपति महामहिम द्रोपती मुर्मू जी के हाथों पुरस्कार एवम सम्मान प्राप्त कर प्रथम रायपुर आगमन पर माना स्थित विवेकानंद विमानतल रायपुर में नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव का पुष्पगुच्छ भेंट कर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा बधाई व शुभकामनाएं देते हुए अभिनन्दन किया गया।

नपा अध्यक्ष अशोक जैन ने मंत्री का विमानतल पर किया स्वागत

इस अवसर पर नगरपालिका के पार्षद गण व मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वच्छता के क्षेत्र में नगरीय निकायों की उपलब्धि पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन द्वारा बधाई दी व ऐसे ही आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर बलोदा बाजार भी स्वच्छता की क्षेत्र में अहम भगीदारी निभाएगी व नगर वासियों के सहयोग से नगर को भी सम्मान प्राप्त होगा ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

नपा अध्यक्ष अशोक जैन ने किया बालक शाला शेड निर्माण का भूमिपूजन

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। स्थानीय नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बालक शाला में टीन शेड निर्माण का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण कर विधिवत पूजा अर्चना करते हुए कुदाल चला कर पूजन व श्रीफल तोड़ा गया एवं भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के सांसद प्रतिनिधि अधिवक्ता आलोक अग्रवाल, भाजपा नेता पुरुषोत्तम सोनी, योगेश अग्रवाल, प्राचार्य श्रीमती कौर, श्रीमती कुसुम बंजारे सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं एवं स्कूल के विद्यार्थी गण उपस्थित थे। 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले शेड निर्माण कार्य से स्कूल को एक सुरक्षित आहाता मिलेगा, साथ ही बच्चों को राहत मिलेगी वह इंडोर खेलकूद कार्यक्रम के साथ अन्य समारोह के आयोजन में भी शेड के नीचे कार्यक्रम किए जाने की सुविधा मिलेगी।

बैल के झुंड ने मोटरसायकल सवार को गिराया, अस्पताल में भर्ती

राजिम, 20 जुलाई (देशबन्धु)। विगत दिवस राजिम/लोहरसी निवासी क्षेत्रीय उपायुक्त कार्या. रायपुर से सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक वर्तमान गौ सेवा समिति राजिम के उपाध्यक्ष मनीराम साहू का कुम्ही से से राजिम घर वापसी पर दिन के 11. बजे जा रहा था, नाला के ऊपर श्री हनुमान जी मंदिर के पास अचानक 15 ,20 गाय बैल के दौड़कर सड़क में आने से मोटर साइकिल में सवार साहू जी अनियंत्रित होकर गिर गए दुर्घटना से

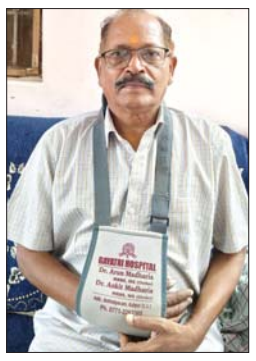

आहत देखकर आस-पास काम कर रहे व्यक्तियों ने आकर उठाये और राजिम अस्पताल ले जाने में सहयोग किये क्योंकि जख्म गहरे थे इसलिए उपचार के लिए अपनी सुविधा अनुसार गायत्री हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती कराया गया जहां अस्पताल के संचालक डॉ.अरुण डंतींतपं ने भरपूर सहयोग कर बहुत अच्छे ढंग से इलाज किया। वरिष्ठ गुरुजन एवं मित्र मंडली ने साहूजी के जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दी है।

जन चौपाल में विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा रविवार को ग्राम खरोरा के जनचौपाल में पहुंचे और लोगों की समस्याओं को सुना। साथ ही उनकी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। बता दें कि करीब डेढ़ माह से स्वास्थ्यगत कारणों विधायक श्री सिन्हा बेडरेस्ट पर थें। इस दौरान भी अपने निवास में ही आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर निराकरण करते रहें। अब स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने पर फिर से स्वयं जनता के बीच पहुंच रहे हैं। रविवार को ग्राम खरोरा में आयोजित जनचौपाल में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा जनता से

रूबरू होने पहुंचे। अलग.अलग समस्याओं को लेकर पहुंचे ग्रामीणों से विधायक श्री सिन्हा ने विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्हें निराकरण का पूरा आश्वासन दिया। ग्रामीणजनों ने कृषि से संबंधित सहित अलग.अलग समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति मेरा पूरा समर्पण हमेशा रहेगा। जिस विश्वास के साथ जनता ने मुझे चुना है, उस विश्वास को कायम रखने के लिए मैं पूरा प्रयासरत हूं। हमारी सरकार जनता के लिए ही है, जनता की सेवा के लिए संकल्पित है। हमारी सरकार किसान भाइयों के हित में कार्य कर रही है। गरीबों को आवास देने का कार्य कर रही है। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। इस दौरान खरोरा सरपंच वीणा कमलेश चंद्राकर, भाजपा नेता पवन पटेल, मुन्ना साहू, संदीप घोष, अरविंद प्रहरे आदि उपस्थित थें।

महान विचारक एवं जनसेवक डॉ. खूबचन्द बघेल की मनाई गई जयंती

बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के महान विचारक एवं जन सेवक डॉ. खूबचंद बघेल जी के 125 वीं जन्म जयंती के अवसर पर नगर पालिका द्वारा स्थापित उद्यान में डॉ. खूबचंद बघेल जी के आदम कद प्रतिमा पर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा माल्यार्पण कर 125 वीं जन्म जयंती मनाई गई व श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।

डॉ. खूबचंद बघेल जी के योगदान को छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज व छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अविस्मरणीय बताया गया, बहुत सारे सामाजिक प्रतिबंधनों एवं प्रचलित प्रथाओं को समाप्त करने में डॉ. खूबचंद बघेल जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्हीं की प्रेरणा से आज समाज की उनके

आदर्शों पर चलने कृत संकल्पित है, कहते हुए उनके आदर्शों का स्मरण किया गया। इस दौरान भाजपा नेता टेसूलाल धुरंधर, बलौदाबाजार राज प्रधान सुनीता वर्मा, नगर पालिका के पार्षद श्रीमती श्रद्धा मनीष वर्मा, श्रीमती डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, वरिष्ठ पूर्व पार्षद नरसिंह वर्मा, पूर्व एल्डरमैन हरिश्चंद्र वर्मा, महेश वर्मा, रूपेंद्र वर्मा, अधिवक्ता श्रीमती रूबी वर्मा, तामेश्वर वर्मा, वरिष्ठ शिक्षक खूबचंद सरसीहा, भाजपा नेता योगेश अग्रवाल, हितेश वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि गोविंद पात्रे, सहित समाज के नेता गणों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने स्मरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के अन्य वरिष्ठ एवं नागरिक गण एवम जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नयापारा पुलिस ने पकड़ी देशी मसाला शराब

नवापारा राजिम, 20 जुलाई (देशबन्धु)। अवैध शराब बिक्री संचालितकरने वालो पर लगाम लगाने कि नियत से छाटा रोड नवापारा हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति प्लास्टिक नीले रंग के थैला में अवैध शराब रखकर बिक्री हेतु पैदल ले जा रहा है कि मुखबीर सूचना पर थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल पुलिस स्टाप के रेड मारी कार्यवाही के दौरान अवैध शराब बिक्री करने हेतु ले जाते एक व्यक्तिय को

पकड़ा गया, पूछताछ में अपना नाम शंकर निर्मलकर पिता टीकू निर्मलकर उम्र 25 यसाल ग्राम पारागांव कुटीपारा बताया गया। जिस पर आरोपि को गिरफ्तार कर यंउनके कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में 35 पौवा शेरा देशी मदिरा मसाला शराब सील बंद कीमती रकम 3500 / रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध श्रथाना गोबरा नवापारा में अपराध क्रमांक 278/25 धारा-34 (2) आबकारी एक्ट ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर ➤

कांवरियों की सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए नपाध्यक्ष

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। सावन माह का दूसरा सोमवार 21 जुलाई को पड़ रहा है। इस दौरान शनिवार से ही बम्हनी से जल लेकर हजारों कांवरियों का जत्था सिरपुर के लिए रवाना हुए। कांवरियों की सेवा में महासमुंद के बीटीआई रोड तथा ओवरब्रिज के नीचे जलपान की व्यवस्था की गई। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू शामिल हुए तथा कांवरियों को जलपान वितरण किया। उल्लेखनीय है कि सावन माह के प्रत्येक शनिवार को कांवरियों के लिए सेवा भावी लोगों द्वारा जलपान, प्रसाद वितरण का कार्यक्रम शहर के विभिन्न स्थानों पर रखा जाता है। शनिवार को प्रसाद इलेक्ट्रॉनिक्स

एवं वार्डवासियों द्वारा बीटीआई रोड में तथा नगर पालिका सभापति श्रीमती ईश्वरी भोई व आदि शक्ति समिति द्वारा जलपान, प्रसाद वितरण कार्यक्रम रखा गया। दोनों स्थानों पर सेवा कार्य में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू शामिल हुए तथा कांवरियों व शिवभक्तों को प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष ने कहा कि सावन में भगवान शिव की भक्ति का सौभाग्य हमें मिला है, कांविरयों की टोली हमारे नगर से गुजरते हैं। कांवरियों की सेवा ही महादेव की सेवा है। उन्होंने सेवाभावी संस्थाओं, वार्डवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की।

डमरू, झांझ के साथ बम्हनी में भोलेनाथ की आरती

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय से 9 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बम्हनी के श्वेत गंगा बम्हनेश्वर महादेव परिसर में प्रतिदिन गंगा आरती की जा रही

श्वेत गंगा में रोज हो रही गंगा आरती

है। शनिवार 19 जुलाई को जल लेने पहुंचे कांवरियों ने भी गंगा आरती में उत्साह के साथ भाग लिया। इतना ही नहीं भोलेनाथ की आरती का आनंद भी कांवरियों ने मंत्रमुग्ध होकर उठाया। इस बार भोलेनाथ की आरती करने महासमुंद के महाकाल मुक्तिधाम समिति के सदस्यों ने डमरू, झांझ नाद के साथ आरती को रोचक और यादगार बनाया। उपस्थित श्रद्धालु और कांवरियों ने मंत्र मुग्ध होकर आरती का आनंद उठाया। सावन माह में यहां प्रतिदिन संध्या 6. 30 बजे गंगा आरती की जा

रही है। श्वेत गंगा कुंड से जल लेकर कांवरिए नंगे पांव सिरपुर जाकर गंधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। दूसरे सावन सोमवार को जल चढ़ाने के लिए करीब अलग.अलग जत्थों में ढाई सौ से अधिक कांवरिये रवाना हुए। जो सिरपुर पहुंचकर सोमवार को जलाभिषेक करेंगे। सिरपुर पहुंचने वाले कांवरियों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था पूर्व जिला पंचायत सभापति अमर अरुण चंद्राकर द्वारा की गई है। श्वेत गंगा आरती समिति के रामेश्वर पांडेय, खिलावन यादव ने बताया कि मुख्य जजमान के रूप में जिला पंचायत सदस्य जुगनू चंद्राकर महिंद्रा ग्रुप के सुमित वैष्णव, विवेक चंद्राकर आदि रहे। बम्हनेश्वर नाथ मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सर्वराकार डा संतोष अग्रवाल ने डमरू नाद के साथ आरती करने पहुंचे महाकाल मुक्तिधाम समिति के सदस्यों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

24 अगस्त को जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम मे आने

पलारी, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा से सर्व आदिवासी समाज जिला इकाई बलौदाबाजार के प्रतिनिधि मण्डल ने सर्किट हॉउस बलौदाबाजार पहुंचकर- पुष्पगुच्छ से स्वागत कर बधाई दी! एवं आने वाले 24 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम जिला आडिटोरियम बलौदाबाजार मे अतिथि के रूप मे निमंत्रण दिया एवं मंत्री ज़ी सहस्वीकार करते हुए कार्यक्रम मे आने सहमति प्रदान किया!!

क्षेत्रीय सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता में रायपुर जिला जनरल चैंपियन बना

पिथौरा, 20 जुलाई(देशबंधु)। पिथौरा में संभागीय सुब्रोतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग में 15वर्ष ,17वर्ष एवं बालिका वर्ग में 17वर्ष का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद विद्यालय पिथौरा के खेल मैदान में सम्पन्न हुआ।

उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ स्वामी आत्मानंद विद्यालय पिथौरा के प्राचार्य एम. डी .प्रधान एवं प्रतियोगिता के सह संयोजक सुधीर प्रधान द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टास करा कर किया गया ।इसमें संभाग के पांच जिलों जिसमें रायपुर,धमतरी,गरियाबंद ,बलौदा बाजार सहित मेजबान महासमुंद के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप भी जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद श्री विजय कुमार लहरें,सुश्री अंजली बरमाल जिला क्रीड़ा अधिकारी महासमुंद,श्रीमती लक्ष्मी डड़सेना,विकासखंड शिक्षा अधिकारी पिथौरा शिक्षा संचालक के ऑब्जर्वर बृजभूषण सिंह ठाकुर,संयुक्त संचालक कार्यालय से कुंतल बाघमार ,स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य एम.डी .प्रधान शासकीय रणजीत कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिथौरा के प्राचार्य बी.के.बघेल के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में बालक 17वर्ष फाइनल मैच में स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ रायपुर जिला रायपुर ने सेंट स्टीफन स्कूल जगदीशपुर जिला महासमुंद को,बालिका 17वर्ष में मायाराम सुरजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चौबे कॉलोनी रायपुर जिला रायपुर ने अजीत प्रेम जी शंकर दा स्कूल धमतरी जिला धमतरी को एवं बालक वर्ग 14 वर्ष में स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ रायपुर,जिला रायपुर ने सर्वोदय इंग्लिश मीडियम स्कूल धमतरी,जिला धमतरी को पराजित कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का हकदार बना ।विजेता एवं उप विजेता दलों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र अतिथियों के द्वारा प्रदान किया गया। उक्त प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार लहरें ने संबोधित करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए सभी खिलाड़ियों को खेल के महत्व को समझाया ।सभी आयोजन करता एवं खेल प्रशिक्षकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दिया। प्रतियोगिता में विकासखंड के खेल प्रभारी राजेश साहू,योगेश सोनवानी,नारायण गभेल,रमेश श्रीवास्तव,प्रदीप सिन्हा,हरीश निषाद,अन्नपूर्णा यादव,सदा राम ध्रुव,इंद्राणी भास्कर,जगत राम दिवान,सजन मिरी,हेमंत बारीक,गौरी शंकर पटेल, होरी लाल रजक,श्रीमती हेमकुमारी पटेल,पीयूष परोहा,रेशमलाल पटेल,मोहम्मद रफीक,युवराज,साकेत डड़सेना का विशेष योगदान रहा। समापन समारोह का संचालन सुधीर प्रधान ने किया।

वन प्रबंधन समिति धमनी के महत्वपूर्ण बैठक

पलारी, 20 जुलाई (देशबन्धु)। विगत दिनों वन प्रबंधन समिति धमनी के बैठक में वनमंडलाधिकारी गणवीर धर्मशील के माध्यम से सहायक परिक्षेत्र अधिकारी रोहासी प्रशिच्छु प0अ0 सिमरन साहु द्वारा नदी तट सौंदर्य एंव बांस के नाव निर्माण सहित पर्यटकों को आकर्षित करने वाले प्राकृतिक रुप से बनाए जाने पर कार्य आयोजना की रुपरेखा को अमलीजामा प्रदान करने प्रस्ताव पर सभी सदस्यों की राय ली गई है। तदानुसार धमनी वन विश्राम गृह के निकट महानदी में बेंबो राफ्टिंग के साथ पर्यटकों को आर्गेनिक भोजन उपलब्ध कराने मिट्टी के वर्तन में भोजन बनाने और रासायनिक खाद रहित नाश्ता चाय प्राकृतिक रूप से आवास में उपलब्ध कराए जाने पर प्रस्ताव को पारित किया गया है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच हरदयाल पैकरा, उपसरपंच मिनेंद यादव, जनपद सदस्य चंद्र कुमार पैकरा वृजभान यदु गिरिश यदु लाला राम पटेल, हिरेंन्द यदु मालिक राम यदु, ग्राम अध्यक्ष पिलाराम निर्मलकर, बहादुर पैकरा बिक्रम पैकरा दुलार पैकरा और वन प्रबंधन समिति धमनी के अध्यक्ष रामनारायण यादव सभी ने आकर्षित करने वाले प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया है।

प्रकाश रोहरा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के बने जिला ईकाई अध्यक्ष

गरियाबंद, 20 जुलाई(देशबंधु)। जिले के वरिष्ठ व्यापारी और सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले प्रकाश रोहरा को देश के सबसे बड़े व्यापारी संघ कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हे गरियाबंद जिला इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद प्रवीण खंडेलवाल की सहमति से की गई है। उनके साथ निखिल साहू कोषाध्यक्ष और अजय नागदेव को महामंत्री मनोनीत किया गया है। ज्ञात हो कि प्रकाश रोहरा को गरियाबंद के व्यापारिक जगत में एक अनुभवी, सशक्त और ईमानदार नेतृत्वकर्ता के रूप में जाना जाता है। वे कई वर्षों से गरियाबंद चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में व्यापारियों की समस्याओं का समाधान हुआ। विभिन्न सामाजिक व जनहित के कार्य भी हुए। व्यापारिक संगठनों में उनकी संगठनात्मक क्षमता और सक्रिय भूमिका हमेशा प्रशंसनीय रही है।

कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन एवं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र सिंह ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि रोहरा के नेतृत्व में गरियाबंद इकाई और अधिक मजबूत, संगठित और व्यापारी हितैषी बनेगी। रोहरा का अनुभव संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। वही नव-नियुक्त अध्यक्ष प्रकाशचंद रोहरा ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। मैं व्यापारिक समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करूंगा। व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण, उनके अधिकारों की रक्षा एवं संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हर संभव कार्य किया जाएगा। इधर, रोहरा की नियुक्ति से व्यापारी वर्ग में हर्ष का माहौल है। नगर के व्यापारी हरीश भाई ठक्कर, ललित पारख, लीलाराम सिन्हा, नंदरेश गुप्ता, गफ्फु मेमन, अजय दासवानी, विनय दासवानी, प्रकाश सर्वैय्या, केशव साहू, विजय सिन्हा, गोपाल सिन्हा, पूनम देवांगन, उमेश सिंह, सलीम मेमन, सूफियान मेमन, रोशन देवांगन, रिजवान मेमन, भावेश सिन्हा, ललित साहू, जूली मेमन, नितेश ठक्कर, योगेश देवांगन, उत्तम सोनी, लोकेश सिन्हा, प्रतीक तिवारी, खेम सिंह बघेल, प्रतीक सिंह, सहित कई व्यापारिक संगठनों व गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है।

"महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन"

कुरूद, 20 जुलाई(देशबंधु)। संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला- धमतरी (छ.ग.) में प्राचार्य डॉ.ए.के. मिश्रा के निर्देशन में जनभागीदारी समिति के तत्वाधान में श्री टिकेश साहू, मुख्य अतिथि अध्यक्ष जनभागीदारी समिति तथा जनभागीदारी समिति के सदस्यों के विशेष आतिथ्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसमें छोटे बड़े कदम, ताड़, बादाम, नीम, गुलमोहर, टिबिया रोज, पाम पे फोरम के 111 वृक्षों एवं पौधों को जनभागीदारी सदस्यों, डॉ. ओमजी गुप्ता एन.सी.सी. बी.पी.एड प्रभारी के देखरेख में एन.सी.सी. बी.पी.एड रेडक्रास, एन.एस.एस. इकाई- 01 एवं 02, वाणिज्य एवं वनस्पतिशास्त्र विभाग के छात्रों की सक्रिय भागीदारी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समिति के सदस्यों एवं छात्रों के द्वारा जनसमूहों में प्रकृति प्रेम की भावना विकसित करना, पर्यावरण संतुलन एवं वृक्षों के महत्व पर समाज का ध्यान आकर्षित कराना है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष श्री टिकेश साहू सहित भोजराज चन्द्राकर विधायक प्रतिनिधि, सूरज देवांगन सांसद प्रतिनिधि, शशांक कृदश्र, अविनाश शुक्ला, खेमराज सिन्हा, ममता साहू, अनुराधा साहू, मनीष सारथी, सुरेश वर्दायनी, टीकम कटारिया, लोमेश यादव, यदुनंदन साहू, टिकेश साहू (मिक्की), प्रो. डॉ. आर.के.पाण्डेय, संयोजक प्रो. एम.एस. साहू, विभागाध्यक्ष- भूगोल, सदस्य पवन कुमार ताम्रकार, विभागाध्यक्ष- वाणिज्य, एन.सी.सी. एवं बीपीएड प्रभारी डॉ. ओमजी गुप्ता, एन.एस.एस. प्रभारी विजय कुमार रा.से.यो. इकाई-01, सुश्री रेणु पाटले, रा.से.यो. इकाई-02, श्रीमती एस. घृतलहरे विभागाध्यक्ष- राजनीति विज्ञान, राकेश कुमार सोनकर विभागाध्यक्ष- रसायनशास्त्र, श्रीमती शिबा वंजारी, विभागाध्यक्ष- वनस्पतिशास्त्र, कृपा राम साहू विभागाध्यक्ष- भौतिकशास्त्र, कौस्तुभ तिवारी विभागाध्यक्ष- अंग्रेजी सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं प्राध्यापक शामिल हुए। निश्चित ही ऐसा कार्यक्रम भविष्य में छात्रों को वृक्षारोपण एवं प्रकृति प्रेम की भावना विकसित करेगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों ने शुभकामना एवं हर्ष व्यक्त किया।

"भूगोल विभाग की इंटर्नशिप पूर्ण"

कुरूद, 20 जुलाई(देशबंधु)। संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला- धमतरी (छ.ग.) के भूगोल विभाग के एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के निर्देशानुसार हर्ष नेचुरल फार्म भुसरेंगा तह.-कुरूद में दिनांक 23.06.2025 से 03.07.2025 तक 10 दिवसीय इंटर्नशिप पूर्ण किया। डॉ. ए.के.मिश्रा प्राचार्य संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला- धमतरी (छ.ग.) के निर्देशन में 10 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। 10 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत हर्ष नेचुरल फार्म के डायरेक्टर श्री हर्षवर्धन चन्द्राकर ने हार्टीकल्चर की सूक्ष्म तकनीकी, सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। परंपरागत कृषि से लेकर आधुनिक व्यावसायिक कृषि के विकास एवं इतिहास को रोचक तरीके से छात्र-छात्राओं को बताया। आपने इंटर्नशिप के दौरान हर्ष नेचुरल फार्म में हो रही गुलाब की कृषि जो कि पॉलीहाऊस के माध्यम से स्वयं अपने फार्म हाऊस में कर रहे हैं, इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही फार्म हाऊस में की जा रही लौकी, खीरे एवं करेला की कृषि को छात्र-छात्राओं को कृषि भूमि में ले जाकर विस्तार से जानकारी प्रदान की। आपने छात्र-छात्राओं को भविष्य में रोजगारोन्मुख कृषि की ओर प्रेरित करने के साथ कृषि के क्षेत्र में की जा रही नवीन तकनीक एयरोपोनिक्स एवं हाइड्रोपोनिक्स के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। हर्ष नेचुरल फार्म से गुलाब के फूल, लौकी, खीरा एवं करेला देश के विभिन्न राज्यों के मण्डी में पहुँचाई जा रही है।

इंटर्नशिप पूर्णता प्रमाण-पत्र का वितरण दिनांक 18.07.2025 को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हर्षवर्धन चन्द्राकर डायरेक्टर हर्ष नेचुरल फार्म ने किया। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. आर.के.पाण्डेय ने किया। इस कार्यक्रम में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष- एम.एस.साहू. एवं भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक- अमित टण्डन उपस्थित रहे।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर भूगोल के छात्र-छात्राएँ अखलेश कुमार ध्रुव, कु. दामिनी, कु. देवकी, धर्मेन्द्र साहू, कु. दीक्षा साहू, फागु राम, फलित कुमार, कु. गणिता, कमलेश कुमार, कु. केशरी, कु. खुशबू, कु. लोकेश्वरी, नवदीप साहू, कु. सरोजनी, कु. टामिन, कु. टीकेश्वरी ने सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूर्ण किया एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किया।

राहगीरों को चाकू दिखाकर लूटपाट करने वालों में एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा , एक फरार

सिमगा, 20 जुलाई(देशबंधु)। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुंजराम यादव उम्र 46 वर्ष निवासी महावीर वार्ड भाटापारा जो दिनांक 19. 7. 2025 के दोपहर 3.30 बजे थाना सिमगा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपने दोस्त राजू साहू के साथ ग्राम पौंसरी जाते हुए तिल्दा रोड में गैस गोदाम के पास रूका हुआ था तभी दो युवक अपने बिना नंबर की मोटरसाइकिल में आकर अचानक हमारे पास रूककर बटनदार चाकू निकालकर प्रार्थी बलराम यादव को जान से मारने का भय दिखाकर प्रार्थी से 2500 रूपये को लूट लिया है । कुछ देर उपरांत देशी शराब दुकान के चखना सेंटर में प्रार्थी अपने परीचित वाले को अपने साथ हुए घटना की जानकारी दे रहा था कि उसी समय लूट की घटना करने वालों में से एक युवक शराब दुकान के पास फिर से किसी व्यक्ति का पैसा रूपये निकालने की कोशिश करते समय वहां पर खड़े अन्य मदिरा प्रेमियों ने पकड़ लिया । उसके बाद प्रार्थी ने मदिरा प्रेमियों की आवाज सुनकर देखा तो वह तुरंत पहचान गया कि यह तो मेरे साथ अभी थोड़े समय पहले लूटपाट किया । पुलिस को जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर उक्त आरोपी को पकड़कर पूछताछ किया जहां उसने अपना नाम राहुल पंजवानी बताया तथा दूसरे साथी का नाम नानचून पटवा बताया पुलिस ने आरोपी के पास से 1500 रुपए नगद एवं एक बटनदार चाकू को जप्त कर प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 309 (4)25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है । तथा दूसरा आरोपी घटना के बाद से फरार

बोलबम कांवरियों की निकली भव्य शोभायात्रा

पिथौरा , 20 जुलाई(देशबंधु)। नगर में आज बोलबम कांवरिया समिति के द्वारा त्रिदिवसीय बोलबम कांवर यात्रा निकाली गई । यात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने कांवर यात्रियों का स्वागत कर जलपान कराया । नगर में विगत 34 वर्षों से बोलबम कांवर यात्रा निकाली जा रही है आज समिति अध्यक्ष आकाश अग्रवाल व समिति पदाधिकारियों , सदस्यों के मार्गदर्शन में पैदल बोलबम कांवर शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों में निकाली गई । जिसे दर्शन करने श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी उल्लेखनीय है इसके लिए प्रथम दिवस स्थानीय अग्रसेन धर्मशाला में कांवर यात्रा श्रद्धालुओं की एकत्रीकरण की जाती है दूजे दिन नगर से लगभग 25 किलोमीटर दूर देवधारा पहुँच जल धारण कर पैदल पिथौरा पहुँचते हैं जिसका श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह आत्मीय स्वागत कर जलपान की व्यवस्था करते हैं शाम स्थानीय कृषि उपज मंडी में एकत्रीकरण पश्चात संध्या आतिशबाजी और डीजे की धुनों में नाचते गाते पैदल कांवर यात्रियों का शोभायात्रा निकाली जाती है जो नगर भ्रमण पश्चात रात्रि विश्राम पश्चात सुबह पिथौरा से सिरपुर गंधेश्वर शिव लिंग में जलाभिषेक के लिये पैदल निकलते है और अगले दिन सुबह जलाभिषेक कर वापस पिथौरा लौटते हैं । आज ग्राम लहरौद निवासी ओम ट्रेडर्स द्वारा बोलबम कांवरिया श्रद्धालुओं के लिये जल पान की व्यवस्था की गई थी जहां हजारों की संख्या में कांवरियों सहित अन्य श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण बोलबम कांवरियां श्रद्धालुओ के जलपान बनाने व बाँटने के लिये ओम ट्रेडर्स परिवार जुटी रही साथ ही अन्य श्रद्धालु भी बोलबम कांवरियों की सेवा में जुटे रहे ।

सर्व युवा यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक

- **वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति दिया संदेश**

पलारी, 20 जुलाई (देशबन्धु)। सर्व युवा यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक सर्व यादव समाज प्रांताध्यक्ष रमेश यदु एवं युवा प्रदेशाध्यक्ष परमेश्वर यादव के निर्देश पर गायत्री मंदिर पलारी में युवा जिलाध्यक्ष उमेश यदु के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

बैठक में प्रमुख रूप से कार्यकारी अध्यक्ष बोधन यादव,कोषाध्यक्ष हरीश यादव, जिला महामंत्री राजकुमार यदु, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि भीम यादव, युवा प्रदेश महामंत्री लोकेश यदु,संगठन मंत्री प्रशांत यादव,प्रदेश कार्यकरणी सदस्य दिनेश यादव, भावेश यादव, प्राधिकृत अधिकारी मुन्ना यादव, आदि यादव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक संचालन ब्लाक अध्यक्ष पलारी मिनेंद्र यादव द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जी की आरती दीप प्रज्वलन कर बैठक प्रारंभ किया गया। समाज के सभी पदाधिकारी ने एकजूटता पर जोर देते हुए आगामी कार्यक्रम कृष्ण जन्माष्टमी गांव गांव में भव्य रूप से मनाने ब्लाक स्तर पर वृक्षारोपण प्रत्येक गांव से युवा सदस्य बनाने के पश्चात जिला स्तर एवं ब्लाक स्तर पर पदाधिकारियों का गठन का निर्णय लिया गया। साथ ही अलग अलग दिनों में ब्लॉक स्तर पर बैठक कर युवा नेतृत्व को आगे कर आगामी कार्यक्रम सुचारू रूप से क्रियान्वयन करने कहा गया। बैठक में जिले भर से युवा यादव समाज के प्रतिनिधि भाग लिए।

जिसमें प्रमुख रूप से गौतम यादव,मोहन यादव,आजूराम यादव ,हरिकीर्तन यादव, भूमेश, धेनुसेवक, रितेश यादव, रवि यादव, गिरीश यादव, हीरेंद्र यादव, जितेंद्र यदु, डाकेश यदु, सोनू यदु, मोहन यादव, रवि यादव, वेदप्रकाश यादव, रोहित यादव, अनूप यादव ,रंजीत यादव, चम्मन यादव, देवेंद्र यादव, सनातन यादव, दुर्गेश यादव, सुरेश यादव, धीरज यादव, संजय यादव, हर्षित यादव, सेवक यादव, त्रिलोक यादव, घनश्याम यादव ,गुंजन यादव ,भूपेंद्र यादव, कृष्ण कुमार यादव,अनूप यादव, सहित बड़ी संख्या में युवा यादव समाज लोग उपस्थित रहे।

फोटो बैठक में शामिल समाज के लोग

गौवंश की हत्या कर मांस को बिक्री करने वाले 3 आरोपी पुलिस के गिरफ्त में

बिलाईगढ 20 जुलाई(देशबंधु)। थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल मार्ग दर्शन में थाना सरिया के पुलिस स्टाफ के द्वारा बैल की हत्या कर मांस को बिक्री करने वालो पर कार्यवाही करने मे सफलता प्राप्त हुई ।अप0क्र0 158/2025 धारा- 4,5,10 छग कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 में दिनांक 19.07.2025 को प्रार्थी मनीष मालाकार पिता स्व केशव मालाकार उम्र 19वर्ष सा0 बाबाकुटी सारंगढ ने थाना उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पेश किया कि ग्राम परशरामपुर, महानदी पुल पास सरिया निवासी टिकेश्वर रात्रे, महेत्तर रात्रे, और हलधर सतनामी के द्वारा गौवंश की हत्या कर मांस को बिक्री करने के लिए काट रहा है की सूचना पर प्राप्त होने पर तत्काल हमराह स्टाफ के घटना स्थल जाकर आरोपीगणो- (1) टिकेश्वर रात्रे पिता फकीर रात्रे उम्र 30 वर्ष सा सरिया(2) हलधर सतनामी पिता लिंगा सतनामी उम्र 53 वर्ष सा सरिया (3) महेत्तर रात्रे पिता केने रात्रे उम्र 73 वर्ष सा जलगढ थाना सरिया को घेराबंदी कर उनके कब्जे से बैल का मांस और उसको काटने का हथियार जप्त किया गया है। आरोपीगणो के विरुद्ध पर्याप्त सबूत पाए जाने से दिनांक- 19.07.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सउनि मोतीलाल डनसेना प्र0आर0-सत्यम, सुरेंद्र सिदार , टीकाराम पटेल आरक्षक- श्रवण टंडन,प्यारे लाल , नर्मदा यादव, भागवत,खेमलाल चौहानएवं समस्त स्टाफ की प्रमुख भूमिका रही।

प्रादेशिकी का शेष...

स्वच्छता सर्वेक्षण में छग के...

इसके लिए स्वच्छता के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों के लिए नगरवासी नगर पालिका को सहयोग प्रदान करने की अपील भी की गई। स्वागत एवम अभिनंदन कार्यक्रम मे नगर बलौदाबाजार के मणिकंचन केंद्र में कार्यरत स्वच्छता दीदियों के द्वारा भी विमानतल पर स्वागत कार्यक्रम में शामिल हुये।

नयापारा पुलिस ने पकड़ी...

अपराध पंजीबद्ध कर आरोपि के विरूद्ध कार्यवाही किया गया ।कार्यवाही में थाना गोबरा नवापारा से सहायक उप निरीक्षक घनश्याम सुनील कश्यप, प्रधान आरक्षक 901 रंजीत साहू, आरक्षक 2554 कशान रजा, आरक्षक 467 हुलास साहू, की अहम भूमिका रही।

खरोरा धरसींवा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर भाजपा प्रतिनिधियों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से की सौजन्य भेंट

खरोरा, 20 जुलाई(देशबंधु)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल से खरोरा-धरसींवा क्षेत्र के भाजपा प्रतिनिधियों ने सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोदी विचार मंच के प्रदेश महासचिव डॉ. अब्दुल अमीन खान ने किया। डॉ. खान ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और किसानों की ओर से क्षेत्रीय समस्याओं को सांसद के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से किसानों से जुड़ी समस्याओं को रेखांकित करते हुए आग्रह किया कि खेती-बाड़ी से जुड़े किसी भी कार्य में किसानों को कोई कठिनाई न हो, इसका समुचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर किसान भाइयों के साथ-साथ महिला संगठन, भाजपा कार्यकर्ता एवं अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी बातें रखीं और सांसद से सहयोग की अपेक्षा जताई। श्री अग्रवाल ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस मुलाकात को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया और आशा जताई कि सांसद महोदय के मार्गदर्शन में क्षेत्र की लंबित समस्याओं का समाधान शीघ्र होगा।

डोकरीडीह स्कूल में बाल कैबिनेट का गठन एवं शपथ ग्रहण

- **गौरव यादव और शारदा साहू बने प्रधानमंत्री**

बिलाईगढ 20 जुलाई(देशबंधु)। शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला डोकरीडीह में बाल कैबिनेट का गठन किया गया ।शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में बाल कैबिनेट के अंतर्गत प्रधानमंत्री गौरव यादव ,उप प्रधानमंत्री देविका यादव ,शिक्षा मंत्री यामिनी साहू हिमांशी यादव, स्वास्थ्य मंत्री संगीता विश्वकर्मा दीपिका यादव ,जल मंत्री लोकेश विश्वकर्मा रूपेश मनहर ,पुस्तकालय सिमरन ,सांस्कृतिक मंत्री जागृति यादव चित्रलेखा, खेल मंत्री वर्षा साहू ,रक्षा मंत्री महेश्वर साहू जिज्ञासा यादव ,बागवानी कृषि मंत्री चंद्र कुमार संजीत, स्वच्छता मंत्री दृष्टि साहू हरिशंकर साहू, खोया पाया डीकेश योगेंद्र तथा कक्षा प्रतिनिधियों में कक्षा छठवीं कक्षा नायक रेखा यादव ,उपकक्षा नायक रिहंत यादव ,कक्षा सातवीं कक्षा नायक पूजा साहू उपकक्षा नायक महेंद्र यादव, कक्षा आठवीं कक्षा नायक प्रेमानंद विश्वकर्मा उपकक्षानायक नंदनी यादव को बनाया गया है इसी तरह प्राथमिक विभाग में प्रधानमंत्री शारदा साहू ,शिक्षा मंत्री आकांक्षा यादव ,स्वास्थ्य मंत्री पिया लहरें ,रक्षा मंत्री योगेश कुमार ,जल मंत्री आरूही यादव, संस्कृति मंत्री काजल यादव ,खेल मंत्री विक्रम विश्वकर्मा ,कृषि मंत्री तिलेश्वर यादव ,पुस्तकालय मंत्री शिभय यादव तथा स्वच्छता मंत्री रूपेश कुमार यादव को बनाया गया है ।उक्तशय की जानकारी देते हुए बाल कैबिनेट प्रमुख शिक्षक महेत्तर लाल देवांगन ने बताया कि सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।तथा सभी को अपने अपने पद व प्रतिष्ठा के अनुरूप कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी गई ।इस अवसर पर प्रधानपाठक मिडिल श्रीमती साधमति मिरी, प्राथमिक प्रधानपाठक चौथ राम कैवार्य, शिक्षक कमल देवांगन,महेत्तर लाल देवांगन, कोमल साहू एवं एस एम सी के अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रविवार को भूतेश्वर नाथ मंदिर मार्ग में घंटों रहा जाम श्रद्धालुओं को करना पड़ा परेशानी का सामना

भूतेश्वरनाथ मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण और मंदिर के पास समुचित पार्किंग व्यवस्था की मांग

गरियाबंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। सावन मास के रविवार को भगवान शिव के दर्शन के लिए भूतेश्वर नाथ मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भारी जाम का सामना करना पड़ा। गरियाबंद से भूतेश्वर नाथ तक के मार्ग में घंटों तक वाहनों की लंबी कतार लगती रही। जिससे इस मार्ग से आवाजाही करने वाले लोगो और श्रद्धालुओं जाम में फंस गए। श्रद्धालुओं के अनुसार केवल 3 किलोमीटर की दूरी तय करने में डेढ़ घंटे से अधिक समय लग गया।

मालूम हो कि भूतेश्वर नाथ मंदिर में विराजमान विशाल प्राकृतिक शिवलिंग को देखने हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। विशेषकर सावन के हर रविवार को हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क और वहां की बुनियादी सुविधाएं अब भी उपेक्षा का शिकार हैं।

इस मार्ग पर नेशनल हाईवे से पारागांव रोड में गरियाबंद नगर पालिका की सीमा तक गौरव पथ का निर्माण हुआ है, जिससे शुरुआत में मार्ग तो सुगम है, लेकिन गौरव पथ खत्म होते ही भूतेश्वर नाथ मंदिर तक करीब 2 किलोमीटर लंबी सड़क बेहद संकरी हो जाती है। सड़क दोनों ओर खेत है। बीच-बीच में सड़क किनारे दुकान है। अधिकतम भीड़ होने सड़क पूरी तरह जाम हो जाती है। वाहन चालकों को वाहन मोड़ने तक की जगह नहीं मिलती।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतने प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पर आज तक पार्किंग की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। श्रद्धालुओ को डेढ़ किमी पहले पारागांव में रोक दिया जाता है। जिससे श्रद्धालुओ को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गो के लिए और बुरी परिस्थिति बन जाती है। मंदिर तक पहुंचने कठिनाई का सामना करना पड़ता है। श्रद्धालुओ की मांग है कि कम से कम मंदिर के 300 मीटर के दायरे में पार्किंग स्थल बनाया जाए। जिससे महिलाओं और बुजुर्ग के आने जाने तो व्यवस्था हो।।

यहां आए एक श्रद्धालु ने बताया कि वह सुबह 9 बजे गरियाबंद से निकलीं और मंदिर पहुंचने में करीब डेढ़ घंटे लग गए। उन्होंने कहा कि दर्शन के लिए जितना समय नहीं लगा, उससे ज़्यादा समय सड़क जाम में फंसने में लग गया। स्थानीय दुकानदार गिरधारी सिन्हा का कहना है कि भीड़ के कारण ग्राहको को भी परेशानी होती है। दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन यदि पार्किंग की समुचित व्यवस्था करें, तो सड़क पर इतना दबाव नहीं बनेगा।

मालूम हो कि यह स्थिति पहली बार नहीं बनी है। पिछले तीन साल से सावन मास में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद न सड़क चौड़ी की गई और न ही पार्किंग स्थल बनाया गया। स्थानीय सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने कई बार प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया, लेकिन कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

उल्लेखनीय है कि भूतेश्वर नाथ मंदिर की ख्याति अब सिर्फ गरियाबंद जिले तक सीमित नहीं रही। यह प्रदेशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की कमी प्रशासन की गंभीर उदासीनता को दर्शाती है। सड़क चौड़ीकरण और पार्किंग स्थल निर्माण जैसे आवश्यक कार्य भी लंबित है।।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि यह सिर्फ श्रद्धालुओं की नहीं, पूरे जिले की प्रतिष्ठा से जुड़ा सवाल है। भूतेश्वर नाथ मंदिर को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अटकलें सुनने में मिलती है। लेकिन यदि आधारभूत सुविधाएं ही न हों, तो श्रद्धालु असुविधा झेलने को मजबूर होंगे।

देर रात एसपी का औचक निरीक्षण

तिल्दा नेवरा थाना में सख्ती और भरोसा, जनता को मजबूत पुलिस सेवा का आश्वासन

तिल्दा नेवरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। रात करीब 10 बजे की खामोशी को तोड़ते हुए रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद्र सिंह अचानक तिल्दा नेवरा थाना पहुंचे। उनका यह औचक दौरा जनता को बेहतर पुलिस व्यवस्था दिलाने और थाने की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किया गया। एसपी की मौजूदगी से पूरे थाने में हलचल मच गई और पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क होकर अपनी.अपनी जिम्मेदारियों में जुट गए। डॉ सिंह ने निरीक्षण के दौरान थाना परिसर के हर हिस्से का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने रिकॉर्ड रजिस्टर ड्यूटी चार्ट और लंबित प्रकरणों की फाइलों की गहन जांच की। गश्ती दल के वाहनोंए वायरलेस सेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि हर फरियादी की शिकायत का तत्काल समाधान हो और गश्ती व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई न हो। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि थाना प्रभारी किसी कारणवश मौके पर मौजूद नहीं थे। इस पर डा सिंह ने स्पष्ट किया कि थाने की जिम्मेदारियां किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए और प्रबंधन को और बेहतर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मौके पर मौजूद पत्रकारों ने जब तिल्दा नेवरा थाने में स्टाफकी कमी का मुद्दा उठायाए तो डॉ सिंह ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहाए श्नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्टाफकी कमी को दूर करके पुलिस सेवा को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा ताकि गश्त और शिकायतों के निपटारे की गति तेज हो सके। डॉ सिंह ने अंत में सभी पुलिसकर्मियों को यह संदेश दिया कि रायपुर जिले में कानून व्यवस्था को लेकर कोई भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहाए श्जनता की सुरक्षा हमारी पहली जिम्मेदारी है और हर पुलिसकर्मी को पूरी ईमानदारी और तत्परता से अपने कर्तव्य निभाने होंगे।

तिल्दा में प्रथम सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

तिल्दा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद तिल्दा के सभी वार्डो में बनने वाले सामुदायिक भवनों में दस लाख रूपये की लागत से बनने वाले प्रथम भवन के भूमि पूजन का कार्यक्रम वार्ड क्र 2 ओवरब्रिज के पास सासाहोली मे सम्पन्न हुआ

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष श्री मति चंद्रकला डॉ खुमान वर्मा एनगर पालिका उपाध्यक्ष श्री मति पलक विकास सुखवानी एभाजपा रायपुर ग्रामीण महामंत्री अनिल अग्रवाल भाजपा रायपुर ग्रामीण उपाध्यक्ष राम पंजवानी जी एनगर पालिका सभापति ईश्वर यदु मण्डल अध्यक्ष मनोज निषाद महामंत्री सौरभ जैन एपार्षद दिनेश साहू राजकुमार गेंड्रे एअरविन्द वर्मा एनविन केशरवानीतथा विनोद नेताम पार्षद वार्ड 02 के साथ कार्यक्रम में ग्राम जनप्रतिनिधिगण ए अधिकारी कर्मचारी गण एभाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एभारी संख्या में वार्ड वासी उपस्थित रहे

स्वामी आत्मानंद विद्यालय कोमाखान के चार छात्रों ने बढ़ाया विद्यालय का मान

बागबाहरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। कोमाखान क्षेत्र के 4 छात्रों का प्रयास एवं नवोदय विद्यालय में चयन होने पर अंचल में हर्ष व्याप्त है। इन होनहार छात्रों ने क्षेत्र का नाम रोशन कर गौरवान्वित किया है। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय कोमाखान की नींव दो वर्ष पूर्व डाली गई थी। तब से निरंतर विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। बता दे कि इस वर्ष अंग्रेजी माध्यम का बोर्ड परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा है। सेजेस कोमाखान में सत्र 2024-25 में अध्ययनरत कक्षा 5 वी और कक्षा 8 वी के अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के चार छात्रों का इस वर्ष प्रयास आवासीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। कक्षा 5 के प्रतीक सेन पिता पीतांबर सेन का छिंदपाली सरायपाली में, मनीष दीवान पिता स्वर्गीय जामसिंह दीवान का कांकेर, मयंक देवांगन पिता वेदनाथ देवांगन कोरबा, अमित सिंह राजपूत हिंदी माध्यम मीडिल स्कूल का बिलासपुर में चयन हुआ है। इन सभी छात्र छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ है। विद्यालय के शाला विकास समिति अध्यक्ष हिरेंद्र उपाध्याय, सरपंच श्रीमती जवां बाई ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष व सदस्य नितिन जैन, आशीष वाकडे पूर्व सरपंच, गुलजार खान पूर्व अध्यक्ष, प्रदीप यादव विधायक प्रतिनिधि, युवा समाजसेवी व सदस्य पंकज जैन, पालक सदस्य वाजिद खान, नरेंद्र पटेल, भीमा साहू सहित विद्यालय के प्राचार्य हीरासिंग नायक, उप प्राचार्य अनिरुद्ध साहू, प्रधानपाठक रविन्द्र राज सिंह ठाकुर, देवानंद वेदव्यास, ऋतुराज साहू, रवि ध्रुव, रूपाली साहू के साथ सभी शिक्षकों ने छात्रों की इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

गत वर्ष भी एक छात्र का नवोदय विद्यालय और एक का प्रयास विद्यालय में चयन हुआ था।

छात्रों के इस शानदार प्रदर्शन से पालकों और शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है।

गुड़, शक्कर और बेसन का मिज़ाज गर्म

खुदरा बाजार की बढ़ रही परेशानी

भाटापारा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। स्वाद और सुगंध तो शांत है लेकिन मिठास ने जैसी गर्मी दिखाई हुई है, उससे अब खुदरा बाजार की परेशानी बढ़त की राह पर है क्योंकि सीजन ने दस्तक दे दी है।

रक्षाबंधन से दीप पर्व। इस दौरान खूब बिकते हैं स्वाद और सुगंध देने वाले एसेंस। मौका गुड़, शक्कर और बेसन का भी होता है लेकिन तीनों की कीमत जिस अनुपात में बढ़ रही है, उसने उपभोक्ताओं के साथ बाजार की भी कमर तोड़ कर रख दी है।

गुड़ गर्म, शक्कर शांत: मांग के अनुरूप गुड़ उत्पादकों को गन्ना नहीं मिला। इसलिए गुड़ उत्पादन में शुरू से अंत तक बाधा बनी रही। असर तेज कीमत के रूप में आज सामने है। उत्तर प्रदेश का गुड़ 60 से 65 रुपए और महाराष्ट्र का गुड़ 65 से 75 रुपए किलो पर पहुंचकर आगे भी तेजी का संकेत दे रहा है क्योंकि अब भंडारित गुड़ की आवक हो रही है जबकि शक्कर 42 से 48 रुपए किलो पर शांत है।

तेज यह तीनों: मांग पूरे साल रहती है लेकिन रक्षाबंधन से दीपावली के बीच दोगुनी के करीब हो जाती है। इसलिए बेसन 85 से 100 रुपए किलो पर पहुंच गया है क्योंकि नमकीन बनाने वाली इकाइयों की डिमांड निकल रही है। पीछे सूजी भी नहीं है?। इसने 40 से 70 रुपए किलो जैसी कीमत के साथ हैरत में डाला हुआ है। अलबत्ता आटा 35 से 50 रुपए किलो पर ठहरा हुआ है।

20 रुपए में 35 एम एल: शरबत का सीजन ऑफ। मिठाइयों के दिन आए। स्वीट कॉर्नरों की खरीदी चालू हो चुकी है स्वाद और सुगंध देने वाले एसेंस में। गुलाब, केवड़ा, अनानास, आम, संतरा और मिक्स फ्रूट के एसेंस की खरीदी सिर्फ 20 रुपए में की जा सकेगी। मात्रा 35 मिली लीटर की है। फिलहाल डिमांड गुलाब और केवड़ा में निकली हुई है। अन्य में मांग छिटपुट ही है।

चातुर्मास में सृष्टि का संचालन करते हैं भूतभावन भगवान भोलेनाथ : आचार्य पवन

आरंग, 20 जुलाई (देशबन्धु)। शिव जी की आराधना का महापर्व श्रावणी उत्सव की पूर्व संध्या पर आयोजित एक दिवसीय धर्म सभा को संबोधित करते हुए भागवत प्रवक्ता पं छत्रधर दीवान ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी घर परिवार में सामंजस्य कैसे हो यह हमें भगवान शिव जी के परिवार से सीख लेनी चाहिए शिव जी का वाहन नंदी पार्वती जी का वाहन सिंह है इसी तरह गणेश जी की सवारी मूषक व कार्तिकेय जी की सवारी मोर है फिर भी परिवार में कोई कलह नहीं भूतभावन भोलेनाथ के परिवार में पशु भी हिंसा का त्याग कर आपस में सद्भाव व प्रेम से रहते हैं उन्होंने आगे कहा कि देश के मुखिया को शिव जी की तरह होना चाहिए जो स्वयं विषपान कर समाज को अमृत बाटे इस कड़ी में सत्यम दीवान ग्रुप ने रसमयी भजनों की प्रस्तुति दी भजन संध्या में ऑर्गन पर दीपक साहू पैड पर कमलेश पटेल तबले पर सन्नी देवदास संगत कर रहे थे वही रत्नेश व अनमोल ठाकुर कोरस कर रहे थे श्रद्धालु गण भजनों की रसमयी धारा में डुबकी लगाते रहे शिक्षा से केवल भौतिक उन्नति होती है किंतु सत्संग व अच्छे संस्कारसे आध्यात्मिक उन्नति होती है अत: शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है आचार्य श्री ने बताया कि संस्कार विहीन शिक्षा से युवा पीढ़ी दिशा हीन हो जायेगी इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने मे समिति के प्रमुख दाऊ हेमराम चंद्राकर थानसिंग चंद्राकर अरुण साहू हेमनाथ साहू तुलसी दीनबंधु साहू वासुदेव साहू का सराहनीय सहयोग रहा इस उत्सव में रसनी आरंग कुकरा देवरी बैहार नांदगांव आरंग के साधकों ने भाग लिया संध्या आरती प्रसाद वितरण पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। जानकारी सीताराम साहू कुकरा ने दी है।

वेद माता गायत्री गौशाला परिसर में रोपे 50 पौधे

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। गायत्री गौशाला में महिला मंडल द्वारा 55 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण ग्राम भलेसर स्थित श्री वेद माता गायत्री गौशाला परिसर में गायत्री शक्तिपीठ महासमुंद की महिला मंडल द्वारा रोपे। इस अवसर पर जिसमें आंवला, बादाम, बेल, कदम, काजू, कटहल, आम, जामुन, नींबू, मोसंबी, अमरूद, रामफल आदि शामिल है। साथ ही बरगद पीपल नीम पारिजात कचनार गुड़हल बौहार जैसे छायादार एवं औषधीय महत्व के पौधों का भी रोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत तारु पुत्र मित्र योजना के अंतर्गत पौधों की विधिवत पूजन एवं सामूहिक साधना की गई। कार्यक्रम में श्रीमती पूर्णिमा साहू, श्रीमती लक्ष्मी, नीतू साहू भगवती साहू, करुणा ध्रुव, शारदा प्रजापति, धनेश्वरी वर्मा, निशा चंद्राकर, चंद्रकला साहू, प्रेमलता साहू, कुंती यादव, श्रीमती मीना नायक, श्रीमती राम कुमारी नाग देवे, धनीराम चक्रधारी, गौशाला प्रबंधन सीताराम सोनी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी रविकांत चंद्राकर ने दी है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 118वां स्थापना दिवस फॉर्च्यून नेत्रहीन स्कूल में मनाया

बेडशीट, ब्रेल पेपर प्रदान कर पौधारोपण किया गया

बागबाहरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। बैंक ऑफ बड़ौदा पिथौरा शाखा ने अपना 118 वां स्थापना दिवस बागबाहरा विकासखंड के फॉर्च्यून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापट पर बागबाहराकला में विद्यार्थियों के साथ मनाया। बैंक के ब्रांच मैनेजर मोहित कुमार ध्रुव अपने ऑफिस स्टाफ मायाराम यादव एवं जितेंद्र कुमार नेताम के साथ फॉर्च्यून नेत्रहीन विद्यालय पहुंचकर संस्था के डायरेक्टर निरंजन साहू एवं स्टाफ की उपस्थिति में विद्यार्थियों के साथ कुछ समय बिताए। तथा विद्यार्थियों को बैंक ऑफ बड़ौदा के सीएसआर फंड से बेडशीट, ब्रेल पेपर भेंट किए। जो विद्यार्थियों को लिखने में नोटबुक बनाने का काम आयेगा। इस तरह टीचिंग लर्निंग मटेरियल प्रदान किया गया। तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु 3 नीम पौधों का रोपण किया गया। ब्रांच मैनेजर मोहित कुमार ध्रुव ने विद्यार्थियों की ब्रेल लिपि पठन पाठन, गीत संगीत, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों से तथा परिसर की हरियाली स्वच्छता से अत्यंत प्रभावित हुए। तथा फॉर्चून नेत्रहीन संस्थान की सराहना की। विद्यार्थियों को अच्छी तरह पढ़ाई लिखाई कर अच्छे नागरिक बनने प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था के संस्थापक सदस्य डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधन को इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनभावनाओं को ध्यान में रखकर प्लांट के सभी अवैध कार्य बंद कराए प्रशासन: निखिलकांत

महासमुंद, 20 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने खैरझिटी स्थित करणीकृपा पावर प्लांट प्रबंधन के अनैतिक कार्यों के विरूद्ध क्षेत्र के ग्रामीणों व किसानों के विरोध को जायज ठहराते हुए कहा कि किसानों के मांग अनुरूप तत्काल प्रशासन को कार्रवाई करना चाहिए। जनता से बड़ा कोई प्लांट, फैक्ट्री या कंपनी नहीं होता। जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्लांट के सारे अवैध गतिविधियों पर प्रशासन को अंकुश लगाना चाहिए। श्री साहू ने कहा कि लगातार यह देखने में आ रहा है कि करणी कृपा पावर प्लांट द्वारा विरोध व आपत्ति के बाद भी अपनी मनमानी की जा रही है। पहले कोडार बांध से करणी कृपा प्लांट को पानी देने की सुगबुगाहट के बाद इसका भारी विरोध हुआ। अब गोपालपुर एनीकेट से पंचायत के बिना अनुमति करणी कृपा पावर प्लांट को पानी दिये जाने का विरोध क्षेत्र के ग्रामीण व किसान कर रहे हैं। इसके लिए मनमानी पूर्वक प्लांट प्रबंधन द्वारा पाइप लाइन बिछाकर क्षेत्र में अशांति फैलाने का काम किया जा रहा है। नपाध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि करणी कृपा पावर प्लांट के अनैतिक कार्यों के विरूद्ध सत्याग्रही किसान संगठन विगत 3.4 सालों से धरना आंदोलन कर रहे हैं। समय.समय पर प्लांट के अवैध कार्यों का किसान जमकर विरोध भी करते हैं। लेकिन, किसानों को प्रशासन का सहयोग नहीं मिलने से करणी कृपा प्लांट अपनी मनमानी पर उतर आता है। किसानों का यह भी आरोप है कि प्लांट प्रबंधन ने कई किसानों की जमीन पर कब्जा भी किया है। गोपालपुर एनीकेट से गोपालपुर के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है। यदि यहां का पानी एनीकेट को दे दिया जाएगा तो किसानों को पानी नहीं मिलेगा। बिना पंचायत प्रस्ताव के गुपचुप तरीके से पानी ले जाने के लिए प्लांट द्वारा मनमानी किया जा रहा है। जिस पर किसानों व ग्रामीणों का विरोध बिलकुल जायज है। श्री साहू ने कहा कि करणी कृपा पावर प्लांट की मनमानी से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में आक्रोश है। प्लांट द्वारा अवैध रूप से सड़क निर्माण, पर्यावरण प्रदूषण और किसानों के रास्ते रोकने जैसे आरोप लग रहे हैं। इसके अलावा प्लांट में लगातार हो रही दुर्घटनाओं और श्रमिकों की मौतें भी चिंता का विषय है। इन घटनाओं से क्षेत्र में आक्रोश है और किसान प्लांट प्रबंधन के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। श्री साहू ने प्रशासन पर क्षेत्र के ग्रामीणों व किसानों की उपेक्षा करते हुए प्लांट प्रबंधन के हित में कार्य करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जनता से बड़ा कोई कंपनी, फैक्ट्री नहीं हो सकता। जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्लांट के सारे अनैतिक कार्यों को बंद कराया जाए।

दीपक वर्मा ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या, परिजनों ने किया जांच की मांग

कसडोल/बलौदाबाजार, 20 जुलाई (देशबन्धु)। समीपस्थ ग्राम पंचायत छाछी निवासी विनोद कुमार वर्मा के पुत्र दीपक वर्मा उम्र 20 वर्ष ने शनिवार को दोपहर करीब 3 बजे फांसी लगाकर आत्म हत्या कर लिया। जिसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पंचनामा एवं पोस्ट मार्टम पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने रविवार को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर पुलिस से जांच की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी योगिता बाली खापर्डे से संपर्क करने पर कहा कि उक्त प्रकरण में जांच कार्यवाही की जा रही है।

खपरी खुर्द में सब इंस्पेक्टर विकास देशमुख की कार्रवाई

जुआ अड्डा पकड़ा गया सात आरोपी गिरफ्तार

तिल्दा-नेवरा, 20 जुलाई (देशबन्धु)। तिल्दा नेवरा के दबंग सब इंस्पेक्टर विकास देशमुक ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की जो स्थानीय समुदाय के लिए एक सख्त संदेश है। उन्होंने मुख्य मार्ग स्थित गौठान ग्राम खपरी खुर्द में एक अवैध जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 52 पत्ती तास और 7720 रुपए की जुआ रकम जप्त की इस कार्रवाई में 7 आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया जिनमें शामिल हैं नरेंद्र निषाद पिता कलीराम निवासी मोहगांव, देव कुमार वर्मा पिता चैत राम, निवासी खपरी खुर्द मनसा राम, पिता बंसीलाल निवासी खपरी खुर्द, रामलाल पटेल, पिता गंगाराम निवासी खपरी खुर्द, सुरेश यादव पिता बृजलाल, निवासी खपरी खुद बबलू साहू पिता रामकिशोर निवासी खपरी खुर्द, श्यामलाल नेताम पिता जगन्नाथ निवासी खपरी खुर्द, सब इंस्पेक्टर विकास देशमुक ने यह स्पष्ट किया कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और कानून का पालन कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सख्त कार्रवाई से जुआवालों में डर बैठता है और वे भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहते हैं। इस तरह की कार्रवाई से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है और कानून का पालन सुनिश्चित होता है।